THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 338 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) फाल्गुन शु.1/2 2079 मंगलवार, 21 फरवरी 2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

चुनाव चिह्न शिंदे गुट को देने के खिलाफ याचिका

सुप्रीम कोर्ट ने कहा-मंगलवार को मेंशन करें

नई दिल्ली, 20 फरवरी (एजेंसियां)। शिवसेना का नाम और चुनाव चिह्न शिंदे गुट को दिए जाने के खिलाफ सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में याचिका का जिक्र किया गया। उद्धव गुट के वकील ने चुनाव आयोग के फैसले को चुनौती देते हुए इस मामले पर सुनवाई की मांग की। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने वकील को इस मामले को आज मेंशन करने के लिए कहा है।

वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बेंच के सामने ठाकरे के नेतृत्व वाले गुट की याचिका को जल्द सूचीबद्ध करने के लिए पीठ के समक्ष मामले का उल्लेख किया।

हालांकि, सीजेआई ने इस मामले पर कोई भी आदेश पारित करने से इनकार कर दिया। बेंच ने कहा, नियम सभी पर समान रूप से लागू होता है। कल उचित प्रक्रिया के माध्यम से आएं।

शिंदे गुट पहले ही पहुंचा सुप्रीम कोर्ट :

गौरतलब है कि उद्धव ठाकरे के हाथ से शिवसेना की कमान, उसका नाम और चुनाव चिह्न छीनने के बाद एकनाथ शिंदे भी शांत नहीं बैठे हैं। शिवसेना को लेकर चुनाव आयोग के फैसले को कायम रखने के लिए वह हर एक चाल चल रहे हैं, जो उनके लिए जरूरी है। एक दिन पहले ही शिंदे गुट की ओर से सुप्रीम कोर्ट में कैविएट याचिका दायर की गई थी।

इस याचिका में कहा गया है कि चुनाव आयोग के फैसले को चुनौती देने के लिए उद्धव गुट सुप्रीम कोर्ट के समक्ष गुहार लगा सकता है। ऐसे में इस मामले में कोई भी फैसला सुनाने से पहले शीर्ष अदालत महाराष्ट्र सरकार की दलील को भी सुने।

पार्टी और निशान छिनने पर उद्धव बोले, अब जंग शुरू :

उद्धव ठाकरे ने शनिवार को अपने समर्थकों से कहा था कि गली-गली में जाकर लोगों को बताइए कि पार्टी का चुनाव चिह्न तीर-कमान चोरी हो गया है। सीएम एकनाथ शिंदे पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा था कि चोर को सबक सिखाने की जरूरत है।

वह पकड़ा गया है। मैं चोर को तीर-कमान लेकर मैदान में आने की चुनौती देता हूं और हम एक जलती हुई मशाल से उसका मुकाबला करेंगे।

शिंदे गुट का शिवसेना के असेंबली ऑफिस पर दावा

उद्धव बोले-सिंबल छीना लेकिन ठाकरे नाम कोई नहीं छीन सकता

नई दिल्ली/मुंबई, 20 फरवरी (एजेंसियां)। शिवसेना नाम और तीर-कमान सिंबल मिलने के बाद अब शिंदे गुट ने महाराष्ट्र असेंबली में बने शिवसेना के ऑफिस पर दावा ठोका है। शिंदे गुट के विधायकों ने ऑफिस को अपने अधिकार में ले लिया। इस पर उद्धव ठाकरे ने कहा, हमारी पार्टी का नाम और चुनाव चिन्ह छिन गया है, लेकिन ठाकरे नाम कोई नहीं छीन सकता। चुनाव आयोग को भंग कर देना चाहिए।

उद्धव ने कहा, चुनाव आयोग के फैसले के खिलाफ हमने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। महाराष्ट्र में जो कुछ चल रहा है अगर उसे नहीं रोका गया तो 2024 का लोकसभा चुनाव देश का आखिरी चुनाव हो सकता है। इसके बाद यहां तानाशाही चलेगी। इधर, सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को शिवसेना का नाम-निशान शिंदे गुट को देने के खिलाफ उद्धव गुट की याचिका पर तत्काल सुनवाई करने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने आज फिर से याचिका दाखिल करने को कहा है।

उद्धव ठाकरे ने मुंबई के शिवसेना भवन में अपने विधायकों की बैठक बुलाई। जहां उनके समर्थकों ने शिंदे गुट और चुनाव आयोग के खिलाफ नारेबाजी की। मुंबई के शिवसेना भवन में उद्धव गुट की मीटिंग से पहले शिंदे गुट के नेता सदा सर्वंकर ने कहा कि हम किसी प्रॉपर्टी पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। न सिर्फ सेना भवन, बल्कि हमारे लिए पार्टी की

हर शाखा एक मंदिर है। उद्धव गुट की याचिका में कहा गया कि चुनाव आयोग ने विवाद के निपटारे का आधार पार्टी के 1999 के संविधान को बनाया। जबकि 2018 में पार्टी के संविधान में संशोधन किया गया था। 2018 के संविधान के तहत शिवसेना अध्यक्ष पार्टी में सर्वोच्च होंगे। पार्टी से किसी को निकालने, बैठक करने या पार्टी में किसी को भी शामिल करने का आखिरी फैसला पार्टी अध्यक्ष का ही होगा।

उद्धव के 'मोगैम्बो' वाले तंज पर भाजपा का पलटवार

मुंबई, 20 फरवरी (एजेंसियां)। चुनाव आयोग द्वारा शिंदे गुट को असली शिवसेना की मान्यता देने और चुनाव चिह्न धनुष बाण देने के बाद से उद्धव ठाकरे गुट में बैठकों और मंथन का दौर चल रहा है। रविवार को बैठक के बाद शिवसेना (यूबीटी) के नेता उद्धव ठाकरे ने केंद्रीय मंत्री अमित शाह पर निशाना साधा था। इसके लिए उन्होंने 1980 के दशक की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'मिस्टर इंडिया' के खलनायक 'मोगैंबो' की तुलना अमित शाह से की थी। उद्धव ने शाह को संदर्भित करते हुए कहा था कि अब 'मोगैंबो खुश हुआ'। इसके एक दिन बाद भारतीय जनता पार्टी ने उद्धव पर पलटवार किया है।

भाजपा ने कहा कि वह खुद मिस्टर इंडिया बन गए हैं। चुनाव आयोग के फैसले का शाह द्वारा स्वागत किए जाने पर पलटवार करते हुए उद्धव ठाकरे ने रविवार को तंज कसते हुए कहा कि कहा था, 'मोगैंबो खुश हुआ'। वहीं, अब भाजपा ने पलटवार करते हुए कहा कि उद्धव ठाकरे भाजपा नेतृत्व को 'मोगैम्बो' बता रहे हैं। वह यह समझने में फेल हो गए हैं कि वह खुद 'मिस्टर इंडिया' बन गए हैं।

गृहमंत्री अमित शाह को धमकी

जो हश्र इंदिरा गांधी का हुआ वही अमित शाह का होगा

अमृतसर, 20 फरवरी (एजेंसियां)। खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को इशारों-इशारों में धमकी दी है। अमृतपाल ने सोमवार को पंजाब के मोगा जिले के बुधसिंह वाला गांव में कहा, जो हश्र इंदिरा गांधी का हुआ, वही अमित शाह का भी होगा। अमृतपाल पंजाबी सिंगर दीप सिद्धू की बरसी कार्यक्रम में शामिल होने आया था। वह वारिस पंजाब दे संगठन का प्रमुख है, जिसे दीप सिद्धू ने ही बनाया था।

दरअसल, अमित शाह ने कुछ दिन पहले कहा था कि पंजाब में खालिस्तान समर्थकों पर हमारी नजर है। अमृतपाल से शाह के बयान को लेकर सवाल किया गया था। इस पर अमृतपाल ने कहा कि शाह को कह दो कि पंजाब का बच्चा-बच्चा खालिस्तान की बात करता है। जो करना है कर ले। हम अपना राज मांग रहे हैं, किसी दूसरे का नहीं। 500 साल से हमारे पूर्वजों ने इस धरती पर अपना खून बहाया है। कुर्बानी देने वाले इतने लोग हैं कि हम उंगलियों पर नहीं गिना सकते। इस धरती के दावेदार हम हैं। इस दावे से हमें कोई पीछे नहीं हटा सकता। न इंदिरा हटा सकी थी और न ही मोदी या अमित शाह हटा सकता है। दुनिया भर की फौजें आ जाएं, हम मरते मर जाएंगे, लेकिन अपना दावा नहीं छोड़ेंगे। अमृतपाल सिंह ने कहा,

हिंदुस्तान की हुकूमत सेक्युलर हुकूमत है। मुझे बताओ कि कभी देश के प्रधानमंत्री और गृह मंत्री ने कहा कि हिंदू राष्ट्र की बात कहने वालों पर कार्रवाई करेंगे। इसका मतलब फर्क है। हिंदुओं और सिखों की इंस्पिरेशन का फर्क है। सिख नहीं कर सकते, लेकिन हिंदू अपनी बात कर सकते हैं। मुझे ये लगता है कि दबाने से कुछ नहीं दबता। इंदिरा गांधी ने यह करके देख लिया, क्या नतीजा निकला। यह भी करके देख लें, इनकी इच्छा पूरी करने वाली बात है। हम तो हथेली पर सिर रखकर चल रहे हैं। हमें मौत का भय होता तो इन रास्तों पर चलते ही ना। गृह मंत्री (अमित शाह) अपनी इच्छा पूरी करके देख लें। >14

गोधरा कांड के दोषियों को मौत की सजा दिलाने की कोशिश करेंगे

सुप्रीम कोर्ट में बोली गुजरात सरकार

नई दिल्ली, 20 फरवरी (एजेंसियां)। गुजरात सरकार ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में कहा कि वह गोधरा कांड के 11 दोषियों को मौत की सजा दिलाने के प्रयास करेगी। बता दें कि गोधरा कांड के दोषियों को ट्रायल कोर्ट ने फांसी की सजा सुनाई थी लेकिन गुजरात हाईकोर्ट ने फांसी की सजा को उम्रकैद में बदल दिया था। सुप्रीम कोर्ट गोधरा कांड के कई आरोपियों की जमानत याचिका पर सुनवाई कर रहा है। सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस जेबी पारदीवाला की बेंच ने आरोपियों की जमानत पर सुनवाई के लिए तीन हफ्ते बाद का समय दिया है। कोर्ट ने दोनों पक्षों के वकीलों से इस दौरान एक चार्ट फाइल करने के निर्देश दिए हैं, जिसमें आरोपियों द्वारा जेल में बिताए गए समय और उन्हें दी गई सजा की जानकारी देने के निर्देश दिए हैं।

गुजरात सरकार की तरफ से कोर्ट में पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने बेंच को बताया कि हम गंभीर कोशिश करेंगे कि दोषियों को फांसी की सजा दी जाए। यह दुर्लभतम से दुर्लभ मामला है, जहां 59 लोगों को जिंदा जला दिया गया, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे। रेल की बोगी को बाहर से बंद किया गया और उसमें आग लगा दी गई। जिससे 59 लोगों की मौत हो गई। बता दें कि गोधरा कांड में ट्रायल कोर्ट ने 11 दोषियों को मौत की सजा और 20 अन्य को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। ट्रायल कोर्ट के फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की गई। जहां से हाईकोर्ट ने 11 आरोपियों की मौत की सजा को उम्रकैद में बदल दिया। गुजरात सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में दोषियों को मौत की सजा देने की अपील की है।

सीडब्ल्यूसी के आधे सदस्यों का चुनाव हो, नौजवानों को मिले जगह : चिदंबरम

नई दिल्ली, 20 फरवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस के पूर्ण अधिवेशन से कुछ दिन पहले वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम ने पार्टी में एक बार फिर से सुधार की मांग रखी है। चिदंबरम ने सोमवार को कहा कि पार्टी के संविधान के मुताबिक कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) के आधे सदस्यों का चुनाव होना चाहिए। इसके साथ ही, उन्होंने शीर्ष नीति निर्धारक इकाई सीडब्ल्यूसी में नौजवान नेताओं को जगह दी जानी चाहिए।

समाचार एजेंसी से बात करते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें पता चला है कि कार्य समिति का चुनाव करने वाले निर्वाचक मंडल के आंकड़े को लेकर कुछ मुद्दे हैं जिनका निदान पार्टी के केंद्रीय चुनाव प्राधिकरण को करना चाहिए। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने इस बात पर भी जोर दिया कि सही मायने में विश्लेषण से इस नतीजे पर पहुंचा जा सकेगा कि कांग्रेस को अगले लोकसभा चुनाव में बनने वाली विपक्षी एकता की धुरी बनना होगा। यह पूछे जाने पर कि क्या सीडब्ल्यूसी का चुनाव

होना चाहिए तो चिदंबरम ने कहा कि मेरी निजी राय है कि सीडब्ल्यूसी के आधे सदस्यों का चुनाव होना चाहिए जैसा पार्टी के संविधान में प्रावधान है। उन्होंने यह भी कहा कि बहरहाल, मुझे पता चला है कि सीडब्ल्यूसी का चुनाव करने वाले निर्वाचक मंडल के आंकड़े से जुड़े कुछ मुद्दे हैं। इन मुद्दों का समाधान पार्टी की चुनाव समिति को करना चाहिए।

चिदंबरम ने सीडब्ल्यूसी में खुद की उम्मीदवारी पर दिया जवाब :

यह पूछे जाने पर कि सीडब्ल्यूसी का चुनाव होने पर वह उम्मीदवार होंगे तो कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा कि मेरी कोई आकांक्षा या निजी महत्वाकांक्षा नहीं है। मुझे लगता है कि सीडब्ल्यूसी में नौजवानों को निर्वाचित और नामित होना चाहिए। चिदंबरम ने इस बात पर जोर दिया कि पार्टी की इकाइयों में देश और कांग्रेस की विविधता नजर आनी चाहिए। यह पूछे जाने पर कि नेतृत्व द्वारा तय अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के डेलीगेट (निर्वाचक मंडल के सदस्य) के मद्देनजर सीडब्ल्यूसी का चुनाव कैसे निष्पक्ष होगा तो उन्होंने कहा कि वह इस बात से सहमत नहीं हैं कि मौजूदा नेतृत्व ने निर्वाचक मंडल का चयन किया है। यह पूछे जाने पर कि नेतृत्व द्वारा तय अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के डेलीगेट (निर्वाचक मंडल के सदस्य) के मद्देनजर सीडब्ल्यूसी का चुनाव कैसे निष्पक्ष होगा तो उन्होंने कहा कि वह इस बात से सहमत नहीं हैं कि मौजूदा नेतृत्व ने निर्वाचक मंडल का चयन किया है। उनके मुताबिक हर राज्य में प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) के सदस्यों की सूची राज्य के नेतृत्व द्वारा तय की गई है। हर पीसीसी ने एआईसीसी डेलीगेट के नामों की अनुशंसा की।

दुष्कर्म के मामले में अंडमान निकोबार के पूर्व मुख्य सचिव को मिली जमानत

पोर्ट ब्लेयर, 20 फरवरी (एजेंसियां)। अंडमान निकोबार के पूर्व मुख्य सचिव जितेंद्र नरैन को कलकत्ता हाईकोर्ट की सर्किट बेंच ने सोमवार को दुष्कर्म के मामले में जमानत दे दी। पूर्व मुख्य सचिव के खिलाफ 21 वर्षीय एक महिला ने दुष्कर्म का आरोप लगाया था। जस्टिस चितरंजन दास और जस्टिस मोहम्मद निजामुद्दीन की सर्किट बेंच ने पूर्व मुख्य सचिव को सशर्त जमानत देने का आदेश दिया। पीड़िता के वकील पथिक चंद्र दास ने बताया कि वह इस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील करेंगे। वकील ने बताया कि नरैन को सशर्त जमानत दी गई है। शर्तों के मुताबिक वह अंडमान निकोबार द्वीप में बिना बुलाए नहीं आ सकेंगे। साथ ही वह गवाहों को प्रभावित करने के लिए अधिकारियों का इस्तेमाल नहीं करेंगे। वह किसी अधिकारी या फिर पीड़ित पक्ष के किसी व्यक्ति को कॉल नहीं कर सकेंगे। पूर्व मुख्य सचिव को उनका पासपोर्ट जमा करने के निर्देश दिए गए हैं और वह बिना इजाजत के विदेश नहीं जा सकेंगे।

बदले और उत्पीड़न के लिए तीसरे दर्जे की राजनीति

पार्टी के नेताओं पर ईडी के छापे को लेकर कांग्रेस ने साधा केंद्र पर निशाना

नई दिल्ली, 20 फरवरी (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा कोयला लेवी मामले की अपनी जांच के तहत कांग्रेस विधायकों और पार्टी से जुड़े लोगों के आवासों सहित छत्तीसगढ़ में 10 से 12 ठिकानों पर तलाशी लेने के बाद कांग्रेस ने सोमवार को केंद्र सरकार की आलोचना की। ईडी के छापे रायपुर में होने वाले अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी (एआईसीसी) के पूर्ण सत्र से कुछ दिन पहले हो रहे हैं।

लोकतंत्र को खत्म करने का आरोप

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कांग्रेस मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कांग्रेस के संचार प्रमुख जयराम रमेश और मीडिया विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा ने आरोप लगाया कि अब लोकतंत्र को खत्म करना ही ईडी का काम बन गया है।

2014 के बाद ओवरड्राइव पर है ईडी

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि 2014 में केंद्र में भाजपा के सत्ता में आने के बाद से ही प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ओवरड्राइव पर

है। पवन खेड़ा ने कहा कि एजेंसी ने 2004 से 2014 के बीच जब यूपीए सत्ता में थी तो कुल 112 छापे मारे थे। इसके मुकाबले पिछले आठ वर्षों में ईडी ने 3010 छापे मारे थे। इनमें से 95 प्रतिशत विपक्षी राजनेताओं को निशाना बनाया गया था।

सबसे ज्यादा 24 बार कांग्रेस नेताओं पर छापे :

पवन खेड़ा ने कहा कि ईडी ने 2014 के बाद से 24 बार कांग्रेस नेताओं को निशाना बनाकर छापेमारी की है। जबकि टीएमसी नेताओं को 19 बार निशाना बनाया गया, एनसीपी नेताओं को 11 बार, शिवसेना नेताओं को 8 बार, डीएमके नेताओं को 6 बार, बीजद नेताओं को 6 बार, राजद नेताओं को 5 बार और बसपा के नेताओं को 5 बार निशाना बनाते हुए छापेमारी की गई। वहीं टीडीपी नेताओं को 5 बार, इनेलो नेताओं को 3 बार, वाईएसआरसीपी नेताओं को 3 बार, सीपीएम नेताओं को 2 बार, नेशनल कांफ्रेंस और पीडीपी नेताओं को 2-2 बार, वहीं अन्नाद्रमुक और एमएनएस के नेताओं को 1-1 बार निशाना बनाया गया।

फेयर एंड लवली के ब्रांड एंबेसडर बन गए भाजपा नेता :

पवन खेड़ा ने कहा कि केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने 2014 में करोड़ों रुपये के शारदा घोटाले के सिलसिले में हिमंत बिस्वा सरमा से जुड़े परिसरों पर छापा मारा था, लेकिन आज वह निष्पक्ष और प्यारे हैं। क्योंकि वह असम के मुख्यमंत्री बन गए हैं। उन्होंने कहा, उनके खिलाफ और शुभेंदु अधिकारी, बी एस येदियुरप्पा, रेड्डी बंधुओं, मुकुल रॉय के खिलाफ भी मामलों का क्या हुआ? कई नाम हैं, वे सभी अब फेयर एंड लवली के ब्रांड एंबेसडर बन गए हैं। कांग्रेस नेताओं मे कहा, कुछ राज्यों में हम भी सत्ता में हैं, कुछ राज्यों में भी हम सत्ता में आएंगे, 2024 भी आ रहा है।

मौसम बदलेगा, प्रधानमंत्री और उनके हाथों की कठपुतली बने अधिकारियों को हमारी सलाह है, हमारी शालीनता को अपना गहना समझें न कि हमारी कमजोरी, हम भी कभी आएंगे, और जहां हैं वहां भी कुछ दिख सकता है। वहीं जयराम रमेश ने जोर देकर कहा कि कांग्रेस डराने-धमकाने की राजनीति के आगे झुकने वाली नहीं है।

आजम खान भुगत रहे अपने पापों की सजा, उन्हें नहीं आता महिलाओं का सम्मान : जयाप्रदा

लखनऊ, 20 फरवरी (एजेंसियां)। अभिनेत्री और पूर्व सांसद जया प्रदा ने सोमवार को एक बार फिर समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान पर निशाना साधा है। जया प्रदा ने कहा कि आजम खान अपने किए कि सजा भुगत रहे हैं, उन्हें अपने पापों की सजा को भुगतान करना ही होगा। रामपुर में एक कार्यक्रम में शामिल होने आईं पूर्व सांसद जया प्रदा ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि राजनीति में अलग-अलग दलों के बीच मतभेद होते हैं, लेकिन सत्ता का इतना अहंकार नहीं होना चाहिए कि कोई महिलाओं का सम्मान करना भूल जाए। गरीब और दलित के साथ अन्याय करने लगे। जय प्रदा ने कहा कि आजम खान और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम को नहीं पता कि महिलाओं का सम्मान कैसे किया जाता है। आजम खान को उनके किए की सजा मिली है।

भाजपा नेता ने आगे कहा कि आजम खान का खेल खत्म हो गया है। उन्हें (आजम और उनके बेटे को) अपने पापों का भुगतान करना होगा। गौरतलब है कि जया प्रदा और आजम खान के बीच पहले भी कई बार विवाद हो चुका है। भाजपा नेता के खिलाफ उनकी खाकी अंडरवियर टिप्पणी को लेकर सपा के वरिष्ठ नेता आजम खान के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। 2019 में जब रामपुर में लोकसभा का चुनाव हो रहा था। पिछले साल उत्तर प्रदेश में हुए विधानसभा चुनाव में रामपुर सदर सीट से विधायक चुने गए आजम खान को 2019 के लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान अभद्र भाषा देने के आरोप में तीन साल कैद की सजा सुनाए जाने के बाद अयोग्य घोषित कर दिया गया था।

एनआईए ने दाखिल की पूरक चार्जशीट

नई दिल्ली, 20 फरवरी (एजेंसियां)। मुंद्रा पोर्ट पर बीते साल सितंबर में करीब तीन हजार किलोग्राम हेरोइन जब्त किए जाने के मामले में एनआईए ने बड़ी कार्रवई की है।

सोमवार को केंद्रीय जांच एजेंसी ने इस मामले में एक और पूरक आरोप पत्र दाखिल किया है। जांच एजेंसी ने इस पूरक आरोपपत्र में छह अफगान नागरिकों, सात फर्मों सहित 22 को नामजद आरोपी बनाया है।

जांच एजेंसी ने कहा है कि इस मामले में आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा की भी भूमिका सामने आई है। पता चला है कि हेरोइन की बिक्री से मिलने वाला धन भारत में आतंकी गतिविधियों में प्रयोग किया जा रहा था। बता दें, एनआईए ने इस मामले में 14 मार्च, 2022 को 16 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दायर की थी। इसके बाद 29 अगस्त को नौ अन्य के खिलाफ पहली सप्लीमेंट्री चार्जशीट दायर की गई थी। >14

महिला आईपीएस और आईएएस के बीच की लड़ाई सोशल मीडिया पर छाई

निजी तस्वीरें वायरल, असमंजस में बोम्मई सरकार

बेंगलुरू, 20 फरवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक में एक महिला आईपीएस और आईएएस अधिकारी के बीच लड़ाई सार्वजनिक हो चुकी है। यहां तक कि सोशल मीडिया पर भी अधिकारी की निजी तस्वीरें वायरल हुई हैं, जिसको लेकर राज्य की बोम्मई सरकार असमंजस में है। राज्य के दो वरिष्ठ अधिकारियों के बीच बढ़ती लड़ाई को देखते हुए खुद राज्य के गृहमंत्री को आगे आना पड़ा है।

गृहमंत्री अरागा ज्ञानेंद्र का कहना है कि उन्होंने इस मामले में दोनों अधिकारियों को कार्रवाई की चेतावनी दी है। दोनों अधिकारियों का यह व्यवहार बहुत गलत है। उन्होंने इस मामले में राज्य के पुलिस प्रमुख व मुख्यमंत्री से भी बात की है। कर्नाटक की आईपीएस अधिकारी डी. रूपा मौदगिल ने रविवार को अपने फेसबुक पेज पर आईएएस अधिकारी रोहिणी सिंधुरी की तस्वीरें वायरल कर दीं। उन्होंने दावा किया कि महिला

आईएएस अधिकारी ने पुरुष आईएएस अधिकारियों को अपनी निजी तस्वीरें भेजकर सेवा आचरण नियमों का उल्लंघन किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि रोहिणी सिंधुरी ने 2021 से 2022 के बीच तीन आईएएस अधिकारियों को ये तस्वीरें भेजी थीं। इससे एक दिन पहले आईपीएस अधिकारी डी रूपा ने आईएएस सिंधुरी के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप भी लगाए थे। कहा था कि उन्होंने इसकी शिकायत मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई और मुख्य सचिव वंदिता शर्मा से की है। तस्वीरें वायरल होने के बाद महिला आईएएस सिंधुरी ने आरोपों को खारिज किया है। उन्होंने कहा है कि डी रूपा उनके खिलाफ एक झूठा अभियान चला रही हैं और उनकी छवि को धूमिल करने का प्रयास कर रही हैं। उन्होंने कहा, अगर मैंने ये तस्वीरें आईएएस अधिकारियों को भेजी हैं, तो वह उनके नामों का वह खुलासा भी करें। >14

अस्पताल ने जिसे मृत बताया, वह जिंदा निकली

डिब्बे में पैक करके परिवार को सौंपा, ढाई घंटे बाद घर पर खोला तो शरीर में हलचल थी

नई दिल्ली, 20 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली के लोकनायक जयप्रकाश (एलएनजेपी) अस्पताल में लापरवाही का एक बड़ा मामला सामने आया है। डॉक्टरों की लापरवाही की वजह से एक नवजात बच्ची करीब ढाई घंटे एक डिब्बे में बंद रही।

दरअसल, रविवार को अस्पताल में एक महिला की डिलीवरी हुई थी। महिला ने एक बच्ची को जन्म दिया था, जिसे डॉक्टरों ने मृत बताया, फिर डिब्बे में पैक कर परिजनों को सौंप दिया। परिजन घर आए और डिब्बा खोला तो बच्ची जिंदा थी। इसके बाद परिजन बच्ची को लेकर दोबारा अस्पताल पहुंचे और डॉक्टरों को नवजात के हिलने-डुलने की जानकारी दी, लेकिन डॉक्टरों ने बच्ची को देखने से भी मना कर दिया। इसके बाद परिजनों ने डॉक्टरों पर लापरवाही का आरोप लगाकर हंगामा किया। हालांकि पुलिस अधिकारियों के दखल के बाद अस्पताल ने बच्ची को दोबारा भर्ती किया। फिलहाल वह ठीक है और डॉक्टरों की निगरानी में है। परिजनों ने डॉक्टरों पर बच्ची की हत्या का प्रयास करने का आरोप लगाया है। परिजनों ने कहा, अस्पताल ने पहले तो लापरवाही कर बच्ची को मृत बताया। इसके बाद उसे डिब्बे में बंद कर दिया। डॉक्टरों की लापरवाही के चलते बच्ची करीब ढाई घंटे तक डिब्बे में बंद रही। इससे उसका दम घुट सकता था। बच्ची की जान जा सकती थी।

एलएनजेपी अस्पताल के एमडी सुरेश कुमार ने बताया कि रविवार को एक प्री-टर्म डिलीवरी हुई थी। तब बच्ची में कोई मूवमेंट नहीं था। बाद में उसके मूवमेंट की जानकारी मिली। फिलहाल उसे वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा है। एक्सपर्ट्स डॉक्टर्स की टीम उसकी निगरानी कर रही है। मामले की जांच के आदेश दिए गए हैं, 24 घंटे में विस्तृत रिपोर्ट मिल जाएगी।

बागेश्वर धाम आई 10 साल की बच्ची की मौत

परिजन बोले-मिर्गी की बीमारी थी; बाबा ने भभूति दी-फिर कहा कि इसे ले जाओ

छतरपुर, 20 फरवरी (एजेंसियां)। बागेश्वर धाम के महंत धीरेंद्र शास्त्री के पास पहुंची 10 साल की बच्ची की रविवार को मौत हो गई। राजस्थान के बाड़मेर का परिवार मिर्गी की बीमारी का इलाज कराने बच्ची को धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के पास लाया था। परिजन का कहना है कि धीरेंद्र शास्त्री ने बच्ची को भभूति दी थी, लेकिन उसकी जान नहीं बची। इसके बाद धीरेंद्र ने परिवार से कहा कि वे बच्ची को लेकर चले जाएं। इस मामले में भास्कर रिपोर्टर ने धीरेंद्र शास्त्री के करीबी नितेंद्र चौबे से बात करने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने कॉल रिसीव नहीं किया।

जानकारी के मुताबिक 10 साल की बच्ची का नाम विष्णु कुमारी था। वह अपनी मां मां धम्मू देवी और मामी गुड्डी के साथ बाड़मेर से बागेश्वर धाम आई थी। परिजन ने बताया- उसे मिर्गी के दौरे आते थे। हमने यहां के चमत्कार के बारे में सुना, तो बेटी को लेकर आए थे, लेकिन यहां आने पर बच्ची की जान चली गई। बागेश्वर धाम में हफ्तेभर पहले किडनी की बीमारी का इलाज कराने आई महिला की भी मौत हो गई थी।

रातभर जागी, मिर्गी के दौरे भी आते रहे

परिजनों ने बताया कि बच्ची की मामी अक्सर धाम आया करती थीं। बच्ची को बीमारी थी तो उन्होंने ने ही एक बार धाम पर चलने को कहा था। शुक्रवार को हम सभी बच्ची को लेकर राजस्थान से धाम पहुंचे। 18 फरवरी को दिनभर धाम में ही रुके और वहीं पर खाना-पीना किया। रात को बच्ची सुस्त हो गई। उसे फिट्स (मिर्गी के दौरे) आया करते थे, इसलिए परिवार को लगा कि बच्ची सो गई होगी। धाम से मिली भभूति भी उसे चटाई, लेकिन शनिवार को रातभर बच्ची ने कोई हलचल नहीं की।

परिवारवाले बाबा के शिष्य मंडल से मिले और उन्हें अपनी समस्या बताते हुए बाबा से मिलाने की विनती की। जैसे-तैसे बाबा से मुलाकात हुई। बाबा ने पहले तो भभूति दी। इसके बाद उन्होंने बच्ची को देखा और कहा- बच्ची को ले जाओ, यह शांत हो गई है। इसके बाद बाबा के अनुयायियों की मदद से हम धाम पर ही बने अस्थाई अस्पताल पहुंचे, जहां से हमें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। एंबुलेंस ने हमें जिला अस्पताल पहुंचाया गया। यहां से निजी एंबुलेंस करके राजस्थान अपने गांव चले गए।

बाबा ने भभूति दी, फिर कहा-इसे ले जाओ

बच्ची की मामी गुड्डी का कहना है कि 17 फरवरी यानी शुक्रवार से बच्ची की तबीयत ज्यादा खराब हुई तो उसे बाबा जी के पास लाए थे। बाबा ने उसे भभूति दी, लेकिन वह नहीं बची। हमसे कहा गया कि बच्ची शांत हो गई, इसे यहां से ले जाओ।

स्ट्रेचर नहीं मिला, शव को गोद में लेकर गए

बच्ची की मौत के बाद परिजनों को अस्पताल से सरकारी एंबुलेंस भी नहीं मिली, तो उन्होंने साढ़े 11 हजार रुपए देकर निजी एंबुलेंस हायर की और उसी से शव बाड़मेर ले गए। निजी एंबुलेंस तक शव ले जाने के लिए स्ट्रेचर तक नहीं मिला। इसके बाद बच्ची की मामी ने उसका शव गोद में उठाकर एंबुलेंस में रखा।

पति और सास की हत्या के बाद शवों के किए टुकड़े

मेघालय में लगाया ठिकाने, महिला और उसका दोस्त गिरफ्तार

गुवाहाटी, 20 फरवरी (एजेंसियां)। एक महिला ने अपने पति और सास की हत्या के बाद उनके शवों के टुकड़े-टुकड़े कर उन्हें मेघालय में फेंक दिया। अब मामले के खुलासे के बाद पुलिस ने आरोपी महिला, उसके प्रेमी और महिला के बचपन के दोस्त को गिरफ्तार किया है। महिला ने इस हत्याकांड को बीते साल अगस्त सितंबर में अंजाम दिया था। जांच के दौरान आरोपी महिला की सास के शरीर के कुछ टुकड़े बरामद हुए हैं। गुवाहाटी के पुलिस कमिश्नर दिगांता बारा ने बताया कि सात महीने पहले इस हत्याकांड को अंजाम दिया गया था। हमने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और अब उनसे पूछताछ की जा रही है।

पुलिस ने बताया कि महिला ने बीते साल सितंबर में अपने पति अमरेंद्र डे और सास शंकरी डे के गायब होने की शिकायत दर्ज कराई थी। इसके बाद पुलिस मामले की जांच कर रही थी कि कुछ दिनों बाद अमरेंद्र के चचेरे भाई ने एक दूसरी शिकायत दर्ज कराई। अपनी शिकायत में अमरेंद्र के चचेरे भाई उसकी पत्नी पर शक जाहिर किया था। इसके बाद पुलिस ने इस एंगल से मामले की जांच शुरू की। जांच में पत्नी, उसके प्रेमी और महिला के बचपन के दोस्त की संलिप्तता पाई गई।

पुलिस ने बताया कि हत्या के बाद आरोपियों ने शवों को ठिकाने लगाने के लिए उन्हें छोटे-छोटे टुकड़ों में काटा और फिर उन टुकड़ों को पॉलीथीन के बैग्स में भरकर उन्हें मेघालय की सीमा में जाकर पहाड़ी से गहरी खाई में फेंक दिया। पुलिस ने बताया कि मृतकों के शरीर के कुछ टुकड़े बरामद कर लिए गए हैं। फिलहाल पुलिस सभी टुकड़ों को ढूंढने का प्रयास कर रही है।

रोचक खबरें

भालू ने किया योगा तो लोग बोले-अब मिलेगी निरोगी काया

जानवर को सेहत के लिए सतर्क देख लोगों ने की तारीफ

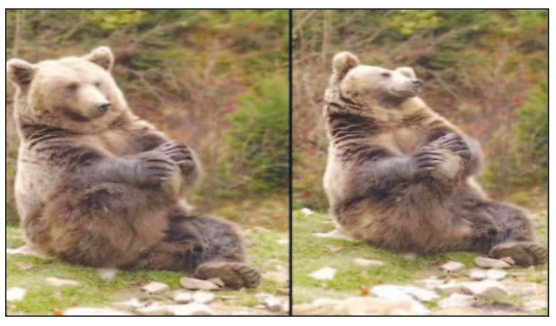

सोशल मीडिया ऐसा प्लेटफार्म है जिसपर दिख रहे वीडियोज आपका मूड चेंज कर देते हैं. थकान तनाव को झट से दूर कर देते हैं. अगर आप वाइल्डलाइफ प्रेमी या एनीमल लवर हैं तो फिर ये आपके लिए बेस्ट प्लेस है. जहां आप घर में बैठे बैठे तसल्ली से जानवरों से जुड़े तमाम वीडियो और उनके एक्शन देख कर लुत्फ उठा सकते हैं. यहां जानवरों की एक से एक बेहतरीन वीडियोज देखने को मिलते हैं. जैसे इस भालू को ही ले लीजिए, जिसने योगाएक्शन करके लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। ट्विटर पर आईएफएस गीतांजली साहू ने एक भालू का वीडियो शेयर किया जिसमें वो जानवर स्ट्रेचिंग करता दिखाई दे रहा है. भालू को योगा करते देख लोगों ने कहा योग करेगा निरोग भालू का ये वीडियो खूब वायरल हो रहा है जिसे देखना लोगों को इतना पसंद आया क्यों लोग जमकर तारीफ कर रहे हैं।

भालू को भा गया योगा

सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे भालू के वीडियो में वो किसी जंगल में बड़ी आराम की मुद्रा में बैठा है और पैर को दोनों हाथों से पकड़कर स्ट्रेचिंग करने लगता है. भालू का अंदाज ठीक वैसा ही था जैसा अक्सर ही आप महली सुबह उठने के बाद लोग शरीर में फुर्ती लाने के लिए करते हैं योगा के जरिये भी दूर भगाते हैं बदन का आलस. और भालू ने भी इस योग, कसरत का महत्त्व बखूबी समझ लिया है. तभी तो आप में देख भले वो अलसाया हुआ लग रहा है लेकिन योग और स्ट्रेचिंग करना उसे याद है।

सेहत के लिए सतर्क भालू ने खींचा सबका ध्यान

वीडियो है तो बहुत छोटा लेकिन आपका ध्यान आकर्षित करने के लिए काफी है. भालू जैसे आलसी कहे जाने वाले जानवर को भी सेहत का महत्त्व समझ में आ गया है तभी तो वो अब योग का सहारा लेता दिखाई दे रहा है. सेहत के प्रति एक जानवर की सतर्कता लोगों को न सिर्फ अपनी ओर खींच रही है. बल्कि तारीफ करने पर भी मजबूर कर रही है. यही वजह है कि खुद एक आईएफएस अधिकारी भी भालू की इस वीडियो को साझा करने से खुद को नहीं रोक पाईं. और ये वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

संगीत सुनते ही आंखें बंदकर लीन हो गई बच्ची

म्यूजिक पर ऐसे झूमी कि लोग बोले-'ये है वीकेंड की मस्ती'

संगीत ऐसी चीज़ होती है जो हर किसी को लुभा ले जाती है. चाहकर भी आप खुद को संगीत से दूर नहीं रख पाते. और अगर म्यूजिक थोड़ा धांसू हो तो फिर क्या बच्चे क्या बड़े हर कोई थिरकने पर मजबूर हो ही जाता है. ठीक उसी तरह जैसे वायरल वीडियो में एक बच्ची इतने क्यूट डांस मूव्स कर रही है कि लोग उसके दीवाने हो जाएंगे. जिया बच्ची की उम्र बामुश्किल दो से 3 साल के भीतर होगी लेकिन उसे म्यूजिक इतना भाग गया कि वो आँखें बंद कर मगन मूड में दिखाई दीं। ट्विटर के @buitenge-bieden पर एक ऐसा वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें छोटी सी क्यूट बच्ची आंखें बंद कर कुछ इस कदर संगीत का आनंद ले रही थी कि लोगों ने कह दिया लगता है ये वीकेंड की मस्ती में लीन हैं. घर के बाहर बज रहे म्यूजिक को सुन बच्ची ने कुछ ऐसे डांस मूव्स किए कि लोग उसे ही देखते रह गए. वीडियो 20 लाख से ज्यादा व्यूज मिले हैं.

म्यूज़िक सुनते ही आंखें बंदकर जीत लिया दिल

वीडियो के कैप्शन में भी लिखा है- 'इट्स फ्राइडे' यानी कि शुक्रवार के दिन ऐसे ही होते हैं. सैटरडे-संडे की छुट्टी की खुशी लोग शुक्रवार से ही मनाने लग जाते हैं. ढेर सारे यूजर्स ने भी वीडियो पर कुछ ऐसे ही रिएक्शन्स दिए और बताने लगे कि वो भी अपने वीकेंड पर कुछ इस अंदाज में ही नजर आते हैं. तो कुछ यूजर्स बोले कि- वाकई, मैं तो शुक्रवार से ही वीकेंड मूड में चला जाता हूं. वीडियो देखकर कहा जा सकता है कि वीकेंड की छुट्टी का इंतजार सिर्फ नौकरी पेशा को ही नहीं रहता. बल्कि हर इंसान को छुट्टी की इतनी ही खुशी होती है जैसी वायरल वीडियो वाली बच्ची के चेहरे और अंदाज में नजर आ रही है. मात्र 12 सेकंड के वीडियो में बच्ची हर किसी का दिल जीत ले गई.

मुस्लिम व्यापारी ने कपड़े पर गंगा जल से बनी स्याही से लिखी भगवद् गीता

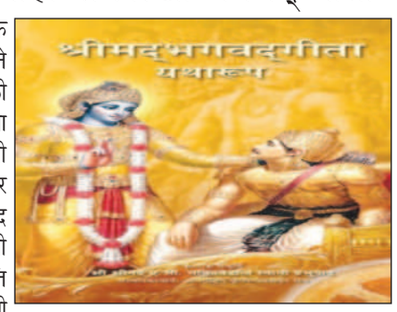

वाराणसी के एक मुस्लिम व्यापारी ने सफेद सूती कपड़े की बड़ी चादर पर गंगा की मिट्टी और पानी का उपयोग कर सुलेख में श्रीमद भगवद् गीता लिखी है। वह राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित मशहूर हस्तियों को अपनी कलात्मक कृतियों का तोहफा देना चाहते हैं। साड़ी व्यवसायी हाजी इरशाद अली (53) ने सूती कपड़े पर पवित्र कुरान, हनुमान चालीसा और अन्य धार्मिक ग्रंथों को भी इसी शैली में लिखा है। इरशाद ने कहा, जब मैं 14 साल का था, तब मैंने शव को दफनाने से पहले कफन पर डालने के लिए आधे मीटर के कपड़े के टुकड़े पर शाहदतेन लिखना शुरू किया था। शाहदतेन का शाब्दिक अर्थ है विश्वास की घोषणा, यह घोषित करना कि केवल एक ही ईश्वर है, अल्लाह, और मुहम्मद उनके दूत हैं। लिखने का जुनून और बढ़ गया, और मैंने पवित्र कुरान को कपड़े पर लिखने का फैसला किया। गंगा की मिट्टी, आब-ए-जमजम (जमजम पानी), जाफरान और गोंद से बनी स्याही से कुरान के सभी 30 पैराग्राफ को पूरा करने में लगभग छह साल लग गए। इस भारी-भरकम किताब की बाइडिंग के लिए मशहूर बनारसी सिल्क ब्रोकेड का इस्तेमाल किया गया है। श्रीमद्भगवद् गीता को उसी शैली और आकार में लिखने के लिए, उन्होंने इस काम के लिए स्याही तैयार करने के लिए गंगा जल के साथ गंगा मिट्टी और गोंद का इस्तेमाल किया। उन्होंने श्रीमद्भगवद्गीता को समझने के लिए संस्कृत सीखी। उन्होंने कहा, मैंने एक संस्कृत अनुवाद पुस्तक खरीदी और भाषा सीखने के लिए स्थानीय पुजारी की मदद ली।

ओवैसी का बीजेपी पर हमला

मेरे घर पर हमला करने वाले नाथूराम गोडसे की विचारधारा वाले

नई दिल्ली, 20 फरवरी (एजेंसियां)। ओवैसी के आवास पर पथराव को लेकर एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी का भाजपा पर हमला उन्होंने कहा उनके (बीजेपी) हौसले इसलिए बुलंद है क्योंकि उनकी पार्टी सत्ता में है। उनको लगता है कि हिंसा के जरिए वो अपने एजेंडे को मुकम्मल कर सकते हैं। ये चौथी बार मेरे घर पर हमला हुआ है। ये वही लोग हो सकते हैं जो लोग नाथूराम गोडसे की विचारधारा को मानते हैं।

इससे पहले ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने आरोप लगाया है कि कुछ अज्ञात बदमाशों ने दिल्ली में उनके आवास पर पथराव किया और घर की खिड़कियां क्षतिग्रस्त कर दी। ओवैसी ने नई दिल्ली में अशोका रोड स्थित अपने आवास का एक वीडियो भी साझा किया, जिसमें नुकसान दिखाया गया है। उन्होंने रविवार को देर रात ट्वीट किया, इससे पहले आज रात, मैं जयपुर से लौटा और मेरे घरेलू नौकर ने बताया कि बदमाशों के एक झुंड ने पथराव किया, जिससे खिड़कियां टूट गईं। दिल्ली पुलिस को उन्हें तुरंत पकड़ना चाहिए।

उन्होंने एक अन्य ट्वीट में कहा, यह चिंताजनक है कि यह एक तथाकथित 'उच्च सुरक्षा' क्षेत्र में हुआ है। मैंने पुलिस को शिकायत दर्ज कराई है और वे मेरे आवास पर पहुंच गए हैं। इस बीच, एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि सांसद की ओर से एक शिकायत मिली थी और कथित घटना के वक्त ओवैसी अपने आवास पर मौजूद नहीं थे। अधिकारी ने कहा, अपराध टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया है।

मोरबी हादसे पर खुलासा-22 तार पहले टूट गए होंगे

एसआईटी बोली-इसकी वजह जंग थी, लोगों की संख्या बढ़ी तो बाकी 27 तार टूट गए

मोरबी, 20 फरवरी (एजेंसियां)। मोरबी ब्रिज हादसे में गुजरात सरकार की पांच सदस्यों वाली एसआईटी ने प्राइमरी रिपोर्ट सब्मिट कर दी है। इस रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि पुल की 49 केबल में से 22 में जंग लग चुकी थी। एसआईटी का मानना है कि ये 22 तार पहले ही टूट चुके होंगे। जब पुल पर लोगों की तादाद बढ़ी तो बाकी 27 तार वजन नहीं उठा पाए और टूट गए।

मोरबी हादसा 30 अक्टूबर 2022 को हुआ था। इसमें 135 लोगों की मौत हो गई थी। एसआईटी में आईएएस राजकुमार बेनीवाल, आईपीएस सुभाष त्रिवेदी, राज्य सड़क और भवन विभाग के सेक्रेटरी, एक इंजीनियर और स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग के एक प्रोफेसर सदस्य थे।

एसआईटी की रिपोर्ट की 5 बड़ी बातें...

1. पुराने सस्पेंडर्स पर नई वेल्डिंग : रेनोवेशन के दौरान ब्रिज की केबल को पुराने सस्पेंडर्स (स्टील की छड़ें जो केबल को प्लेटफॉर्म डेक से जोड़ती हैं) को नए के साथ वेल्डिंग करके जोड़ा गया था। जिससे सस्पेंडर्स का व्यवहार बदल गया। आम तौर पर केबल ब्रिज में भार वहन करने के लिए सिंगल रॉड सस्पेंडर्स का इस्तेमाल होने चाहिए।

2. एक केबल में लगे 49 स्टील के तार : मच्छू नदी पर 1887 में बने पुल की दो मेन केबल में से एक केबल में जंग लगी थी। यानी 22 तार हादसे से पहले ही टूटे गए होंगे। एक केबल को 7 वायर से बनाया गया था, जो स्टील के थे। हादसे के दौरान नदी के ऊपर के तरफ मेन केबल टूट गई।

3. हादसे के वक्त टूटे 27 केबल : रिपोर्ट में कहा गया है कि 49 में से 22 केबल में जंग लग चुकी थी। यानी ये घटना से पहले ही टूट चुके थे। बाकी के 27 तार घटना के समय टूटे। हादसे के समय पुल पर लगभग 300 लोग थे। जो पुल की भार वहन क्षमता से बहुत ज्यादा थे। इसकी वास्तविक क्षमता की पुष्टि लैब रिपोर्ट से होगी।

4. लकड़ी के तख्ते हटाकर एल्युमिनियम डेक लगाने से नुकसान : रिपोर्ट में लिखा है कि अलग-अलग लकड़ी के तख्तों को एल्यूमीनियम डेक से बदलना भी हादसे का एक कारण है। ब्रिज पर लचीले लकड़ी के तख्तों की जगह कठोर एल्यूमीनियम पैनल से बनी थी। इससे पुल का अपना वजन भी बढ़ गया था।

5. ओपनिंग से पहले वेट टेस्टिंग नहीं हुई : मार्च 2022 में पुल को रेनोवेशन के लिए बंद किया था और 26 अक्टूबर को खोल दिया था। मोरबी ब्रिज खोलने से पहले कोई वेट टेस्टिंग या स्ट्रक्चर टेस्टिंग नहीं हुई थी।

कांग्रेस नेता ने दामाद को जबरन भेजा पागलखाने, पुलिस ने की एफआईआर

बेंगलुरु, 20 फरवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक पुलिस ने एक कांग्रेस नेता और उनके परिवार के सदस्यों के खिलाफ अपहरण, उसके दामाद को पागल के रूप में चित्रित करने का प्रयास करने और उसे जबरन पागलखाने में रखने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। दक्षिण कन्नड़ जिले की कांग्रेस नेता दिव्य प्रभा और परिवार के पांच अन्य सदस्यों के खिलाफ बेंगलुरु के पुत्तनहल्ली पुलिस स्टेशन में प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

यह शिकायत दिव्या प्रभा के दामाद नवीन एम. गौड़ा ने दर्ज कराई है, जो दक्षिण कन्नड़ जिले के सुल्लिया के पास बेल्लारे के निवासी हैं। नवीन ने अपनी पत्नी स्पंदना, उसके परिवार के सदस्यों परशुराम, स्पर्शिता, महादेव गौड़ा और एक निजी अस्पताल के डॉक्टरों को आरोपी बनाया है।

पुलिस के मुताबिक, नवीन ने 2019 में स्पंदना से शादी की थी। 2022 तक दोनों के बीच मतभेद हो गए और दोनों परिवार कई मौकों पर मतभेदों को सुलझाते थक गए। नवीन ने दावा किया कि उसने अपनी पत्नी के मोबाइल पर अश्लील चैट का पता चलने के बाद खुद को उससे दूर कर लिया। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि आरोपी व्यक्तियों ने 19 दिसंबर, 2022 को उसके घर में घुसकर उसके हाथ-पैर बांध दिए और उसे एक एम्बुलेंस में डालकर ले गए। उन्होंने कथित तौर पर उसे जेपी नगर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया और डॉक्टरों की मिलीभगत से उसे मानसिक रूप से विक्षिप्त व्यक्ति के रूप में पेश किया। उन्होंने उसे अवैध हिरासत में रखा और जबरदस्ती मानसिक बीमारी का इलाज कराया। जब नवीन ने इन प्रयासों का विरोध किया, तो आरोपी ने अस्पताल में उसके साथ मारपीट की और कहा कि वह इलाज कराने को तैयार है। शिकायतकर्ता ने यह भी दावा किया कि आरोपी ने उसे अपने हस्ताक्षर करने के लिए मजबूर किया। मना करने पर आरोपी ने फर्जी दस्तावेज बनवाए और फर्जी हस्ताक्षर कर दिए। इस सिलसिले में हाईकोर्ट में हैबियस कॉर्पस की याचिका दायर की गई और नवीन को 22 दिसंबर, 2022 को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। नवीन ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई शुरू करने की गुहार लगाई थी, जिसे पुलिस ने जांच में लिया है।

कांग्रेस पूर्ण सत्र : केरल के 47 नेताओं के पास मतदान का अधिकार

तिरुवनंतपुरम, 20 फरवरी (एजेंसियां)। रायपुर में इस सप्ताह के अंत में होने वाले कांग्रेस पूर्ण सत्र में चुनाव के मामले में केरल में पार्टी के कुल 47 शीर्ष नेताओं को मतदान का अधिकार दिया गया है।

ए.के. एंटनी, ओमन चांडी, वायलार रवि और पूर्व राज्यसभा उपसभापति पी.जे. कुरियन जैसे दिग्गज सहित सभी शीर्ष अधिकारी वोट देने के पात्र हैं। भले ही पार्टी की केरल इकाई ने 100 नेताओं की सूची भेजी थी, एआईसीसी ने इसे घटाकर 63 कर दिया, जिनमें से केवल 47 के पास मतदान का अधिकार है। शेष 16 के पास मतदान का अधिकार नहीं होगा। मतदान अधिकार रखने वालों में शशि थरूर और राज्य के पार्टी अध्यक्ष के.सुधाकरन, विपक्ष के नेता वी.डी. सतीसन, रमेश चेन्नीथला और कई अन्य पूर्व राज्य मंत्री, सभी कांग्रेस संसद सदस्य और चुनिंदा विधायक शामिल हैं।

पंजाब सरकार कर्मचारियों के सोशल मीडिया अकाउंट्स की कर रही निगरानी

चंडीगढ़, 20 फरवरी (एजेंसियां)। पंजाब सरकार ने प्रशासनिक सचिवों से सरकार की नीतियों के खिलाफ आलोचना करने वाले या प्रतिकूल टिप्पणी करने वाले कर्मचारियों के सोशल मीडिया खातों की निगरानी करने को कहा है। 17 फरवरी को मुख्य सचिव के साथ अवर सचिव द्वारा हस्ताक्षरित आदेश में कहा गया है कि यह देखा गया है कि कुछ सरकारी कर्मचारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सरकारी नीतियों/उपलब्धियों आदि की खुले तौर पर आलोचना/प्रतिकूल टिप्पणी कर रहे हैं।

आदेश पर प्रतिक्रिया देते हुए, शिरोमणि अकाली दल की सांसद हरसिमरत कौर बादल ने सोमवार को एक ट्वीट में कहा, हमारे संविधान के अनुसार, सभी नागरिकों को बोलने/अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार है, फिर कैसे आप पंजाब ने कथित तौर पर प्रशासनिक सचिवों को सरकार की नीतियों की आलोचना करने वाले कर्मचारियों पर नजर रखने का निर्देश दिया? अगर भगवंत मान कोई गलत नहीं कर रहे हैं, तो इस तरह के निर्देश के साथ आवाजों को क्यों रोका जाए?

अस्पताल से भागा कैदी पुलिस ने पकड़ा

करनाल, 20 फरवरी (एजेंसियां)। करनाल के कल्पना चावला मेडिकल अस्पताल की पांचवीं मंजिल से भागने वाले कैदी सन्नी को पुलिस ने हांसी से गिरफ्तार कर लिया है. सन्नी कई दिन तक पुलिस से बचने के लिए फतेहाबाद के रतिया और टोहाना में छिप रहा था. जब हांसी में अपने किसी रिश्तेदार के घर पहुंचा तो करनाल पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

जानकारी के अनुसार, कैदी सन्नी पर स्नैचिंग और लूट के 17 मामले दर्ज थे और एक मामले में सजा के बाद वह करनाल जेल में बंद था. सन्नी पानीपत का रहने वाला है और कोर्ट ने सन्नी को उसके जुर्म के लिए 5 साल की सजा सुनाई हुई थी. करनाल जेल में सन्नी 1.5 साल बंद था. यहां तक कि सन्नी ने पहले जेल में फांसी लगाने का भी प्रयास किया. इसके बाद उसे करनाल के कल्पना चावला मेडिकल अस्पताल में इलाज के लिए लाया गया. कैदियों और हवालातियों के लिए अलग से एक वार्ड होता है। अस्पताल में इलाज के दौरान सुरक्षा में तैनात 4 पुलिसकर्मियों को चकमा देकर सन्नी फरार हो गया. इतना ही नहीं, जब वो कल्पना चावला मेडिकल अस्पताल से भागा तो अस्पताल से किसी की बाइक भी चुराकर ले गया. इसके बाद कैदी सन्नी की सुरक्षा में लगे पुलिसकर्मियों पर विभागीय कार्रवाई शुरू हो गई।

'मेघालय में इस बार भाजपा सरकार बनेगी और सीएम भी हमारा होगा', हिमंता बिस्वा सरमा का टीएमसी पर तंज

शिलॉन्ग, 20 फरवरी (एजेंसियां)। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने दावा किया है कि इस बार मेघालय में भाजपा की सरकार बनेगी। सरमा ने कहा कि हालात बदल चुके हैं और इस बार भाजपा मेघालय में सरकार बनाएगी। बता दें कि नॉर्थ ईस्ट डेमोक्रेटिक अलायंस के संयोजक हिमंता बिस्वा सरमा ने शिलॉन्ग में एक जनसभा के दौरान कहा कि पिछली बार भाजपा दो सीटों पर जीती थी लेकिन इस बार हम सभी 60 सीटों पर चुनाव लड़ रहे हैं। इस बार हमारी सरकार बनेगी। इस बार मुख्यमंत्री भी भाजपा का होगा। पहले हमें नेशनल पीपल्स पार्टी के रूप में सहयोगी की जरूरत थी लेकिन अब हालात बदल गए हैं और भाजपा अपने पैरों पर खड़ी हो चुकी है।

सरमा ने कहा कि पिछली बार गठबंधन करना समय की जरूरत था। हमने वहीं किया जो हमें करना चाहिए था लेकिन अब हम अपनी खुद की सरकार बनाना चाहते हैं। मेघालय में भाजपा को ईसाई विरोधी पार्टी बताए जाने पर हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा कि भाजपा हर वर्ग को साथ लेकर चलने वाली पार्टी है। लोगों ने प्रधानमंत्री मोदी और पोप के बीच के तालमेल को देखा है। ऐसे में ईसाई विरोधी होने का सवाल ही कहां उठता है? असम के मुख्यमंत्री ने मेघालय डेमोक्रेटिक अलायंस की सरकार पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि मेघालय सरकार को केंद्र सरकार ने मेडिकल और इंजीनियरिंग कॉलेजों खोलने के लिए खूब पैसा दिया लेकिन कुछ नहीं किया गया। मेघालय का युवा आज बेरोजगार है, जो पैसा आया वह सारा कहां गया? सरमा ने टीएमसी पर भी निशाना साधा और कहा कि टीएमसी अभी तक पश्चिम बंगाल को ही विकसित नहीं कर पाई है, ऐसे में वह मेघालय को विकसित कैसे कर सकती है?

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सुविचार

इतना तो मकड़ी भी अपने जाल में खुद नहीं उलझती जितना आदमी अपने ख्यालों में उलझ जाता है..

मातृभाषा हमारी जीवन रेखा है, इसे कभी न भूलें : वेंकैया नायुडू

हैदराबाद, 20 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारत के पूर्व उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायुडू ने कहा कि हमें पश्चिमी जीवन के प्रति दीवानगी और विभिन्न विश्व स्रोतों से आने वाले इसके आकर्षण में अपने पारंपरिक मूल्यों को याद रखना कभी नहीं भूलना चाहिए। हमारी मातृभाषा पवित्र है और हमें इसे अपने जीवन के रूप में संरक्षित करना चाहिए। एक बार जब हम अपनी मातृभाषा में मजबूत हो जाते हैं, तो हम किसी भी भाषा में महारत हासिल कर सकते हैं। मातृभाषा हमारी आंखें, हमारी दृष्टि और अन्य भाषाएं हमारे चश्मे के समान हैं। उन्होंने कहा कि चश्मा तभी मददगार होता है जब हमारे पास दृष्टि होती है।

उन्होंने हैदराबाद विश्वविद्यालय (यूओएच) के सेंटर फॉर दलित आदिवासी स्टडीज एंड ट्रांसलेशन (सीडीएएसटी), यूओएच द्वारा आयोजितजाकिर हुसैन लेक्चर हॉल परिसर में पुलिकोंडा सुब्बाचारी के 'धोवी घाट अगर रुठ जाए..' (रेवु तिरुगाबड्इट) नामक उपन्यास का विमोचन किया। इस उपन्यास में लेखक ने गाँव की विभिन्न व्यवसाय आधारित जातियों के संघर्षपूर्ण सामाजिक जीवन पर प्रकाश डाला। प्रो. सुब्बाचारी ने सैकड़ों गांवों में अपने व्यापक शोध के आधार पर यह उपन्यास लिखा है। उपन्यास की कथाएँ अत्यंत हृदयस्पर्शी हैं।

हैदराबाद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीजे राव ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। उनका मत था कि उपन्यास सामाजिक जीवन का एक ऐतिहासिक दस्तावेज है और गाँव की पेशेवर जातियों के संघर्ष को उनके काम का उचित मूल्य दिलाने और उनकी सामाजिक गरिमा को बनाए रखने के लिए संघर्ष कर रहा है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि सामाजिक पहचान किसी भी व्यक्ति और जाति की प्रमुख आवश्यकता है। उन्होंने लेखक प्रो. पुलिकोंडा सुब्बाचारी को इस बहुमूल्य कार्य के लिए बधाई दी। विश्वविद्यालय के प्रो-वाइसचांसलर प्रो. आर.एस. सर्राजू, डॉ. के. श्रीनिवास, प्रसिद्ध कवि कोप्पर्ती वेंकटरमण मूर्ति, प्रो. दारला वेंकटेश्वर राव और डॉ. कोई कोटेश्वर राव ने उपन्यास की चर्चा की और प्रशंसा की। प्रो. पुलिकोंडा सुब्बाचारी ने इस उपन्यास को लिखने के अपने अनुभव के बारे में बताया।

तेलंगाना सर्वश्रेष्ठ पुलिस स्टेशन बना डुंडीगल

हैदराबाद, 20 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारत सरकार द्वारा डुंडीगुल पुलिस स्टेशन को पूरे तेलंगाना राज्य के लिए सर्वश्रेष्ठ पुलिस स्टेशन के रूप में चुना गया है। गृह मंत्रालय (एमएचए) नियमित रूप से देश भर में पुलिस स्टेशनों की वार्षिक रैंकिंग आयोजित करता है। प्रक्रिया के हिस्से के रूप में, वर्ष 2022 के लिए सर्वश्रेष्ठ पुलिस स्टेशन के लिए वार्षिक रैंकिंग दी जाती है। जल्द ही पूरे भारत के लिए रैंकिंग जारी की जाएगी। डीजीपी, तेलंगाना राज्य अंजनी कुमार ने कहा कि एमएचए द्वारा उत्कृष्टता का यह प्रमाण पत्र अन्य पुलिस स्टेशनों के लिए प्रेरणा का स्रोत होगा। साइबराबाद के पुलिस आयुक्त स्टीफन रवींद्र ने डुंडीगुल पुलिस थाने के सिपाही डंडीगल इंस्पेक्टर रमना रेड्डी, मेडचल एसीपी वेंकट रेड्डी, डीसीपी संदीप की सराहना की। यह पुरस्कार कांस्टेबलों के योगदान के बिना संभव नहीं है।

सार्वजनिक रूप से प्राप्त प्रत्येक आवेदन के समाधान की दिशा में कार्रवाई : जिलाधिकारी

कुमरम भीम आसिफाबाद, 20 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कुमरम भीम आसिफाबाद जिलाधिकारी बोरकड़े हेमंत सहदेव राव ने कहा कि प्रजावाणी कार्यक्रम में प्राप्त होने वाले प्रत्येक आवेदन की गहनता से जांच की जाएगी और संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर निराकरण के लिए कदम उठाए जाएंगे। अपर जिलाधिकारी राजेशम व चाहत बाज पाई ने सोमवार को जिला केंद्र स्थित समाहरणालय भवन सभाकक्ष में आवेदकों से आवेदन प्राप्त किए। जिले की कैरी ग्राम पंचायतों में क्षेत्र सहायक के रूप में काम करने वाली गीते तुलसीराम ने तकनीकी कारणों से अपने आवेदन में अपना नाम बदलकर एमसीसी एम.सी. ने कहा कि क्षेत्र सहायक का पद नहीं आने के कारण रिक्त है। उन्होंने यह देखने के लिए कहा कि उनका नाम सामने आता है नजरूल नगर, कागज नगर मंडल के सुनील सना ने अपनी विरासत में मिली जमीन का ऑनलाइन पंजीकरण कराया है और नया पट्टादारू पासबुक देने के लिए आवेदन किया है। वांकीडी मंडल के कामनगुड़ा ग्राम पंचायत के आदिवासी किसानों ने बताया कि वे पिछले कुछ वर्षों से पाडु की खेती कर रहे हैं और उन्होंने इसे ऑनलाइन दर्ज करने के लिए आवेदन किया है क्योंकि वे इसे करते आ रहे हैं। रेब्बेना मंडल के पासिकम गांव की डोगरी संताबाई ने आवेदन दिया है कि सरकार द्वारा दी गई जमीन पर वह खेती कर रही है और इस जमीन का विवरण धरणी में दर्ज होना चाहिए। सिरपुर (टी) मंडल के इतिक्याला पहाड़ ने आवेदन देकर कहा है कि वन विभाग के अधिकारियों ने उनके गांव में माना उरु मनबादी कार्यक्रम के तहत एक स्कूल भवन के निर्माण पर आपत्ति जताई है.कागज नगर मंडल केंद्र के मोठे पोशाम ने वृद्धावस्था पेंशन के लिए आवेदन दिया। खगज नगर मंडल के नजूरुल नगर गांव की कमला मंडल ने अपने पति को बीमा राशि देने के लिए एक आवेदन प्रस्तुत किया है, जो रायतुबंधु सामूहिक जीवन योजना में शामिल हुए थे और हाल ही में उनकी मृत्यु हो गई थी। रेब्बेना मंडल के टक्कलापल्ली गांव की कम्मारी कमला ने आवेदन देकर अनुरोध किया कि उनकी पुरानी पासबुक में उनके स्वामित्व वाली भूमि को नई पासबुक में दर्ज नहीं किया गया है और इसे संशोधित कर धरणी ऑनलाइन में दर्ज किया गया है। आसिफाबाद मंडल के सालेगुड़ा गांव की सुंदराबाई ने विधवा पेंशन देने के लिए आवेदन किया था। इस अवसर पर बोलते हुए जिला कलक्टर ने अधिकारियों को समय-समय पर सार्वजनिक प्रसारण आवेदनों के निराकरण की दिशा में कदम उठाने का आदेश दिया। इस कार्यक्रम में जिला राजस्व अधिकारी राजेश्वर, जिला अधिकारी, संबंधित विभागों के अधिकारी सहित अन्य ने भाग लिया।

अपराध कम करने के लिए सजा दर बढ़ाएं : आईजी

आदिलाबाद, 20 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मल्टी जोन के महानिरीक्षक एस. चंद्रशेखर रेड्डी ने कहा कि अपराध दर तभी कम हो सकती है जब सजा की दर अधिक हो। उन्होंने पुलिस अधीक्षक डी उदय कुमार रेड्डी के साथ सोमवार को यहां पुलिस अधिकारियों के साथ एक बैठक बुलाई। चंद्रशेखर रेड्डी ने कहा कि खुफिया और अन्य स्रोतों से जानकारी जुटाना अपराधों को रोकने में अहम भूमिका निभाएगा। अपराधों को तभी नियंत्रित किया जा सकता है जब आरोपी व्यक्तियों को अपराधों की कुशलतापूर्वक जांच करके और अदालतों के समक्ष साक्ष्य के टुकड़े पेश करके दोषी ठहराया जाता है। उन्होंने कहा कि साक्ष्य जुटाने में प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल किया जा सकता है।

आईपीएस अधिकारी ने पुलिसकर्मियों से कहा कि वे राष्ट्रीय राजमार्गों पर गश्त बढ़ाएँ, जिसकी सीमा आदिलाबाद महाराष्ट्र से लगती है। उन्होंने पुलिस को पांच मिनट में अपराध स्थल पर पहुंचने और जनता का विश्वास जीतने के लिए कर्तव्यों का पालन करने के लिए कहा। उन्होंने उन्हें जांच के नाम पर संदिग्धों और गवाहों को परेशान नहीं करने का सुझाव दिया। उन्होंने थानों के परिसरों को साफ-सुथरा रखने और हरियाली बढ़ाने पर जोर दिया। महानिरीक्षक ने पुलिस अधिकारियों को प्रतिबंधित मटका, जुए के एक रूप, गुटखा, गांजा के व्यापार और वेश्यावृत्ति पर अंकुश लगाने के लिए कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने उन्हें साम्प्रदायिक सद्भाव बढ़ाने के लिए कार्यक्रम आयोजित करने की सलाह दी। उन्होंने चेतावनी दी कि दोषी पुलिस और असामाजिक तत्वों को सहयोग करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई शुरू की जाएगी। वह चाहते थे कि अधिकारी पुलिसकर्मियों का कल्याण और उन्हें वैधानिक लाभ सुनिश्चित करें। पंचला वेंकटेश्वरलू, गिनाला सत्यनारायण, जिला पुलिस अधिकारी संघ के चिंदम देवीदास, एडिशनल एसपी बी रामुलु नाइक, पी समय जॉन, डीएसपी वी उमेंदर, उमामहेश्वर राव, पी श्रीनिवास, इंस्पेक्टर और सब-इंस्पेक्टर मौजूद थे।

नक्सलियों ने अलग-अलग घटनाओं में तीन पुलिसकर्मियों की हत्या कर दी

कोत्तागुडेम, 20 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। छत्तीसगढ़राज्य में अलग-अलग घटनाओं में भाकपा (माओवादियों) द्वारा तीन पुलिसकर्मियों की हत्या कर दी गई। छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र सीमा पर राजनांदगांव जिले के बोरतलाव पुलिस थाने की सीमा के तहत हुई एक घटना में नक्सलियों ने दंतेवाड़ा जिले के एक हेड कांस्टेबल राजेश सिंह राजपूत और राजनांदगांव जिले के डोंगरगढ़ के कांस्टेबल अनिल कुमार सम्राट पर फायरिंग कर दी। पुलिस अधीक्षक अभिषेक मीणा ने मीडिया को बताया कि वे बोरतलाव पुलिस कैंप से महाराष्ट्र सीमा पर एक चौकी जा रहे थे और निहत्थे थे। नक्सलियों के एक समूह ने कथित तौर पर उन पर 20 राउंड फायरिंग की और एक मोटरसाइकिल को जला दिया, जिस पर वे यात्रा कर रहे थे। यह क्षेत्र माओवादियों के महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ (एमएमसी) क्षेत्र के अंतर्गत आता है। घटना के बाद इलाके में तलाशी अभियान शुरू किया गया है। एक अन्य घटना में बीजापुर जिले के भैरमगढ़ थाना क्षेत्र के बेलचर गांव में रविवार रात नक्सलियों ने एक हेड कांस्टेबल मनीराम वेट्टी की हत्या कर दी। वह अपने भाई के विवाह समारोह में शामिल होने के लिए गांव आया हुआ था। नक्सलियों ने उसे बाहर बुलाया, जहां समारोह हो रहा था, वहां से उसे दूर ले गए और चाकू से उसका गला रेत दिया और वहां से फरार हो गए। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और तलाशी अभियान शुरू किया।

शिव मंदिर गौशाला, शमशेरगंज में अमावस्या पर गोसेवा करते हुए गोभक्त।

कोटेश्वर शिव मंदिर महाशिवरात्रि पर हुआ आयोजन

हैदराबाद, 20 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सूर्या कॉलोनी वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा कोटेश्वर शिव मंदिर, सूर्या कॉलोनी, सुभाष नगर में सुभाष नगर 130 डिवीजन कॉर्पोरेटर सुरेश रेड्डी की अध्यक्षता में एवं वार्ड मेंबर शिशु के मार्गदर्शन में महाशिवरात्रि का भव्य आयोजन किया गया। सूर्या कॉलोनी वेलफेयर एसोसिएशन, सुभाष नगर, हैदराबाद के महासचिव एम. पी. चतुर्वेदी ने बताया कि हर साल की भांति इस साल भी चौबीस घण्टें ओम नमः शिवाय का जाप किया गया। कार्यक्रम में पूरे कॉलोनी के लोगों का भरपूर सहयोग रहा। इस अवसर पर अध्यक्ष एन. के दास, उपाध्यक्ष राजू मिश्रा, आकाश, दिलीप, राहुल, एस. एन दुबे, विजय, अनिल कुमार, सुरेश सैनी, राजेश मिश्रा, सरिता आदि कार्यकर्ताओं ने पूजा को सफल बनाने में भरपूर सहयोग दिये।

भद्राचलम में गोदावरी में दो किशोर डूबे

कोठागुडेम, 20 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। गोदावरी नदी में तैरने गए और रविवार को लापता हुए दो किशोरों वासु (17) और अकबर (16) के शव सोमवार को मिले। भद्राचलम शहर में अशोक नगर, कोठा कॉलोनी, एएमसी कॉलोनी, एमपी कॉलोनी और जगदीश कॉलोनी के छह युवक रविवार शाम आंध्र प्रदेश के भद्राचलम और यतापका गांव के बीच के इलाके में नदी में तैरने गए। दो नदी में बह गए जबकि चार भाग निकले। बाल-बाल बचे युवकों ने पुलिस को घटना के बारे में रविवार रात होने के बाद बताया और इसलिए लापता लड़कों की तलाश के लिए तुरंत अभियान शुरू नहीं किया जा सका। शहर के सीआई नागराजू रेड्डी और एसआई मधु प्रसाद के नेतृत्व में पुलिस कांस्टेबल कोटी और ओडेला ने पानी में प्रवेश किया और शवों को बरामद किया। युवकों की मौत से कस्बे में मातम पसर गया है।

पुलिसकर्मियों का प्रशिक्षण हुआ समाप्त

हैदराबाद, 20 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस महानिदेशक, तेलंगाना राज्य के आदेशों के अनुसार, तेलंगाना राज्य के विभिन्न क्षेत्रों के (130) पुलिस कर्मियों का केंद्र, पेटलाबुर्ज, हैदराबाद, शहर पुलिस प्रशिक्षण में सशस्त्र पुलिस पीसी के लिए दो सप्ताह का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षुओं को आगामी दिनों में दिन-प्रतिदिन की चुनौतियों का सामना करने के लिए पुलिस कानूनों, पुलिस कर्मियों के कल्याण और फील्ड क्राफ्ट के विषयों पर पढ़ाया गया। एम. श्रीनिवासलू, आईपीएस, जे.टी. पुलिस आयुक्त, सीएआर मुख्यालय और प्रशिक्षण, हैदराबाद मद्दीपति श्रीनिवास राव, अपर डीसीपी/प्रिंसिपल, सीपीटीसी, हैदराबाद के साथ मुख्य अतिथि के रूप में प्रशिक्षण सत्र के समापन समारोह में शामिल हुए। समापन समारोह में इंडोर और आउटडोर स्टाफ ने भी भाग लिया। मुख्य अतिथि की उपस्थिति में प्रशिक्षुओं ने अपने अच्छे अनुभव साझा किए।

गोशामहल, बेगम बाजार क्षेत्रों में ब्रह्मकुमारीज द्वारा निकाली गई शांति यात्रा में भाग लेती हुईं केंद्र प्रभारी बीके हेमलता व अन्य।

विश्व मंगल गौशाला में भजन कार्यक्रम सम्पन्न

हैदराबाद, 20 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवती अमावस्या पर विश्व मंगल गौशाला, सोमाराम विलेज, मेड़चल में मासिक धार्मिक और भजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सोमवती अमावस्या के शुभ अवसर पर गौशाला में हैदराबाद और मेडचल के आसपास के गोभक्तो की भीड़ लगी और श्रद्धाअनुसार गौसेवा की। गौशाला के प्रांगण में साध्वी वैरागी बाई, जोधपुर, रविंदर सिंह राजपुरोहित तथा ओमप्रकाश सुथार भलोत्रा के सुरीले भजनों से सारा प्रांगण भजनम्य हो गया। इस मौके पर देवासी समाज के अध्यक्ष केवल राम, किशना राम, मोहन लाल बर्फा, शेषाराम, विशना राम सुथार, जसराज, रमेश सीरवी, सुरेश कुमार, खेताराम, परभुराम सुथार, धर्मा राम, प्रकाश वैष्णव, अशोक कुमार, मानसिक सीरवी, हरी राम, नारायण राम सीरवी, गोगाराम, बंसी लाल, रमेश, देवाराम सीरवी, भगवाना राम, मनोज भाई तथा अन्य गौसेवको ने उपस्थिति दर्ज करवाई। गौशाला सचिव शांतिलाल सुथार, दलपत सिंह तथा प्रवेश शर्मा ने सभी का आभार प्रकट किया।

शमशाबाद एयरपोर्ट पर बम की धमकी

हैदराबाद, 20 (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के शमशाबाद स्थित राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर आज बम की धमकी का फोन आया। एक हमलावर ने हैदराबाद-चेन्नई फ्लाइट में बम लगाने की बात कही थी। इससे हड़कंप मच गया। अलर्ट एयरपोर्ट अधिकारियों ने बम स्क्वायड और डॉग स्क्वायड के साथ निरीक्षण किया। अधिकारियों ने कहा कि निरीक्षण के दौरान कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली।

दूसरी ओर, खुफिया अधिकारियों ने पाया कि धमकी देने वाला व्यक्ति हवाई अड्डे पर था। चेन्नई में एक वरिष्ठ इंजीनियर के रूप में कार्यरत अजमीरा भद्रैया ने यह कॉल किया था। हवाईअड्डे पर देर से पहुंचने के कारण एयरलाइन के कर्मचारियों ने उन्हें अनुमति नहीं दी। इसके साथ ही पुलिस ने पुष्टि की कि उसने यह धमकी भरा कॉल किया था। उसे हिरासत में लिया गया था।

हैदराबाद में जारी रहेगा गर्म, उमस भरा मौसम

हैदराबाद, 20 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। यूसुफगुडा में भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के मौसम केंद्र में अधिकतम तापमान 34.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किए जाने के साथ शहर में सोमवार को गर्म स्थिति बनी रही। शहर का औसत तापमान 32 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग-हैदराबाद के अनुसार, अगले पांच दिनों तक ऐसी गर्म और उमस भरी मौसम की स्थिति जारी रहने की उम्मीद है।

सत्यम्-शिवम्-सुंदरम् गौनिवास, गगनपहाड में अमावस्या पर गोसेवा करते हुए श्रद्धालु।

उपेंद्र कुशवाहा का जेडीयू से इस्तीफा

18 साल में तीन बार छोड़ा नीतीश का साथ; दूसरी बार बनाई नई पार्टी

पटना, 20 फरवरी (एजेंसियां)। जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने अपनी राह अलग कर ली है। उन्होंने अपनी नई पार्टी राष्ट्रीय लोक जनता दल की घोषणा कर दी है। वह उसके राष्ट्रीय अध्यक्ष होंगे। 18 साल में ये तीसरी बार है जब उपेंद्र कुशवाहा ने नीतीश का साथ छोड़ा है। दूसरी बार उन्होंने अपनी नई पार्टी बनाई है। इस्तीफे से पहले उपेंद्र कुशवाहा ने कहा कि नीतीश कुमार के साथ शुरुआत अच्छी थी, लेकिन अंत बुरा। उपेंद्र कुशवाहा ने बताया कि अब नया सफर शुरू करेंगे।

जमीन बेचकर अमीर नहीं बन सकते

इसलिए एमएलसी पद से भी इस्तीफा दूंगा। विधान परिषद के सभापति से मिलकर एक-दो दिन में इस्तीफा भी सौंप दूंगा। उपेंद्र कुशवाहा ने सोमवार को पटना में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि जेडीयू के कार्यकर्ता परेशान हैं। मुख्यमंत्री ने शुरुआत में अच्छा काम किया, लेकिन आखिर में उन्होंने जो किया वो अच्छा नहीं हुआ। नीतीश जी जिस रास्ते पर चल रहे हैं। वो पार्टी के लिए सही नहीं है।

पार्टी को गिरवी रख दिया

मैंने जब पार्टी में सवाल उठाया तो मुझे मुख्यमंत्री जी ने कह दिया पार्टी छोड़कर चले जाइए। नीतीश जी के पास है क्या। उनके पास अब कुछ नहीं बचा है। नीतीश जी ने पार्टी को गिरवी रख दिया। मैं उनसे क्या हिस्सा मांगू। उनके हाथ में शून्य है। जीरो है। नीतीश जी पहले कोई भी फैसला खुद लेते थे। कार्यकर्ताओं और नेताओं से बात करते थे। उनके खुदके फैसले सही होते थे। आज की तारीख में वो कोई फैसला खुद नहीं लेते हैं। मुख्यमंत्री जी अपनी मर्जी से कुछ भी नहीं कर रहे हैं। वो डरे हुए लोगों की सलाह पर चल रहे हैं। नीतीश जी गलत रास्ते पर चल रहे हैं।

पड़ोसी के घर में उत्तराधिकारी ढूंढ रहे नीतीश

नीतीश जी पड़ोसी के घर में उत्तराधिकारी ढूंढ रहे हैं। अगर वो अतिपिछड़ा समाज से किसी को चुनते तो हमें कोई परेशानी नहीं होती। उपेंद्र कुशवाहा नहीं पसंद थे तो कोई बात नहीं, लेकिन परिवार में ही ढूंढना था। बीजेपी का साथ छोड़कर नया गठबंधन बना लिया गया। उस वक्त भी हमने साथ दिया। उपेंद्र कुशवाहा पिछले 2 दिनों से जेडीयू के अपने नेताओं के साथ बैठक कर रहे थे। बैठक में फैसला लिया गया है कि नई पार्टी बनाएंगे और उसके अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा होंगे।

पहले भी 2 बार नीतीश का साथ छोड़ चुके हैं कुशवाहा

उपेंद्र कुशवाहा 2 बार पहले भी नीतीश कुमार का साथ छोड़ चुके हैं। साल 2005 में जब बिहार विधानसभा चुनाव में बीजेपी और जेडीयू की अगुआई वाली एनडीए बिहार की सत्ता में आई तब कुशवाहा अपनी ही सीट से चुनाव हार गए। इसके बाद कुशवाहा और नीतीश के बीच दूरियां बढ़ गईं। उन्होंने जेडीयू को छोड़कर नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए थे। हालांकि साल 2010 में नीतीश के कहने पर कुशवाहा ने घर वापसी की। उपेंद्र एक बार फिर जेडीयू में आ गए, लेकिन ज्यादा दिन तक साथ नहीं रहे। साल 2014 में लोकसभा चुनाव से ठीक पहले मार्च 2013 में उपेंद्र कुशवाहा ने अपनी नई पार्टी राष्ट्रीय लोक समता पार्टी (रालोसपा) बना ली। 2014 के लोकसभा चुनाव में एनडीए को अपना समर्थन भी दे दिया। बिहार की तीन लोकसभा सीट पर उनकी पार्टी ने चुनाव लड़ा और तीनों सीटें जीत लीं। इसके इनाम में उन्हें मोदी कैबिनेट में जगह मिली और वो मानव संसाधन राज्य मंत्री बने।

अब तक 9 बार चुनाव लड़ चुके हैं कुशवाहा

उपेंद्र कुशवाहा ने अपनी पूरी राजनीति करियर में 9 बार चुनाव लड़ा। जिसमें 7 बार वह चुनाव हारे हैं। महज दो बार ही उन्होंने चुनाव जीता है। पहली बार वे 2000 में समता पार्टी के उम्मीदवार के तौर पर वैशाली जिले की जंदाहा विधानसभा सीट से जीतकर विधायक बने थे।

वहीं, दूसरी बार उपेंद्र कुशवाहा 2014 के लोकसभा चुनाव में काराकाट सीट जीतकर सांसद बने। इसके अलावा 2010 में वह राज्यसभा के सांसद बने और 2021 में विधान परिषद के सदस्य बने। हालांकि उपेंद्र कुशवाहा के नाम पर यह रिकॉर्ड जरूर है कि वह चारों सदनों के सदस्य रह चुके हैं। उपेंद्र कुशवाहा के बाद जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह ने भी प्रेस कॉन्फ्रेंस कर उनको जवाब दिया। उन्होंने कहा कि सुना है वो नई पार्टी बना रहे हैं। उन्हें हमारी ओर से शुभकामनाएं हैं। वो इसके पहले भी जेडीयू को कई बार छोड़कर जा चुके हैं। उनकी कोई वैल्यू नहीं थी, लेकिन जेडीयू ने उन्हें किसी लायक बनाया। वो जहां भी जाएं स्थिर से रहें। उपेंद्र कुशवाहा अति महत्वाकांक्षी हैं। कुछ दिनों बाद देख लीजिएगा उनका क्या हश्र होता है। उन्होंने कहा कि पिछले दिसंबर से वो क्या कर रहे थे। कहां-कहां गए। दिल्ली से पटना। पटना से दिल्ली लगे रहे। वो जा रहे थे तो जाएं, इसलिए हम कह रहे थे। निशाना उनका दिल्ली पर था और बता रहे थे कि जेडीयू कमजोर हो रही है। उनके कुनबे के कई साथी हमसे मिलते रहे। उन लोगों ने ही बताया कि ये अति महत्वाकांक्षी हैं। हम इनके साथ कहीं जाने वाले नहीं हैं। तेजस्वी को उत्तराधिकारी बनाने के सवाल पर ललन सिंह ने कहा कि 2025 की बात अभी मत कीजिए। जदयू अभी जिंदा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार हैं। 2025 की बात 2025 में करेंगे।

पटना में पार्किंग विवाद में तीसरी मौत

आरोपी के गोदाम-मैरिज हॉल में आग लगाई पथराव के बाद पुलिस ने फायरिंग की

पटना, 20 फरवरी (एजेंसियां)। पटना के फतुहा के जेठुली गांव में पार्किंग विवाद की फायरिंग में अब तक तीन लोगों की मौत हो गई है। इसके विरोध में दूसरे दिन सोमवार सुबह से दोपहर तक फिर उपद्रव हुआ। सुबह-सुबह मुख्य आरोपी बच्चा राय के भाई उमेश राय के घर, गोदाम और मैरिज हॉल में पीड़ित गुट ने आग लगा दी। दोपहर साढ़े बारह बजे अंतिम संस्कार करके लौट रही भीड़ ने पुलिस पर फिर पथराव कर दिया। पुलिस ने चार राउंड हवाई फायरिंग की। आरोपी के घर पीड़ित परिवार धरने पर बैठ गया है। इलाके में तनाव बना हुआ है। 300 से ज्यादा जवान तैनात हैं।

रविवार को दो गुटों- बच्चा राय और चनारिक राय, में झड़प के दौरान राइफल, देसी कट्टा और 9mm के पिस्टल से 50 राउंड फायरिंग हुई थी। गोली लगने से चनारिक गुट के दो लोगों की मौत हो गई थी। चनारिक राय समेत तीन लोग बुरी तरह से घायल हो गए थे। सोमवार करीब तीन बजे घायल मुनारिक राय की भी मौत हो गई। बाकी दो लोगों का अंतिम संस्कार कर दिया गया है।

यहां से शुरू हुआ विवाद

बच्चा राय और चनारिक राय के बीच विवाद जिम की छह कट्ठे जमीन को लेकर चल रहा था। जमीन सड़क के किनारे है। कीमत करीब 3 करोड़ है। जमीन पर दोनों गुट दावा जता रहे हैं। फिलहाल इस पर बच्चा का कब्जा है। रविवार बच्चा राय ने जिम के पास गिट्टी गिराई थी। दोपहर करीब डेढ़ बजे चनारिक वहां पहुंचा और गाड़ी पार्क करने लगा। यहां बच्चा और चनारिक में बहस और हाथापाई हुई। थोड़ी देर में ही बच्चा के समर्थक हथियार के साथ पहुंचे और फायरिंग करने लगे। इसमें चनारिक समेत 5 लोगों को गोली लगी।

परिवार और आसपास के लोग पांचों को अस्पताल ले गए। अस्पताल में 25 साल के गौतम की मौत हो गई। करीब एक घंटे बाद 18 साल के रोशन की भी मौत हो गई। लोगों ने बच्चा राय के मैरिज हॉल और उसके भाई के घर में आग लगा दी। मौके पर पहुंची पुलिस पर पथराव कर दिया। पुलिस ने महिलाओं और बच्चों को घर से निकाला। तीन घंटे बाद आग पर काबू पाया गया। इस मामले में पुलिस ने मुखिया पति बच्चा राय, उसके भाई उमेश राय समेत 8 लोगों को गिरफ्तार कर लिया।

राजाभैया की पत्नी ने अक्षय प्रताप सहित पांच पर दर्ज कराया केस

धोखोधड़ी और जालसाजी का आरोप

प्रतापगढ़, 20 फरवरी (एजेंसियां)। कुंडा के विधायक और सूबे के पूर्व कैबिनेट मंत्री रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजाभैया की पत्नी भानवी कुमारी ने राजाभैया के बेहद करीबी और एमएलसी अक्षय प्रताप सिंह सहित पांच लोगों के खिलाफ नई दिल्ली के आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्लू) थाने में धोखाधड़ी और जालसाजी सहित कई धाराओं में मुकदमा दर्ज करा दिया है। उन्होंने सीआरपीसी 420, 467, 468, 471,109 और 120 बी के तहत मुकदमा दर्ज कराया है।

राजाभैया के बेहद खास हैं अक्षय प्रताप

विधान परिषद सदस्य अक्षय प्रताप सिंह रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजाभैया के बेहद खास हैं। अक्षय प्रताप सिंह तीन बार से एमएलसी हैं और एक बार प्रतापगढ से सांसद भी रह चुके हैं। वह राजाभैया के रिश्तेदार भी हैं। अक्षय प्रताप सिंह के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराए जाने को लेकर राजनैतिक गलियारों में माहौल गर्म हो गया है और इसको राजाभैया के परिवार में चल रहा मतभेद भी सामने आ गया है।

संपत्ति को लेकर जुड़ा है विवाद

बताया है जाता है कि राजाभैया की पत्नी भानवी कुमारी ने संपत्ति को लेकर अक्षय प्रताप सिंह सहित पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। उन्होंने फर्जी तरीके से संपत्तियों का संचालन करने और कूटरचित तरीके से उनका दस्तखत करके संपत्तियों और शेयरों की हेराफेरी करने का आरोप लगाया है।

फर्जी पते पर रिवॉल्वर का लाइसेंस लेने पर हो चुकी है सजा

एमएलसी और पूर्व सांसद अक्षय प्रताप सिंह को फर्जी पते पर रिवॉल्वर का लाइसेंस लेने के मामले में एमपीएमएलए कोर्ट से सजा भी मिल चुकी है। एमएलसी चुनाव के ठीक के पहले 23 मार्च 2022 को सात साल की सजा और 10 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई गई थी, हालांकि जिला जज की अदालत ने उन्होंने दोषमुक्त कर दिया था।

समस्तीपुर में पूर्व मुखिया समेत दो का दिनदहाड़े मर्डर

समस्तीपुर, 20 फरवरी (एजेंसियां)। समस्तीपुर में दिनदहाड़े पूर्व मुखिया और उनके सहयोगी की हत्या कर दी गई। दोनों सोमवार सुबह बाइक से अपने ईंट भट्ठा पर जा रहे थे। ब्रह्म स्थान के पास पूर्व से घात लगाए अपराधियों ने दोनों घेर लिया और ताबड़तोड़ फायरिंग करने लगे। अपराधियों ने पूर्व मुखिया को 5 गोली और उनके सहयोगी को 3 गोली मारी। विभूतिपुर थाना क्षेत्र के मडडीहा गांव स्थित ब्रह्म स्थान के पास की है। दोनों मर्डर के पीछे की वजह चुनावी रंजिश बताई जा रही है। इधर, गोलीबारी के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। लोगों ने दोनों घायलों सदर अस्पताल में भर्ती करवाया। यहां डॉक्टरों ने पूर्व मुखिया को मृत घोषित कर दिया और उनके सहयोगी को डीएमसीएच रेफर कर दिया। परिजन डीएमसीएच लेकर जा रही रहे थे कि रास्ते में उन्होंने भी दम तोड़ दिया।

राज्यपाल के अभिभाषण के बीच सपा विधायकों ने किया हंगामा

सदन कल तक के लिए स्थगित

लखनऊ, 20 फरवरी (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी (सपा) के विधायकों ने विधानसभा सत्र शुरू होने से पहले लखनऊ में राज्य विधानसभा के बाहर राज्य सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। सपा विधायक शिवपाल सिंह यादव के नेतृत्व में धरने पर बैठ गए हैं। विधानसभा मार्शल ने मीडिया को हटने के लिए कहा है। मीडिया को कवरेज करने से रोका जा रहा है। अखिलेश यादव भी विधानसभा पहुंच गए हैं। विधानसभा के बाहर सपा विधायक तख्तियां लेकर धरने पर बैठे हैं। भारी संख्या में पुलिस बल मौजूद है।

राज्यपाल के अभिभाषण के बीच सपा के विधायक वैल में आए। राज्यपाल वापस जाओ के नारे लगा रहे हैं। हंगामा करते हुए नारे लगा रहे है कि संविधान विरोधी सरकार नहीं चलेगी, ये जनता का पैसा खाते है घपलेबाज सरकार चलाते हैं। हालांकि, इस दौरान हंगामे के बीच राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने अपना अभिभाषण पूरा किया। अभिभाषण के बाद सदन की कार्यवाही मंगलवार सुबह तक के लिए स्थगित कर दी गई। उधर, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सदन की उच्च गरिमा और मर्यादा को बनाए रखते हुए गंभीर चर्चा को आगे बढ़ाने से लोकतंत्र के प्रति आमजन की आस्था बढ़ती है। प्रदेश सरकार राज्य के विकास एवं जनकल्याण से जुड़े मुद्दों पर सदन में चर्चा के लिए तैयार है। विधानसभा में सकारात्मक माहौल में चर्चा होनी चाहिए। संसदीय परंपराओं का पालन करते हुए सभी सदस्यों को अपने सुझावों एवं मुद्दों को सदन में रखना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की जनता ने बड़े विश्वास के साथ सदस्यों को देश की सबसे बड़ी विधानसभा में चुनकर भेजा है। जनता के विश्वास पर खरा उतरना सभी सदस्यों का कर्तव्य है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि अभी सत्र की कार्यवाही 20 फरवरी से लेकर 10 मार्च तक निर्धारित की गई है। अगर कोई तीथि महत्वपूर्ण लगती है तो हम शनिवार को भी चर्चा करने के बारे में सोचेंगे। हम इसे एक अच्छी बहस का मंच बनाए। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की 25 करोड़ जनता के लिए 22 फरवरी को सदन में बजट प्रस्तुत होगा। बजट पर दोनों सदनों में चर्चा होने के बाद इसे पारित किया जाएगा। उधर, सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि जो लोग इन्वेस्टर समिट में लगाए पौधे को नहीं बचा पा रहे हैं वह इन्वेस्टमेंट कहां से लाएंगे।

रामचरितमानस पर स्वामी प्रसाद मौर्य के बयान पर अखिलेश यादव ने कहा कि इसका जवाब सदन में देंगे। उन्होंने कहा कि ये सरकार वो झूठी सरकार है जिसने कहा कि एक लाख करोड़ रुपए मंडी के इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए देंगे, आप बताइए उत्तर प्रदेश में इन्होंने एक भी मंडी बनाई? दोनों सरकारों ने मिलकर हमारे गांव, गरीबों को लूटा है और बेरोजगारी चरम सीमा पर है। कानून व्यवस्था भी ध्वस्त है।

आजम खां के नाम की तख्ती तोड़ने के आरोप में मुस्लिम लीडर गिरफ्तार

रामपुर, 20 फरवरी (एजेंसियां)। अखिल भारतीय मुस्लिम महासंघ के प्रमुख फरहत अली खान को बापू मॉल में समाजवादी पार्टी (सपा) के नेता मोहम्मद आजम खान और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के नाम वाली तख्ती को तोड़ने के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। फरहत अली खान ने रविवार को तख्ती को तोड़ने के लिए हथौड़े का इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा कि आजम खान को वोट देने का अधिकार नहीं है और प्रशासन को उनके नाम की सभी पट्टिकाएं हटा देनी चाहिए।

उन्होंने मांग की कि प्रशासन आजम खान के नाम की सभी पट्टिकाओं को हटा दे और उनकी मांग पूरी नहीं होने पर खुद उन्हें तोड़ने की धमकी दी। उन्होंने कहा, वह आदमी जिसने लोगों के घरों को तोड़ दिया और अब उसे एक अपराधी के रूप में दोषी ठहराया गया है। आजम के नाम की तख्ती बड़ी बात है, वह देश में रहने लायक भी नहीं है। मैं मांग करता हूं कि प्रशासन राज्य से उनके सभी तख्तों को तोड़ दे वरना मैं उनमें से प्रत्येक को अपने दम पर तोड़ दूंगा। सद्दाम और तालिबान का शासन समाप्त हो गया है और केवल राष्ट्रवाद का शासन है। केवल वे मुसलमान जो राष्ट्रवादी विचारधारा के हैं, भारत में रहेंगे। मुझमें साहस था, इसलिए मैंने पट्टिका को तोड़कर दिखाया है।

अखिलेश ने कहा–बुलडोजर के कारण गई मां–बेटी की जान

जातीय जनगणना की मांग की, कहा-सीएम दूसरे प्रदेश से आए हैं, उन्हें इससे मतलब नहीं

लखनऊ, 20 फरवरी (एजेंसियां)। यूपी विधानसभा के बजट सत्र की शुरुआत सोमवार को हंगामेदार हुई। सत्र शुरू होते ही सपा विधायकों ने प्रदर्शन शुरू कर दिया। शिवपाल यादव की अगुवाई में विधायक परिसर में हाय-हाय के नारे लगाते हुए धरने पर बैठ गए। इस दौरान विधायकों की पुलिस और मार्शलों से नोकझोंक भी हुई। इसके थोड़ी देर बाद राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने अभिभाषण शुरू किया।

सपा और आरएलडी विधायकों ने 'राज्यपाल वापस जाओ' के नारे लगाए हुए वेल पर आ गए। इसी हंगामे के बीच राज्यपाल अपना अभिभाषण पढ़ती रहीं। हंगामे के बीच राज्यपाल ने 1 घंटा 1 मिनट का अभिभाषण पूरा किया। फिर वो विधानसभा से निकल गईं। इसके बाद विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने परिषद की कार्यवाही मंगलवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

अखिलेश बोले- बुल्डोजर के कारण कानपुर में गई मां-बेटी की जान

अखिलेश यादव ने कानपुर देहात में मां-बेटी की जिंदा जलकर मौत मामले में सरकार को आड़े हाथों लिया। कहा, कानपुर देहात में मां-बेटी की जान गई है, उसका कारण है सरकार, प्रशासन और बुलडोजर। क्या आज के समय में बुलडोजर चलाएंगे आप? आप बुलडोजर लेकर घूम रहे हैं और उम्मीद करते हैं कि इन्वेस्टमेंट आएगा। आप सपने कितने बड़े दिखा रहे हैं, जो अपने गमले नहीं बचा पा रहे हैं, पेड़-पौधे सूख गए हों, उनसे इन्वेस्टमेंट क्या उम्मीद करोगे।

अखिलेश ने जातीय जनगणना की मांग को एक बार फिर दोहराया। विधानसभा के बाद मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा, सपा पहली बार जातीय गणना के पक्ष में नहीं है। देश के बहुत सारे दल भी इसके पक्ष में हैं। हम आज फिर से जातीय जनगणना की मांग करते हैं। सबका साथ-सबका विकास तभी संभव है, जब जातीय जनगणना हो। मुख्यमंत्री दूसरे प्रदेश से आए हैं। उन्हें यूपी की जातीय जनगणना से कोई मतलब नहीं है।

हंगामा ठीक नहीं, शांतिपूर्ण चले सदनः सीएम योगी

वहीं, योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा परिसर में मीडिया से बात की। उन्होंने कहा, हम चाहते हैं कि सदन शांतिपूर्ण तरीके से चले। सभी मुद्दों और सभी विषयों पर चर्चा हो। किसी भी तरह का हंगामा करना उचित नहीं है।

निवेश को जमीन पर उतारने के लिए काम शुरू

शहरी क्षेत्रों में 634 हेक्टेयर का लैंडबैंक तैयार

लखनऊ, 20 फरवरी (एजेंसियां)। वैश्विक निवेशक सम्मेलन (जीआईएस) में मिले प्रस्तावों को जमीन पर उतारने के लिए तेजी से काम शुरू हो गया है। आवास विभाग ने इनके आधार पर भूमि उपलब्ध कराने के लिए अब तक 634.449 हेक्टेयर का लैंडबैंक तैयार किया है। जरूरत के मुताबिक यह भूमि निवेशकों को उपलब्ध कराई जाएगी।

जीआईएस में होटल, लॉजिस्टिक, पर्यटन जैसे सेक्टर में निवेश के बड़े प्रस्ताव आए हैं। ये ऐसे सेक्टर हैं, जिसके निवेशकों को शहरी क्षेत्र में ही जमीन की जरूरत होगी। इसके मद्देनजर ही सरकार ने सम्मेलन के पहले से ही आवास एवं नियोजन विभाग को आवास विकास परिषद और विकास प्राधिकरणों को लैंडबैंक तैयार करने को कहा था।

प्रमुख सचिव आवास एवं नियोजन नितिन रमेश गोकर्ण ने सभी विकास प्राधिकरणों को लैंडबैंक तैयार कर रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए थे। इसी क्रम में अब तक आवास विकास परिषद समेत 14 विकास प्राधिकरणों ने उपलब्ध 634.449 हेक्टेयर भूमि के बारे में रिपोर्ट शासन को भेज दी है। उधर, आवास विभाग भी इस उपलब्धता के मुताबिक सेक्टरवार निवेशकों को भूमि आवंटन की प्रक्रिया तैयार करने में जुट गया है। आवंटन का प्रस्ताव तैयार करके जल्द ही मुख्यमंत्री के समक्ष रखा जाएगा।

इन सेक्टरों को दी जाएगी भूमि

ट्रांसपोर्ट, होटल, सीएनजी फिलिंग स्टेशन, सिटी क्लब, स्कूल, ग्रुप हाउसिंग, सुपर स्पेशिलिटी हॉस्पिटल, नर्सिंगहोम, सेंटर प्लाजा। नीलामी के आधार पर इन्हें जमीन दी जाएगी। शहरी क्षेत्र की जमीन होने की वजह से कीमत अधिक होगी और भूमि की व्यवस्था के लिए किसानों से बातचीत की जा रही है।

बुलंदशहर में 1.25 लाख का इनामी डकैत एनकाउंटर में ढेर

बुलंदशहर, 20 फरवरी (एजेंसियां)। बुलंदशहर में सवा (1.25) लाख के इनामी डकैत साहब सिंह को एनकाउंटर में मार गिराया गया।

एसपी सिटी सुरेन्द्र नाथ तिवारी ने बताया, "आज सुबह चार बजे डकैत साहब सिंह को यूपी एसटीएफ ने नोएडा और बुलंदशहर पुलिस की मदद से घेर लिया। पुलिस को देखते ही डकैत ने फायरिंग कर दी। जवाबी फायरिंग में डकैत को तीन गोली लगी। इसके बाद उसे घायल अवस्था में जिला अस्पताल लाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया गया। फिलहाल, पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

गोंडा पुलिस ने 1 लाख का इनाम रखा था

डकैत साहब सिंह पर गोंडा पुलिस ने 1 लाख का इनाम रखा था। इसके अलावा बुलंदशहर पुलिस ने भी उस पर 25 हजार का इनाम घोषित किया था। साहब सिंह ने 18 अगस्त 2001 को गोंडा के कोतवाली नगर क्षेत्र में घर में घुसकर साथियों के साथ डकैती डाली थी। इसमें घर के सभी 12 लोगों को गंभीर रूप से घायल कर दिया था।

यूपी बजट सत्र : मायावती बोलीं

राज्यपाल का अभिभाषण सरकार की विफलताओं पर पर्दा डालने वाला

लखनऊ, 20 फरवरी (एजेंसियां)। बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा कि यूपी में बजट सत्र के पहले दिन राज्यपाल द्वारा दिया गया भाषण राज्य सरकार की विफलताओं पर पर्दा डालने का एक निरर्थक प्रयास है। उन्होंने उन्होंने ट्वीट के जरिए कहा कि यह अभिभाषण लोगों को त्रस्त करती महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी और पिछड़ेपन व अशांत माहौल आदि के खास मामलों में सरकार द्वारा विफलताओं पर पर्दा डालने की का निरर्थक प्रयास है। उन्होंने कहा कि यूपी में सत्ता भोगी तत्वों को छोड़कर सरकारी दावों के विपरीत आज हर वर्ग सरकार की नीतियों से पीड़ित और दुखी है। लोगों को उनका हक व इंसाफ नहीं मिल पाना सरकार की सबसे बड़ी विफलता है। सरकार को इस ओर ध्यान देना चाहिए।

बजट सत्र : ग्रामीण अर्थव्यवस्था दोहन पर हरियाणा का रहेगा जोर-राज्यपाल

चंडीगढ़, 20 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा विधानसभा का बजट सत्र सोमवार को शुरू हो गया। राज्यपाल के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने अभिभाषण में कहा कि भारत को 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने में योगदान के लिए हरियाणा को ग्रामीण अर्थव्यवस्था के दोहन की योजनाएं बनानी होंगी। कृषि, पशुपालन, बागवानी व सहकारिता पर फोकस करते हुए ही इस विजन को प्राप्त करने में आगे बढ़ना होगा। उन्होंने बताया कि हरियाणा ने सदैव कृषि और बागवानी पर जोर दिया है। कृषि और बागवानी का बजट 2014 में 1,026 करोड़ रुपये से 4 गुना से अधिक बढ़कर 2022 में 4,379 करोड़ रुपये हो गया है। कृषि और बागवानी बजट में 2014 से 2022 तक चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर 19.9 प्रतिशत है।

राज्यपाल ने अपने अभिभाषण में कहा कि कृषि के साथ-साथ बागवानी, सहकारिता पर जोर देना होगा। वर्ष 2022-23 में बागवानी किसानों के लिए मुख्यमंत्री बागवानी बीमा योजना नामक समर्पित फसल बीमा योजना शुरू करने वाला हरियाणा एकमात्र राज्य है। इसमें 46 सब्जी व बागवानी फसलों को शामिल किया गया है। सरकार शहद के परीक्षण और निर्यात की सुविधा के लिए एकीकृत मधुमक्खी पालन विकास केंद्र (आई.बी.डी.सी), कुरुक्षेत्र में 20 करोड़ रुपये की लागत से एक शहद गुणवत्ता

जांच प्रयोगशाला स्थापित कर रही है। इसी प्रकार पंचकूला में पोस्ट हार्वेस्ट मैनेजमेंट पर एक नया उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) स्थापित किया जा रहा है, जिसके लिए इंग्लैंड सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। दो और उत्कृष्टता केंद्र एक पिनगवां, नूंह में प्याज के लिए और दूसरा मुनीमपुर, झज्जर में फूलों के लिए स्थापित होगा।

3.35 लाख परिवारों की आय बढ़ाने पर जोर: राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि प्रदेश सरकार सुशासन से अंत्योदय के विजन को साकार कर रही है। एक लाख से कम वार्षिक आय वाले 3.35 लाख परिवारों की आय बढ़ाने पर जोर दे रही है। उन्होंने कहा कि सरकार ने 100 करोड़ रुपए से अधिक लागत की विकास परियोजनाओं के लिए एक विशेष निगरानी प्रकोष्ठ बनाया है। सभी पात्रों को सरकारी योजनाओं का लाभ मिलेः बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा राज्य के सबसे गरीब परिवारों की वार्षिक पारिवारिक आय कम से कम 1 लाख 80 हजार रुपए और इससे अधिक करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना शुरू की गई है। वर्तमान ऋण योजनाओं, कौशल-विकास योजनाओं और विभिन्न विभागों के निजी या मजदूरी रोजगार से जोड़ने और उनकी आय में वृद्धि की सुविधा के लिए अभी तक ऐसे 3.35 लाख परिवारों की पहचान की जा चुकी है, जिनकी वार्षिक पारिवारिक आय 1 लाख रुपए से कम है।

भ्रष्टाचार पर सरकार का जीरो टॉलरेंसः उन्होंने कहा कि अंत्योदय के उत्थान के साथ सरकार भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस रखती है। सरकार के भ्रष्टाचार-रोधी मिशन को आगे बढ़ाने के लिए सीएम फ्लाइंग स्क्वॉड लगातार काम कर रहा है। वर्ष 2022 के दौरान सीएम फ्लाइंग स्क्वॉड ने कुल 1,303 छापे मारे। इन छापों के परिणामस्वरूप 456 प्राथमिकी दर्ज की गईं और 555 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। इन छापों में खाद्य पदार्थों में मिलावट, अवैध खनन, वाहनों की ओवरलोडिंग, अवैध शराब, बिजली चोरी, सरकारी कार्यालयों की औचक जांच आदि मुद्दे शामिल हैं।

'एक हिंदू लड़की के बदले 10 मुस्लिम लड़कियां फंसाओ, सुरक्षा-रोजगार हम देंगे'

लव जिहाद पर श्री राम सेना प्रमुख प्रमोद मुथालिक का विवादित बयान

बेंगलुरु, 20 फरवरी (एजेंसियां)। श्री राम सेना के प्रमुख प्रमोद मुथालिक ने लव जिहाद को लेकर विवादित बयान दिया है। उन्होंने कहा कि लव जिहाद के जरिए हिंदू लड़कियों को फंसाया जा रहा है। उन्होंने हिंदू लड़कों से मुस्लिम लड़कियों को लुभाने का आह्वान किया और कहा कि एक हिंदू लड़की के बदले में 10 मुस्लिम लड़कियां फंसाओ। इतना ही नहीं उन्होंने ऐसा करने पर सुरक्षा और रोजगार देने का भी आश्वासन दिया है।

क्या बोले प्रमोद मुथालिक

कर्नाटक के बागलकोट में एक सार्वजनिक कार्यक्रम में बोलते हुए, मुथालिक ने कहा, "हम स्थिति से अवगत हैं। मैं यहां के युवाओं को आमंत्रित करना चाहता हूं। अगर हमारी एक हिंदू लड़की जाती है, तो हमें 10 मुस्लिम लड़कियों को फंसाना चाहिए। यदि आप ऐसा करते हैं, तो श्री राम सेना आपकी जिम्मेदारी लेगी और हर तरह की सुरक्षा और रोजगार प्रदान करेगी।" प्रमोद मुथालिक के बयान का यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। उन्होंने कहा, "मैं नहीं लेकिन हमलोग भी लड़कियों को रिझाने के बारे में जानते हैं। लव जिहाद में हमारी लड़कियों का शोषण होता है। देश भर में हजारों लड़कियों को प्यार के नाम पर ठगा जाता है। हमें उन्हें आगाह चाहिए।"

विवादित बयानों को लेकर चर्चाओं में रहते हैं प्रमोद मुथालिक

बता दें कि प्रमोद मुथालिक अपने विवादित बयानों को लेकर अक्सर चर्चाओं में रहते हैं। पिछले साल उन्होंने कहा था कि अगर किसी ने वीर सावरकर के पोस्टर को छुआ तो उसके हाथ काट दिए जाएंगे। उन्होंने शिवमोगा में वीर सावरकर के पोस्टर लगाने पर हुए हंगामे को लेकर यह बयान दिया था। दरअसल, यहां कुछ लोग सावरकर की जगह टीपू सुल्तान के पोस्टर लगाने की कोशिश कर रहे थे।

इसके बाद वहां हंगामा शुरू हो गया। इस पर प्रमोद मुथालिक ने अपने बयान में कहा, "हमने तय किया है कि पूरे राज्य में वीर सावरकर और बाल गंगाधर तिलक के 15 हजार पोस्टर लगाए जाएंगे। सावरकर मुस्लिमों के खिलाफ नहीं लड़े थे। वह स्वतंत्रता सेनानी थे और अंग्रेजों के खिलाफ लड़े थे।"

अपने आईएएस मुवक्किल का उदाहरण दे जज ने दलील सुनने से किया इनकार

वकील ने उन्हीं की बात बता किया पलटवार

नई दिल्ली, 20 फरवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने यूपीएससी सिविल सर्विसेज एग्जामिनेशन के ऐसे अभ्यर्थियों को अतिरिक्त मौका देने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी, जिनका कोरोना काल में अटेम्प्ट खत्म हो चुका है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सरकार चाहे तो इस मसले पर कोई नीति बना सकती है, लेकिन कोर्ट को कहीं न कहीं लकीर खींचनी होगी।

सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस अजय रस्तोगी की बेंच ने मामले पर सुनवाई करते हुए कहा कि जब कोर्ट किसी मामले पर अपना फैसला सुना दे तो आप बार-बार याचिका दायर नहीं कर सकते हैं। हमें कहीं ना कहीं लकीर खींचनी होगी। इस पर अभ्यर्थियों की तरफ से पेश एडवोकेट ने कहा कि यह सही नहीं है... पहले सही तथ्य नहीं रखे गए थे। इस पर जस्टिस अजय रस्तोगी ने कहा कि उस आदेश की समीक्षा नहीं की जा सकती है...।

जज ने दिया अपने क्लाइंट का उदाहरण

जस्टिस अजय रस्तोगी ने कहा कि अगर सरकार नीतिगत फैसला लेते हुए अतिरिक्त अटेम्प्ट देती है तो हमारा आदेश उसके आड़े नहीं आएगा, लेकिन हमें कहीं ना कहीं लाइन खींचनी होगी। इसपर एडवोकेट ने कहा हम ऐसे लाखों अभ्यर्थियों की तरफ से बस आपका 2 मिनट चाहते हैं, जो टकटकी लगाए आपकी तरफ देख रहे हैं। इस पर जस्टिस रस्तोगी ने अपने एक क्लाइंट का उदाहरण देते हुए कहा कि मेरे एक क्लाइंट जो आईएएस ऑफिसर थे, जब उन्हें सस्पेंड किया गया तो उन्होंने आईआईएम में एडमिशन ले लिया। फिर एक नौकरी ज्वाइन की और अमेरिका चले गए। इसलिए अगर कोई मेधावी है तो उसके लिए करने को तमाम चीजें हैं।

एडवोकेट ने भी दिया उदाहरण

इस पर सीनियर एडवोकेट गोपाल शंकरनारायण ने कहा कि अगर मैं आपका ही उदाहरण दूं तो देश एक प्रतिभावान मेधा से वंचित रह जाएगा। ये (अभ्यर्थी) बस एक और मौका चाहते हैं क्योंकि उनकी उम्र खत्म हो गई है। इस पर जस्टिस रस्तोगी ने अभ्यर्थियों के नाम वाली लिस्ट की तरफ इशारा करते हुए कहा कि यहां देखिये...और उन्होंने अभ्यर्थियों के नाम और उनके अटेम्प्ट गिनाए। जिसपर एडवोकेट शंकरनारायण ने कहा- यह सही है...।

केंद्र चाहे तो फैसला ले सकती है

अपने फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने एक और मौका देने से इनकार करते हुए याचिका खारिज कर दी और कहा कि हमें कहीं ना कहीं लकीर खींचनी होगी। सरकार चाहे तो इस मसले पर कोई नीतिगत फैसला ले सकती है।

लाल किले पर आतंकी हमले के दोषी आरिफ को फांसी पर लटकाने की तैयारी

नई दिल्ली, 20 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली के लाल किले पर आतंकी हमले में दोषी करार लश्कर-ए-तोएबा के आतंकी को फांसी देने की कवायद शुरू हुई है. दिल्ली की तिहाड़ जेल के प्रशासन ने डेथ वारंट जारी करवाने के लिए निचली अदालत को लेटर लिखा है।

तिहाड़ प्रशासन अदालत से डेथ वारंट जारी करवाने की मांग की है, ताकि यह तय हो जाए कि आरिफ को किस तारीख, कितने बजे फांसी दी जाए. फिलहाल, सुप्रीम कोर्ट, हाईकोर्ट या अन्य कोर्ट में मामले से जुड़ी कोई याचिका पेंडिंग नहीं है. दोषी को 7 दिन का समय दिया गया था कि सुप्रीम कोर्ट में या राष्ट्रपति के आगे कोई दया याचिका लगाना चाहता है. लेकिन आरिफ की तरफ से कोई जवाब नहीं दिया गया है। फिलहाल, तिहाड़ जेल ने कोर्ट में डेथ वारंट जारी करने की अपील की है. अब 27 फरवरी को कोर्ट में सुनवाई होगी. हालांकि, आरिफ को अभी फांसी देने में वक्त लगेगा. क्योंकि आरिफ के पास अंत समय में भी दोबारा सुप्रीम कोर्ट और राष्ट्रपति से दया याचिका लगाने का मौका रहता है. कानूनी दावपेच से फांसी टलेगी तो नहीं, लेकिन इसमें देरी जरूर हो सकती है।

क्या है मामला

दरअसल, साल 2002 में दिल्ली के लाल किले पर आतंकी हमला किया गया था. इसमें लश्कर-ए तोएबा से जुड़े पाकिस्तानी आतंकी आरिफ उर्फ अशरफ को गिरफ्तार किया गया था. मामले में अदालत ने आरिफ को दोषी करार दिया था और फांसी की सजा सुनाई है. आरिफ फिलहाल दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद है. अब तिहाड़ जेल ने उसे फांसी पर लटकाने की तैयारी कर ली है. लिहाजा तिहाड़ प्रशासन ने निचली अदालत को लेटर लिखा है।

'शिवसेना का दफ्तर अब हमारा है'

चुनाव आयोग में जीत के बाद शिंदे गुट के विधायकों ने की सौंपने की मांग

मुंबई, 20 फरवरी (एजेंसियां)। शिवसेना (शिंदे गुट) के मुख्य सचेतक भरत गोगावाले अन्य विधायकों के साथ विधान भवन पहुंचे, राज्य विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर से मिलने की संभावना है, जो विधान भवन में शिवसेना विधायक दल के कार्यालय को सौंपने की मांग कर रहे हैं। भरत गोगावाले ने कहा कि हमने स्पीकर को नोटिस दिया है। हम ईसीआई के आदेश का पालन कर रहे हैं। आगे कैसे बढ़ना है, इस पर हम विचार करेंगे। चूंकि ईसीआई ने हमें शिवसेना के रूप में मान्यता दी है, इसलिए यह कार्यालय अब हमारा है।

बता दें कि भारत निर्वाचन आयोग ने शुक्रवार को फैसला सुनाते हुए शिवसेना के साथ चुनाव चिह्न तीर और कमान शिंदे गुट को सौंप दिया था जिसके बाद सियासत गरमा गई। बता दें कि शिवसेना के दोनों धड़े (एकनाथ शिंदे और उद्धव ठाकरे) पिछले साल शिंदे (महाराष्ट्र के वर्तमान मुख्यमंत्री) द्वारा ठाकरे के खिलाफ विद्रोह करने के बाद से पार्टी के तीर-कमान के चुनाव चिह्न के लिए लड़ रहे हैं।

आयोग (ईसीआई) ने कहा था कि शिवसेना का मौजूदा संविधान अलोकतांत्रिक है। बिना किसी चुनाव के पदाधिकारियों के रूप में एक मंडली के लोगों को अलोकतांत्रिक रूप से नियुक्त किया गया है। इस तरह की पार्टी संरचनाएं भरोसा पैदा करने में विफल रहती हैं। चुनाव आयोग ने पाया कि 2018 में संशोधित शिवसेना का संविधान भारत के चुनाव आयोग को नहीं दिया गया। 1999 के पार्टी संविधान में लोकतांत्रिक मानदंडों को पेश करने के अधिनियम को संशोधनों ने रद्द कर दिया था, जिसे आयोग के आग्रह पर दिवंगत बालासाहेब ठाकरे द्वारा लाया गया था। आयोग ने यह भी कहा कि शिवसेना के मूल संविधान के अलोकतांत्रिक मानदंड, जिन्हें 1999 में आयोग द्वारा स्वीकार नहीं किया गया था, को गोपनीय तरीके से वापस लाया गया, जिससे पार्टी एक जागीर के समान हो गई।

2022 का महाराष्ट्र राजनीतिक संकट

पिछले साल जून में शिवसेना नेता शिंदे ने महाविकास अघाड़ी सरकार में रहते हुए बगावत कर दी थी।

शिंदे शिवसेना के 35 से अधिक विधायकों को लेकर अपना अलग गुट बना लिया था जिसके बाद महाराष्ट्र की सियासत में भूचाल आ गया था। शिंदे महाविकास अघाड़ी को तोड़ने और भारतीय जनता पार्टी के साथ गठबंधन को फिर से स्थापित करने के पक्ष में थे उन्होंने वैचारिक मतभेदों और कांग्रेस पार्टी और भारतीय राष्ट्रवादी कांग्रेस द्वारा अनुचित व्यवहार के कारण उद्धव ठाकरे से महा विकास अघाड़ी गठबंधन को तोड़ने का अनुरोध किया।

उन्होंने अपने अनुरोध के समर्थन को और बल देने के लिए अपनी पार्टी से 2/3 सदस्यों को इकट्ठा किया। यह संकट 21 जून 2022 को शुरू हुआ जब शिंदे और कई अन्य विधायक भाजपा शासित गुजरात में सूरत में जाकर किसी होटल में छिप गए। शिंदे के विद्रोह के परिणामस्वरूप, उद्धव ठाकरे ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया और उन्होंने महाराष्ट्र विधान परिषद से भी इस्तीफा दे दिया। शिंदे ने सफलतापूर्वक भाजपा-शिवसेना गठबंधन को फिर से स्थापित किया और 20वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली, जिसमें भारतीय जनता पार्टी के देवेंद्र फडणवीस उपमुख्यमंत्री बने।

50 हजार से अधिक बाल अपराध के मामलों में न्याय का इंतजार

नई दिल्ली, 20 फरवरी (एजेंसियां)। देशभर में बाल अपराध की धाराओं के तहत दर्ज 50 हजार से अधिक मामलों में बच्चों को न्याय का इंतजार है। ये मामले एक साल के भीतर दर्ज किए गए हैं। हाल ही में केंद्र सरकार ने संसद में रिपोर्ट पेश कर यह जानकारी दी है। रिपोर्ट में दिसंबर 2022 तक के आंकड़े शामिल किए गए हैं। वहीं, केंद्र सरकार ऐसे मामलों को निपटाने के लिए तीन वर्ष और बढ़ाने की तैयारी कर रही है। रिपोर्ट बताती है कि केंद्र शासित प्रदेश व राज्यों के पास कुल 1,98,208 मामले लंबित पड़े थे उनमें से सरकारी एजंसियों ने इस वर्ष कुल 64,959 मामलों का निपटारा किया है। इस सूची में बाल अपराध से संबंधित राज्यों में शीर्ष पर उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, ओड़ीशा और महाराष्ट्र शामिल हैं । न्याय विभाग के मुताबिक लंबित पड़े मामलों के निपटारे के

लिए एक नई योजना तैयार की जा रही है जिसकी विस्तार समय सीमा वर्ष 2026 होगी। केंद्र सरकार ने बताया कि सरकार पाक्सो के तहत दर्ज हो रहे मामले को गंभीरता से ले रही है। पाक्सो के तहत बाल शोषण, यौन उत्पीड़न और अश्लील सामग्री तैयार किए जाने के मामले में सख्त प्रावधान किए गए हैं। केंद्र सरकार ने इस प्रकार के मामलों के निपटारे के लिए त्वरित विशेष अदालत का गठन किया है। रिपोर्ट बताती है कि देश में कुल 768 त्वरित विशेष अदालत प्रचालन में हैं और इनके तहत 418 विशिष्ट पाक्सो न्यायालय मौजूद हैं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक 2020 में कुल 158843 मामले अदालत में आए थे। इन मामलों में से 37148 मामले अभी भी लटके हुए हैं। इसी प्रकार 2021 में कुल 184843 मामले आए थे, इनमें से 73627 मामले ही निपटाए जा चुके हैं।

ठाकोर समुदाय ने लड़कियों के मोबाइल फोन के इस्तेमाल पर लगाया बैन

पालनपुर, 20 फरवरी (एजेंसियां)। गुजरात के ठाकोर समुदाय ने लड़कियों के मोबाइल फोन के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया है। समुदाय ने परंपराओं में सुधार लाने के लिए प्रस्ताव पारित करते हुए, लड़कियों को मोबाइल फोन का उपयोग करने से रोकने का फैसला किया।

प्रेम संबंधों, लड़कियों और लड़कों के बीच दोस्ती, या अंतरजातीय विवाहों का उल्लेख किए बिना समुदाय का विचार था कि नाबालिग लड़कियों में सेल फोन के इस्तेमाल के कारण बहुत सारी गलत चीजें हो रही हैं, और इसलिए उन्हें सेल फोन के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा देना चाहिए। सगाई और विवाह समारोहों में अनुमति प्राप्त मेहमानों की संख्या को सीमित करने के लिए उन्होंने सुधार कदम उठाया। प्रस्ताव के अनुसार, सगाई या विवाह समारोह में केवल 11 लोगों को शामिल होना चाहिए, प्रत्येक गांव जहां ठाकोर समुदाय के सदस्यों की अच्छी संख्या है, सामूहिक विवाह की व्यवस्था करनी चाहिए, और शादी और सगाई पर खर्च को नियंत्रित किया जाना चाहिए।

शादी में कोई डीजे साउंड सिस्टम नहीं रखा जाना चाहिए। समुदाय को उन परिवारों पर जुर्माना लगाना चाहिए, जो सगाई के बाद संबंध तोड़ते हैं। जुर्माने के रूप में एकत्रित धन का उपयोग शिक्षा और सामुदायिक सुविधाओं के निर्माण के लिए किया जाना चाहिए। यदि लड़कियां उच्च शिक्षा के लिए शहर जा रही हैं, तो गांव के समुदाय के सदस्य उनके लिए परिवहन की व्यवस्था करें, जैसा कि प्रस्ताव में उल्लेख किया गया है।

हत्या को रोड एक्सीडेंट दिखाने का था प्लान

नई दिल्ली, 20 फरवरी (एजेंसियां)। निक्की यादव मर्डर मामले में दिल्ली पुलिस लगातार नए खुलासे कर रही है। दिल्ली पुलिस ने साहिल गहलोत के साथ जारी पूछताछ का हवाला देते हुए कई जानकारी सामने रखी हैं। साहिल गहलोत ने पूछताछ के दौरान दावा किया है कि उसका शुरुआती प्लान हत्या को सड़क दुर्घटना दिखाने का था। साहिल ने पूछताछ के दौरान बताया कि उन्होंने निक्की को कार से धक्का देने का फैसला किया था। पुलिस सूत्रों ने कहा कि हालांकि योजना को अंजाम नहीं दिया जा सका और उसने निगमबोध घाट पर निक्की की हत्या कर दी। साहिल का पुलिस रिमांड आज खत्म हो रहा है।

दिल्ली की द्वारका अदालत ने इस मामले में पांच आरोपियों की दो दिन की पुलिस रिमांड मंजूर कर ली है। दिल्ली पुलिस ने पहले एएनआई को बताया था कि क्राइम ब्रांच ने साहिल के पिता वीरेंद्र सहित पांच लोगों को उनके बेटे को "षड्यंत्र" में मदद करने के आरोप में गिरफ्तार किया था। क्राइम ब्रांच ने साहिल के पिता आशीष, नवीन, अमर और लोकेश को गिरफ्तार किया था। पुलिस सूत्रों के अनुसार पूछताछ के दौरान साहिल के पिता वीरेंद्र ने इस मामले को लेकर किसी तरह का पछतावा व्यक्त नहीं किया। साहिल के पिता वीरेंद्र के खिलाफ पहले से ही अपराध शाखा और हत्या का मामला दर्ज है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक निक्की यादव की हत्या से पहले साहिल का पिता वीरेंद्र सब कुछ जानता था और उसने इस हत्या में साहिल का साथ दिया था। सूत्रों ने कहा कि वीरेंद्र ने स्पष्ट रूप से पुलिस को बताया कि उन्हें किसी भी तरह से निक्की को रास्ते से हटाना था।

संजय राउत के खिलाफ नासिक में दर्ज हुई एफआईआर

मुख्यमंत्री शिंदे के खिलाफ की थी आपत्तिजनक टिप्पणी

मुंबई, 20 फरवरी (एजेंसियां)। शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे गुट के नेता संजय राउत के खिलाफ नासिक में केस दर्ज किया गया है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के खिलाफ आपत्तिजनक बयान देने के आरोप में संजय राउत के खिलाफ यह कार्रवाई की गई है। बता दें कि संजय राउत ने नासिक में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान आरोप लगाया था कि शिवसेना का नाम और चुनाव चिन्ह धनुष तीर खरीदने के लिए 2000 करोड़ रुपए का सौदा हुआ है। संजय राउत के खिलाफ आईपीसी की धारा 500 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

संजय राउत ने ट्वीट कर दावा किया था कि 2000 करोड़ रुपए का आंकड़ा प्रारंभिक है और यह 100 फीसदी सच है। संजय राउत ने बताया कि सत्तारूढ़ दल के करीबी एक बिल्डर ने उन्हें यह जानकारी दी है। राउत ने उनके दावे के समर्थन में जल्द ही खुलासा करने की बात भी कही थी। बता दें कि हाल ही में चुनाव आयोग ने अपने फैसले में एकनाथ शिंदे गुट को असली शिवसेना मानते हुए शिवसेना का चुनाव चिन्ह धनुष बाण शिंदे गुट को देने का फैसला दिया था। इसके बाद से उद्धव गुट और शिंदे गुट के बीच बयानबाजी शुरू हो गई है।

भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने वीडियो जारी कर संजय राउत पर निशाना साधा। पूनावाला ने कहा कि संजय राउत अब महाराष्ट्र के राहुल गांधी हो गए हैं और उद्धव सेना को उन्होंने कांग्रेस के स्टाइल में खत्म कर दिया है। उन्होंने कहा कि जब चुनाव आयोग जैसी संस्थाएं उनके हक में फैसला नहीं देती हैं तो वह संवैधानिक संस्थाओं का अपमान करने लगते हैं। यह बेहद शर्मनाक है।

चुनाव आयोग के फैसले के खिलाफ उद्धव ठाकरे गुट सुप्रीम कोर्ट जाने की तैयारी कर रहा है। वहीं विधानसभा में शिवसेना के दफ्तर पर भी एकनाथ शिंदे गुट ने दावा ठोक दिया है। संजय राउत ने शिवसेना में तोड़फोड़ के लिए अमित शाह पर आरोप लगाए। संजय राउत ने शिवसेना को महाराष्ट्र का गर्व बताया।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 21 फरवरी- 2023

चेतन शर्मा हिट विकेट

जिसको जितना बडा पद उसकी उतनी ही जिम्मेदारी होती है। शीर्ष पदों पर बैठे लोगों के लिए पहली शर्त होती है कि वे गोपनीयता को बनाए रखें। खासकर जो बातें अंदरखाने की जाती हैं उसे तो कदापि बाहर न आने दें। लेकिन भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआइ) के मुख्य चयनकर्ता चेतन शर्मा ने यही गलती कर दी और उन्हें अपने पद से इस्तीफा देना पडा। उनके पास इससे बेहतर और कोई उपाय भी नहीं बचा था। क्रिकेट की भाषा में इसे ही 'हिट विकेट' कहा जाता है, जिसमें बल्लेबाज खुद ही स्टंप पर बल्ला मारकर मैदान से लौट जाता है। यह दूसरी बार है जब मुख्य चयनकर्ता के रूप में चेतन शर्मा ने अपना पद और प्रतिष्ठा गंवाई है। पहली बार अक्तूबर, 2020 में वे मुख्य चयनकर्ता बने, लेकिन नवंबर 2022 में टी20 विश्वकप में मिली हार के बाद बीसीसीआई ने शर्मा सहित पूरी चयन समिति को बर्खास्त कर दिया था। बाद में उन्होंने जब दोबारा आवेदन किया और जनवरी, 2022 में फिर चयन समिति के अध्यक्ष बने, तो इस बार महज बयालीस दिन में ही उन्हें अपना पद गंवाना पडा। बता दें कि एक 'स्टिंग आपरेशन' में जिस तरह से उन्हें खिलाड़ियों के बारे में, सौरभ गांगुली और पूर्व कप्तान विराट कोहली के बीच अहं के टकराव और खिलाड़ियों द्वारा सुई लेने जैसी तमाम बातें करते हुए दिखाया गया, उसके बाद उनका पद पर टिके रहना वैसे भी उचित नहीं रह गया था। एक झटके में उन्होंने खिलाड़ियों, टीम प्रबंधन और बोर्ड तक का विश्वास खो दिया। बता दें कि चेतन शर्मा के पास ग्यारह साल लंबे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सफर का अनुभव है। इसीलिए बोर्ड ने उनसे उम्मीद की थी कि वे टीम, उसके प्रबंधन से जुड़ी बारीकियों और संवेदनशीलता की समझ रखने के मामले में बेहतर साबित होंगे। उनके अनुभवों और काबिलियत को देखते हुए ही उन्हें भारतीय टीम के लिए इतने महत्त्वपूर्ण पद की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। इसके बाद उन्होंने जो नासमझी दिखाई है, उससे उनके सारे किए कराए पर पानी फिर गया है। टीम को बेहतर बनाने और उसके प्रबंधन में अपनी भूमिका का निर्वहन करने के बजाय वे उसकी कमजोरियों को लेकर इस हद तक लापरवाही से भरा रुख अपना सकते हैं, किसी ने सोचा भी नहीं होगा। जो बातें उनके हवाले से सामने आई हैं, बिना किसी मजबूत आधार के किसी खिलाड़ी के बारे में कहीं भी ऐसा नहीं बोला जाना चाहिए। अगर उनके भीतर किसी तरह का संशय था तो उसके लिए बाकायदा एक तंत्र बना हुआ है और उसके दायरे में वे इस मसले पर अपनी बात रख कर अपनी शंकाओं का हल कर सकते थे। लेकिन उनकी एक लापरवाही ने उनकी विश्वसनीयता पर ही सवाल खडा कर दिया है। जिन हालात में उनकी विदाई हुई, है, उसे चेतन शायद ताउम्र नहीं भूल पाएंगे। यह मामला इस बात की ओर भी इशारा करता है कि शीर्ष पदों पर बैठे लोगों को बातचीत में कितना सावधान रहने की जरूरत होती है, मामूली सी असावधानी खिलाड़ियों, टीम प्रबंधन और बोर्ड के पदाधिकारियों को असहज स्थिति में डाल सकती है। हालाकि वे 'स्टिंग आपरेशन' के शिकार हुए, इसके बावजूद यह कहने में कोई गुरेज नहीं कि उन्हें खिलाड़ियों और बोर्ड से जुड़ी चीजों की चर्चा से बचना चाहिए था। शीर्ष पदों पर बैठे लोगों के लिए गोपनीयता एक आवश्यक शर्त होती है और अंदरखाने की चीजों की इस तरह चर्चा नहीं की जा सकती। अव्वल तो आरोपमूलक बातचीत इसलिए भी उचित नहीं होती है कि वह महज किसी चर्चा का हिस्सा हो सकती है, झूठी भी हो सकती है और उसका साबित होना अभी बाकी होता है। अगर बड़ी जिम्मेदारी वाले पद पर होते हुए भी किसी व्यक्ति के भीतर कोई सवाल या शंका है, तो उसे हल्की-फुल्की बातचीत का हिस्सा बनाना कई खिलाड़ियों के भविष्य पर भी बुरा असर डाल सकता है। चेतन शर्मा से जिस तरह की चूक हुई है, उसका नतीजा सामने है। उम्मीद है कि यह मामला पूरी टीम, प्रबंधन और इससे जुड़े अन्य लोगों के लिए भी अपनी जिम्मेदारी समझने की एक नजीर साबित होगी।

चारित्रिक आन्दोलन है- अणुव्रत

मुनि चैतन्य कुमार

भारतीय दर्शन का मूल है नैतिकता और चारित्रिक मूल्य। इसके अभाव में कोई भी राष्ट्र प्रगतिशील अथवा विकासशील नहीं हो सकता। अध्यात्म के क्षेत्र में जहां नैतिकता और चरित्र की सर्वाधिक मूल्यवत्ता है तो सामाजिक एवं राजनीति के क्षेत्र में भी उतनी ही मूल्यवत्ता है तो सामाजिक एवं राजनीति के क्षेत्र में भी उतनी ही मूल्यवत्ता मानी गई है। कौन कितना नैतिक आचरण करता है अथवा कौन कितना चारित्रिक मूल्यों पर आधारित जीवन जीता है यह तो उस व्यक्ति के मानस पर निर्भर करता है। 2 मार्च 1949 में तेरापंथ धर्मसंघ के नवम अधिशास्ता आचार्यश्री तुलसी ने देश की आजादी के साथ नैतिक व चारित्रिक मूल्यों को स्थापना हेतु अणुव्रत आन्दोलन का सूत्रपात किया। जाति, वर्ण, सम्प्रदाय से मुक्त यह मानवीय आन्दोलन है।

इसे कोई भी व्यक्ति अपनाकर जीवन को आदर्शमय बना सकता है। इस अणुव्रत आचार-संहिता के नियम-उपनियम ऐसे है जो विद्यार्थी, शिक्षक, व्यापारी, राजनयिक अथवा सामाजिक कार्यकर्त्ताओं को सही मार्गदर्शन देने वाला है। मानव जाति के हितार्थ तथा मानवीय भावनाओं को द्धतार्थ करने वाला है। अणुव्रत आचार-संहिता को अपनाने वाला व्यक्ति निश्चित तौर पर सुख-सांस की नींद सो सकता है। आज भारत सहित सभी देशों में मूल्यों का क्षरण होता जा रहा है। मूल्यबोध का क्षरण होना राष्ट्र की आत्मा को क्षीण हो जाना है। भौतिक चकाचौंध में मानव का लक्ष्य एक मात्र अर्थाजन पर टिका हुआ है। अर्थ का अभाव उसे व उसके स्वभाव को विद्धत बना देता है। परमपूज्य गुरुदेवश्री तुलसी के शब्दों में धर्म और अध्यात्म के लक्षण गिनाए गए हैं उसमें सत्य, संयम, विवेक, कर्तव्य परायणता, अनुशासन, व्रतनिष्ठा, सहकारिता, परमार्थ- ये ही जीवन को सफलता और सार्थक बनाने वाले हैं। जीवनशैली को परिमार्जित करते हुए मानव मात्र इस सृजनात्मक, रचनात्मक, आध्यात्मिक अभियान से जुड़कर अपना मूल्यवान योगदान दे तो निश्चित ही भारत का भविष्य इतना उज्ज्वल होगा तथा उसे पुनः सोने की चिड़िया कहलाने वाला साबित हो सकेगा। अणुव्रत आन्दोलन का 75वां वर्ष हीरक जयन्ति वर्ष के रूप में आयाजित है।

स्थान-स्थान रैली, भाषणों, कार्यक्रमों के माध्यम से वातावरण को शुद्ध पवित्र बनाने का प्रयास किया जाएगा। वर्तमान अनुशास्ता आचार्यश्री महाश्रमण एवं अनेक जीवनदानी साधु-साध्वी-समणीवर्ग एवं कार्यकताओं द्वारा विश्व में सद्भावना नैतिकता और नशामुक्ति का प्रयास किया जा रहा है। आचार्य तुलसी ने गीत की पंक्तियों में लिखा है-

सुधरे व्यक्ति समाज व्यक्ति से राष्ट्र स्वयं सुधरेगा।
तुलसी अणुव्रत सिंहनाद सारे जग में प्रसरेगा
मानवीय आचार-संहिता में अर्पित तन मन हो
संयममय जीवन हो॥

परीक्षा के समय योजनाबद्ध तरीके से करें तैयारी

श्याम कुमार कोलारे

हम सभी अपने जीवन कभी न कभी परीक्षा की चुनौती से अवश्य ही गुजरे होंगे । परीक्षा की तपिस कठोर से कठोर लोहा को भी कंपा देता है, परीक्षा का नाम सुनते ही मन में एक अजीब डर का एहसास होने लगता है, यह डर कभी कम; तो कभी ज्यादा होकर मन को तनाव में डाल देता है और परीक्षा के समय यह तनाव छात्रों अवसाद में डाल देता है । इस अवसाद के कारण छात्र पढ़ा हुआ भी भूल जाता है । इस कारण परीक्षा के दौरान अच्छे से अच्छे विद्यार्थियों को चिंतित होते हुए देखा जा सकता है । साल भर पढ़ाई करने के बाद भी कई छात्रों के औसतन कम परिणाम आते हुए देखा जा सकता है; इसका एक मात्र कारण है पढ़ाई के समय पढ़ा तो गया गया, परन्तु समय-समय पर इसे दुहराया नहीं जाना । इस कारण से पढ़ा गया पाठ या अवधारणा का अपनी स्मृति में कुछ समय बाद धुंधलापन आ जाता है, इसे समय पर दुहराना याने अपने सीखे पाठ को पक्का करना अति आवश्यक है । परीक्षा एक ऐसा समय होता है जब साल भर की पढ़ाई एवं तैयारी को मात्र चंद घंटो में कागजों में उतार कर आपने आप को साबित करना होता है । इस समय में छात्रों को चिंतित एवं तनाव में न आकर सतर्क रहना चाहिए और योजनाबद्ध तरीकों से अपनी पढ़ाई को करना चाहिए । उन्हें अपने छोटे-छोटे लक्ष्यों बनाकर उसे हासिल करते रहना चाहिए जिससे वह अपनी पढ़ाई का पूरा लाभ ले सके परीक्षा की तैयारी करने के लिए कुछ बातो का ध्यान देना आवश्यक है नीचे कुछ आवश्यक एवं उपयोगी नुस्का बताया गया है जिससे आप अपनी परीक्षा की तैयारी को और अधिक सशक्त बना सकते है :-

1.पढ़े हुए पाठ को दुहराना, रिविजन करना : हमारा मस्तिक एक ऐसा तंत्र है जिसमे ढ़ेरो स्मृति को संरक्षित किया जा सकता है, परन्तु इसका एक और गुण यह है कि यह समय के साथ पुरानी स्मृति को भुला देना । नई स्मृति को रखना एवं पुरानी स्मृति को भूलने से हमारा मस्तिक एक सुपर कंप्यूटर की तरह कार्य करता है । हमारी स्मृति को ताजा करने के लिए दुहराव बहुत ही जरुरी कार्य है इस कार्य से हम अपने सीखे गए पाठ को और अधिक एवं लम्बे समय तक याददास्त में रख पाते है । इसलिए परीक्षा के समय में कोई नया पाठ पर ज्यादा फोकस न करके पहले पढ़ा हुआ पाठ को दुहराना आवश्यक हो जाता है ।

2.पढ़ाई का टाइम टेबल बनाये : पढ़ाई करना और उसमे सफल होना दोनों अलग-अलग मुद्दा है । बहुत से लोग पढ़ाई तो करते है परन्तु उसमे सफल नहीं होते है, इसलिए ऐसी पढ़ाई का कोई मूल्य नहीं होता है । पढ़ाई करने का सबसे अच्छा उपाय योजनाबद्ध तरीका से पढ़ाई करना है । पढ़ाई करने के लिए एक सरल टाइम टेबल बनाना चाहिए, और इस टाइम टेबल के अनुसार अपने विषय की तैयारी करनी चाहिए । इससे अपने सभी विषयों एवं आवश्यक जरुरी पाठ को समय दिया जा सके एवं सभी विषयों को सामान रूप से तैयार किया जा सके । 3. छोटे नोट्स बनाये : बड़ी से बड़ी अवधारणाओं को समझने के लिए उसकी एक छोटी नोट्स बनाना परीक्षा के समय पढ़ाई के लिए एक महत्वपूर्ण साधन होता है । आप जो भी पढ़ रहे है उसका एक छोटे नोट्स जरुर बनाये ताकि रिविजन के लिए ये नोट्स हमें अपनी स्मृति को ताजा करने के लिए एक कुंजी का काम करें । छोटी नोट्स बड़ी अवधारणाओं को कम समय में समझने के लिए काफी अच्छी प्रेक्टिस हो सकती है ।

4.पढ़ाई में थोड़ा ब्रेक लें : परीक्षा के समय देखा गया है कि परीक्षा की तैयारी करने में छात्र ज्यादा से ज्यादा समय पढ़ाई के लिए देने लग जाते है । इस समय परीक्षार्थी के मन में होता है लगातार पढ़ाई करके सब कुछ सीखा जा सके । परन्तु लगातर पढ़ने करने के कारण आपको नीरसता आ सकते है । पढ़ाई में उचित ध्यान का केन्द्रित होना आवश्यक होता है, परन्तु लगातार पढ़ाई करने से थकान हो सकती है एवं पढ़ाई में नीरसता हो सकती है। इसलिए पढ़ाई के बीच में थोड़ा ब्रेक लेना चाहिए जिससे आपका शरीर और मन दोनों को ताजगी मिल सके और आपका मन रेफ्रेस होकर दुबारा ध्यान केनद्रित कर पढ़ाई में मन लगा सके । ध्यान रहे कि ब्रेक में ज्यादा समय मोबाइल को देने से बचे । 5.पढ़ाई के लिए शांत जगह और उचित वातावरण : बेहतर पढ़ाई करने और उसको देर तक याद रखने के लिए सबसे साधन होता है- शांत एवं एकांत वातावरण या जगह का होना । परीक्षा के समय की पढ़ाई बहुत ही महत्ववपूर्ण होती है, यह वह समय होता है जब पढ़ाई का सारा याद किया हुआ पाठ हमारी स्मृति में होना ही चाहिए । इस समय पढ़ाई के लिए बहुत जरुरी है कि आप जहाँ पढ़ रहे हो वह स्थान पढ़ाई के लायक हो यानी उस स्थान में किसी अनावश्यक व्यवधान न हो । पढ़ाई का स्थान एकांत एवं शांत होना चाहिए जिससे कि आपकी पढ़ाई के समय कोई व्यवधान न आये; बार-बार का व्यवधान आपकी पढ़ाई में खलल डाल सकती है । आपका मन पढ़ाई से भटक सकता है ।

6.पिछले सालों के प्रश्नपत्र जरुर पढ़े : परीक्षा के समय तैयारी के लिए यह बात समझनी बहुत महत्वपूर्ण हो जाती कि प्रश्नपत्र के पैटर्न को समझना। पिछले सालो के पेपर यह पेटर्न को समझने में हमारी मदद कर सकते है । साथ की प्रश्न किस प्रकार से आते है । सिलेबर्स से कितने प्रश्न सीधे एवं कितने घुमावदार आते है आदि की समझ के लिए पुराने पेपर की समझ एक महत्वपूर्ण तैयारी का हिस्सा हो सकता है । यदि आपकी तैयारी पूरी हो गई है तो किसी एक साल का पुराना पेपर लेकर मोक प्रेक्टिस कर सकते है। इससे स्वयं का मूल्यांकन भी हो जाएगा कि हम परीक्षा के लिए कितने प्रतिशत तैयार हो पायें है ।

7.अपने फ़ोन एवं इलेक्ट्रॉनिक गेजेट्स से बनाये दूरी बनाये : आज के समय में फ़ोन हमारी एक महत्वपूर्ण आवश्यकता के रूप में उभरकर सामने आया है, परन्तु पढ़ाई के समय में फ़ोन हमारी पढ़ाई में बाधा का काम कर सकता है, इसलिए पढ़ाई के समय में फ़ोन से दूरी बनाना ही सबसे सही उपाय हो सकता है । पढ़ाई के समय निर्धारित करे कि फोन को बंद रखे या उचित दूरी में रखे जिससे सहज ही हमारा ध्यान उस और न जाये । यदि आपके पास फोन है तो आप पढ़ाई के बीच में फ़ोन में उलझ सकते है । और आपका समय पढ़ाई में न होकर फ़ोन और अन्य एप्लीकेशन में जा सकता है और आपका याक महत्वपूर्ण समय बर्बाद हो सकता है, उस समय आपके लिए एक-एक क्षण कीमती होता है इसे फालतू के काम में न उलझाये । **परीक्षा के लिए महत्वपूर्ण ध्यान देने वाली बाते :** पढ़ाई का दबाब सबसे ज्यादा परीक्षा के । दिन पहले होता है । ध्यान रखे कि यह वह समय है जो आपने पहले पढ़े है उसको और अधिक पक्का करना न कि कोई नई अवधारणा की तैयारी करना । इसलिए कोई नई अवधारणों की पढ़ाई करने की अपेक्षा, आपने जो पहले पढ़ा है उसको दुहराना ही समय का सबसे अच्छा उपयोग है । इस समय रटे नहीं बल्कि समझ बनाकर पढ़ना आवश्यक है क्योकि रटे हुए पाठ परीक्षा के समय भूल जाने का खतरा होता है, इससे बचे। आप जो भी पढ़ रहे है उसे एकदम स्पष्ट पढ़े न की आधे अधूरे ध्यान व ज्ञान के साथ । बहुत बार ऐसा होता है कि आपने सब पढ़ लिए पर याद कुछ नहीं हुआ, ऐसी पढ़ाई से बचे । परीक्षा के समय छोटी अवधारणा एवं सरल प्रश्नों को हल करे न की बड़े प्रश्नों को । बड़े प्रश्नों को पहले हल करने का मतलब इन प्रश्नों में ज्यादा समय देना जिससे आपके छोटे प्रश्न छूटने की संभावना बढ़ जाती है । आसानी से किये जाने वाले प्रश्नों से आपको एक सकारात्मक माहौल बनाने एवं आगे के प्रश्नों को हल करने का ज्यादा मौका मिलता है 1 परीक्षा के एक दिन पूर्व कम से कम 6 घंटो की नींद अवश्य ले, परीक्षा के लिए स्वस्थ्य मन एवं तरोताजा दिमाग का होना अति आवश्यक है ।

सर्वांगीण विकास के लिए मातृभाषाओं का जतन जरूरी

डॉ. प्रितम भि. गेडाम

दुनिया में मातृभाषा शब्द जिसे हम माँ का दर्जा देकर व्यक्त होने की शक्ति कहते है, इस एक शब्द में ही एक विशेष क्षेत्र का संसार बसा है। इसमे संस्कृति, ज्ञान, पहचान, शिक्षा, परंपरा, रीति-रिवाज, कलाकौशल, पहनावा, त्योहार, व्यवहार, कार्यपद्धति, व्यवसाय, जीवनशैली जैसे जीवनभर के विविधतापूर्ण चरणों का समावेश होता है, जो पीढ़ी दर पीढ़ी हस्तांतरण होते रहते है। उदहारण के लिए आदिवासी भाषाएं एक क्षेत्र के वनस्पतियों, जीवों और औषधीय पौधों के बारे में ज्ञान का खजाना हैं। हालाँकि, जब किसी भाषा का पतन होता है, तो वह ज्ञान प्रणाली पूरी तरह से समाप्त होकर विविधतापूर्ण चरणों का एक विशेष ज्ञानरूपी संसार का अंत हो जाता है। प्रत्येक व्यक्ति के लिए अपनी मातृभाषा का ज्ञान गर्व का विषय है एवं मातृभाषा के जतन व प्रसार के लिए सभी ने सर्वदा प्रयासरत होना ही चाहिए। मातृभाषा यह उस भाषा को संदर्भित करता है, जो बच्चे को जन्म के बाद सुनने को मिलती है जिसे एक बच्चा जन्म से सीखता है, यह हमारी भावनाओं और विचारों को एक निश्चित आकार देने में मदद करती है। अन्य महत्वपूर्ण सोच कौशल, दूसरी भाषा सीखने और साक्षरता कौशल में सुधार के लिए मातृभाषा में सीखना महत्वपूर्ण है। व्यापक विकास के लिए मातृभाषा में बोलना-सीखना बहुत आवश्यक है, यह अपनेपन की भावना प्रदान कर अपनी जड़ों को समझने में मदद करती है। यह संस्कृति से जोड़ कर उन्नत संज्ञानात्मक विकास सुनिश्चित करती है, और विभिन्न भाषाओं की सीखने की प्रक्रिया में सहायता है। भाषाई सांस्कृतिक विविधता और बहुभाषावाद को बढ़ावा देने के लिए हर साल 21 फरवरी को अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष की थीम बहुभाषी शिक्षा - शिक्षा को बदलने की आवश्यकता यह है। यूनेस्को मातृभाषा या पहली भाषा के आधार पर बहुभाषी शिक्षा को प्रोत्साहित और बढ़ावा देता है। मातृभाषा द्वारा घर और स्कूल के बीच के अंतर को कम करके परिचित भाषा में स्कूल के माहौल को बनाकर छात्र बेहतर सीखते हैं। अनुसंधान से पता चलता है कि मातृभाषा में शिक्षा समावेश और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण कारक है, और यह सीखने के परिणामों और शैक्षणिक प्रदर्शन में भी सुधार करती है। मातृभाषा पर आधारित बहुभाषा शिक्षा सभी शिक्षार्थियों को समाज में पूर्ण रूप से भाग लेने के लिए सशक्त बनाती है। यह आपसी समझ और एक दूसरे के प्रति सम्मान को बढ़ावा देती है और सांस्कृतिक और पारंपरिक विरासत की संपत्ति को संरक्षित करने में मदद करती है जो दुनिया भर की हर भाषा में निहित है। अनेक देशो के अधिकांश छात्रों को उनकी मातृभाषा के अलावा अन्य भाषा में पढ़ाकर छात्रों के सीखने की उनकी क्षमता से समझौता किया जाता है। अनुमान है कि दुनिया की 40% आबादी की उस भाषा में शिक्षा तक पहुंच नहीं है जिसे वे बोलते या समझते हैं। लुप्त हो रही या लुप्त होने की कगार पर खड़ी अनेक भाषाओं को पुनर्जीवित करना बहुत जरुरी है। हर 15 दिन में एक भाषा अपने साथ पूरी सांस्कृतिक और बौद्धिक विरासत लेकर गायब हो जाती है। दुनिया में बोली जाने वाली अनुमानित 7000 भाषाओं में से कम से कम 43% लुप्तप्राय हैं। इस सदी के अंत तक 1,500 ज्ञात भाषाएँ खत्म हो जाएगी। आधुनिकता, वर्तमान उच्च शिक्षा और गतिशीलता कुछ छोटी भाषाओं को हाशिए पर डालकर कमजोर कर देती है। 7,000 विश्व भाषाओं में से 90% का उपयोग 1 लाख से कम लोगों द्वारा किया जाता है। 10 लाख से अधिक लोग 150-200 भाषाओं में बात करते हैं। वास्तव में, दुनिया में मातृभाषा (पहली भाषा) के रूप में सबसे लोकप्रिय भाषा मंदारिन चीनी है, 2022 में 929 मिलियन लोग हैं जो इस भाषा को बोलते हैं, दूसरे स्थान पर स्पेनिश है, और तीसरे स्थान पर अंग्रेजी है उसके बाद हिंदी और फिर बंगाली है। एशिया में विश्व की 2,200 भाषाएँ हैं, जबकि यूरोप में 260 हैं। यूनेस्को का कहना है कि 2,500 भाषाओं के विलुप्त होने का खतरा है। भारत में 121 ऐसी भाषाएँ हैं जो 10,000 या उससे अधिक लोगों द्वारा बोली जाती हैं। 2011 की जनगणना के विश्लेषण के अनुसार, भारत में 22 अनुसूचित भाषाएँ हैं, और देश की 96.71 प्रतिशत आबादी की इनमें से एक मातृभाषा है। संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल 22 भाषाओं में असमिया, बंगाली, गुजराती, हिंदी, कन्नड़, कश्मीरी, कोंकणी, मलयालम, मणिपुरी, मराठी, नेपाली, उड़िया, पंजाबी, संस्कृत, सिंधी, तमिल, तेलुगु, उर्दू, बोडो, संथाली, मैथिली और डोगरी यह है। 2011 के जनगणना अनुसार, देश के 52.8 करोड़ लोगों द्वारा हिंदी सबसे अधिक बोली जाने वाली मातृभाषा है, जो जनसंख्या का 43.6 प्रतिशत है। उसके बाद, 9.7 करोड़ लोग या 8 प्रतिशत आबादी बंगाली बोलती है, जिससे यह देश की दूसरी सबसे लोकप्रिय मातृभाषा बन गई है। भारत ने 1961 के बाद से 220 भाषाओं को खो दिया है। अगले 50 वर्षों में और 150 भाषाएँ लुप्त हो सकती हैं, उदाहरण के तौर पर पीपुल्स लिंग्विस्टिक सर्वे ऑफ इंडिया द्वारा किए गए एक शोध के अनुसार, सिक्किम में खत्म होने के कगार पर माझी भाषा है। वर्तमान में सिर्फ चार लोग हैं जो माझी बोलते हैं और वे सभी एक ही परिवार के हैं। आज के आधुनिकता के समय में हम खुद अपनी मातृभाषा में बात करने को शर्माते है और अन्य भाषा में बात करने पर गर्व महसूस करते है। यदि कोई व्यक्ति अपनी मातृभाषा में बात करे तो उसे निम्नस्तर गिना जाता है, ये हमारा कौनसा विकास है जो हमें अपने ही संस्कृति से दूर ले जा रहा है। हमारी मातृभाषा, ज्ञान संस्कार के विरोधक हम खुद है अगर हम अपनी बोलीभाषा को बढ़ावा नहीं देते है तो।

आज हमारे भारत देश की राष्ट्रीय भाषा हिंदी विश्वस्तर पर सबसे ज्यादा बोली जानेवाली भाषाओ में से एक के रूप में तेजी से बढ़ रही है। बंगाली, पंजाबी, उर्दू और तमिल भी अनेक देशों में आधिकारिक भाषा के रूप में जानी जाती है। बड़ी संख्या में विदेशी लोग भारतीय भाषाओं का ज्ञान आत्मसात कर रहे है, विश्वस्तर पर विदेशी विद्यापीठों, शिक्षासंस्थानों, डिजिटल तकनीक और ऑनलाइन व्यवहार में भारतीय भाषाओं को सम्मिलित किया जा रहा है। सरकार भी अब उच्च व व्यावसायिक शिक्षा को क्षेत्रीय भाषा में पढ़ाने पर जोर देने के लिए प्रयासरत है।

चैट जीपीटी पर कितने खतरे और कितने अवसर

प्रियंका सौरभ

चैटजीपीटी, ओपन एआई का नया चैटबॉट, एक 'संवादात्मक' एआई है जो मानव की तरह ही प्रश्नों का उत्तर देता है। यह (जनरेटिव प्री-ट्रेन्ड ट्रांसफार्मर) का एक प्रकार है जो ओपन एआई द्वारा विकसित एक बड़े पैमाने पर तंत्रिका नेटवर्क-आधारित भाषा मॉडल है। चैटजीपीटी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से संचालित एक चैटबॉट है जिसका इस्तेमाल सवाल पूछने के लिए किया जा सकता है। इस चैटबॉट को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि प्रश्नों के उत्तर तकनीकी और शब्दजाल मुक्त दोनों हैं। यह एक प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण (एनएलपी) मॉडल है जो संवादात्मक डेटा के बड़े कोष के साथ काम करता है। यह मानव जैसी प्रतिक्रियाएँ उत्पन्न कर सकता है, जिससे उपयोगकर्ता और आभासी सहायक के बीच स्वाभाविक बातचीत हो सकती है। चैटबॉट ह्यूमन फीडबैक (आरएलएचएफ) तकनीक से रेनफोर्समेंट लर्निंग का इस्तेमाल करता है। हालांकि, इसे अधिक मानव-अनुकूल दिखने के लिए बदल दिया गया है। यह जीपीटी-3.5 पर आधारित है, जो एक गहन-शिक्षण भाषा मॉडल है जो मानव-समान पाठ उत्पन्न करता है। क्योंकि यह समय के साथ बेहतर होता है और मशीन लर्निंग के माध्यम से प्रश्नों को बेहतर ढंग से समझता है, भविष्य में तकनीक एक ही प्रश्न के लिए अलग-अलग उत्तर देगी। इसका उपयोग वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोगों में किया जा सकता है जैसे कि डिजिटल मार्केटिंग, ऑनलाइन सामग्री निर्माण, ग्राहक सेवा प्रश्नों का उत्तर देना या जैसा कि कुछ उपयोगकर्ताओं ने पाया है, यहां तक कि डिबग कोड की सहायता के लिए भी। मानव बोलने की शैली की नकल करते हुए बॉट कई तरह के सवालों का जवाब दे सकता है। इसे बेसिक ईमेल, पार्टी प्लानिंग लिस्ट, सीवी और यहां तक कि कॉलेज निबंध और होमवर्क के प्रतिस्थापन के रूप में देखा जा रहा है। इसका उपयोग कोड लिखने के लिए भी किया जा सकता है, जैसा कि उदाहरण दिखाते हैं। चैटबॉट ग्राहक सेवा प्रदान करने और सप्ताह में 7 दिन 24 घंटे सहायता प्रदान करने के लिए सुविधाजनक हैं। वे फोन लाइनों को भी मुक्त करते हैं और लंबे समय में समर्थन करने के लिए लोगों को काम पर रखने की तुलना में बहुत कम खर्चीला है। एआई और प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण का उपयोग करते हुए, चैटबॉट यह समझने में बेहतर होते जा रहे हैं कि ग्राहक क्या चाहते हैं और उन्हें आवश्यक सहायता प्रदान कर रहे हैं। कंपनियां चैटबॉट्स को भी पसंद करती हैं क्योंकि वे ग्राहकों के प्रश्नों, प्रतिक्रिया समय, संतुष्टि आदि के बारे में डेटा एकत्र कर सकते हैं। ओपन आई जैसी कंपनियां सीमित रिलीज रणनीतियों के माध्यम से अंतरिक्ष को स्व-शासन कर रही हैं, और मॉडल के निगरानी वाले उपयोग, हालांकि, स्व-शासन हेरफेर की संभावना छोड़ देता है। उन कार्यों का संचालन जो पहले मनुष्यों द्वारा किए जाते थे, जैसे कि समाचार लेख लिखना या संगीत रचना करना से नौकरी छूटने का डर बनेगा। मानव अनुभूति की कम आवश्यकता से छोटे बच्चे जो अपना होमवर्क करने के लिए एआई को अपने मित्र के रूप में देखेंगे। बौद्धिक संपदा और कॉपीराइट के आसपास के मुद्दे जेनेरेटिव एआई मॉडल के पीछे के डेटासेट आम तौर पर जीवित कलाकारों से सहमति मांगे बिना इंटरनेट से स्क्रैप किए जाते हैं या अभी भी कॉपीराइट के तहत काम करते हैं। सूचनाओं में हेर-फेर करके, नकली पाठ, भाषण, चित्र या वीडियो बनाकर गलत सूचना और अविश्वास का डर, कुछ कंपनियों के हाथों में सत्ता के संकेन्द्रण का डर, उन्नत क्षमताओं के साथ स्वचालित ट्रोल बॉट्स का उपयोग करके राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए जोखिम पैदा करेगा। जनरेटिव एआई मॉडल को अधिक पारदर्शी बनाने की आवश्यकता है, ताकि जनता यह समझ सके कि मॉडल कैसे और क्यों कुछ निर्णय ले रहा है। पूर्वाग्रह को कम करने के लिए विविध प्रशिक्षण डेटा के साथ-साथ निष्पक्षता बाधाओं या प्रतिकूल प्रशिक्षण जैसी तकनीकों का उपयोग करना होगा। लोगों की गोपनीयता सुनिश्चित करना जरूरी है। एक नामित ₹एआई नीतिशास्त्री₹ या ₹एआई लोकपाल₹ का उपयोग करके बिगटेक कंपनियों के जवाबदेह शासन लाना होगा। एक ऐसी प्रणाली को डिजाइन करना जिसमें मनुष्य अंतिम निर्णय लेते हैं और एआई को एक समर्थन प्रणाली के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। जनरेटिव एआई के प्रभाव को कम करने के लिए - श्रम बाजारों में व्यवधान, स्क्रैप किए गए डेटा की वैधता, लाइसेंसिंग, कॉपीराइट और पक्षपाती या अन्यथा हानिकारक सामग्री, गलत सूचना, और इसी तरह की संभावना बढ़ेगी।

पुल पर पुलिस पिकेटों में बसंत के देवदूत

रेखा शाह आरबी

लल्लू जी ने सुना था ..जीवन में बसंत का आना जाना एक सामान्य घटना है पर लल्लू जी को कभी नहीं लगा कि बसंत का आना-जाना एक सामान्य घटना रहा होगा।दरअसल जिन चीजों के बारे में हम लोगों को पता नहीं होता है उसे सहज ही अद्भुत और बड़ा मान लेते हैं। और लल्लू जी कोई बड़े आदमी तो है नहीं सामान्य मिडिल क्लास इंसान हैं और मिडिल क्लास बसंत के बारे में जाने या ना जाने पतझड़ के बारे में बहुत अच्छी तरीके से उसे पता रहता है।लल्लू जी को बसंत के ऊपर स्कूल कॉलेज में खूब निबंध लिखने को मिला जीवन में उनका बसंत से इतना ही परिचय रहा है इसके अलावा ना बसंत ने उनको देखा ना उन्होंने बसंत को देखा।

लल्लू जी बसंत को कविताओं में पढे थे जहां कवि अपने बसंत में कविताओं मे भंवरे गुनगुना देते हैं तो फूल को मुस्कुरा देते हैं ... जैसा कवि सोहनलाल द्विवेदी
कहते हैं ---
आया वसंत, आया वसंत,
सरसो खेत में उठी फूल
बौरे आंमो में उठी झूल
बेलो में फूल नए फूल,

इतना पढ़ने के बाद उन्हें पता चला बसंत आम के पेड़ पर भी आ सकता है सरसों के खेत में भी आ सकता है वरना उन्होंने तो बसंत को मच्छरों की आमद के रूप में देखा, टैक्स भरने के महीने के रूप में देखा, खर्चों की बढ़ोतरी के रूप में देखा। बसंत कहीं भी घुसपैठ कर सकता है खेत, खलिहान, बाग-बगीचे ,सड़क, रेल -पुल पटरी कहीं भी आ सकता है उसके आने की कहीं भी मनाही नहीं है वसंत ऋतुराज है उसके मन के ऊपर है सरसों के खेत में आए , टेसू के फूल के ऊपर आए या पुल के ऊपर आए और सभी जगह आने जाने को तो लल्लू जी प्रमाणित नहीं कर पाए लेकिन पुल के ऊपर आने वाले बसंत को वह देख भी सकते हैं सुन भी सकते हैं समझ भी सकते हैं।

लल्लू जी के मतानुसार एक बार किसी पुल का निर्माण हो जाता है तो पुल पर बसंत ही वसंत रहता है और यदि पुल दो राज्यों को जोड़ता हो और वह भी यूपी और बिहार जैसे राज्यों को तब तो उस पुल पर बसंत लहक - लहक कर खिलखिला-खिलखिला कर ठेकेदारों के लिए आता है.. पुलिस के लिए आता है । आम जनता का बसंत इनकी जेब में चला जाता है।उसके दोनों छोरो पर बैठे पुलिस पिकेटो मे बसंत के देव दूतों को उन्होंने बहुत करीब से देखा सुना जाना समझा है। जब पुल के ऊपर एक बार वसंत आ जाता है तो फिर कभी नहीं जाता क्योंकि बसंत के आने का रास्ता तो है पर जाने का रास्ता अभी तक नहीं बना है ना बनने की संभावना है। और ना ही कोई बनवाने में ऊपर से नीचे तक रुचि ही दिखाता है। बसंत गरीब और आम जनता के जरिए इन लोगों के पास आता है.. और गरीब तो सबके हैं बस गरीब का कोई नहीं है।

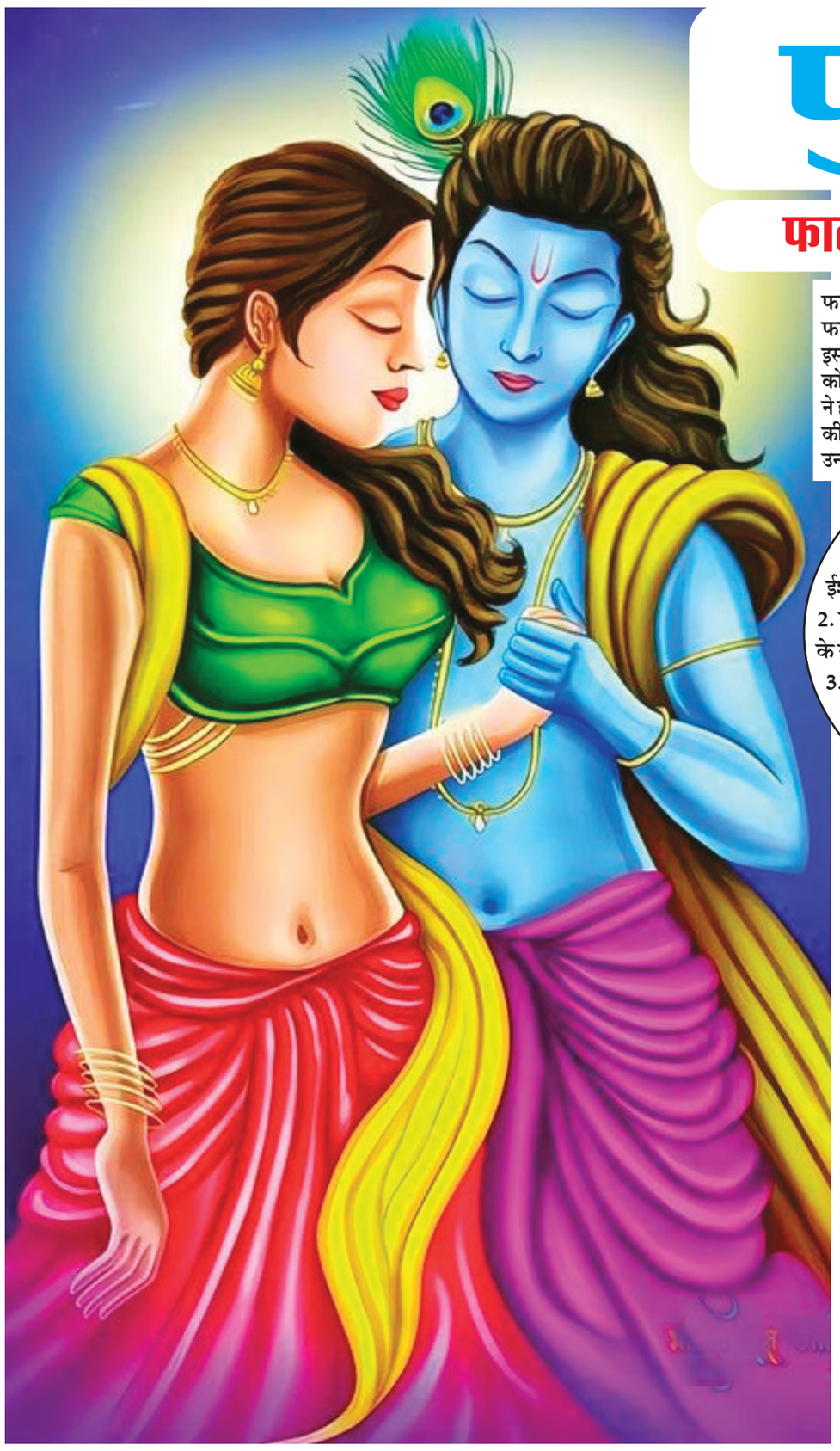

फुलेरा दूज आज

फाल्गुन की दूसरी तिथि पर श्रीकृष्ण ने राधा संग खेली थी फूलों की होली

फाल्गुन शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को फुलेरा दूज कहा जाता है। ये 21 फरवरी, मंगलवार को है। ये दिन राधा-कृष्ण की पूजा का दिन होता है। इसलिए मथुरा और वृंदावन में इस पर्व पर राधा-कृष्ण की मूर्तियों और मंदिरों को फूलों से सजाया जाता है। मान्यता है कि फुलेरा दूज पर भगवान श्रीकृष्ण ने होली खेलने की शुरुआत की थी। उन्होंने राधा और गोपियों के साथ फूलों की होली खेली थी, तब से आज तक ब्रज में फुलेरा दूज पर राधा-कृष्ण संग उनके भक्त फूलों की होली खेलते हैं।

किस दिशा में रखें बांसुरी?

1. बांसुरी को पूजाघर में भी रखा जा सकता है। पूजा घर ईशान कोण में होना चाहिए।
2. बांसुरी को कमरे के दरवाजे के ऊपर या सिरहाने रखने से परिवार के सदस्य हमेशा स्वस्थ रहते हैं।
3. आर्थिक उन्नति को बढ़ाने के लिए पूजाघर के दरवाजे पर बांसुरी रखना चाहिए।
4. ऑफिस या दुकान में उत्तर दिशा में, मुख्य द्वार के उपर या छत पर बांसुरी टांगने से लाभ मिलता है।

फुलेरा दूज का महत्व

1. इस दिन मंदिरों को रंग-बिरंगे फूलों से सजाया जाता है और राधा कृष्ण के प्रेम के प्रतीक के रूप में फूलों से होली खेलते हैं और एक दूसरे को फूलों के गुलदस्ते भेंट में देते हैं।
2. ये त्योहार वैवाहिक संबंधों को मधुर बनाने के लिए मनाया जाता है। माना जाता है कि इस दिन में साक्षात भगवान श्री कृष्ण का अंश होता है। इसी कारण से इस दिन भगवान श्रीकृष्ण की पूजा को बहुत महत्व दिया जाता है।
3. फुलेरा दूज को रंगों का त्योहार भी माना जाता है। यह त्योहार राधा और कृष्ण जी के मिलन के दिन के रूप में मनाया जाता है। यह त्योहार मथुरा और वृंदावन में बड़े धूमधाम से मनाया जाता है। इस दिन मंदिरों में भजन कीर्तन और कृष्ण लीलाएं होती हैं।
4. फुलेरा दूज का दिन दोष मुक्त होता है। इसलिए इस दिन कोई भी शुभ और मांगलिक कार्य किया जा सकता है। इस दिन भगवान श्री कृष्ण की पूजा की जाती है और उन्हें गुलाल अर्पित किया जाता है। इसके साथ ही इस दिन घर में मिठाई बनाकर भगवान श्री कृष्ण को भोग लगाया जाता है।
5. फुलेरा दूज पर अधिकतर विवाह संपन्न होते हैं क्योंकि इस दिन विवाह के लिए कोई भी शुभ मुहूर्त देखने की आवश्यकता नहीं पड़ती। फुलेरा दूज के साथ ही होली के रंगों की शुरुआत भी हो जाती है और कई जगहों पर तो इस दिन से ही होली खेलने की शुरुआत हो जाती है। इसी कारण फुलेरा दूज को अधिक महत्व दिया जाता है।

पंचक राशि के अनुसार ये उपाय

पंचक क्या होता है, यह सवाल कई बार खयाल में आता होगा। इसको लेकर कई तरह के अशुभ की मान्यता भी है। लेकिन हर पंचक अशुभ नहीं होता। यदि आपका सवाल है कि फाल्गुन पंचक कब से शुरू हो रहा है तो इसका जवाब है हमारे पास। फाल्गुन पंचक और पंचक के उपाय के बारे में जानने के लिए पढ़ें यह रिपोर्ट।

पंचक के उपाय

पंचक क्या हैः ज्योतिष के अनुसार पांच दिन का वह समय जब चंद्रमा धनिष्ठा नक्षत्र में प्रवेश करता है और इसके बाद चंद्रमा शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद और रेवती नक्षत्रों के चारों पदों पर गोचर करता है। इसे पंचक कहते हैं यानी जब चंद्रमा कुंभ और मीन राशि में गोचर करता है तो इस अवधि को पंचक कहते हैं। ज्योतिष में इस अवधि को अशुभ माना जाता है। हालांकि पंचक में कुछ कार्य करने में दिक्कत नहीं होती और कुछ पंचक शुभ भी माने जाते हैं।

बता दें कि पंचक की शुरुआत 20 फरवरी को सुबह 1 बजकर 14 मिनट पर हो चुका है और 24 फरवरी सुबह 3.44 बजे यह संपन्न होगा। सोमवार से शुरू होने के कारण यह राज पंचक है। यह अशुभ नहीं माना जाता।

अशुभ प्रभाव से बचने के लिए करें पंचक के उपायः पंचक के अशुभ प्रभाव से बचने के लिए यह उपाय करना चाहिए।

मेषः पंचक के अशुभ प्रभाव से बचने के लिए मेष राशि के जातक को हनुमानजी की पूजा करनी चाहिए। पंचक की अवधि में दिन की शुरुआत में हनुमानजी को चमेली का तेल और फूल अर्पित करना चाहिए।

वृषः इस राशि के जातक को पंचक के अशुभ प्रभाव से बचने के लिए गायत्री माता की पूजा करनी चाहिए। छोटा सा हवन भी कर सकते हैं।

मिथुनः इस राशि के जातक को पंचक के दौरान मजदूरों को मिठाई खिलानी चाहिए और जरूरतमंदों को भोजन कराना चाहिए।

कर्कः कर्क राशि के जातक को वृद्धाश्रम में जाकर भोजन और कपड़े का दान करना चाहिए। भगवान शिव की पूजा और दूध का दान भी फलदायी है।

सिंहः घर में दीपक जलाएं और सिंह राशि के लोग पंचक में दक्षिण दिशा में यात्रा से परहेज करें।

कन्याः कन्या राशि के जातक को पंचक में स्वास्थ्य लाभ वाले पौधों को घर पर लगाना चाहिए। इसके साथ ही गायत्री मंत्र का जाप फलदायी है।

तुलाः पंचक में तुला राशि के जातक को माता लक्ष्मी और गायत्री माता की पूजा करनी चाहिए। इसके अलावा पांच-पांच लाल, सफेद फूल चढ़ाना चाहिए।

वृश्चिकः पंचक में पांच छोटे बच्चों को बेसन या बूंदी के लड्डू खिलाएं। हनुमान चालीसा पाठ करना चाहिए।
इसके साथ ही जल में दूध मिलाकर चंद्र देव को चढ़ाना चाहिए।

धनुः इस राशि के जातक को भगवान विष्णु की पूजा करनी चाहिए।

मकरः इस राशि के जातक को पंचक में दिव्यांगों को भोजन और कपड़े का दान करना चाहिए। इसके साथ ही पांच कन्याओं को भोजन कराना चाहिए।

कुंभः इस राशि के जातक के लिए भगवान शिव की आराधना और महामृत्युंजय मंत्र का जाप विशेष फलदायी है।

मीनः पंचक में नकारात्मकता से बचने के लिए त्रिदेवियों की पूजा करनी चाहिए।
साथ ही घर पर घी का दीपक जलाना विशेष फलदायी है।

कैलाश की परिक्रमा 52 किमी

कैलाश पर्वत श्रेणी कश्मीर से भूटान तक फैली हुई है। इसमें ल्हा चू और झोंग चू के बीच यह पर्वत स्थित है। यहां दो जुड़े हुए शिखर हैं। इसमें से उत्तरी शिखर को कैलाश के नाम से जाना जाता है। इस शिखर का आकार एक विशाल शिवलिंग जैसा है। हिंदू धर्म में इसकी परिक्रमा का बड़ा महत्व है। परिक्रमा 52 किमी की होती है।

तिब्बत के लोगों का मानना है कि उन्हें इस पर्वत की 3 या फिर 13 परिक्रमा करनी चाहिए। वहीं, तिब्बत के कई तीर्थ यात्री तो दंडवत प्रणाम करते हुए इसकी परिक्रमा पूरी करते हैं। उनका मानना है कि एक परिक्रमा से एक जन्म के पाप दूर हो जाते हैं, जबकि दस परिक्रमा से कई अवतारों के पाप मिट जाते हैं। जो 108 परिक्रमा पूरी कर लेता है उसे जन्म और मृत्यु से मुक्ति मिल जाती है।

पश्चिम प्रांच में स्थित कैलाश मानसरोवर में जून से जुलाई के अंत तक श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रहती है।

नसीब वाले ही कर पाते हैं पूरी यात्रा

नेपाल में लिपुलेख या सिमिकोट से तिब्बत पहुंचने के बाद तीर्थयात्रियों को तिब्बत के उत्तरी हिस्से में 150 किलोमीटर की यात्रा करनी पड़ती है। खड़ी पहाड़ियों पर चलने के अलावा श्रद्धालुओं को यहां हर पल बदलते मौसम का भी सामना करना पड़ता है।

जो लोग मौसम परिवर्तन के कारण जल्दी अस्वस्थ हो जाते हैं, उन्हें ऑक्सीजन की भी आवश्यकता पड़ती है।

भारत का हिस्सा, लेकिन अब चीन का कब्जा

1962 में जब भारत और चीन के बीच युद्ध हुआ तो चीन ने भारत के कैलाश और मानसरोवर पर कब्जा कर लिया। अब यहां पहुंचने के लिए चीनी पर्यटक वीजा प्राप्त करना होता है। इसके चलते अब कैलाश जाना आसान नहीं रहा। ITBP के जवान और चीनी सैनिकों के पचासों तरह की चेकिंग के बाद मानसरोवर पहुंचा जाता है। कैलाश मानसरोवर यात्रा दो से तीन सप्ताह तक चलती है (इस पर निर्भर करते हुए कि आप यात्रा कहां से शुरू करते हैं।)। भारत सरकार ने इस यात्रा को आसान बनाने के लिए 'लिपुलेख मार्ग' बनाया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 8 मई 2020 को इस मार्ग का उद्घाटन किया था। हालांकि इससे कैलाश के तीर्थ यात्री खुश तो हैं, लेकिन इसमें अब भी कई अड़चने हैं। इसके अलावा इस क्षेत्र में प्रवेश करने के लिए तिब्बत सरकार से भी विशेष अनुमति लेनी पड़ती है।

लिपुलेख से सिर्फ भारतीय ही जा सकते हैं

दिल्ली से 750 किमी उत्तर पूर्व में लिपुलेख मार्ग यात्रा के समय को छह दिनों तक कम कर देता है। लिपुलेख से जुड़ी कुछ अन्य जटिलताएं भी हैं। जैसे कि यह मार्ग केवल भारतीय तीर्थयात्रियों के लिए ही है। इसके अलावा इस रास्ते से सिर्फ 1000 तीर्थयात्रियों के जाने की ही अनुमति है।

यात्रा का एक अन्य विकल्प नेपाल के सीमीकोट, कोराला, केरुंग और कोदरी बॉर्डर-पॉइंट हैं। यहां से गुजरने वाले श्रद्धालुओं की संख्या की कोई सीमा नहीं है। हालांकि यह भी चीन द्वारा तय की गई सीमा के अनुसार ही संभव है। वहीं, तीसरा विकल्प है गंगटोक से सिक्किम होते हुए नथुला पास से गुजरना। तिब्बत के नागरी प्रदेश के बुरुंग प्रांत, उत्तर भारत के उत्तराखंड और नेपाल के सुदूर

क्या कहते हैं सदगुरु जग्गी वासुदेव?

कैलाश पर्वत के बारे में सदगुरू जग्गी वासुदेव कहते हैं कि यह सबसे महान रहस्यमयी पुस्तकालय है। लोग पिछले कुछ हजार सालों से यहां की तीर्थ यात्रा कर रहे हैं। आमतौर पर लोग इसे 10,000 से 12,000 साल पुराना कहते हैं। कई और प्राचीन बताते हैं। हालांकि यह भी रहस्य ही है।

भारत में अधिकांश योगियों और रहस्यवादियों ने हमेशा पर्वत चोटियों को प्राथमिकता दी, क्योंकि यहां लोगों का आवागमन नहीं होता था। इसके अलावा ये सुरक्षित स्थान थे। उन्होंने अपने ज्ञान को ऊर्जा रूप में जमा करने के लिए पर्वतों को चुना। हजारों वर्षों से सिद्ध प्राणियों ने हमेशा कैलाश पर्वत की यात्रा की है और अपने ज्ञान को ऊर्जा के एक विशिष्ट रूप में जमा किया है।

मुनियों-सिद्धपुरुषों ने इस पहाड़ को आधार के रूप में इस्तेमाल किया। इसलिए हिंदू मानते हैं कि वहां शिव निवास करते हैं। जब हम कहते हैं कि यह शिव का वास है, तो इसका अर्थ यह नहीं है कि वे अब भी यहां बैठे हैं। वे यहां ऊर्जा के रूप में प्रवाहित होते हैं।

यदि आप जीवन के इस छोटे से हिस्से की व्याख्या नहीं कर सकते, तो ब्रह्मांड में किसी और चीज की व्याख्या करने का प्रश्न ही नहीं उठता। कैलाश के बारे में कुछ भी कहना या सिखाना निरर्थक है। कैलाश को जानने के लिए आपको अलौकिक दृष्टि चाहिए। (समाप्त)

संजय लीला भंसाली बोले- बिना फैक्ट्स के पीरियड फिल्में नहीं बनानी चाहिए..पद्मावत के समय झेल चुके विरोध

संजय लीला भंसाली ने एक रिसेंट इंटरव्यू में कहा है कि जब कोई फिल्ममेकर पीरियड फिल्में बनाता है तो उसे कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए। संजय का कहना है कि ऐसी फिल्में बनाने से पहले फैक्ट्स की जांच करनी चाहिए। संजय के मुताबिक, वो तब तक कोई फिल्म या डॉक्यूमेंट्री नहीं बनाते हैं जब तक कि उन्हें इस बारे में बिल्कुल सटीक जानकारी न हो। इसके अलावा संजय ने कुछ अफवाहों से भी पर्दा हटाया है। उन्होंने कहा कि ये बातें बिल्कुल गलत हैं कि वो सेट पर एक्टर्स के साथ काफी कड़ा बर्ताव करते हैं। संजय के मुताबिक, ये सभी बातें मीडिया ने फैलाई है।

पीरियड फिल्म करने से पहले तथ्यों की जांच करनी चाहिए

संजय लीला भंसाली पीरियड फिल्में बनाने के लिए मशहूर हैं, लेकिन पद्मावत की शूटिंग के वक्त उनके साथ करणी सेना के कुछ सदस्यों ने मारपीट कर दी थी। यहां तक कि सेट पर तोड़फोड़ भी किया था।

दीपिका पादुकोण को जान से मारने की धमकी मिली थी। इसी संदर्भ में संजय ने कहा है कि फिल्म मेकर्स अगर ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर कोई फिल्म करें तो उन्हें तथ्यों को एक बार अच्छे से समझ और परख लेना चाहिए।

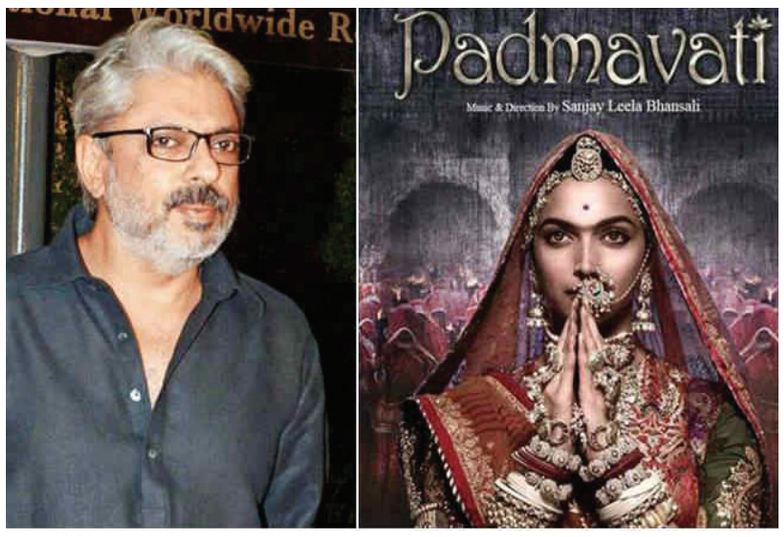

बेस्ट शॉट के बाद ही एक्टर को वैनिटी में जाने देता हूं

संजय लीला भंसाली की अपकमिंग वेब सीरीज हीरामंडी के लॉन्च के अवसर पर उनसे पूछा गया कि क्या वो सच में एक्टर्स के साथ कड़ा रवैया अपनाते हैं। इस पर उन्होंने जवाब देते हुए कहा, 'मीडिया ने मेरी ऐसी इमेज बनाई है। वास्तव में ऐसा कुछ नहीं है। मैं कोई टास्क मास्टर नहीं हूं। मैं बस एक्टर्स का दिमाग का यूज करना चाहता हूं। मुझे टास्क मास्टर इसलिए कहते हैं क्योंकि मैं तब तक किसी एक्टर को वैनिटी वैन में नहीं जाने देता जब तक कि उससे बेस्ट शॉट न निकलवा लूं।'

संजय के सख्त रवैये से रणबीर कपूर हुए थे परेशान

संजय लीला भंसाली अपने बारे में भले ही कहे कि वो सख्त नहीं हैं, लेकिन उनके साथ काम करने वाले एक्टर्स यहीं मानते हैं कि उनके साथ काम करना बहुत बड़ा टास्क है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म ब्लैक में संजय लीला भंसाली ने रणबीर कपूर की पिटाई तक कर दी थी। इसके बाद से रणबीर ने इस प्रोजेक्ट से हाथ खींच लिया था। फिल्म सावरियां की शूटिंग के वक्त भी रणबीर को काफी ज्यादा परेशानियां आई थीं। इस फिल्म का डायरेक्शन संजय कर रहे थे।

हीरामंडी का फर्स्ट लुक रिवील

भंसाली की ड्रीम प्रोजेक्ट 'हीरामंडी' नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। कल सीरीज का फर्स्ट लुक रिवील किया गया जिसमें मनीषा कोइराला, अदिति राव हैदरी, शर्मिन सेगल, रिचा चड्ढा और आखिरी में सोनाक्षी सिन्हा की झलक दिखती है।

सभी गोल्डेन आउटफिट में रॉयल लुक में नजर आ रही हैं। बैकग्राउंड म्यूजिक के साथ एक-एक करके सभी एक्ट्रेस के लुक्स दिखाए गए हैं। हालांकि, वेब सीरीज की रिलीज डेट की अभी कोई जानकारी नहीं दी गई है।

केआरके ने अब कृति सेनन पर कसा तंज 'शहजादा' के बहाने बताया सबसे पनौती एक्ट्रेस

कृति सेनन बॉलीवुड की एक प्रमुख अभिनेत्री हैं। उनको मिमी, लुका छुपी और बरेली की बर्फी जैसी फिल्मों के लिए जाना जाना हैं। शुक्रवार को कृति सेनन की फिल्म 'शहजादा' रिलीज हुई। बॉलीवुड के मशहूर एक्टर कार्तिक आर्यन के साथ कृति सेनन की इस फिल्म को पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर ठीक-ठीक ओपनिंग मिली है। हालांकि ये फैमिली एंटरटेनर फिल्म बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद से कम कमाई कर रही है। इस बीच आए दिन अपने ट्वीट के जरिए हिंदी सिनेमा के सितारों पर निशाना साधने वाले कमाल राशिद खान यानी केआरके ने कृति सेनन पर निशाना साधा है।

केआरके ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लिखा - कृति सेनन बॉलीवुड की सबसे पनौती अभिनेत्रियों में से एक हैं। जिस फिल्म में आती है, ले डूबती है। भेड़िया जैसी फिल्म को भी खा गई थी'। केआरके ने यह ट्वीट कृति सेनन की हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'शहजादा' को मद्देनजर रखते हुए किया है। इस तरह से केआरके ने कृति सेनन को हिंदी सिनेमा की सबसे पनौती एक्ट्रेस बताया है।

तो वहीं आगे केआरके ने अपने अगले ट्वीट में आदिपुरुष को भी घसीटा और कहा, 'और अभी तो महा पनौती कृति सेनन का जलवा बाकी है। 600 करोड़ के बजट की फिल्म आदिपुरुष की नायिका भी वही है। जय हो कृति सेनन की'।

केआरके के एक्ट्रेस कृति सेनन को पनौती कहने पर अब सोशल मीडिया पर तमाम लोगों ने अपने-अपने रिएक्शन देने शुरू कर दिए हैं। ऐसे में एक ट्विटर यूजर ने अभिनेत्री कृति सेनन की तारीफ करते हुए ट्वीट कर लिखा है कि, 'न भाई ऐसे मत कहो वह एक अच्छी एक्ट्रेस है'। एक दुसरे यूजर ने कमेंट करते हुए कहा, 'तुम जिस भी फिल्म को सपोर्ट करते हो वो फ्लॉप हो ही जाती है असली पनौती तो तुम हो'। तो वहीं एक तीसरे यूजर ने कमेंट करते हुए कहा कि 'शहजादा, तेलुगु फिल्म का रीमेक है, लोगों को कुछ भी नया नहीं लगा, इसलिए ये फिल्म नहीं चली'।

एक दो तीन गाने की रिकॉर्डिंग से पहले मेरी आवाज चली गई थी : अलका

दिग्गज सिंगर अलका याग्निक 2023 में दुनिया में सबसे ज्यादा स्ट्रीम की जाने वाली आर्टिस्ट बनीं हैं। हाल ही में मीडिया को दिए इंटरव्यू में अलका ने अपने एवरग्रीन गाने ' एक दो तीन' पर बात की। इस दौरान उन्होंने बताया कि शुरुआत में उन्हें ये गाना बिल्कुल पसंद नहीं आया था। साथ ही रिकॉर्डिंग से ठीक एक पहले अलका का गला पूरी तरह से खराब हो गया था। उन्हें आज भी अपने इस गाने में कई कमियां नजर आती हैं।

मैंने सोचा कि मेरे साथ मजाक कर रहे हैं- अलका

फिल्म कम्पैनियन से बातचीत के दौरान अलका ने फिल्म तेजाब के गाने 'एक दो तीन' को याद करते हुए कहा- 'यह गाना लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल जी का है। जब मैं उनके पास पहुंची, तो उन्होंने मुझसे कहा- 'लिखो एक दो तीन चार पांच छह सात' गाने की ये लाइन सुनकर मैं हैरान हो गई। मैंने सोचा कि ये मेरे साथ क्या मजाक कर रहे हैं। लेकिन मैं उनसे कुछ बोल नहीं पाई। मुझे उनसे डर लगता था, तो में चुपचाप उनकी बातें सुनती गई।'

अलका ने आगे कहा- 'मैंने दूसरी लाइन लिखी, फिर तीसरी लाइन। कुछ लाइनें लिखने के बाद गाने को लेकर मेरा नजरिया बदल गया। मुझे लगा ये गाना तो कमाल का है, बाद में गाना गाकर मुझे मजा आया।'

गाने की रिकॉर्डिंग के दिन मेरा गला बंद हो गया- अलका

अलका ने आगे कहा- एक दो तीन गाने की रिकॉर्डिंग के दिन मेरी आवाज बंद थी। अब ये गाला पूछकर खराब नहीं होता, अपनी मर्जी से खराब होता है। इसका भी अपना मूड होता है कभी-कभी, कि मुझे आज नहीं गाना।'

दीवार से सटकर गाया पूरा गाना- अलका

गाने की रिकॉर्डिंग का किस्सा बताते हुए अलका ने कहा- गाने के लिए लक्ष्मीकांत- प्यारे लाल को 60 लोगों के कोरस की जरूरत थी। रिकॉर्डिंग महबूब स्टूडियो में होने वाली थी, जहां ज्यादा जगह नहीं थी। इसलिए मैंने दीवार से सटकर पूरा गाना रिकॉर्ड किया।

मैं इस गाने से निराश हुई थी- अलका

अलका ने बताया- 'मैं इस गाने को पूरा करने के बाद भी संतुष्ट नहीं थी। मैंने लक्ष्मीकांत जी से रिक्वेस्ट की कि उन्हें फिल्म के गाने को फिर से रिकॉर्ड करने दें, लेकिन वो नहीं माने। मैं आज भी जब ये गाना सुनती हूं, तो उसकी खामियां नजर आती हैं। मुझे लगता है कि गाने के कुछ हिस्सों पर बेहद काम हो सकता था।'

पिता के निधन की वजह से हुआ था डिप्रेशन

फिल्म रिफ्यूजी के गानों को याद करते हुए अलका ने कहा- 'जब फिल्म के गाने रिकॉर्ड किए जा रहे थे तो उस वक्त मैं डिप्रेशन में थी। मेरे पिता का निधन हुआ था। रिकॉर्डिंग के लिए फोन आते रहते थे, लेकिन मैंने मां से बोल दिया था कि मुझे रिकॉर्ड नहीं करना। मां मुझे सलाह देती थी कि ट्रॉमा से बाहर निकलकर काम करना जरूरी है।

अनु मेरे घर बाहर धरना देने बैठ गए- अलका

कंपोजर अनु मलिक ने मुझे कई बार कॉल किया, जब मैंने कॉल नहीं उठाया तो वो मेरे घर के बाहर धरना देने बैठ गए।' अनु ने कहा- अगर तुम गाना नहीं गाओगी तो मैं रिकॉर्ड नहीं करूंगा। तुम्हें ये गाने रिकॉर्ड करने पड़ेंगे। मैं उनसे मना करती रही। लेकिन मां ने बोला कि कम से कम स्टूडियो तो जाओ।'

डिप्रेशन के फेस में दिए कई हिट गाने- अलका

अनु मुझे अपने साथ स्टूडियो लेकर गए और बोले- तुम्हें ये गाने रिकॉर्ड करने होंगे। मैंने गाने याद किए और रिकॉर्डिंग के लिए गई। यकीन नहीं होता कि उसके बाद मैं सब कुछ भूल गई। अलका बताती हैं कि उन्होंने कई बेहतरीन गाने डिप्रेशन के फेज में गाए हैं।

कोरोना के दौरान लोगों की मदद के लिए सोनू सूद को यहां से होती थी फंडिंग! अभिनेता ने किया बड़ा खुलासा

सोनू सूद बॉलीवुड में अपने बेहतरीन अभिनय के लिए जाने जाते हैं। हालांकि उन्होंने अपने अभिनय के अलावा अपनी दरियादिली से लोगों के दिलों में जगह बनाई है। दरअसल कोरोना महामारी के दौरान सोनू सूद लोगों के लिए एक मसीहा बनकर उभरे थे। उन्होंने कोरोना के समय जरूरतमंदों की खूब सहायता की थी। जिसके कारण वह देश भर में लोगों के लिए महज एक कलाकार नहीं रह गए थे, वह उनके लिए एक असली हीरो बन गए थे। सोनू सूद ने हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान इस बात का खुलासा किया है कि उन्होंने इतने सारे लोगों की मदद कैसे की है। कोरोना काल में लोगों की मदद के लिए उनके पास पैसे और सामान कैसे उपलब्ध हुआ था।

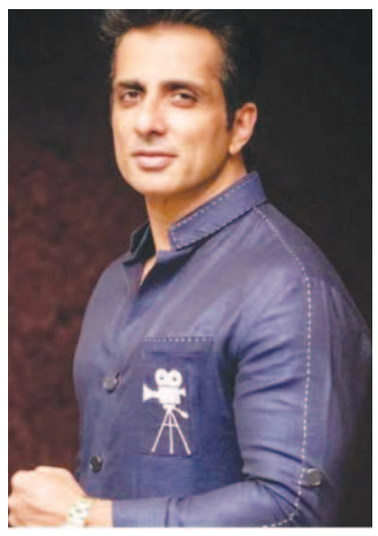

सोनू सूद ने बताया, 'मैंने जिस दौरान लोगों की मदद करने का काम शुरू किया तो मुझे अंदाजा नहीं था कि जिस तरह से लोगों की डिमांड आ रही है, हम लोगों की मदद के लिए दो दिन भी नहीं टिक पाएंगे। मुझे लगा कि इसको जोड़ें कैसे, तो मैं जितने ब्रांड्स के लिए काम कर रहा था, उन ब्रांड्स को डोनेशन के लिए राजी किया। मैंने अस्पतालों से डॉक्टरों से, कॉलेज से, टीचर्स, दवा कंपनियों को भी इस काम के लिए राजी किया और सभी ने मदद की। मैंने कहा ब्रांड में अपीयरेंस चाहते हैं, मैं फ्री में काम करूंगा, तो वो लोग इस काम के लिए जुड़ते चले गए और अपना यह काम होता चला गया'।

'मैं किसी की भी नौकरी लगवा सकता हूं, मुझे फोन करें'

इसके अलावा सोनू सूद ने बताया कि कुछ बड़े एनजीओ ने भी मुझसे संपर्क किया और कहा, 'सोनू देश में 130 करोड़ की जनसंख्या है। आप इसमें सर्वाइव नहीं कर पाओगे'। उसके बाद उन्होंने कहा, 'जो मेरे घर के नीचे आते हैं, तो मैं उसे मना नहीं कर सकता हूं। आज जम्मू से लेकर कन्याकुमारी तक, किसी भी छोटे जिले या फिर किसी भी छोटे राज्य,या कोई भी देश के किसी भी कोने में हो। बस आप बोलिए मैं किसी को पढ़ा सकता हूं, मैं किसी का भी इलाज करवा सकता हूं, मैं किसी की भी नौकरी पर लगवा सकता हूं। आप बस मुझे एक फोन कीजिए मैं करवा दूंगा'।

सोनू की मदद के लिए तमाम लोगों ने दिया साथ

जिस दौरान पूरा देश कोरोना महामारी के कारण जूझ रहा था और चारों तरफ लॉकडाउन लगा हुआ था। उस दौरान अभिनेता सोनू सूद ने अपनी सेहत की परवाह किए बिना देश के लोगों की मदद की थी। उन्होंने कोरोना महामारी में लगे लॉकडाउन के कारण जो लोग अपने घरों तक नहीं पहुंच पा रहे थे, उन्हें हर हाल में उनके घरों तक पहुंचाने की जिम्मेदारी ली थी और सफल भी हुए थे। उनके इस काम में तमाम एनजीओ और तमाम लोगों ने मदद की थी।

सृष्टि बहल का सेकंड इनिंग्स में तमिल हिट के हिंदी रीमेक का ऐलान

तमिल रोमांटिक ड्रामा 'लव टुडे' बीते साल की तमिल सिनेमा की सबसे बड़ी हिट फिल्मों में मानी जाती है। फिल्म की सफलता को अब हिंदी में भुनाने की तैयारी पूरी हो चुकी है और इस फिल्म के हिंदी रीमेक के साथ ही नेटफ्लिक्स के पैर भारत में जमाने वाली मशहूर निर्माता सृष्टि बहल अपनी दूसरी पारी के लिए तैयार हैं। सृष्टि ने अपनी कंपनी फैंटम स्टूडियोज के इस प्रोजेक्ट का एलान करते हुए सोमवार को हिंदी सिनेमा की दुनिया को चौंका दिया।

फिल्म 'लव टुडे' की रीमेक पर विस्तार से बात करते हुए फैंटम स्टूडियोज की सीईओ सृष्टि बहल कहती हैं, 'फिल्म 'लव टुडे' का हिंदी रीमेक बनाने को लेकर हम एजीएस एंटरटेनमेंट के साथ साझेदारी करके बेहद खुश हैं। आज के समय में दुनिया टेक्नोलॉजी की दिशा में बहुत तेजी से आगे बढ़ रही है। इसे अपनाने के साथ ही फैंटम स्टूडियोज प्यार को मनोरंजक रूप देते हुए खूबसूरत कहानी के साथ पेश करने जा रही है।'

बदलते दौर में तेजी से बदल रही मनोरंजन की दुनिया के बारे में पूछे जाने पर सृष्टि कहती हैं, 'हम फैंटम स्टूडियोज में एक नए युग की शुरुआत कर रहे हैं, इसे ध्यान में रखते हुए हम अपनी कहानियों और कहानीकारों के साथ नए-नए प्रयोग करना जारी रखेंगे। साथ ही विभिन्न दर्शकों के लिए आकर्षक और प्रासंगिक कॉन्टेंट तैयार करेंगे जिन्हें अलग अलग तरीकों से दर्शकों तक पहुंचाया जाएगा।'

वहीं एजीएस एंटरटेनमेंट की क्रिएटिव प्रोड्यूसर अर्चना कलपाठी कहती हैं, 'फैंटम स्टूडियोज़ के सहयोग से हिंदी में अपने पहले वेंचर 'लव टुडे' की घोषणा करते हुए काफी उत्साहित हैं। हमेशा से बेहतर सिनेमा बनाने की अपनी परंपरा के साथ फैंटम स्टूडियोज़ के साथ साझेदारी करना शानदार रहा और हम उनके साथ काम करने के लिए उत्सुक हैं। एक प्रोडक्शन हाउस के रूप में, हम लगातार नए टैलेंट तलाश कर अपने दर्शकों को बेहतरीन मनोरंजन प्रदान करने का प्रयास करते हैं। 'लव टुडे' एक ऐसा प्रोजेक्ट है, जो हमारे दिल के अत्यंत करीब है और हम इस कहानी को बड़े पैमाने पर दर्शकों के साथ साझा करने के लिए बेहद रोमांचित हैं।'

तमिल ड्रामा फिल्म 'लव टुडे' ने हाल ही में अपनी रिलीज के 100 दिन पूरे किए हैं और यह बेहद कम समय दर्शकों की पसंदीदा फिल्म बन गई है। फिल्म का निर्देशन प्रदीप रंगनाथन ने किया है। और इसके तमिल संस्करण में प्रदीप, सत्यराज, राधिका शरतकुमार, योगी बाबू, रवीना रवि और इवानैन की मुख्य भूमिकाओं हैं। फिल्म का संगीत निर्देशन युवान शंकर राजा ने किया है। फिल्म का ये हिंदी रीमेक अगले साल रिलीज होने की तैयार के साथ बनने जा रहा है।

अक्षय कुमार के लिए फैंस की दीवानगी बैरिकेड कूदकर अक्षय से मिलने पहुंचा शख्स

बॉडीगार्ड्स ने दिया धक्का तो एक्टर ने लगाया गले

बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार इस समय अपनी अपकमिंग फिल्म 'सेल्फी' का जोरो शोरो से प्रमोशन कर रहे हैं। अब सोशल मीडिया पर उनका एक वीडियो सामने आया है, जिसमें उनके बॉडीगार्ड्स ने एक फैन को पीछे धकेला, लेकिन अक्षय ने उसको बुलाया और गले लगा लिया।

लोग कर रहे अक्षय के जेस्चर की तारीफ

दरअसल अक्षय कुमार एक इवेंट में शामिल हुए। इस मौके पर उन्होंने काफी धमाकेदार एंट्री मारी। इस दौरान जब वो फैंस से मिलने के लिए पहुंचे तब वहां मौजूद एक शख्स उनसे मिलने के लिए बैरिकेड कूद गया। तभी सिक्योरिटी गार्ड ने उसे पीछे धकेला दिया। लेकिन फैन की दीवानगी देखकर अक्षय भी खुद को रोक नहीं पाए और उन्होंने उसे गले गला लिया। अब इस वीडियो को देखने के बाद सोशल मीडिया पर फैंस से लेकर सेलेब्स तक अक्षय कुमार की तारीफ कर रहे हैं।

लोगों को नहीं पसंद आया सेल्फी का नया गाना कुड़ी चमकीली

अक्षय कुमार और इमरान हाशमी स्टारर फिल्म सेल्फी का नया गाना कुड़ी चमकीली रिलीज हो गया है। गाने में अक्षय कुमार के साथ डायना पेंटी थिरकते हुए नजर आ रही हैं। सेल्फी के पिछले दोनों गानों को फैंस से खूब प्यार मिला था, लेकिन हनी सिंह के इस ट्रैक ने उनके कई फैंस को निराश किया है। लोगों का मानना है कि इस गाने के बोल किसी नर्सरी की बच्चों की कविता जैसे हैं।

वीडियो देखकर निराश हुए फैंस

कमेंट सेक्शन में एक यूजर यूजर ने लिखा- ये गाना सबसे गंदा है। एक अन्य यूजर ने लिखा- 'गाने के लिरिक्स बहुत खराब हैं, जो भी मन कहा वो लिख दिया।' एक अन्य यूजर ने लिखा- 'सॉरी हनी भाई मगर इस गाने में मजा नहीं आया है।' एक अन्य यूजर लिखा- गाने में कुछ भी अच्छा नहीं है।

हनी-अक्षय ने साथ दिए हैं कई बेहतरीन हिट्स

बता दें कि इस गाने के जरिए खिलाड़ी कुमार और यो यो हनी सिंह सालों बार वापसी कर रहे हैं। इससे पहले दोनों ने पार्टी ऑल नाइट, बॉस और लोनली-लोनली जैसे पार्टी हिट्स दिए हैं। ऐसे में फैंस को इस गाने से भी काफी उम्मीदें थी, लेकिन कई लोगों को ये गाना पसंद नहीं आया।

अपनी बॉडी पर ब्राइड टू बी लिखवाकर ट्रोल्स के निशाने पर आईं कृष्णा

कृष्णा मुखर्जी ने 2022 में मर्चेंट नेवी ऑफिसर चिराग बाटलीवाला से सगाई की थी और अब जल्द ही वह शादी के बंधन में बंधने जा रही हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी दोस्तों के साथ बैचलरेट पार्टी मनाई, जिसकी तस्वीरें सामने आने के बाद वह ट्रोल्स के निशाने पर आ गई हैं।

छोटे पर्दे की मशहूर अभिनेत्री कृष्णा मुखर्जी जल्द ही शादी करने जा रही हैं। ऐसे में एक्ट्रेस अपनी गर्ल गैंग के साथ बैचलरेट ट्रिप एंजॉय कर रही हैं। थाईलैंड के फुकेट से कृष्णा ने अपनी बैचलरेट पार्टी की तस्वीरें साझा की हैं, जिसमें वह अपने दोस्तों के साथ मस्ती करती नजर आ रही हैं। लेकिन हाल ही में शेयर की गई कृष्णा की ये तस्वीरें सोशल मीडिया यूजर्स को रास नहीं आई और वो अभिनेत्री को ट्रोल कर रहे हैं।

दरअसल, कृष्णा मुखर्जी फुकेट में दोस्तों के साथ वेकेशन मना रही हैं और उसकी झलक सोशल मीडिया पर भी साझा कर रही हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने तस्वीरें शेयर की, जिसमें उन्होंने अपनी गर्दन के नीचे और हाथ पर ब्राइड टू बी लिखवाया है। इसी ब्राइड टू बी को ऐसे लिखवाना लोगों को पसंद नहीं आया और उन्होंने एक्ट्रेस को ट्रोल करना शुरू कर दिया। लोग तरह-तरह की बातें अभिनेत्री के लिए लिख रहे हैं।

कृष्णा मुखर्जी तस्वीरों में अभिनेत्री शिरीन मिर्जा और अपनी दोस्तों के साथ क्लब में पार्टी कर रही हैं। कृष्णा और उनके सभी दोस्तों ने ब्लैक आउटफिट पहने हैं। इसमें कृष्णा डीप नेक शार्ट ड्रेस में बेहद स्टाइलिश लग रही थीं, लेकिन उनका अपनी गर्दन और हाथ पर ऑरेंज कलर से ब्राइड टू बी लिखवाने के तरीके ने सबका ध्यान खींचा और ऐसे में वह ट्रोल्स के निशाने पर आ गईं।

एक ओर एक्ट्रेस के फैंस उनकी इन तस्वीरों को काफी पसंद कर रहे हैं, तो दूसरी ओर कुछ शो ऑफ बताकर उन्हें ट्रोल कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'कहीं ये पागल न हो जाए', तो दूसरे ने कहा, 'ये क्या था अब।' वहीं एक अन्य ने लिखा, 'मैम कया ये सब शो ऑफ करने की जरूरत थी, आप उर्फी से कम नहीं हैं।' इसके अलावा किसी का कहना है कि अगली उर्फी कृष्णा ही हैं, तो कुछ लोग एक्ट्रेस के लुक को काफी पसंद कर रहे हैं और उनकी तारीफ भी कर रहे हैं। बता दें कि कृष्णा ने 2022 में मर्चेंट नेवी ऑफिसर चिराग बाटलीवाला से सगाई की थी और इस साल वह शादी करेंगे। हालांकि अभी वेडिंग डेट सामने नहीं आई है।

सुबह नहीं तो दफ्तर से लौटकर करें इन योगासनों का अभ्यास

योगासन मानसिक और शारीरिक सेहत के लिए लाभकारी है। हालांकि कई बार लोगों के पास सुबह के समय योगाभ्यास का समय नहीं रहता। शाम के वक्त जब कॉलेज या दफ्तर से घर वापस आते हैं तो वह योगासन करना चाहते हैं लेकिन इस असमंजस में रहते हैं कि क्या शाम या रात में योगासन करना लाभकारी होगा। इसका अच्छा असर पड़ेगा? योग विज्ञान के मुताबिक, दिन को चार भागों में बांटा गया है, ब्रह्म मुहूर्त, सूर्योदय, दोपहर और सूर्यास्त। वैसे तो सुबह के समय योगाभ्यास को सबसे बेहतर समय माना जाता है लेकिन अलग अलग समय पर भी योग कर सकते हैं। सुबह के बजाए आप शान को भी योग कर सकते हैं। शाम के समय योग करते समय आपको उतनी दिक्कत भी नहीं होती, जितना सुबह के समय होती है। इसका कारण है कि दिनभर आप कई तरह की एक्टिविटी करते हैं, जिससे शरीर का वार्म अप हो जाता है। वार्म अप के बाद योग या व्यायाम करना आसान हो जाता है। इससे रात में अच्छी नींद भी आती है और शरीर अच्छे से डिटॉक्सीफाई हो जाता है। आइए जानते हैं कि सुबह समय न मिलने पर शाम को कौन से योगासनों को कर सकते हैं और इसके क्या लाभ हैं।

पश्चिमोत्तानासन

शाम के समय आसानी से पश्चिमोत्तानासन का अभ्यास किया जा सकता है। इस योग के अभ्यास से हड्डियों में लचीलापन और पेट की मांसपेशियां मजबूत होती हैं। पेट की चर्बी कम करने और पाचन तंत्र को सही रखने के लिए यह योगासन असरदार है। अनिद्रा व तनाव की समस्या भी दूर होती है। दिन भी दफ्तर पर लगातार कुर्सी पर बैठकर काम करने वाले लोगों की पीठ व रीढ़ की हड्डी को मजबूत करने के लिए पश्चिमोत्तानासन का अभ्यास

किया जा सकता है।

त्रिकोणासन

दफ्तर में काम करते करते अक्सर लोगों की गर्दन, पीठ, कमर में दर्द होने लगता है। शरीर अकड़ जाता है। वहीं महिलाएं भी दिनभर के काम के बाद थकान व पैरों में दर्द की शिकायत से परेशान हो जाती हैं। ऐसे लोगों के लिए शाम के वक्त त्रिकोणासन का अभ्यास काफी फायदेमंद हो सकता है। इस योग से पाचन तंत्र भी ठीक हो सकता है। पेट की चर्बी और मोटापा कम करने के लिए शाम को वक्त निकालकर त्रिकोणासन का अभ्यास करें।

उत्तानासन

शरीर की इम्यूनिटी को मजबूत रखने के लिए उत्तानासन फायदेमंद है। इस आसन के अभ्यास से पीठ, कमर, पिंडली और टखनों को अच्छे से स्ट्रेच किया जाता है जो शरीर को लचीला बनाता है और दिमाग को शांत रखने व तनाव से राहत दिलाने में मदद करता है।

शाम को योगाभ्यास करते समय रखें इन बातों का ध्यान

अगर आप शाम के वक्त योगासन का अभ्यास करते हैं तो ध्यान रखें कि योग करने के समय और भोजन के बीच कम से कम एक घंटे का समय हो। खाना खाने के तुरंत बाद योग करने से पेट दर्द या अपच की शिकायत हो सकती है। योग के एक घंटे बाद ही कुछ खाना चाहिए।

शाम में योग करते समय पानी पीने का भी नियम है। योगाभ्यास से आधे या एक घंटे पहले पानी पी लें। योग के तुरंत पहले, बीच में या तुरंत बाद बहुत सारा पानी नहीं पीना चाहिए। अगर बहुत अधिक प्यास लगे तो दो से तीन घूंट पानी पी सकते हैं लेकिन इससे अधिक पानी न पीएं।

शाम को योग करना चाहते हैं तो तीन से पांच बजे का समय परफेक्ट होता है। क्योंकि अधिक देरी से योग करने पर आप अभ्यास के तुरंत बात सो जाते हैं, जिससे शरीर को फायदा नहीं मिल पाता।

कॉफी पीने के स्वास्थ्य लाभ हैं कई, गंभीर रोगों के जोखिम को करती है कम

कॉफी ताजगी और ऊर्जा के स्तर को बढ़ाने वाला पेय पदार्थ होता है। कई लोगों की नींद बिना कॉफी के खुलती ही नहीं। हालांकि कई रिपोर्ट्स में कॉफी के अधिक सेवन को नुकसानदायक बताया गया है। कॉफी में कैफीन नाम का मुख्य घटक पाया जाता है, जिस के अधिक सेवन से गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। लेकिन अगर सही मात्रा में कॉफी का सेवन किया जाए तो शरीर के लिए काफी फायदेमंद हो सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक, कॉफी कई तरह की बीमारियों के जोखिम को कम करने में मदद करता है।

कॉफी पर हुए कुछ अध्ययनों के मुताबिक, कॉफी का सेवन अगर सही मात्रा में किया जाए तो गंभीर रोगों में लाभ मिल सकता है। कॉफी के उच्च स्तर के एंटीऑक्सीडेंट और पोषक तत्व सेहत के लिए फायदेमंद हो सकते हैं। कई तरह की गंभीर बीमारियों का खतरा भी कॉफी पीने से कम हो सकता है। चलिए जानते हैं सही मात्रा में कॉफी के सेवन से होने वाला स्वास्थ्य लाभ।

कॉफी मधुमेह रोगियों के लिए फायदेमंद

साल 2014 स्टडी के मुताबिक, कॉफी का सेवन लोगों में टाइप-2 मधुमेह के खतरे को कम करता है। शोधकर्ताओं ने 48,000 से अधिक लोगों के डेटा अध्ययन में पाया कि जिन लोगों ने चार सालों में रोजाना कम से कम एक बार कॉफी का सेवन किया है, उनमें मधुमेह का खतरा 11 फीसदी तक कम हुआ है। लेकिन डायबिटीज रोगियों को डॉक्टर की सलाह से ही कॉफी का सेवन करना चाहिए।

कॉफी से लिवर कैंसर का जोखिम होता है कम

2019 में हुए एक अध्ययन के निष्कर्ष में कहा गया कि कॉफी के सेवन से लिवर कैंसर का खतरा कम हो सकता है। इसके पहले साल 2015 में अमेरिका में भी शोधकर्ताओं ने पाया था कि रोजाना दो से तीन कप कॉफी का सेवन करने से प्रतिभागियों में हेपैटोसेलुलर कार्सिनोमा और क्रोनिक लिवर रोग होने का जोखिम करीब 38 फीसदी तक कम हो सकता है।

कॉफी ब्लड प्रेशर को करती है नियंत्रित

कॉफी में पाया जाने वाला कैफीन का सही मात्रा में सेवन फायदेमंद भी होता है। कैफीन के सेवन से रक्तचाप और हृदय स्वास्थ्य को लाभ मिलता है। साल 2018 में हुए एक अध्ययन के मुताबिक, प्रतिदिन तीन से पांच कप कॉफी पीने से हृदय रोग का जोखिम 15 फीसदी तक कम हो सकता है। शोधकर्ताओं ने कहा कि रोजाना एक से चार कप कॉफी पीने से दिल की बिमारी के कारण होने वाली मृत्यु दर में भी कमी आती है।

कॉफी चर्बी कम करने में मददगार

कैफीन से शरीर की चर्बी कम होती है। इन दिनों फैट बर्निंग सप्लीमेंट्स में कैफीन पाया जाता है। कैफीन मेटाबॉलिज्म की दर को 3-11% तक बढ़ा सकता है। मोटे व्यक्तियों के फैट को कम करने में कॉफी असरदार है।

आलू की सब्जी दोबारा गर्म करना खतरनाक

खाना हमेशा गर्म और ताजा होना चाहिए। लेकिन वह इतना भी गर्म न हो कि शरीर को नुकसान पहुंचाए। हल्का गर्म खाना, पाचन तंत्र में मौजूद एंजाइम को तेजी से रिलीज करता है। जिसके चलते खाना जल्दी पचता है और सेहत बनी रहती है। आयुर्वेदाचार्य पं. अभिषेक उपाध्याय बताते हैं कि गर्म खाना स्वाद में भी बेहतर होता है। लेकिन आजकल की भागदौड़ वाली जिंदगी में लोगों को तीनों टाइम गर्म खाना मिल पाना मुश्किल है। इसके लिए लोग बासी खाने को बार-बार गर्म करते हैं। लेकिन ऐसा करना बहुत खतरनाक है। खासतौर से आलू, अंडा, चिकन और हरी सब्जियों के लिए।खाने को बार-बार गर्म करने से उसके भीतर केमिकल रिएक्शन होता है। जो पोषक तत्वों को जहर में बदल देता है। ऐसे में यह जान लेना जरूरी है कि खाना कब खतरनाक हो जाता है और इसे नेचुरली कैसे गर्म रखा जा सकता है।

खाने में कई तरह के तत्व मिले होते हैं; जब उसे बार-बार गर्म करते हैं तो हीट के चलते खाने के अंदर केमिकल रिएक्शन होने लगता है और कई बार वह जहरीला हो जाता है।

आलू में पनपते हैं बैक्टीरिया, खत्म हो जाते हैं विटामिन और मिनरल्स

लंच में आलू से बना कोई न कोई आइटम होता ही है। जिसे हम बार-बार गर्म करके खाते हैं। लेकिन जानकारों का कहना है कि आलू को दोबारा गर्म नहीं किया जाना चाहिए। क्योंकि ऐसा करने से आलू में मौजूद विटामिन सी, बी-6 और पोटेशियम जैसे पोषक तत्व खत्म हो जाते हैं।

उबले या पके हुए आलू में नॉर्मल टेम्प्रेचर पर क्लोस्ट्रीडियम बोटुलिनम नाम का बैक्टीरिया पनपने लगता है। जो फूड पॉइजनिंग का कारण बन सकता है। इसीलिए जानकार आलू को पकाने को कुछ घंटों के भीतर ही खाने की सलाह देते हैं। पके या उबले हुए आलू को फ्रिज में रखना भी खतरनाक है। इससे इसमें बैक्टीरिया ज्यादा तेजी से पनपते हैं।

दोबारा गर्म करने पर अंडे का नाइट्रोजन जहरीला हो जाता है

कई लोग सुबह नाश्ते में अंडा या ऑमलेट बनाते हैं और उसे लंच के लिए भी रख लेते हैं। फिर दोपहर में गर्म करके खाते हैं। लेकिन ये सेहत के लिए नुकसानदेह है।

अंडा में नाइट्रोजन होता है। जो दोबरा गर्म करने पर कार्सिनोजेनिक में बदल जाता है। लंबे समय में कार्सिनोजेनिक कैंसर का कारण बन सकता है। यही वजह है कि अंडा को ज्यादा पकाए बगैर पहली बार में ही खा लेना चाहिए।

प्रोटीन और नाइट्रेट वाले खाने को गर्म करना ज्यादा खतरनाक

वैसे तो कमोबेश हर तरह के खाने को दोबारा गर्म करने से उसमें केमिकल रिएक्शन होता है। लेकिन नाइट्रेट और प्रोटीन वाले खाने के साथ ऐसा करना ज्यादा खतरनाक है।

चिकन और सोयाबीन में पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन होता है। दोबारा गर्म करने पर ये प्रोटीन टूटकर जहरीला बन जाता है। जिससे फूड पॉइजनिंग हो सकती है।

हरी सब्जियों, साग, चुकंदर और गाजर में नाइट्रेट पाया जाता है। जो सेहत के लिए काफी फायदेमंद है। लेकिन बार-बार गर्म करने से ये नाइट्रेट ऐसे केमिकल में बदल जाता है, जो कैंसर का कारण बन सकता है।

ठंडे खाने में पनपे कीटाणु गर्म करने के बाद भी नहीं मरते

बिना पके हुए चावल, आलू और दूसरी सब्जियों में कई सूक्ष्मजीव होते हैं; जो पकाने के बाद खत्म हो जाते हैं। लेकिन खाना जैसे ही ठंडा होता है, ये सूक्ष्मजीव पहले से ज्यादा तेजी से पनपने लगते हैं। क्योंकि खाना को पहली बार पकाते हुए उसके पोषक तत्व कुछ हद तक टूट जाते हैं।

ये बैक्टीरिया जैसे सूक्ष्मजीवों के पनपने के लिए मुफीद स्थिति होती है। खाना के ठंडे होने के बाद उसमें जो सूक्ष्मजीव पनपते हैं, वो उस खाने को कई बार गर्म करने के बाद भी खत्म नहीं होते। क्योंकि वो अपने आप को उस टेंपरेचर के हिसाब से ढाल लेते हैं। यही वजह है कि चावल को भी दोबारा गर्म करने की सलाह नहीं दी जाती।

इस तरह से नेचुरली गर्म रख सकते हैं खाना

खाने को नेचुरल तरीके से गर्म रखना संभव है। इसके लिए बाजार में तमाम बर्तन उपलब्ध हैं। ये बर्तन 8 से 10 घंटे तक खाने को गर्म रख सकते हैं। ऐसे लंच बॉक्सेज भी अवेलेवल हैं।

मगर इन बर्तनों को खरीदते हुए ध्यान रखें कि यह किस मेटल से बने हैं। नकली और पतले किस्म के मेटल खाने के साथ रिएक्शन करते हैं, जिससे खाना खराब हो जाता है। इसके लिए प्लास्टिक भी सही ऑप्शन नहीं है। आजकल गर्म पानी के सहारे खाने के गर्म रखने वाले बर्तन भी मिलने लगे हैं।

एयर पॉल्यूशन से डिप्रेशन का खतरा

जहरीली हवा सिर्फ फेफड़े नहीं, दिमाग को भी नुकसान पहुंचा रही; बुजुर्गों के लिए ज्यादा खतरनाक

एयर पॉल्यूशन से केवल आपके फेफड़े नहीं, बल्कि दिमाग को भी खतरा होता है। जामा जर्नल में दो हालिया स्टडीज के मुताबिक, लंबे समय तक जहरीली हवा में सांस लेने पर आपको डिप्रेशन हो सकता है। यानी वायु प्रदूषण आपकी मेंटल हेल्थ खराब कर रहा है।

क्या कहती हैं दोनों रिसर्च?

पहली स्टडीः नेटवर्क ओपन जर्नल की रिसर्च के अनुसार, लंबे समय तक खराब हवा से एक्सपोज होने से लोगों में डिप्रेशन के लक्षण आ रहे हैं। यह ज्यादातर बुजुर्गों में देखा जा रहा है।

दूसरी स्टडीः जामा साइकियाट्री जर्नल की रिसर्च में वैज्ञानिकों ने कहा है कि हवा में मौजूद दूषित कणों की कम मात्रा से भी आपको डिप्रेशन और एंग्जाइटी हो सकती है।

बुजुर्गों पर हुई रिसर्च

दूसरी रिसर्च में 64 साल से ज्यादा के बुजुर्गों को शामिल किया गया। ये सभी अमेरिका के रहने वाले थे। रिसर्चर्स के मुताबिक, 2005 से 2016 के बीच में 90 लाख में से 15.2 लाख बुजुर्गों में डिप्रेशन के लक्षण देखे गए। ऐसा लंबे समय तक जहरीली हवा में रहने से हुआ। वैज्ञानिकों का कहना है कि लोगों में एक उम्र के बाद ये लक्षण देखने को मिल रहे हैं।

ट्रैफिक, पावर प्लांट का पॉल्यूशन खतरनाक

जिन दूषित कणों के कारण लोगों में डिप्रेशन देखने को मिल रहा है, उनमें ट्रैफिक से निकालने वाला प्रदूषण, धूल, धुआं, नाइट्रोजन डाई-ऑक्साइड, पावर प्लांट से निकलने वाला प्रदूषण आदि शामिल है। रिसर्चर्स का कहना है कि युवाओं में भी इसका असर देखने को मिल सकता है। एयर पॉल्यूशन से उनकी मेमोरी कमजोर होने, शारीरिक बीमारी होने और मौत तक का खतरा है।

एयर क्वालिटी से मेंटल डिसऑर्डर का खतरा

पहली स्टडी में ब्रिटेन और चीन के 3 लाख 90 हजार लोगों को शामिल किया गया। इनकी सेहत को 11 साल तक मॉनिटर किया गया।

वैज्ञानिकों ने पाया कि ब्रिटेन में एयर क्वालिटी खराब होने पर लोगों में डिप्रेशन और एंग्जाइटी के लक्षण देखे गए। यानी बढ़ती उम्र के साथ लोगों को खराब हवा से मेंटल डिसऑर्डर्स का रिस्क होता है।

क्या आयुर्वेद में कोलेस्ट्रॉल का उपचार है?

प्रश्न : मेरी उम्र 50 वर्ष है। पिछले 6 महीनों से चलने पर श्वास भरता है, छाती में भारीपन रहता है, थोड़ा वजन भी बढ़ गया है। उचित परामर्श दें।

- श्रीनिवास रेड्डी, खम्मम

उत्तर : वजन बढ़ने पर शरीर में ऐसे लक्षणों का आना आम बात है। इनको अभी से नियंत्रित करने पर आप भविष्य में हृदय रोग से अपना बचाव कर सकते हैं। शरीर में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा बढ़ने पर श्वास में उठाव, छाती में भारीपन, शूल, वजन का बढ़ना संभव है। अतः आप लैपिड प्रोफाइल टेस्ट करवा लें। तेल-घी की मिठाइयां, तले पदार्थ व गरिष्ठ भोजन करना बंद करें। भोजन के पहले ऊंझा मेदोहर गुग्गुलु व कोलेस्ट्रोजिन टिकिया गुनगुने पानी से लेवें। भोजन के बाद नागार्जुनाभ्र रस, अर्जुन टिकिया लेवें भोजन करने के बाद ही ऊंझा अर्जुनारिष्ट 15 मिलीलीटर की मात्रा में दोगुने गुनगुने पानी में मिलाकर सेवन करें।

नित्य व्यायाम करें। हर रोज सुबह पैदल चलने की आदत डालें। भरपेट भोजन करने की आदत बदलें। धीरे-धीरे सारे लक्षणों से आपको मुक्ति मिलेगी।

प्रश्न : ब्रश करने क्या दबाने से मसूढों में खून आता है। मसूढें सूजे रहते हैं । क्या इनका आयुर्वेद में उपचार हैं? कृपा कर बताएं।

- श्रीमती कुमुदिनी, निज़ामाबाद

उत्तर : आपको 'पायरिया' नामक रोग हो गया है। इसमें मसूढ़ों में सूजन के साथ खून और भी पीप लगता है। मसूढें कमजोर होने से कई बार चलदंत की शिकायत भी होती देखी गई है। इससे ओरल हाइजीन बुरी तरह प्रभावित होता है । मुंह से दुर्गंध भी आने लगती है।

आयुर्वेद में इसका उपचार है। ऊंझा का दशनसंस्कार मंजन से दांत मांजा करें। इसके प्रभाव को बढ़ाने के लिए इसमें ऊंझा इरिमेदादी तैल मिलाकर मसूढों की मालिश करें। इसी से सुबह- रात दंत धावन करें। जल्दी ही राहत मिलेगी। भोजन के बाद गरारे करने की आदत डालें । इससे मुख गुहा में संक्रमण नहीं होगा। औषधि में ऊंझा महामंजिष्ठादिघन टिकिया, गंधक रसायन टिकिया और ऊंझा कांचनार गुग्गुलु को भोजन के बाद दिन में तीन बार लेवें। यह चिकित्सा क्रम एक माह तक लेवें। अवश्य लाभ होगा।

प्रश्न : मेरी उम्र 35 वर्ष है ।मुझे पांच साल का बच्चा है। पिछले तीन वर्ष से मुझे मधुमेह हो गया है। मैं एक बच्चा और चाहती हूं। मधुमेह के चलते यह कितना सुरक्षित रहेगा? सलाह देवें।

- श्रीमती रमा देवी, सिकंदराबाद

उत्तर : 'मधुमेह' यानी डायबिटीज एक चयापचय का रोग है। यदि यह पूरी तरह से नियंत्रण में है, तब कोई परेशानी नहीं । यदि यह अनियंत्रित है तो गर्भ के दौरान कई समस्याएं पैदा करता है। जैसे- बच्चे का बड़ा आकार, बच्चे में कई असान्यताएं आदि। इसलिए आपको यह सलाह दी जाती है कि गर्भधारण के पहले यह सुनिश्चित कर लें कि मधुमेह पूरी तरह से नियंत्रण में है। इसके लिए आप भोजन के पहले और भोजन के 2 घंटे बाद रक्त शर्करा की जांच करवाएं और साथ ही HbA1c याने ग्लाइकोलेटेड हिमोग्लोबिन की जांच करवाएं। यदि मधुमेह बढ़ा हुआ है तब ऊंझा जांब्रोस टिकिया 2-2-2 , चंद्रप्रभा वटी 2-2-2 की मात्रा में दिन में तीन बार भोजन भोजन के पहले पानी से सेवन करें। रात में ऊंझा वसंत कुसुमाकर रस टिकिया सोंठयुक्त फीके दूध से लिया करें । भोजन में शक्कर, गुड़, मिठाई व सभी प्रकार के तले पदार्थों का परहेज करें। हर रोज पैदल चलें। हल्की कसरत किया करें । दिन में सोने से बचें, रात्रि जागरण से भी बचें। मीठे फल ना खाएं। ऐसा करने पर निश्चित ही मधुमेह नियंत्रित होगा तब आप प्रेगनेंसी का प्लान कर सकती है।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email : purushottambidada@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी
स्वतंत्र वार्ता
396, लोअर टैंक बंड, हैदराबाद-80

हिमाचल में 65 दिन बाद खुलेंगे अडानी के सीमेंट प्लांट

मालभाड़े के नए रेट तय; अंबुजा-एसीसी में आज से प्रॉडक्शन, यूनियन से चर्चा करेंगे ट्रक ऑपरेटर

नई दिल्ली, 20 फरवरी (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश में अडानी ग्रुप की दो सीमेंट कंपनियों और ट्रक ऑपरेटर्स के बीच मालभाड़े के रेट को लेकर 65 दिन से चल रहा विवाद सुलझ गया है। सोमवार को शिमला में मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की मौजूदगी में दोनों पक्षों के बीच मालभाड़े के नए रेट पर सहमति बन गई। मीटिंग में मालभाड़े के नए रेट 9.30 रुपए प्रति किलोमीटर प्रतिटन और 10.30 रुपये प्रति किलोमीटर प्रति टन तय हुए। मुख्यमंत्री की मौजूदगी में मीटिंग में ट्रक ऑपरेटर्स के प्रतिनिधियों ने कहा कि प्रदेश और लोगों के हितों को ध्यान में रखते हुए वह मालभाड़े के नए रेट स्वीकार करते हैं। हालांकि इस रेट के कारण उन्हें सालाना 5 से 7 लाख रुपये तक का नुकसान झेलना पड़ेगा लेकिन वह जनहित और प्रदेश हित में यह नुकसान झेलने को तैयार हैं। मीटिंग के बाद अडानी ग्रुप के अधिकारियों ने कहा कि वह अपनी दोनों कंपनियों, अंबुजा और एसीसी के प्लांट में मंगलवार से ही प्रॉडक्शन शुरू करने को तैयार हैं। मीटिंग में पहुंचे ट्रक ऑपरेटर्स यूनियन के प्रतिनिधियों ने कहा कि वह भी कल से काम पर लौटने को तैयार हैं, लेकिन उससे पहले मालभाड़े के नए रेट पर वह यूनियन के अन्य सदस्यों से चर्चा करेंगे। बाघल लैंड लूजर परिवहन सहकारी सभा के पूर्व प्रधान और कोर कमेटी के सदस्य रामकिशन ने मीडिया से बात करते हुए कहा है कि माल भाड़े को लेकर सीमेंट कंपनी के साथ जारी गतिरोध टूटा है, लेकिन ट्रक ऑपरेटरों के बाकी मुद्दों को सुलझाने की एक्सरसाइज जारी रहेगी।

महंगाई पर बोलीं वित्त मंत्री

भारतीय रिजर्व बैंक करेगा काबू में रखने के सब उपाय

नई दिल्ली, 20 फरवरी (एजेंसियां)। पिछले एक साल से ज्यादा समय से लोगों की हालत खराब कर रही महंगाई अभी भी चिंता का विषय बनी हुई है। दो महीनों की राहत के बाद पिछले महीने एक बार फिर से यह रिजर्व बैंक के दायरे के बाहर निकल गई। इस बीच वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने महंगाई को लेकर एक अहम टिप्पणी की। उन्होंने सोमवार को एक कार्यक्रम में कहा कि रिजर्व बैंक महंगाई को अनुमानित दायरे में रखने के लिए हरसंभव उपाय करेगा।वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण सोमवार को जयपुर में बजट के बाद उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के साथ आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा, रिजर्व बैंक महंगाई को अनुमानित सीमा में बनाए रखने के लिए हर जरूरी कदम

उठाएगा। उभरते बाजारों में हर देश के लिए परिस्थितियां अलग-अलग हैं। ऐसे में मुझे लगता है कि रिजर्व बैंक भारतीय अर्थव्यवस्था पर नजरें बनाए हुए है और जब उसे जरूरी लगेगा, वह कदम उठाएगा।पिछला साल महंगाई के लिहाज से काफी चुनौतीपूर्ण रहा। साल 2022 के पहले 10 महीनों के दौरान तो खुदरा महंगाई की दर रिजर्व बैंक के 6 फीसदी के दायरे के पार रही। अंत के दो महीनों में इसमें कुछ नरमी देखने को मिली और दिसंबर 2022 में यह 12 महीने के निचले स्तर 5.72 फीसदी पर आ गई। हालांकि राहत का यह सिलसिला लंबा नहीं चल पाया और जनवरी 2023 में फिर से इसमें तेजी देखने का मिली। इस साल के पहले महीने यानी जनवरी 2023 में खुदरा महंगाई की दर 6.52 फीसदी रही यानी यह एक बार फिर से रिजर्व बैंक के दायरे के बाहर निकल गई।आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, जनवरी में खुदरा महंगाई की दर तीन महीने में सबसे ज्यादा रही। सेंट्रल बैंक की मानें तो खुदरा महंगाई आगे भी उसके दायरे से बाहर रह सकती है। रिजर्व बैंक का मानना है कि वित्त वर्ष 2023 में खुदरा महंगाई की दर पहले के 6.7 फीसदी के अनुमान की तुलना में 6.5 फीसदी रह सकती है और वित्त वर्ष 2024 में यह कम होकर 5.3 फीसदी पर आ सकती है। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने इसी महीने कहा था, वैश्विक अर्थव्यवस्था की तस्वीर अब चंद महीने पहले की तुलना में कम धुंधली है।

ज्यादातर प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में वृद्धि की संभावनाएं बेहतर हुई हैं और महंगाई की दर कम हुई है। हालांकि महंगाई अभी भी प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में लक्ष्य की तुलना में ज्यादा है। मुख्य मुद्रास्फीति में कोई खास बदलाव नहीं हुआ है। ऐसे में हमें सीपीआई यानी खुदरा मूल्य सूचकांक पर आधारित महंगाई को कम करने का प्रयास बरकरार रखना होगा।

दिन के ऊपरी स्तरों से फिसला बाजार

सेंसेक्स 311 अंक टूटा, निफ्टी 17900 के नीचे

नई दिल्ली, 20 फरवरी (एजेंसियां)। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन घरेलू शेयर बाजार गिरावट के साथ लाल निशान पर बंद हुए। सोमवार को सेंसेक्स 311 अंक फिसलकर 60,691.54 अंकों के लेवल पर जबकि निफ्टी 99.60 अंक नीचे 17,844.60 अंकों के लेवल पर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजार में बैंकिंग और फाइनेंशियल सेक्टर के शेयरों में सबसे ज्यादा कमजोरी दिखी।

निफ्टी में सबसे ज्यादा कमजोरी वाले शेयरों में एक अदाणी एंटरप्राइजेज रहा। इसमें 5.88 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। वहीं, दिव्स लैब के शेयर 2.5% चढ़कर निफ्टी का टॉप गेनर रहा। बीएसई सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में 18 शेयर गिरकर बंद हुए, जबकि 12 शेयर मजबूती के साथ बंद हुए। मारुति के शेयरों में 1.3% की गिरावट दर्ज की गई। वहीं अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर 1.6% मजबूत होकर बंद हुआ।

बीएसई के आंकड़ों के अनुसार सोमवार को 3738 शेयरों में लेन-देन किया गया। इसमें 2175 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए, जबकि 241 शेयरों में लोअर सर्किट लगा। बाजार में कमजोरी के कारण लिस्टेड कंपनियों का कुल मार्केट कैप घटकर 265.90 लाख करोड़ रुपए हो गया है।

हिंदुस्तान जिंक की वेदांता के जिंक ऐसेट्स खरीदने का सरकार ने किया विरोध

1 महीने के निचले स्तर पर शेयर

नई दिल्ली, 20 फरवरी (एजेंसियां)। हिंदुस्तान जिंक के शेयर आज महीने के निचले स्तर पर आ गए हैं और इसके पीछे एक बड़ा कारण है। दरअसल केंद्र सरकार ने हिंदुस्तान जिंक की वेदांता के जिंक ऐसेट्स खरीदने की योजना का विरोध किया है। हिंदुस्तान जिंक 2.98 अरब डॉलर (24,649 करोड़ रुपये) में वेदांता लिमिटेड के जिंक ऐसेट्स खरीदने की कवायद कर रही है। केंद्र सरकार का मानना है कि इस डील के वैल्यूएशन पर संशय है। सरकार ने कहा है कि वो इस प्रस्तावित सौदे के लिए वो कानूनी विकल्पों को तलाशेगी। सरकार ने वेदांता

के जिंक ऐसेट्स को खरीदने के लिए हिंदुस्तान जिंक को किसी और तरीके की तलाश करने और कैशलेस तरीके पर काम करने के लिए कहा है। इस सौदे के बारे में पहले भी मतभेद सामने आ चुके हैं जब कंपनी ने कहा था कि वो मतभेदों को सुलझाने के लिए देश के खनन मंत्रालय के साथ चर्चा करने की योजना बना रही है। चूंकि सरकार ने वेदांता के जिंक ऐसेट्स के वैल्यूएशन को लेकर कई तरह की चिंताएं जताई थीं। सरकार की ओर से नियुक्त किए गए डायरेक्टर्स की ओर से मुख्य तौर पर ये मतभेद सामने आए हैं, जिनके नाम फरीदा नाइक, वीना कुमारी डेरमल और निरुपमा कोटरू हैं।वेदांता समूह के जिंक ऐसेट्स जो कि दक्षिण अफ्रीका और नामीबिया में हैं, उनकी पेरेंट कंपनी वेदांता रिसोर्सेज की लिक्विडिटी को लेकर गंभीर चिंताएं सरकार की ओर से जताई गई हैं। वित्तीय जानकारों का कहना है कि वैल्यूएशन के आधार पर हिंदुस्तान जिंक के बहुलांश शेयरधारकों के लिए ये डील उनके हित में नहीं है। गौर

आईटी से लेकर स्टॉर्टअप तक- भारत में इन कंपनियों ने की छंटनी

20 हजार और नौकरी जाने की संभावना!

नई दिल्ली, 20 फरवरी (एजेंसियां)। वैश्विक मंदी और राजस्व में गिरावट का हवाला देते हुए साल 2022 से ही आईटी कंपनियां हजारों लोगों को नौकरी से निकाल रही हैं। अमेजन, गूगल और माइक्रोसॉफ्ट जैसी कंपनियों ने साल 2023 के दौरान बड़ी संख्यां में छंटनी का ऐलान कर चुकी हैं। वहीं इंफोसिस, विप्रो जैसी इंडिया प्रमुख आईटी फर्म ने भी कुल वर्कफोर्स में कटौती की है। छंटनी का दबाव बड़े आईटी कंपनियों के साथ ही स्टार्टअप्स पर भी रहा है। साल 2023 के दौरान कुछ स्टार्टअप कंपनियों ने तो अपने एक पूरी टीम ही बंद कर डाली। हाल के कुछ हफ्तों में ग्लोबल स्तर पर 10 हजार से ज्यादा कर्मचारियों की छंटनी की गई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक छंटनी की फ्रेस वजह ज्यादा हायरिंग, खर्च ज्यादा होना और फंडिंग चालेंज हैं। पिछले साल की तुलना में 2023 के शुरुआत में ज्यादा छंटनी हुई है। साल 2023 के शुरुआत में भारत में सबसे पहले अमेजन इंडिया ने 1000 कर्मचारियों को निकालने का ऐलान किया था। इसके बाद कई कंपनियों ने कटौती की घोषणा की थी। एक रिपोर्ट के मुताबिक ग्लोबल स्तर पर भारत के साथ साल 2023 में अगले 6 माह के दौरान 20 हजार कर्मचारियों की छंटनी होने की उम्मीद है। वहीं कंपनियों के मुनाफा में भी कमी आने की संभावना है। ब्लूमवर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, ट्विटर ने अपने तीन में से दो भारतीय कार्यालयों को बंद कर दिया और अपने कर्मचारियों को घर से काम करने के लिए भी कहा है। इसने पिछले साल के अंत में भारत में अपने लगभग 200 से अधिक कर्मचारियों में से 90 फीसदी को निकाल दिया है।

नगरीय सहकारी बैंकों द्वारा प्राथमिक क्षेत्र के लिए ऋण उपलब्ध कराना अनिवार्य : जेवी शाह

हैदराबाद, 20 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। गुजरात फेडरेशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं भारतीय रिजर्व बैंक के सेवा निवृत सहायक महाप्रबंधक जे.वी. शाह, फेडरेशन के परामर्शदाता एवं भारतीय रिजर्व बैंक के सेवा निवृत उप-महाप्रबंधक जी.पी. मिस्त्री, नैफकैब (नई दिल्ली) के मुख्य अधिकारी योगेश शर्मा ने महेश बैंक के बंजारा हिल्स स्थित प्रधान कार्यालय में बैंक के वरिष्ठ प्रबंधकों के साथ प्राथमिक क्षेत्र के लिए ऋण अनिवार्यता पर परिचर्चा कार्यक्रम में भाग लिया। महेश बैंक के चेयरमैन रमेश कुमार बंग ने सम्माननीय अतिथियों का पारम्परिक स्वागत करते हुए कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में सरकार, सहकारी विभाग के कठोर दिशा निर्देशों के परिप्रेक्ष्य में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा प्राथमिक क्षेत्र, समाज के जरुरतमंद, छोटे उद्यमियों व कमजोर वर्ग के लिए निर्धारित 75% का ऋण आबंटन बहुत कठिन कार्य सिद्ध हो रहा है। निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करना बहुत दुष्कर कार्य बन गया है। नियामक संस्थाओं के दिशा निर्देशों की अनुपालना करते हुए महेश बैंक इन लक्ष्यों को प्राप्त करने का सघन प्रयास कर रहा है। गुजरात फेडरेशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जे.वी. शाह एवं परामर्शदाता जी.पी. मिस्त्री ने परिचर्चा कार्यक्रम में भाग लेते हुए कहा कि नैफकैब द्वारा सरकार, सहकारिता विभाग एवं सम्बद्ध अधिकारियों के समक्ष नये प्रावधानों के कारण सहकारी क्षेत्र को जिन समस्याओं से जूझना पड़ रहा है उसका सक्षम प्रतिनिधित्व किया जा रहा है। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित मानदण्डों को पाना न केवल सहकारी बैंकों के लिए अनिवार्य है अपितु बडे व्यावसायिक एवं विदेशी बैंक भी इस परिधी में आते हैं। एमएसएमई क्षेत्र के लिए उद्यम पंजीकरण की अनिवार्यता का जिक्र करते हुए कहा कि निश्चित रूप से बडे व्यावसायिक बैंकों एवं विदेशी बैंकों के साथ प्रतिस्पर्द्धा के कारण सरकारी बैंको की लाभदायक परियोजनाओं पर गहरा प्रभाव डाला है। आज सहकारी बैंकों के समक्ष यह सबसे बड़ी चुनौतियाँ है। नैफकैब के मुख्य अधिकारी योगेश शर्मा ने बताया कि समय-समय पर नियामक विभागों के समक्ष दिये गये प्रतिवेदनों पर सरकार एवं नियामक विभाग गम्भीरता से विचार कर रहे हैं एवं इन अवरोधों को दूर करने के लिए यथा सम्भव कदम उठाये जा रहे हैं। महेश बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी विरेन्द्र के. खण्डेलवाल के आभार प्रदर्शन से परिचर्चा कार्यक्रम का समापन हुआ।

अडानी ग्रुप के लिए खुशखबरी

इस बैंक ने खोला कर्ज का दरवाजा सीईओ ने दिया बड़ा बयान

नई दिल्ली, 20 फरवरी (एजेंसियां)। देश के बड़े कारोबारी अडानी ग्रुप के लिए बड़ी राहत की खबर सामने आ रही है। अडानी ग्रुप को बैंको की तरफ से दिए गए कर्जे को लेकर देशभर में सड़क से संसद तक जमकर विरोध का सामना करना पड़ा था, लेकिन अब इस ग्रुप को धीरे धीरे राहत मिल रही है। देश और दुनिया में अमीरों की लिस्ट में शामिल गौतम अडानी के अडानी ग्रुप को कर्जा देने के लिए देश की बड़ी बैंक ने अपने दरवाजे खोल दिए है।

बैंक ऑफ़ बड़ौदा के सीईओ और एमडी संजीव चड्ढा का कहना है कि वह अडानी ग्रुप को भविष्य में आगे भी लोन देना जारी रखेंगे। चड्ढा ने कहा कि, अडानी ग्रुप के लोन प्रपोजल को स्वीकार किया जाएगा। दुनिया के सबसे बड़ी झुग्गी बस्ती को रीमॉडल बनाने के लिए अडानी ग्रुप के सामाजिक प्रोजेक्ट के साथ-साथ बाकी प्रपोजल के लिए भी बैंक ने अतिरिक्त लोन देने के लिए हरी झंडी दे दी है। पिछले साल 2022 में देश और दुनिया की सबसे बड़ी झुग्गी बस्ती मुंबई की धारावी को रीडेवलपमेंट प्रोजेक्ट के लिए अडानी ग्रुप ने 5070 करोड़ रुपये की बोली लगाई थी। जिसके लिए बैंक ऑफ बड़ौदा ने लोन बढ़ाने को लेकर मंजूरी दे दी है। हालांकि संजीव चड्ढा ने अडानी ग्रुप के शेयरों में भारी उतार-चढ़ाव को लेकर कुछ नहीं कहा है। अडानी ग्रुप पर 50 करोड़ डॉलर का ब्रिज जोन ड्यू चल रहा है। इसकी रीफाइनेंसिंग के लिए कुछ बैंकों ने अपने हाथ पीछे खींच लिए है। इस मामले पर बैंक इसलिए पीछे हट रहे, क्योंकि हिंडनबर्ग ने अडानी ग्रुप पर कई आरोप लगाए है। ऐसे में बैंक ऑफ बड़ौदा की तरफ से अडानी ग्रुप को बड़ी राहत मिली है। चड्ढा ने कहा कि भारतीय रिज़र्व बैंक के फ्रेमवर्क के हिसाब से जितनी मंजूरी है, उसका एक-चौथाई ही ग्रुप में एक्सपोजर है। जबकि एसबीआई बैंक का अडानी ग्रुप में करीब 27000 करोड़ रुपये का एक्सपोजर है।

सोने और चांदी के रेट में आज फिर बढ़ोतरी

कितनी महंगी हुईं ये कीमती मेटल्स

नई दिल्ली, 20 फरवरी (एजेंसियां)। सोने और चांदी के आज के दाम वैसे तो हल्की बढ़त पर हैं लेकिन इनकी तेजी में ज्यादा मजबूती नहीं दिखाई दे रही है। हालांकि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में सोना और चांदी दोनों कीमती मेटल्स में बढ़त के साथ कारोबार हो रहा है जिसके असर से घरेलू बाजार में भी सोना और चांदी के दाम में बढ़त बरकरार है।

सोने के दाम कहां पर हैं

एमसीएक्स पर सोना आज मामूली तेजी के साथ कारोबार कर रहा है। सोना आज 8 रुपये या 0.01 फीसदी की तेजी के साथ 56265 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट पर बना हुआ है। सोने के दाम में आज ज्यादा बड़ा उतार-चढ़ाव नहीं देखा जा रहा है। सोने

के दाम 56201 रुपये तक नीचे गए थे और 56270 रुपये तक के ऊपरी स्तर पर आ चुके हैं। सोने के ये दाम इसके अप्रैल वायदा के लिए हैं।

चांदी के कैसे हैं दाम

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर चांदी भी आज हल्की तेजी के साथ कारोबार कर रही है। एमसीएक्स पर चांदी आज 38 रुपये या 0.06 फीसदी की बढ़त के साथ 65669 रुपये प्रति किलो के रेट पर है। चांदी के ये दाम इसके मार्च वायदा के लिए हैं। चांदी के आज सबसे ऊंचे स्तर और निचले स्तर देखें तो चांदी 65509 रुपये तक नीचे दिखी थी। इसके अलावा ऊपरी लेवल के मुताबिक देखें तो 65933 रुपये तक के ऊपरी स्तर दिखे थे।

ग्लोबल बाजार में कैसे हैं चांदी के दाम

ग्लोबल बाजार में कॉमैक्स पर सोना और चांदी दोनों ऊंचाई पर कारोबार कर रहे है। सोना 2.90 डॉलर या 0.16 फीसदी की तेजी के साथ 1,853.10 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा है। इसके अलावा चांदी को देखें तो 0.29 फीसदी की बढ़त के साथ 21.777 डॉलर प्रति औंस के रेट पर बनी हुई है।

भारतीय शेयर बाजार से दूर भागे एफपीआई, होल्डिंग में आई 11 फीसदी की गिरावट

नई दिल्ली, 20 फरवरी (एजेंसियां)। पिछला साल दुनिया भर के शेयर बाजारों के लिए ठीक नहीं रहा। भारतीय बाजार भी इस ट्रेंड से अछूते नहीं रहे। हालांकि अन्य कई प्रमुख बाजारों की तुलना में घरेलू बाजारों ने बेहतर प्रदर्शन किया। इसके बाद भी पूरे साल एफपीआई की बेरुखी कायम रही और वे बिकवाल बने रहे। इस कारण साल के अंत यानी दिसंबर 2022 के अंत तक घरेलू शेयरों में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की होल्डिंग में ठीक-ठाक गिरावट देखने को मिली। मॉर्निंगस्टार की ताजी रिपोर्ट के अनुसार, दिसंबर 2022 के अंत तक भारतीय इक्विटीज में एफपीआई की होल्डिंग 584 बिलियन डॉलर रही।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	कुंभ	में	कुंभ -	06-16 बजे
चंद्र-	कुंभ	में	मीन...	07-54 बजे
मंगल	वृष	में	मेष--	09-30 बजे
बुध-	मकर	में	वृष--	11-14 बजे
गुरु-	मीन	में	मिथुन..	13-15 बजे
शुक्र-	मीन	में	कर्क...	15-27 बजे
शनि-	कुंभ	में	सिंह...	17-39 बजे
राहु-	मेष	में	कन्या..	19-46 बजे
केतु-	तुला	में	तुला..	21-51 बजे
			वृश्चिक.	00-01 बजे
			धनु.....	02-15 बजे
			मकर..	04-25 बजे

विक्रम श्री नल नाम संवत्- **2079**
शक संवत **-1944,** कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426878**
कलियुग संवत् **-5123** वर्ष सूर्य-उत्तरायणे
कल्पारंभ संवत् **-1972949123**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885123**
महावीर निर्वाण संवत् **-2549,**हिजरी सन् **-1443**
ऋतु- बसंत दिशाशूल- उत्तर • गुड खाकर घर से निकले
तिथि- प्रतिपदा **-09 -04** तक उपरान्त, द्वितीया
मास • फाल्गुन शुक्ल पक्ष **,** मंगलवार **Feb 21**
नक्षत्र -शतभिषा **• 09 -00** तक उपरान्त पूर्वभाद्रपद
योग • शिव **• 06 • 55 •** तक उप सिद्ध
करण- बव **• 09 • 04 •** तक उप- बालव
विशेष:- फूलेरादूज अबूझ मुहूर्त
व्रत -त्योहार **• द्वितीया तिथि का क्षय**

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 15:24 से 16:52 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
रोग	06:43 - 08:08 अशुभ	काल	18:16 - 19:51 अशुभ
उत्पात	08:08 - 09:35 अशुभ	लाभ	19:51 - 21:24 शुभ
चंचल	09:35 - 11:03 शुभ	उत्पात	21:24 - 22:57 अशुभ
लाभ	11:03 - 12:30 शुभ	शुभ	22:57 - 00:30 शुभ
अमृत	12:30 - 13:57 शुभ	अमृत	00:30 - 02:02 शुभ
काल	13:57 - 15:24 अशुभ	चंचल	02:02 - 03:35 शुभ
शुभ	15:24 - 16:52 शुभ	रोग	03:35 - 05:08 अशुभ
रोग	16:52 - 18:16 अशुभ	काल.	05:08 - 06:43 अशुभ

आपका राशिफल

मेष धू धे धो ला ली लू ले लो आ

आपके किसी करीबी के जीवन में कुछ समस्याएँ चल रही हैं और आज आपको उनकी बात सहानुभूति से सुननी पड़ेंगी । ऐसा हो सकता है की आप इस आदमी की बातों से निराश और बेचैन सा अनुभव करें ,लेकिन आपको बिना किसी आलोचना के इस आदमी की सहायता करनी चाहिए । इससे आपके जीवन की बहुत महत्वपूर्ण दोस्ती या साझेदारी भी प्रभावित होगी ।

वृष ई उ ए जो वा वी वू वे वो

आप आज ऐसे लोगों से मिलेंगे जो आपकी कमियों के बारे में जानते तो हैं लेकिन उन्हें स्वीकार करना नही चाहते जैसे कि उनमें खुद में कोई कमियां नही हैं । ऐसे लोगों से दूरी बनाये रखें । उन अच्छे लोगों पर अपना ध्यान केन्द्रित करें जो आपको पिछले कुछ वर्षों में मिले हैं और उनसे दुबारा संपर्क साधने की कोशिश करें । आपको आज अपने ऑफिस के काम के कारण बिना बात की चिंता और तनाव रहेगा ।

मिथुन का की कू घ ड झ के को हा

आज आप एक बहुत बड़ी साझेदारी को अंतिम रूप देने वाले हैं लेकिन आपको अपने पार्टनर को अपने मिशन और लक्ष्यों के बारे में स्पष्ट बता देना चाहिए । यदि कोई विवाद हुआ भी तो आपके भावनाओं में बह जाने की सम्भावना है,इस प्रवृति पर नियंत्रण रखें । आप दिन का अंतिम हिस्सा किसी बौद्धिक कार्यकलाप या कलाकारी सम्बन्धी रूचि में लगा सकते हैं ।

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

आज आप अधिकार जताने के मूड में हैं । आप सबसे आगे रहकर अपना अधिकार जताना चाहते हैं । इस बारे में सावधान रहें कि आपको अभिमानी न समझा जाए । आप न चाहते हुए भी किसी को परेशान कर सकते हैं । अगर आपको लगता भी है कि आप सब जानते हैं और सबसे बेहतर कर सकते हैं तब भी कार्य में औरों का सहयोग लेने की कोशिश करें ।

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

आपको थोड़ा सा अधिक लचीला रुख अपनाना चाहिए ,लेकिन आज आप ना तो कोई अच्छी सलाह और ना ही अपने मन की आवाज सुनना चाहते हैं । आपका यह अड़ियल रवैया आपके लिये घर और कार्यस्थल दोनों ही जगह पर आपके लिए नुक्सान का कारण बनेगा । इसका एक ही समाधान है कि आप अपना दिमाग खुला रखें और दूसरों की भी बातें सुनें ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ट पे पो

बिजनेस सम्बन्धी किसी मीटिंग में आपके मनमुताबिक मोड़ आने की सम्भावना है । आप आज शांत किन्तु दृढ हैं । आपने खूब सोच समझकर फैसले लिए हैं । कार्यस्थल पर सकारात्मक बदलाव होंगे । किसी पुराने दोस्त से मुलाकात संभव है । घर पर शांत और संतुष्ट बने रहेंगे । बौद्धिक उन्नति होगी ,प्रियजनों की ओर से कोई खुश कर देने वाली खबर मिलेगी ।

तुला स री रु रे से ता तू ते

आज का दिन संकेत दे रहा है कि आज आप खूब आनंद उठाएंगे,लेकिन बेहतर यही होगा कि सुबह कुछ समय निकालकर अपने कल के शेष कार्यों को पूरा कर लें । अपने कार्यक्रम की योजना अपने परिजनों के कार्यक्रम के अनुसार ही बनाएं ताकि बाद में कोई ग़लतफ़हमी या समस्या ना आये । इससे पहले कि आप खुद पर अपने नए एक्सरसाइज कार्यक्रम या डाइट को लेकर अधिक सख्ती बरतें।

वृश्चिक तो मा मी मू मे मो य यी यू

आज का दिन आपके लिए विशेष है क्योंकि आज आप किसी दूसरे शहर में रहने वाले से या विदेश में किसी से संपर्क स्थापित करेंगे । यह आपके करियर के लिए फायदेमंद होगा । अपने मेल देख लें क्योंकि मेलबॉक्स में कोई महत्वपूर्ण अवसर आपकी प्रतीक्षा कर रहा है| विदेश में रह रहा कोई मित्र आपको साथ काम करने के लिए आमंत्रित कर सकता है । शुभ रंग सफ़ेद है ।

धनु ये यो भा भी मू धा फा ढा भे

आज का दिन घटनाओं से भरा रहेगा ,स्थितियां आपके सामने किसी पुरानी अवांछित बात को फिर से लाकर खड़ी कर सकती हैं,जिससे आप बचना चाहते थे । आपको इस समस्या से निपटने के लिए सहनशील नजरिये से सोचना होगा क्योंकि आज आप बिना पर्याप्त कारण अपने आप सहित हर किसी पर सख्त रहें हैं । इस टकराव से नए अवसरे भी आयेंगे ।

मकर भे जे जी खी खू खो मा मी

अपने जीवन में नकारात्मकता लाने वाले लोगों से दूर रहें । आपको यह जानकर अचरज होगा कि जिसे आप अपना हमराज समझते थे ,वही आपके बारे में उलटी-सीढ़ी बातें फैला रहा है । ऐसे लोगों से सावधान रहें । उन्हें अपने दिलो-दिमाग में जगह ना दें । कोई नजदीकी दोस्त आपका साथ देगा । यह दोस्त आपका जीवनसाथी या माता-पिता भी हो सकते हैं ।

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

आज का दिन आपके लिए बहुत शुभ है,आपको वित्तीय क्षेत्र में अपने प्रयासों के चलते लाभ होगा । आप अपने परिजनों के लिए सर्वोत्तम उपलब्ध चीज खरीदना चाहेंगे । बस इतना ध्यान रखें कि सारा पैसा खर्च न करके कुछ बचत भी कर लें । आप अपने पार्टनर के साथ कुछ बहुत ख़ास पल गुजारेंगे जिन्हें आप हमेशा याद रखेंगे सामान्यत आप बहुत स्पष्ट सोचते हैं ।

मीन ढी ढू ध ज्ञ ज दे दो घ घी

आज आप किसी असम्भाव्य साझेदारी की ओर कदम बढ़ा सकते हैं । इससे आपको रोमांस,रोमांच और साहसी होने की अनुभूति तो होगी परन्तु यह देखना होगा कि यह साझेदारी कितनी सफल होगी | किसी अप्रत्याशित श्रोत से समर्थन-सहायता प्राप्त हो सकती है । हालाँकि यह अवसर बहुत कम समय तक ही मिलेगा ,इसलिए आपको जल्दी ही फैसला लेना होगा ।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

टीपू सुल्तान को अंग्रेजों ने मारा या वोक्कालिगा ने?

बीजेपी नेता बोले- सिद्धारमैया को टीपू जैसे मार दो, 224 साल बाद बना चुनावी मुद्दा

बैंगलुरू, 20 फरवरी (एक्सक्लूसिव डेस्क)। 'टीपू सुल्तान का बेटा सिद्धारमैया आएगा... आपको टीपू चाहिए या सावरकर? नान्जे गौड़ा ने क्या किया था आपको याद है न? हमें सिद्धारमैया को ऐसे ही खत्म कर देना चाहिए।' यह बयान कर्नाटक के उच्च शिक्षा मंत्री और बीजेपी नेता अश्वथ नारायण का है। 13 फरवरी को मांड्या में एक रैली में दिया गया यह बयान फिलहाल कर्नाटक की राजनीत के केंद्र में है। इस बयान का जिक्र करते हुए पूर्व सीएम और कांग्रेस नेता सिद्धारमैया ने कहा कि, 'मेरी हत्या करने के लिए लोगों को भड़काया जा रहा है। अश्वथ नारायण खुद ही मुझे गोली क्यों नहीं मार देते।'

अश्वथ नारायण के बयान में एक बारीक बात है। वो स्थापित करना चाहते हैं कि टीपू सुल्तान की मौत अंग्रेजों से लड़ाई में नहीं, बल्कि वोक्कालिगा प्रमुख नान्जे गौड़ा ने उनकी हत्या की थी। आज हम इसी गुत्थी को सुलझाएंगे कि टीपू सुल्तान कौन थे, उनकी मौत कैसे हुई और कर्नाटक चुनाव में हर बार वो मुद्दा क्यों बन जाते हैं?

20 नवंबर 1750 की बात है। कर्नाटक के देवनाहल्ली में मैसूर के शासक हैदर अली खां के घर एक बच्चे का जन्म हुआ। हैदर ने अपने बेटे का नाम सुल्तान फतेह अली खान शाहाब रखा था। बाद में इसी बच्चे को टीपू सुल्तान के नाम से जाना गया।

ब्रिटैनिका के मुताबिक, टीपू के पिता और मैसूर के मुस्लिम शासक हैदर अली के घर पर कई फ्रांसीसी अधिकारी काम करते थे। टीपू को मिलिट्री ट्रेनिंग भी इन्हीं फ्रांसीसी अधिकारियों ने दी। टीपू ने साल 1767 में पश्चिमी भारत के कर्नाटक क्षेत्र में मराठों के खिलाफ एक घुड़सवार सेना की कमान संभाली। साल 1775 और 1779 के बीच कई मौकों पर मराठों के खिलाफ लड़ाई लड़ी। फरवरी 1782 में हुए दूसरे मैसूर युद्ध के दौरान कोल्लिडम (कोलरून) नदी के तट पर कर्नल जॉन ब्रैथवेट को हराया। दिसंबर 1782 में उन्होंने अपने पिता की जगह ली। साल 1784 में उन्होंने अंग्रेजों के साथ एक शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए और मैसूर के सुल्तान की उपाधि मिली।

साल 1789 में टीपू सुल्तान ने त्रावणकोर के राजा पर हमला कर दिया। इसे अंग्रेजों ने अपने ऊपर हमला माना, क्योंकि त्रावणकोर के राजा अंग्रेजों के सहयोगी थे। टीपू ने दो साल से अधिक समय तक अंग्रेजों को खाड़ी में रोके रखा।

मार्च 1792 में श्रीरंगपट्टनम की संधि के बाद यह युद्ध खत्म हो गया है, लेकिन टीपू को इसकी बड़ी कीमत चुकानी पड़ी। इस संधि के अनुसार, टीपू को अपने राज्य का आधा हिस्सा अंग्रेजों को देना पड़ा। उन्होंने अंग्रेजों को युद्ध के हर्जाने के रूप में 3 करोड़ रुपए दिए। टीपू को हर्जाना देने तक अपने दो बेटों को अंग्रेजों के पास रखना पड़ा।

यही नहीं, टीपू ने यहां पर एक और बड़ी गलती की। उन्होंने रिवोल्यूशनरी फ्रांस के साथ अपनी बातचीत के बारे में भी अंग्रेजों को बता दिया। इसी आधार पर गवर्नर-जनरल लॉर्ड मॉर्निंगटन ने 4 मई 1799 को चौथे मैसूर युद्ध की शुरुआत की। टीपू सुल्तान की राजधानी सेरिंगापटम यानी आज के श्रीरंगपट्टनम पर 45,000 अंग्रेज सैनिकों ने हमला कर दिया।

इतिहासकार जेम्स मिल ने अपनी किताब द हिस्ट्री ऑफ ब्रिटिश इंडिया में लिखा है कि ये वही टीपू सुल्तान थे जिनके आधे साम्राज्य पर 6 साल पहले अंग्रेजों ने कब्जा कर लिया था। अंग्रेजों ने धीरे-धीरे सेरिंगापटम के किले पर घेरा डाला और तोपों से गोलाबारी कर उसकी प्राचीर में एक छेद कर दिया।

इस लड़ाई में टीपू सुल्तान की सेना के बड़े अधिकारी मीर सादिक अंग्रेजों से मिल गए। इसी वजह से करीब तीन महीने की लड़ाई के बाद युद्ध के मैदान में अंग्रेजों से लड़ते हुए टीपू सुल्तान शहीद हो गए थे। मेजर एलेक्जेंडर ऐलन ने बाद में इस युद्ध का जिक्र करते हुए किताब में लिखा था कि टीपू सुल्तान के मरने के बाद भी अंग्रेज सैनिक उनके शरीर को छूने से डर रहे थे।

टीपू सुल्तान को अंग्रेजों ने नहीं, वोक्कालिगा प्रमुख नान्जे गौड़ा और उरी गौड़ा ने मारा, ये कहानी कहां से आई?

पुराने मैसूर के कई इलाकों में दावा किया जाता है कि टीपू सुल्तान की मौत अंग्रेजों से लड़ाई में नहीं हुई थी, बल्कि वोक्कालिगा प्रमुखों नान्जे गौड़ा और उरी गौड़ा ने उनकी हत्या की थी। पहली बार यह दावा मैसूर में हुए एक

नाटक में किया गया था। राइटर और डायरेक्टर अडांडा सी करियप्पा ने इस नाटक 'टीपू निंजा कनसुगलु' यानी Real Dreams Of Tipu को लिखा है।

इतिहासकारों ने टीपू की मौत कैसे हुई, इस पर आरोप लगाने के लिए करियप्पा की किताब और नाटक की आलोचना की। उन्होंने करियप्पा के इस दावे पर भी सवाल उठाए कि टीपू ने 80,000 कुर्गों का नरसंहार किया था। इतिहासकारों का कहना है कि उस वक्त कुर्गों की आबादी 10,000 से अधिक थी ही नहीं।

जिला वक्फ बोर्ड समिति के पिछले अध्यक्ष ने इस किताब के खिलाफ एक याचिका दायर की थी। इसके बाद बेंगलुरु में एडिशनल सिटी सिविल और सेशन कोर्ट ने किताब के डिस्ट्रीब्यूशन और बिक्री पर अस्थायी रूप से रोक लगा दी है। मैसूर यूनिवर्सिटी में प्राचीन इतिहास और पुरातत्व के प्रोफेसर एन एस रंगराजू बताते हैं कि नान्जे गौड़ा और उरी गौड़ा टीपू के पिता हैदर अली के सैनिक थे। उन्होंने एक युद्ध में टीपू और उनकी मां को मराठों के चंगुल से बचाया था। उन्होंने बताया कि चौथे मैसूर युद्ध के दौरान जब टीपू की मौत हुई, तब लक्ष्मणमणि, अंग्रेजों, मराठों और निजामों के बीच एक संधि हुई थी। इसके तहत टीपू पर हमले के लिए समय, स्थान और कई तरह की स्ट्रैटजी बनाई गई थी। ऐसा इसलिए क्योंकि टीपू की सेना इतनी ताकतवर और अभेद्य थी कि कोई भी दो व्यक्ति उसे आसानी से नहीं मार सकते थे।

मौत के 224 साल बाद भी टीपू कर्नाटक में चुनावी मुद्दा क्यों बनते हैं? मालाबार, कोडगु और बेदनूर में टीपू के नेतृत्व को असहिष्णु और अत्याचारी कहा जाता है। मैसूर के ये इलाके सामरिक और आर्थिक रूप से काफी महत्वपूर्ण थे। टीपू पर युद्ध के आरोप काफी गंभीर थे। टीपू सुल्तान भविष्य के विरोध से बचने के लिए विद्रोहियों या षड्यंत्रकारियों को दंड के रूप में जबरन धर्मांतरण कराता था और अपने गृह क्षेत्र से मैसूर में लोगों को भेज देता था। कोडगु और मालाबार दोनों इलाकों में इस तरह की घटनाएं सामने आई थीं। विशेष रूप से नायर और ईसाइयों के खिलाफ इस तरह का अत्याचार ज्यादा होता था। हालांकि, इतिहासकार टाइगरः द बायोग्राफी ऑफ टीपू सुल्तान के लेखक केट ब्रिटलबैंक कहते हैं कि टीपू के काम आधुनिक मानकों के अनुसार सही नहीं थे। हालांकि 18 वीं शताब्दी में सभी धर्मों के शासकों के बीच सामान्य थे। इस मामले में संघ विचारक और राज्यसभा सांसद राकेश सिन्हा ने इंटरव्यू में कहा था कि टीपू सुल्तान ने हिंदुओं को मुस्लिम बनाने के साथ ही बड़ी संख्या में हिंदुओं का कत्लेआम किया था। उन्होंने कई मंदिर तोड़े और हिंदू महिलाओं की इज्जत को लूटा। इसलिए संघ और भाजपा टीपू सुल्तान का विरोध करती हैं। वहीं, चुनाव से ठीक पहले टीपू सुल्तान के मुद्दे को उठाए जाने पर सवाल उठता है कि क्या हर पार्टी अपने फायदे के लिए इस मुद्दे को उठाती है? 'द हिंदू' में लिखे अपने लेख में अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर चंदन गौड़ा कहते हैं कि राजनीतिक लाभ के लिए हर दल इस तरह के मुद्दे को उठाता है।

क्या टीपू सुल्तान हिंदू विरोधी थे?

1990 तक सरकारी स्कूलों में देशभक्त राजा के तौर पर टीपू सुल्तान को पढ़ाया जाता था, लेकिन 1990 के दौर में जब मंदिर-मस्जिद मामला उठा। राजनीति में धार्मिक घालमेल बढ़ा, तो इसी दौरान टीपू सुल्तान की छवि एक धर्मनिरपेक्ष शासक के बजाय मुस्लिम तानाशाह की बना दी गई। टीपू सुल्तान पर लिखी गई किताब में चिदानंद मूर्ति कहते हैं, 'वे बेहद चालाक शासक थे। उन्होंने मैसूर में हिंदुओं पर कोई अत्याचार नहीं किया, लेकिन तटीय क्षेत्र जैसे मालाबार में हिंदुओं पर उन्होंने काफी अत्याचार किए।' इतिहास में बताया गया है कि टीपू सुल्तान ने 1783 में पालघाट किले पर हमला कर हजारों ब्राह्मणों का कत्लेआम किया था। इससे हिंदुओं के मन में टीपू सुल्तान के खिलाफ डर भर गया था। हालांकि एक इंटरव्यू में इतिहासकार प्रोफेसर बी शेख अली कहते हैं कि यह सब कुछ इतिहास से अधिक वर्तमान राजनीतिक माहौल से प्रभावित है। हालांकि कुछ इतिहासकारों की राय इससे इतर भी है। टीपू सुल्तान को मैसूर के बहादुर शासक के रूप में जाना जाता है। उनके पराक्रम को देखते हुए उनके पिता ने उन्हें शेर-ए-मैसूर कहा था। टीपू सुल्तान को कुछ लोग बहादुर देशभक्त बताते हैं तो वहीं कुछ लोग उनको सांप्रदायिक शासक बताते हैं। मैसूर में हिंदू बहुमत में थे। इसलिए टीपू सुल्तान ने श्रीरंगपट्टनम, मैसूर समेत राज्य के कई स्थानों पर मंदिर बनवाए। इतिहासकार टीसी गौड़ा ने अपने एक इंटरव्यू में कहा है कि टीपू ने श्रिंगेरी, मेल्कोटे नांजनगुंड, सिरीरंगापटनम, कोलूर जैसे मंदिरों के जवाहरातों को सुरक्षा मुहैया करवाई थी। 1759 में आदि शंकराचार्य के बनाए तिरुपति मंदिर पर मराठों ने हमला कर दिया था तो हिंदुओं की धार्मिक भावना को देखते हुए टीपू सुल्तान ने इसका निर्माण करवाया था। हाल में दिए एक इंटरव्यू में टीपू सुल्तान के वंशजों ने कहा कि राजनीतिक लड़ाई में टीपू सुल्तान की छवि को लगातार खराब किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हम इस अभियान को खत्म करने के लिए अदालतों का दरवाजा खटखटाने की योजना बना रहे हैं। टीपू सुल्तान के 17वें वंशज साहबजादा मंसूर अली कहते हैं कि हमारे पूर्वज टीपू सुल्तान का नाम क्यों घसीटा जा रहा है और हर मौके पर इसका राजनीतिकरण किया जा रहा है? राजनीतिक पार्टियों को जब भी सुविधाजनक लगे, उनके नाम का इस्तेमाल नहीं कर सकते।

उन्होंने कहा कि अब ऐसा करने वालों के खिलाफ हम मानहानि का मुकदमा करेंगे। मंसूर अली की यह घोषणा मैसूर के शासक टीपू को एक बार फिर से बीजेपी और कांग्रेस की ओर से चुनावी मुद्दा बनाने के बीच आई है।

मां के सामने बेटों को चाकू मारा, एक की मौत

शराब पीने पर विवाद के बाद दो भाइयों पर हमला, आधी रात को हुई वारदात

दुर्ग, 20 फरवरी (एजेंसियां)। दुर्ग जिले में चाकूबाजी की घटना में एक युवक की मौत हो गई है। कोतवाली थाना अंतर्गत दो गुटों में झड़प के बाद आरोपियों ने मां के सामने उसके दोनों बेटों को चाकू से गोद डाला। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। वहां इलाज के दौरान एक ने दम तोड़ दिया। दूसरे की हालत गंभीर बताई जा रही है।

दुर्ग एसपी डॉक्टर अभिषेक पल्लव ने बताया कि दुर्ग चंडी मंदिर के पास देर रात 11-12 के बीच चाकूबाजी की घटना हुई है। बजरंग नगर कंडरापारा दुर्ग निवासी गजेन्द्र विश्वकर्मा (20 साल) वहां बैठकर शराब पी रहा था। इसी दौरान वहां मोहल्ले का रहने वाला राकेश साहू अपने भाई अजय साहू और घनश्याम साहू के साथ वहां पहुंचा। उसके हाथ में चाकू था। उसने गजेंद्र से गाली गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। यह देख उसे बचाने उसकी मां द्रुपति और भाई रमेश पहुंचे।

रमेश के बीच बचाव से मामला इतना बढ़ गया कि अजय और उसके भाईयों ने मिलकर द्रुपति के सामने ही उसके दोनों बेटों को चाकू से गोद डाला। इसमें चाकू का एक वार गजेंद्र की सीने में जा घुसा। इससे अधिक ब्लीडिंग हुई

और उसकी मौत हो गई। वहीं रमेश की हालत गंभीर बताई जा रही है।

देर रात छापेमारी करके आरोपियों को पकड़ा

हत्या करने के बाद तीनों आरोपी मौके से फरार हो गए गए थे। उन्हें पकड़ने के लिए दुर्ग सीएसपी वैभव बैंकर ने तीन अलग-अलग टीमें तैयार की। तीनों टीमों ने रात भर उनके संभावित ठिकानों पर छापेमारी। इस तरह करके तड़के तक तीनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया गया है।

सीएसपी वैभव बैंकर ने बताया कि दोनों पक्षों में पहले किसी बात को लेकर मामूली विवाद हुआ था। इसी रंजिश को लेकर आरोपी पक्ष ने गजेंद्र विश्वकर्मा पर जानलेवा हमला कर दिया। बीच बचाव करने पर उसके भाई को भी उन्होंने चाकू मारा है। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रायपुर में एक महीने पहले गैंगवार हो गया था। 10-12 लड़कों का ग्रुप आपस में भिड़ा, चाकुओं से एक दूसरे पर हमला किया । इस वारदात में दो युवकों की मौत हो गई। दो की मौत की वजह से देर रात तक पुलिस के अफसर जवान बदमाशों को पकड़ने में लगे रहे। ये घटना दलदल सिवनी इलाके में हुआ। जानकारी के मुताबिक सतनामी पारा नाम के मोहल्ले में युवकों का दो गुट भिड़ गया। चाकूबाजी और मारपीट के पुराने मामलों में शामिल लड़कों ने एक दूसरे को पीटा और चाकू से वार किए।

इस हमले में जितेंद्र डहरिया और गोकुल निषाद नाम के युवक के पेट और सीने में चाकू से कई हमले किए गए। एक की अस्पताल में तो दूसरे की मौके पर ही मौत हो गई। पूरा मोहल्ला आधी रात हुए इस वारदात के बाद सहम गया। मोहल्ले की सड़क पर कई जगह खून बिखरा हुआ था। इस हमले में घायल युवक घर की ओर भागे, अपने परिजनों को चीख-चीखकर बाहर बुलाया कोई चौखट पर ही गिर पड़ा तो कोई सड़क पर पड़ा था। इस झगड़े में दो युवक घायल बताए जा रहे हैं, इनका प्राइवेट अस्पताल में इलाज चल रहा है।

दुर्ग जिले के डेढ़ महीने पहले कुम्हारी थाना क्षेत्र में कुछ युवकों ने मामूली विवाद में एक युवक पर चाकू से कई वार किए थे। घायल युवक ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया था।

आरोपियों ने पहले युवक और उसके दोस्तों को मारा पीटा। उसके बाद चाकू लेकर उसे सड़क पर दौड़ाया फिर उसके पेट में कई वार किए। घायल ने रायपुर मेकाहारा हॉस्पिटल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

पुलिस हेड कांस्टेबल की हत्या

नक्सलियों ने कुल्हाड़ी से मार डाला भाई की शादी में आया था बीजापुर

बीजापुर, 20 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर में नक्सलियों ने रविवार देर रात एक पुलिस हेड कांस्टेबल की हत्या कर दी। कांस्टेबल का शव घर में खून से लथपथ मिला है। उस पर धारदार हथियार से हमला किया गया। पुलिस कांस्टेबल अपने चचेरे भाई की शादी में शामिल होने के लिए आया था। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। मामला जांगला थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, दंतेवाड़ा के गीदम निवासी पुलिस हेड कांस्टेबल फन्नी राम वट्टी (35) अपने चचेरे भाई बीजापुर के बेचलर गांव में रहने वाले मुन्ना राम वेट्टी की शादी में परिवार सहित शामिल होने के लिए आया था। बताया जा रहा है कि रविवार रात करीब 12 बजे चार नक्सली घर में जबरदस्ती घुस आए। उस समय सब लोग सो रहे थे। तभी नक्सलियों ने कुल्हाड़ी और चाकू से हमला कर दिया। बताया जा रहा है कि फन्नी राम ने बचाव करते हुए नक्सलियों को धक्का दिया और वहां से बाहर निकलकर भागा। इस पर नक्सलियों ने उसे दौड़ाकर घेर लिया और चाकू व कुल्हाड़ी से वारकर उसकी जान ले ली।

बाप को दौड़ा-दौड़ाकर मार डाला, मां को डंडे से पीटा

महिला ने कहा था- तू पागल हो गया है, नाराज बेटे ने डंडे से किया हमला

सरगुजा, 20 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले में एक युवक ने दौड़ा-दौड़ाकर पिता को डंडे से इतना पीटा कि उसकी मौत हो गई है। वहीं युवक ने अपनी मां पर भी डंडे से हमला किया है। असल में महिला ने युवक को कह दिया था कि तुम पागल हो गए हो। इसलिए इतनी रात को घर आते हो। बस यही बात सुनकर युवक नाराज हो गया और उसने अपने माता पिता पर हमला कर दिया था। मामला उदयपुर थाना क्षेत्र का है।

सुखरी भंडार गांव से यह दिल दहलाने वाला मामला सामने आया है। यहां रहने वाला 28 साल का भरोस मझवार शनिवार-रविवार की रात करीब 3 बजे घर लौटा था। उसने दरवाजा खटखटाया तो माता-पिता की नींद खुल गई। मां फुलकुंवर ने दरवाजा खोल कर कहा कि इतनी रात कहां थे। इस दौरान महिला ने उसे पागल कह दिया। इससे गुस्सा होकर बेटे ने मां को पीटना शुरू कर दिया, यह देख पिता बुधराम मझवार (55 वर्ष) उठा तो, उस पर भी हमला कर दिया

इसके बाद पिता बुधराम भागने लगा और भागते-भागते वह बाड़ी की तरफ गया। मगर बेटा उसका पीछा करता रहा। पीछा करते-करते युवक ने पिता पर डंडे से कई वार किए। उसे तब तक मारा, जब तक वह अधमरा नहीं हो गया। इस दौरान उसकी मां ने बीच-बचाव का प्रयास किया। मगर बेटे ने एक ना सुनी और मां को भी मारा।

इधर लड़ाई झगड़े की आवाज सुनकर पड़ोस के लोग मौके पर पहुंचे तो देखा कि पति पत्नी खून से लथपथ पड़े हुए हैं। उन्होंने उनसे पूछा तो बताया कि बेटे ने उन्हें मारा है। इसके बाद पड़ोसियों ने दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया और मामले की सूचना पुलिस को दी। वहीं अस्पताल में इलाज के दौरान गंभीर रूप से घायल पिता ने दम तोड़ दिया, जबकि मां का इलाज जारी है ।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने अस्पताल में जाकर घायलों का बयान दर्ज किया। इसके बाद पुलिस में आरोपी बेटे भरोस मझवार को गांव से ही गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। बताया जा रहा है कि आरोपी सनकी किस्म का था। काम धाम नहीं करता था। घर पर ही रहा करता था। जबकि उसके पिता खेती-किसानी करते थे। उधर, जशपुर जिले में एक बेटे ने अपने पिता की हत्या कर दी है। उसने अपने पिता को इसलिए मार दिया, क्योंकि वह आए दिन शराब पीकर घर में झगड़ा करता था। युवक ने कई बार उसे समझाया भी था। मगर वह नहीं माना। जिसके चलते युवक ने इस वारदात को अंजाम दिया है। गीधा निवासी अनिल राम(48) खेती किसानी का काम करता था। वो गांव में अपनी पत्नी और बेटे रोशन राम(20) के साथ रहता था। बताया गया कि अनिल राम शराब पीने का आदि था। वो आए दिन शराब पीकर घर आता था। इसके बाद घर में विवाद किया करता था। बताया जा रहा है कि शनिवार शाम को भी अनिल राम शराब पीकर ही घर आया था और झगड़ा कर रहा था। इस बीच उसका बेटा रोशन भी घर में आ गया और उसने पिता को समझाया। मगर वह नहीं माना और झगड़ा करता रहा। इसके बाद बेटे ने पिता से कहा कि घर के धान को बेचकर शराब पी जाते हो, रोज का धंधा बना लिए हो' इतनी बार समझा चुका। आप मान ही नहीं रहे हो।

झारखंड के 14वें चीफ जस्टिस ने ली शपथ

राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने दिलाई शपथ, चीफ जस्टिस ने कहा – पुराने मामलों के निष्पादन और त्वरित सुनवाई पर रहेगा जोर

रांची, 20 फरवरी (एजेंसियां)। झारखंड के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्रा ने आज शपथ ली। वे झारखंड हाईकोर्ट के 14वें चीफ जस्टिस होंगे। उन्हें राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने शपथ दिलाई। राजभवन के बिरसा मंडप में शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया था। शपथ से पूर्व मुख्य सचिव सुखदेव सिंह ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुरमू द्वारा जस्टिस संजय कुमार मिश्रा को झारखंड हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस की नियुक्ति संबंधी वारंट को हिंदी और अंग्रेजी में पढ़कर सुनाया।

शपथ लेने के बाद अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि पुराने मामलों का निष्पादन और त्वरित सुनवाई पर ज्यादा जोर दिया जाएगा। मेरी प्राथमिकता में गरीबों और पिछड़ों को न्याय दिलाना होगा। शपथ लेने के बाद उन्होंने झारखंड को अपनी मातृभूमि बताते हुए कहा कि पारदर्शी न्याय के लिए न्यायपालिका कठिन परिश्रम कर रही है। शपथ लेने के साथ ही चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्रा ने अपना कार्यभार संभाल लिया।

17 फरवरी को जारी हुआ था नोटिफिकेशन

मीनिस्ट्री ऑफ लॉ की ओर से जस्टिस संजय कुमार मिश्रा को झारखंड हाईकोर्ट का चीफ जस्टिस बनाने का नोटिफिकेशन 17 फरवरी को जारी किया गया था। चीफ जस्टिस बनने से पहले संजय कुमार मिश्रा उत्तराखंड हाईकोर्ट के जस्टिस थे। शपथ ग्रहण समारोह के मौके पर झारखंड हाई कोर्ट के सभी न्यायाधिश, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, मंत्री मिथिलेश ठाकुर, मुख्य सचिव सुखदेव सिंह, महाधिवक्ता राजीव रंजन, राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश एवं महुआ माजी समेत कई अधिवक्ता एवं राज्य सरकार के वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

झारखंड हाइकोर्ट के 14वें चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्र का जन्म बोलांगीर में 29 दिसंबर 1961 को हुआ। उनके पिता का नाम मारकंडेय मिश्र व माता ज्योतिर्मयी मिश्र है। टिकरा अपर प्राइमरी स्कूल में उन्होंने स्कूली शिक्षा ली।

इसके बाद दिल्ली विश्वविद्यालय से वर्ष 1984 में एमकॉम और वर्ष 1987 में एलएलबी पूरा किया। जस्टिस मिश्र ने वकालत का पेशा मार्च 1988 में शुरू किया है। ओड़िशा हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल और न्यायाधीश रह चुके हैं। फिर उत्तराखंड हाईकोर्ट में जज रहे।

12 से ज्यादा कांग्रेस नेताओं के घरों-दफ्तर में छापा

रायपुर, 20 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के नवा रायपुर में 24 से 26 फरवरी को होने वाले कांग्रेस के 85वें राष्ट्रीय महाधिवेशन से पहले प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी ने प्रदेश में 12 से ज्यादा कांग्रेस नेताओं के घर छापा मारा है। सुबह 5 बजे से ईडी की टीम रायपुर में कांग्रेस के कई दिग्गज नेताओं के घर और दफ्तर पहुंची है। दस्तावेजों को खंगाल रही है। जांच पड़ताल कर रही है। इसमें छत्तीसगढ़ में राज्य मंत्री का दर्जा प्राप्त श्रम मंडल के अध्यक्ष सनी अग्रवाल के टिकरापारा निवास पर कार्रवाई चल रही है, तो वहीं निगम मंडल सदस्य कांग्रेस नेता विनोद तिवारी के मोवा स्थित निवास औरअवंती विहार स्थित डडसेना के निवास पर छापामारी चल रही है। इसके अलावा कांग्रेस नेता आरपी सिंह, भिलाई के विधायक देवेंद्र यादव के दोनों घरों पर ईडी ने छापा मारा है।

मुख्यमंत्री भूपेश बोले- ईडी के छापों से कांग्रेस नहीं डरेगी

9 मंत्रियों के साथ केंद्र सरकार पर हमला, कहा- महाधिवेशन को असफल करने की कोशिश

रायपुर, 20 फरवरी (एजेंसियां)। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं पर प्रवर्तन निदेशालय की छापेमारी से कांग्रेस आग-बबूला हो गई है। दिल्ली से लेकर रायपुर तक उसने केंद्र सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सोमवार दोपहर प्रदेश प्रभारी कुमारी सेलजा, प्रदेश अध्यक्ष मोहन मरकाम और अपने 9 मंत्रियों साथ राजीव भवन पहुंचे। उन्होंने ईडी के छापे को राजनीतिक हमला बताते हुए कहा, कांग्रेस ऐसी दमनकारी कार्रवाई के आगे झुकेगी नहीं। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि, जब-जब कांग्रेस पार्टी कोई बड़ा कदम उठाती है, यहां छापे पड़ते हैं। कांग्रेस पार्टी ने छत्तीसगढ़ कांग्रेस यूनिट को झारखंड चुनाव की जिम्मेदारी दी थी। हम लोग झारखंड गये, सभी मंत्री और पदाधिकारी वहां गये थे।

झारखंड चुनाव का परिणाम आने के कुछ दिनों बाद छत्तीसगढ़ में आईटी-आयकर विभाग का पहला छापा पड़ा। दूसरा छापा तब पड़ा जब हम लोग असम चुनाव में गये थे। तीसरा तब पड़ा जब हम लोग उत्तर प्रदेश गये थे। चौथा छापा हिमाचल प्रदेश चुनाव के समय पड़ा। हम लोग हिमाचल प्रदेश से लौटे और छापा पड़ा। अब जब कांग्रेस का राष्ट्रीय महाधिवेशन होने वाला है। हम लोग चर्चा ही कर रहे थे कि हो सकता है छापा पड़े और छापा पड़ ही गया।

मुख्यमंत्री ने इस छापे को कांग्रेस महाधिवेशन को असफल करने की कोशिश बताया। उन्होंने कहा, हम लोग भी इस तैयारी में है कि भाजपा सरकार कितनी भी कोशिश कर ले हम महाधिवेशन में असफल नहीं होंगे। यह सीधा-सीधा राजनीतिक दबाव के चलते की गई कार्रवाई है। हमारे विधायकों के यहां, पार्टी पदाधिकारियों के यहां छापा डालने का मतलब क्या है। वे संदेश देने की कोशिश कर रहे हैं कि आप काम मत करो। मुख्यमंत्री ने कहा, कांग्रेस पार्टी जब अंग्रेजों से नहीं डरी तो वह इनसे क्या डरेगी। जितना जुल्म करना है कर लें, जनता देख रही है।

मुख्यमंत्री के साथ गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू, कृषि मंत्री रविंद्र चौबे, स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम, आबकारी मंत्री कवासी लखमा, खाद्य मंत्री अमरजीत भगत, राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल, उच्च शिक्षा मंत्री उमेश पटेल, महिला एवं बाल विकास मंत्री अनिला भेंडिया और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री गुरु रुद्र कुमार भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि ईडी ने कांग्रेस के जिन पदाधिकारियों के यहां छापा डाला है, वे सभी महाधिवेशन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों पर हैं। रामगोपाल अग्रवाल प्रदेश कांग्रेस के कोषाध्यक्ष हैं, गिरीश देवांगन को प्रदेश प्रभारी ने महाधिवेशन में बड़ी जिम्मेदारी दी है। विधायक देवेंद्र यादव, प्रवक्ता आरपी सिंह, विनोद तिवारी इसी काम से जुड़े हुए हैं। सन्नी अग्रवाल का इसमें क्या रोल हो सकता है। इसका एक ही मकसद है कि महाधिवेशन से पहले कांग्रेस में अफरातफरी मच जाए। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा, पहले कहीं छापा पड़ता था तो लोग सोचते थे कि ईडी-आईटी-सीबीआई का छापा पड़ा है तो कोई गंभीर बात जरूर होगी।

'अमीर टैक्स चोरी बंद करें, सब्सिडी केवल गरीबों को ही मिले'

कंगाल पाकिस्तान को आईएमएफ ने फिर दी सलाह

इस्लामाबाद, 20 फरवरी (एजेंसियां)। कंगाली की मार झेल रहे पाकिस्तान को एक बार फिर से अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष(आईएमएफ) ने संकट से उबरने के लिए सलाह दी है। आईएमएफ ने कहा कि पाकिस्तान को यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने चाहिए कि उसके देश में ज्यादा कमाने वाले नागरिक टैक्स चोरी न करें और ईमानदारी से टैक्स का भुगतान करें। इसके अलावा सब्सिडी केवल गरीबों को ही दें जिससे राजकोषीय घाटा से उबरने में मदद मिलेगी।

जर्मनी में शुक्रवार को म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन के मौके पर जर्मन राज्य प्रसारक डॉयचे वेले के साथ एक साक्षात्कार में, आईएमएफ प्रमुख क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने कहा कि पाकिस्तान को दिवालिया होने से बचने के लिए कड़े कदम उठाने की जरूरत है, जहां उसके कर्ज का पुनर्गठन करने की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि आईएमएफ बहुत स्पष्ट था कि वह पाकिस्तान के गरीब लोगों की रक्षा करना चाहता था। उन्होंने कहा, कि ऐसा नहीं होना चाहिए कि सब्सिडी से अमीरों को फायदा हो। यह गरीबों के लिए होना चाहिए जिन्हें इसकी काफी जरूरत है। उन्होंने कहा कि आईएमएफ उन्हीं कदमों की चर्चा कर रहा है जिसे पाकिस्तान को एक देश के रूप में कार्य करने में सक्षम होने के लिए उठाना अनिवार्य होगा।

आईएमएफ प्रमुख ने दी दो प्रमुख सलाह

आईएमएफ प्रमुख ने का कि पाकिस्तान पिछले साल अचानक आई बाढ़ से तबाह हो गया था, जिससे उसकी एक तिहाई आबादी प्रभावित हुई थी। मैं जोर देना चाहता हूं कि हम दो चीजों पर जोर दे रहे हैं। नंबर एक कर राजस्व। जो सार्वजनिक या निजी क्षेत्र में अच्छा पैसा कमा रहे हैं, उन्हें अर्थव्यवस्था में योगदान करने की जरूरत है।

दूसरी बात, सब्सिडी को केवल उन लोगों तक पहुंचाकर दबावों का उचित वितरण करना जिन्हें वास्तव में इसकी आवश्यकता है। ऐसा नहीं होना चाहिए कि सब्सिडी से अमीरों को लाभ मिले। आईएमएफ प्रमुख का बयान दोनों पक्षों द्वारा 10 दिनों की बातचीत के बाद कर्मचारी स्तर के समझौते के बिना 6.5 अरब डॉलर के बेलआउट पैकेज की नौवीं समीक्षा पूरी होने के कुछ दिनों बाद आया है। हालांकि, दोनों पक्षों ने उपायों के एक सेट पर सहमति व्यक्त की जो अभी भी सौदा हासिल करने में मदद कर सकता है।

भीषण आर्थिक संकट से जूझ रहा पाकिस्तान

भीषण आर्थिक संकट से जूझ रहे पाकिस्तान को धन की सख्त जरूरत है। अतीत में आईएमएफ से वित्तीय सहायता प्राप्त कर चुका है और वर्तमान में अपने ऋण कार्यक्रम को फिर से शुरू करने के लिए संगठन के साथ चर्चा कर रहा है। कार्यक्रम की नौवीं समीक्षा पर एक समझौता 8000 करोड़ रुपये से अधिक जारी करेगा। आईएमएफ कार्यक्रम की बहाली से पाकिस्तान के लिए फंडिंग के अन्य रास्ते भी खुलेंगे।

स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान का विदेशी मुद्रा भंडार गिरा

इस बीच, स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान के पास मौजूद विदेशी मुद्रा भंडार गिरकर लगभग 3 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया है, जो मुश्किल से तीन सप्ताह के नियंत्रित आयात को कवर करने के लिए पर्याप्त है।

इससे पहले, आईएमएफ ने एक बयान में कहा कि दोनों पक्ष लगे रहने के लिए सहमत हुए हैं और इस्लामाबाद में चर्चा की गई कर उपायों सहित नीतियों के कार्यान्वयन विवरण को अंतिम रूप देने के लिए आने वाले दिनों में आभासी चर्चा जारी रहेगी।

अमेरिका के आसमान में फिर दिखा 'जासूसी गुब्बारा'

हवाई उड़ानों के लिए बना खतरा!

वॉशिंगटन, 20 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के आसमान में फिर से एक जासूसी गुब्बारा दिखाई दिया है। खबर के अनुसार, यह गुब्बारा हवाई राज्य के होनुलुलु प्रांत के पूर्वी इलाके में देखा गया है। गौरतलब है कि जिस इलाके में यह विशाल गुब्बारा देखा गया है, उस क्षेत्र में कई कमर्शियल फ्लाइट्स उड़ रही हैं। ऐसे में यह गुब्बारा इन हवाई उड़ानों के लिए खतरा बना हुआ है। यह गुब्बारा 40 हजार से 50 हजार फीट की ऊंचाई पर उड़ रहा है। कमर्शियल फ्लाइट्स के कई पायलटों द्वारा इस विशाल गुब्बारे को देखा गया है।

अभी तक यह साफ नहीं है कि यह गुब्बारा कहां से आया है और इससे लोगों को कोई खतरा तो नहीं है। उल्लेखनीय है कि हाल के दिनों में अमेरिकी सेना द्वारा ऐसे ही कई रहस्यमयी गुब्बारों को निशाना बनाकर गिराया गया है। हाल ही में अमेरिकी वायुसेना ने चीन के जासूसी गुब्बारे को भी निशाना बनाया था। इसके चलते दोनों देशों के रिश्तों में तनाव आ गया था। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकेन ने अपना चीन का दौरा रद्द कर दिया था। वहीं चीन ने इसे मौसम की जानकारी लेने वाला गुब्बारा बताया था और अमेरिका पर बेवजह इसे तूल देने का आरोप लगाया था। वहीं अमेरिका ने चीन पर गुब्बारे की मदद से जासूसी करने का आरोप लगाया था।

अफ्रीकी यूनियन ने बर्खास्त किया इस्त्राइल का ऑब्जर्वर स्टेटस

राजदूत को असेंबली हॉल से निकाला बाहर

अल्जीरिया, 20 फरवरी (एजेंसियां)। अफ्रीकी यूनियन ने रविवार को इस्त्राइल के ऑब्जर्वर स्टेटस को बर्खास्त कर दिया है। जिसके बाद अफ्रीकी यूनियन की बैठक में इस्त्राइल को आमंत्रित नहीं किया गया। वहीं अफ्रीकी यूनियन के इस फैसले से बौखलाए इस्त्राइल ने ईरान पर उसके खिलाफ साजिश रचने के आरोप लगाए हैं। इस्त्राइल ने कहा कि ईरान ने अल्जीरिया और दक्षिण अफ्रीका की मदद से उसके ऑब्जर्वर के स्टेटस को बर्खास्त कराया है।

बता दें कि साल 2021 में अफ्रीकी यूनियन कमीशन के प्रमुख मौसा फाकी महामत ने इस्त्राइल को अफ्रीकी यूनियन में ऑब्जर्वर का दर्जा दिया था। हालांकि अफ्रीकी यूनियन के कई सदस्य देशों जैसे प्रिटोरिया आदि ने इस फैसले का विरोध किया था। इसे इस्त्राइल के लिए कूटनीतिक तौर पर बड़ी सफलता माना गया था। अफ्रीकी यूनियन 55 देशों का संगठन है। इनमें कई मुस्लिम बहुल देश हैं। इनमें से 46 सदस्य देशों के साथ इस्त्राइल के कूटनीतिक संबंध हैं।

बीते साल अफ्रीकी यूनियन की बैठक में इस्त्राइल को ऑब्जर्वर देश का स्टेटस हटाने की मांग की गई थी। साथ ही सदस्यों देशों के प्रमुखों की एक कमेटी बनाकर इस मामले पर चर्चा की मांग की गई थी। हालांकि इसे अफ्रीकी यूनियन ने खारिज कर दिया था। अब इस्त्राइल का स्टेटस खत्म करते हुए अफ्रीकी यूनियन कमीशन के प्रमुख फाकी ने कहा कि इस्त्राइल के ऑब्जर्वर स्टेटस को अगले आदेश तक बर्खास्त कर दिया गया है और तब तक कमेटी इस पर चर्चा कर फैसला लेगी। इसके चलते इस्त्राइल को यूनियन की बैठक में आमंत्रित नहीं किया गया है।

बता दें कि सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया है, जिसमें इस्त्राइल के विदेश मंत्री के डिप्टी डायरेक्टर जनरल फॉर अफ्रीका शेरोन बार ली को, इथोपिया की राजधानी अदीस अबाबा स्थित अफ्रीकी यूनियन के असेंबली हॉल से सुरक्षाकर्मियों द्वारा बाहर ले जाया जा रहा है। अफ्रीकी यूनियन के इस कदम ने इस्त्राइल को बेहद नाराज कर दिया है। इस्त्राइल ने आरोप लगाया है कि अफ्रीकी यूनियन को कुछ कट्टरपंथी देशों जैसे अल्जीरिया और दक्षिण अफ्रीका द्वारा बंधक बना लिया गया है और इन्हें ईरान द्वारा नियंत्रित किया जा रहा है।

अफगानिस्तान में गर्भ निरोधकों पर बैन

तालिबान ने कहा- ये मुस्लिम आबादी रोकने की साजिश, बाद में सफाई- कॉन्ट्रासेप्टिव्स पर रोक नहीं

काबुल, 20 फरवरी (एजेंसियां)। अफगानिस्तान की सत्ता पर काबिज तालिबान ने गर्भ निरोधकों (कॉन्ट्रासेप्टिव्स) की बिक्री पर रोक लगा दी है। आतंकी संगठनों के मुताबिक यह मुस्लिमों की बढ़ती आबादी को रोकने की पश्चिमी देशों की साजिश है। पश्चिमी देश नहीं चाहते कि मुस्लिम जनसंख्या बढ़े। ब्रिटिश अखबार 'द गार्डियन' के मुताबिक तालिबान आतंकी डोर टू डोर जाकर महिलाओं को धमका रहे हैं कि वो प्रेग्नेंसी रोकने के लिए इन कॉन्ट्रासेप्टिव्स का इस्तेमाल न करें। मेडिकल स्टोर्स की भी तलाशी ली जा रही है, ताकि इन गर्भ निरोधकों की बिक्री रोकी जा सके। दूसरी तरफ, तालिबान ने गर्भ निरोधकों पर बैन को गलत बताया है। सऊदी अखबार 'द नेशनल' से बातचीत में तालिबान हेल्थ मिनिस्ट्री ने कहा- मेडिकल स्टोर्स का रेग्युलर इन्स्पेक्शन होता है। ब्रिटिश मीडिया की खबरें गलत हैं। हमने कॉन्ट्रासेप्टिव्स की बिक्री पर रोक नहीं लगाई।

'द गार्डियन' के अलावा 'द डेली मेल ऑनलाइन' ने भी तालिबान की इस नई हरकत पर रिपोर्ट जारी की है। एक मेडिकल स्टोर चलाने वाले ने कहा- फिलहाल, दो शहरों में गर्भ निरोधक के इस्तेमाल और इनकी बिक्री पर रोक लगाई गई है।

नार्थ कोरिया ने 48 घंटे में दागी दूसरी बैलिस्टिक मिसाइल

जापान की समुद्री सीमा में गिरी, यूएस-साउथ कोरिया मिलिट्री ड्रिल के बाद टेस्ट किया

सियोल, 20 फरवरी (एजेंसियां)। नॉर्थ कोरिया ने फिर पूर्वी सागर में दो बैलिस्टिक मिसाइल दागी हैं। साउथ कोरिया के डिफेंस मिनिस्टर ली-जोंग-सुप ने सी ऑफ जापान की तरफ मिसाइल फायर होने का दावा किया है। जापान ने भी इसकी पुष्टि की है। हालांकि, ये मिसाइल कौन सी थी और ये कितनी दूर तक गई इसकी अभी कोई जानकारी नहीं मिली है।

दूसरा मिसाइल परीक्षण अमेरिका और साउथ कोरिया की मिलिट्री एक्सरसाइज के एक दिन बाद हुआ है। 18 फरवरी को नॉर्थ कोरिया ने मिसाइल टेस्टिंग की थी। इसके बाद 19 फरवरी को अमेरिका और साउथ कोरिया ने जॉइंट एयर एक्सरसाइज शुरू की थी।

23 फरवरी को टेबलटॉप अभ्यास करेंगे यूएस-साउथ कोरिया

23 फरवरी को अमेरिका और साउथ कोरिया वॉशिंगटन में मिलिट्री एक्सरसाइज और इमरजेंसी के दौरान स्ट्रैटजी को लेकर टेबलटॉप अभ्यास करने वाले हैं। इस अभ्यास में दोनों देशों के बीच संभावित खतरों के दौरान न्यूक्लियर वेपन के इस्तेमाल और क्राइसिस मैनेजमेंट को लेकर चर्चा होगी।

नॉर्थ कोरिया की तरफ से दी जा रही परमाणु धमकी के बीच दोनों देश जानकारी साझा करने के साथ ही क्षेत्र में अमेरिका की भागीदारी बढ़ाने को लेकर भी बात करेंगे। साथ ही मार्च में दोनों देशों की मिलिट्री फोर्स ज्वांइट फील्ड एक्सरसाइज में भी शामिल होंगी।

प्रतिबंध के बावजूद मिसाइल टेस्टिंग कर रहा नॉर्थ कोरिया

संयुक्त राष्ट्र यानी यूएन ने नॉर्थ कोरिया पर परमाणु और बैलिस्टिक हत्यारों की टेस्टिंग को लेकर प्रतिबंध लगाए हैं। आसान शब्दों में कहें तो नॉर्थ कोरिया परमाणु और बैलिस्टिक मिसाइलों का परीक्षण नहीं कर सकता है। इसके बावजूद लगातार मिसाइल टेस्ट किए जा रहे हैं। इससे पहले मई में भी मिसाइल टेस्ट किया गया था।

नॉर्थ कोरिया तेजी से बढ़ा रहा मिलिट्री बिल्डअप

नॉर्थ कोरिया अपने मिलिट्री बिल्डअप को तेजी से बढ़ा रहा है। बीते दिनों नॉर्थ कोरिया ने कई सारे मिसाइल टेस्ट किए हैं। नॉर्थ कोरिया इस साल में अब तक 34 मिसाइल दाग चुका है। शुक्रवार को दागी गई इस मिसाइल की ऊंचाई और दूरी 24 मार्च को दागी गई मिसाइल से 100 किलोमीटर कम थी। सीएनएन की एक रिपोर्ट के मुताबिक, मार्च में दागी गई मिसाइल नॉर्थ कोरिया की अब तक की सबसे खतरनाक मिसाइल मानी गई है। इसने 6,248.5 किलोमीटर तक ऊंची उड़ान भरी थी और 1090 किलोमीटर की दूरी तय की थी।

नॉर्थ कोरिया खुद को परमाणु राज्य घोषित करने वाला बिल पास करने के साथ ही कई मिसाइलों का परीक्षण कर चुका है। इसके अलावा 9 फरवरी को देश में सेना की स्थापना की 75वीं सालगिरह पर देश की सबसे बड़ी मिलिट्री परेड का आयोजन किया गया था। राजधानी प्योंगयांग में करीब 1 दर्जन इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल (आईसीबीएम) प्रदर्शित की गईं थीं। परेड प्योंगयांग के किम इल सुंग स्क्वायर से शुरू हुई थी। इस दौरान तानाशाह किम जोंग उन अपनी पत्नी और बेटी के साथ नजर आए थे।

नॉर्थ कोरिया में सेना की स्थापना की 75वीं सालगिरह के मौके पर बुधवार को सैन्य परेड का आयोजन हुआ। इस दौरान राजधानी प्योंगयांग में करीब 1 दर्जन इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल (आईसीबीएम) प्रदर्शित की गईं। परेड प्योंगयांग के किम इल सुंग स्क्वायर से शुरू हुई। इस दौरान तानाशाह किम जोंग उन अपनी पत्नी और बेटी के साथ नजर आए।

नॉर्थ कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन एक बार फिर से सुर्खियों में आ गए हैं। दरअसल, उन्हें बीते 36 दिन से किसी भी पब्लिक इवेंट में नहीं देखा गया था, जिसके बाद उनके बीमार होने की आशंका जताई जा रही थी।

यूक्रेन में हवाई हमले के सायरन पर ट्रेन से पहुंचे बाइडेन

राजधानी कीव को नो-फ्लाइंग जोन बनाया, अमेरिकी मिसाइल्स भी एक्टिव थीं

कीव/वॉशिंगटन, 20 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन सोमवार को अचानक यूक्रेन की राजधानी कीव पहुंचे। यहां वे यूक्रेन के राष्ट्रपति वोल्दोमिर जेलेंस्की के साथ नजर आए। बाइडेन का यह दौरा चौंकाने वाला है। इसकी किसी को कानों-कान खबर नहीं हुई। दरअसल, शनिवार रात (भारत में रविवार तड़के) प्रेसिडेंट बाइडेन पोलैंड गए थे। यहां से वो एक घंटे का सफर करके ट्रेन के जरिए कीव पहुंच गए।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, बाइडेन के कीव पहुंचने से पहले इस इलाके में नो-फ्लाई जोन बना दिया गया था। इस दौरान अमेरिकी मिसाइल शील्ड (पेट्रियट) एक्टिव मोड में थी। 'कीव इंडिपेंडेंट' के मुताबिक- पूरे कीव में सिर्फ यही खबर थी कि कोई बेहद खास शख्स राजधानी पहुंच रहा है। बाइडेन की विजिट के पहले कीव के तमाम रास्ते भी बंद कर दिए गए थे।

बाइडेन के आने का जरा भी अनुमान किसी को नहीं था। सिर्फ 22 मिनट पहले ही रूस के हवाई हमले का सायरन बजा था। इसलिए हर कोई अलर्ट पर था। चंद मिनट बाद ही एक ब्लैक शेवरले कार में बाइडेन नजर आए। बाइडेन की विजिट इसलिए भी अहम हो जाती है, क्योंकि महज 4 दिन बाद रूसी हमले को एक साल पूरा हो जाएगा। बाइडेन ने शनिवार को ही व्हाइट हाउस में साफ कर दिया था कि वो किसी भी सूरत में यूक्रेन का साथ नहीं छोड़ेंगे।

खास बात यह है कि बाइडेन ने पोलैंड का दौरा किया और वहां के राष्ट्रपति आंद्रेज डूडा से मुलाकात की। इसके चंद मिनट बाद ही डिप्लोमैटिक केबल के जरिए रूस को यह बता दिया गया कि वीवीआईपी मूवमेंट है और कीव का इलाका नो-फ्लाई जोन रखा गया है।

कहा जा रहा है कि रूस की इंटेलिजेंस एजेंसीज को भनक तक नहीं लगी कि बाइडेन कीव पहुंच सकते हैं। कीव में मौजूद यूक्रेन की फॉरेन मिनिस्ट्री के सामने बैरिकेड लगा दिए गए और चंद मिनट बाद यहीं कार से उतरे। इस इलाके को सेंट माइकल गोल्डन डोम्ड मॉन्टेसरी कहा जाता है।

चीन-रूस को कड़ा संदेश-जंग में यूक्रेन अकेला नहीं

बाइडेन का कीव पहुंचना साफ तौर पर चीन और रूस का एक साथ कड़ा मैसेज है। यूक्रेन के एक जर्नलिस्ट यूवर नेस ने कहा- दो दिन पहले ही बाइडेन ने साफ कर दिया था कि यूक्रेन के मामले पर चीन रूस का साथ दे रहा है और अमेरिका को इस बारे में पूरी जानकारी दी थी। लिहाजा, यह तय है कि बाइडेन ने रूस और चीन को बता दिया है कि अमेरिका किसी प्रेशर टैक्टिक्स का शिकार होने वाला नहीं है। यह एक तरह से ईरान को भी मैसेज है, क्योंकि पिछले ही हफ्ते ईरान के प्रेसिडेंट इब्राहिम रईसी अचानक बीजिंग विजिट पर गए थे।

पेंटागन ने भी कहा था कि अमेरिका में चीन का स्पाई बैलून नजर आना और ईरान की इस मामले में एक्टिव पॉलिसी इस बात का साफ इशारा है कि कुछ खिचड़ी पक रही है। अगर ऐसा हुआ तो अमेरिका और नाटो इसका माकूल जवाब देने की ताकत और हक रखते हैं।

इजराइल की सीरिया पर एयरस्ट्राइक, 15 की मौत

पहली बार रिहायशी इलाके में दागी मिसाइल, यहीं सिक्योरिटी एजेंसी और इंटेलीजेंस हेडक्वॉर्टर भी हैं

तेल अवीव/दमिश्क, 20 फरवरी (एजेंसियां)। इजराइल ने रविवार सुबह सीरिया की राजधानी दमिश्क में मिसाइल दागी। सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स के मुताबिक, एक बिल्डिंग पर हुए इस हमले में 15 लोगों की मौत हो गई। कई लोग जख्मी हुए हैं। ये हमला काफर सोउसे में हुआ। इस इलाके में सीरिया की सिक्योरिटी एजेंसी, इंटेलीजेंस हेडक्वॉर्टर और सीनियर अधिकारियों के घर हैं।

सीरिया की डिफेंस मिनिस्ट्री ने एक बयान में कहा कि इजरायल ने गोलन हाइट्स की तरफ से दमिश्क और इसके आसपास के इलाकों में रिहायशी सहित कई दूसरे क्षेत्रों पर हवाई हमला किया। इससे पहले इजराइल ने कई बार दमिश्क के आसपास के क्षेत्रों को टारगेट किया है लेकिन पहली बार उसने रिहायशी इलाके को निशाना बनाया है।

हालांकि, कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ये हमला मिसफायर्ड सीरियन एंटी-एयरक्राफ्ट मिसाइल से किया गया था। नियमों के मुताबिक, इजराइली सेना सीरिया में स्ट्राइक्स पर कोई टिप्पणी नहीं करती हैं, लेकिन पिछले 10 सालों में सीरिया में अपनी पैठ जमाने की कोशिश कर रहे ईरानी-समर्थित ग्रुप के खिलाफ इजराइल ने कई एयरस्ट्राइक की हैं।

इजराइल डिफेंस फोर्सेज के मुताबिक, वो उन जगहों पर हमला करते हैं जहां बड़ी मात्रा में इन ग्रुप्स के हथियार रखे होते हैं। इन ग्रुप्स में लेबनान का हिज्बुल्लाह आतंकवादी संगठन प्रमुख तौर पर शामिल है। इजराइल के हवाई हमलों ने कई बार सीरिया के एयर-डिफेंस सिस्टम को टारगेट किया है। दरअसल, इजराइल को अपनी उत्तरी सीमा पर ईरानी घुसपैठ का डर बना रहता है और इसके चलते वो ईरानी बेस और लेबनानी आतंकी संगठन हिज्बुल्लाह के ठिकानों पर हमला करता रहता है। पिछले साल अगस्त में भी इजराइल ने एक हमले में सीरिया के 2 एयरपोर्ट्स को निशाना बनाया था। इसमें 6 सीरियाई सैनिकों की मौत हो गई थी, वहीं 2 विदेशी लड़ाके भी मारे गए थे। इजराइली की ओर से टी-4 सैन्य एयरबेस पर मिसाइल दागी गईं थीं।

हिजबुल्ला का शाब्दिक अर्थ 'ईश्वर का दल' होता है। हिजबुल्ला लेबनान के शिया मुसलमानों का आतंकवादी संगठन और राजनीतिक पार्टी भी है। ये संगठन ईरान के शिया मुसलमानों के सिद्धांतों पर चलता है। 1982 में ईरान के रिवॉल्यूशनरी गार्ड्स ने लेबनान में घुसे इजराइली लोगों को मारने के लिए हिजबुल्ला की स्थापना की थी। हिजबुल्ला ईरान और सीरिया से राजनीतिक, सैद्धांतिक और सैन्य समर्थन हासिल करता रहा है, जिसके चलते इजराइल ईरान के इस संगठन से नफरत करता है।

पाकिस्तानी तालिबान की धमकी

आतंकी संगठन ने कहा- पुलिस पर हमले जारी रखेंगे, वो फर्जी एनकाउंटर करती है

इस्लामाबाद, 20 फरवरी (एजेंसियां)। तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान, यानी टीटीपी ने पुलिस पर हमले जारी रखने की धमकी दी है। टीटीपी ने रविवार को कहा- पाकिस्तान के हर राज्य में पुलिस बेकसूर लोगों को पहले जेल में बंद करती है और बाद में उनको एनकाउंटर में मार डालती है। हम उससे इसी बात का बदला ले रहे हैं।

एक महीने में टीटीपी ने पुलिस पर 3 बड़े हमले किए हैं। सबसे पहले इस्लामाबाद, फिर पेशावर और दो दिन पहले कराची में। इन तीनों हमलों में कुल मिलाकर 116 पुलिसवाले मारे गए हैं। इस दौरान तीन दहशतगर्द भी ढेर हुए।

धमकी में टीटीपी ने क्या कहा

पाकिस्तान के अखबार 'द बिजनेस रिकॉर्डर' को अंग्रेजी में भेजे एक बयान में टीटीपी ने यह धमकी दी। इसमें कहा गया- हम पाकिस्तान की पुलिस को साफ तौर पर बता देना चाहते हैं कि वो हमारी जंग से दूर रहे और फौज की गुलाम न बने। अगर उसने हमारे खिलाफ ऑपरेशन्स जारी रखे तो अंजाम खौफनाक होगा। हम पुलिस के आला अफसरों के घर और उनकी महफूज पनाहगाहों पर हमले करते रहेंगे।

टीटीपी ने कहा- सिक्योरिटी एजेंसीज को यह समझ लेना चाहिए कि अब वो बेकसूर कैदियों को नहीं मार सकती। हर दिन फर्जी एनकाउंटर किए जा रहे हैं। अगर ये सिलसिला नहीं रुका तो भविष्य में जो हमले होंगे, वो पहले से भी ज्यादा भयानक होंगे।

करीब दो महीने पहले इस्लामाबाद के रेड जोन में पुलिस ने रूटीन चेक के लिए एक टैक्सी को रोका तो ड्राइवर ने खुद को बम से उड़ा लिया। इस हमले में एक अफसर समेत कुल 4 पुलिसवाले मारे गए। 6 लोग गंभीर रूप से घायल हुए। बाद में अफसरों ने बताया कि पुलिस की सतर्कता से इस्लामाबाद में बड़ा हमला होने से बच गया। इस्लामाबाद की पुलिस ने ट्वीट कर बताया कि आतंकी काफी समय से पुलिसवालों का हौसला कम करने के लिए उन्हें टारगेट कर रहे हैं। इस महीने की शुरुआत में पेशावर की पुलिस लाइन्स की मस्जिद में फिदायीन हमला हुआ था। तब दोपहर की नमाज के वक्त मस्जिद में करीब 500 लोग मौजूद थे। फिदायीन हमलावर बीच की एक लाइन में मौजूद था। उसने खुद को उड़ा लिया। 110 पुलिसवाले मारे गए।

तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) ने हमले की जिम्मेदारी ली। आर्मी ने इलाके को घेर लिया था, क्योंकि इसके करीब ही आर्मी की एक यूनिट का ऑफिस भी था। इलाके में टीटीपी का खासा दबदबा है और इसी संगठन ने हमले की धमकी भी दी थी। शुक्रवार को कराची में कुछ आतंकियों ने पुलिस हेडक्वार्टर पर हमला कर दिया। हमले में एक पुलिस अफसर, एक रेंजर समेत 4 की जान चली गई। 18 लोग घायल हुए हैं। तीन आतंकी भी मारे गए।

शराह-ए-फैसल इलाके में स्थित 5 मंजिला पुलिस हेडक्वार्टर में शाम करीब 7 बजे कुछ आतंकी घुस गए। आतंकियों ने अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। सुरक्षाबलों ने जवाबी कार्रवाई की। पुलिस और आतंकियों के बीच करीब 4 घंटे मुठभेड़ चली। हमले की जिम्मेदारी टीटीपी ने ली। 2002 में अमेरिकी सेना ने 9/11 आतंकी हमले का बदला लेने अफगानिस्तान में धावा बोलती है। अफगानिस्तान में अमेरिकी कार्रवाई के डर से कई आतंकी पाकिस्तान के कबाइली इलाके में छिप जाते हैं।

इसी दौरान पाकिस्तान की सेना इस्लामाबाद की लाल मस्जिद को एक कट्टरपंथी प्रचारक और आतंकियों के कब्जे से मुक्त कराती है। हालांकि कट्टरपंथी प्रचारक को कभी पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई का करीबी माना जाता था, लेकिन इस घटना के बाद स्वात घाटी में पाकिस्तानी आर्मी की खिलाफत होने लगी। इससे कबाइली इलाकों में कई विद्रोही गुट पनपने लगे।

भाजपा 3 चुनाव जीतने वालों का भी काटेगी टिकट

कमजोर सीटों पर आएंगे मोदी-शाह, जानें कहां नया चेहरा, कहां 'बागी' बन सकते हैं उम्मीदवार

जयपुर, 20 फरवरी (एजेंसियां)। विधानसभा चुनाव में महज 10 महीने बचे हैं और भाजपा व कांग्रेस दोनों ही इलेक्शन मोड में आ गई है। लोकलुभावन बजट घोषणाओं के साथ जहां अशोक गहलोत ने कांग्रेस की चुनावी तैयारियों का संकेत दिया है, वहीं भाजपा भी इलेक्शन मोड में आकर माइक्रो लेवल एनालिसिस करने में जुटी है।

भाजपा परफेक्ट इलेक्शन प्लान के लिए राजस्थान में हुए पिछले तीन चुनावों(2008, 2013, 2018) के नतीजों का एनालिसिस करा रही है। इन कई बिंदुओं पर एनालिसिस कर भाजपा रणनीति बनाने में जुटी है।

कौन सी सीटे हैं जहां भाजपा 1 चुनाव हारी? - कितनी सीटों पर 2 बार शिकस्त झेली? - कौन सी सीटें हैं, जहां पिछले तीनों चुनावों में पार्टी को हार का सामना करना पड़ा? हार की वजह क्या रही? इन सवालों के जवाब पर डिटेल में एनालिसिस किया जा रहा है।

भाजपा का ये एनालिसिस ही विधानसभा चुनाव 2023 की रणनीति की धुरी बनेगा। इसके लिए प्रदेश मुख्यालय ने दो सीनियर नेताओं पूर्व मंत्री व अजमेर विधायक वासुदेव देवनानी और प्रदेश उपाध्यक्ष व रानीवाड़ा विधायक नारायण सिंह देवल को जिम्मेदारी दी है।

भाजपा ने 200 सीटों को पांच कैटेगरी में बांटा है। हर कैटेगरी के लिए जीत की अलग रणनीति तय की जा रही है। मसलन, बहुत कमजोर सीटें जहां भाजपा पिछले तीनों चुनावों में हारी, वहां पर केंद्रीय नेताओं सहित प्रदेश के प्रभावी नेताओं के दौरे करवाने की तैयारी है।

वहीं वे सीटें जिन पर पार्टी मजबूत तो है लेकिन मौजूदा विधायकों की एंटीइनकमबेंसी के कारण नुकसान की आशंका है, वहां इस बार चेहरे बदलने की भी कवायद होगी। इसके अलावा जिन सीटों पर पिछली बार टिकट बांटने के बाद बगावत के कारण पार्टी की हार हुई, उन पर नाराजगी दूर करने के लिए नेताओं की घर वापसी की तैयारी भी चल रही है।

मिशन 2023 के लिए भाजपा का एक्शन प्लान

कैटेगरी 1 : 37 सीटें जहां 2008 और 2013 में जीत, फिर 2018 में हार

जोधपुर, बिलाड़ा, नोहर, खाजूवाला, बीकानेर वेस्ट, तारानगर, पिलानी, खंडेला, विराटनगर, शाहपुरा, झोटवाड़ा, किशनपोल, आदर्शनगर, चाकसू, किशनगढ़बास, बहरोड, थानागाजी, रामगढ़, कठुमर, नगर, भरतपुर, नदबई, वैर, बयाना, बसेड़ी, मेड़ता, डेगाना, परबतसर, मारवाड़ जंक्शन, लोहावट, शेरगढ़, भोपालगढ़, जैसलमेर, सिरोही, प्रतापगढ़, भीम, नाथद्वारा।

रणनीति : ज्यादातर सीटों पर उतरेंगे नए चेहरे

भाजपा इन 37 सीटों को बेहद महत्वपूर्ण मानकर चल रही है। माना जा रहा है कि इन सीटों पर पार्टी का कैडर मजबूत है। यहां यह देखा जा रहा है कि 2008 और 2013 में अगर जीत हुई थी तो फिर 2018 में ऐसे क्या कारण रहे कि पार्टी ने सीट खो दी।

इन सीटों पर पिछली बार किन गलतियों के कारण हार हुई? क्या चेहरे का चुनाव गलत हुआ? क्या पिछली बार जो विधायक था उसे लेकर क्षेत्र में नाराजगी थी? कार्यकर्ता चुनाव में निष्क्रिय हुआ, मैनेजमेंट सही नहीं था या अचानक समीकरण बदल गए? इन 37 सीटों पर वापसी के लिए ज्यादा संभावना है कि अधिकतर नए चेहरे उतारे जाए।

राजस्थान जीतने के लिए 5 प्लान

कैटेगरी 2 : 58 सीटों पर 2008 में हार, 2013 में जीत, 2018 में फिर हार

करणपुर, हनुमानगढ़, भादरा, श्रीडूंगरगढ़, सुजानगढ़, धोद, नीमकाथाना, श्रीमाधोपुर, दूदू, जमवारामगढ़, हवामहल, सिविल लाइंस, बगरू, तिजारा, अलवर ग्रामीण, कामां, हिंडौन, बांदीकुई, महुवा, दौसा, गंगापुरसिटी, बामनवास, सवाई माधोपुर, खंडार, निवाई, टोंक, देवली-उनियारा, किशनगढ़, मसूदा, केकड़ी, लाडनूं, डीडवाना, जायल, नावां, ओसियां, लूणी, पोकरण, शिव, बायतू, पचपदरा, गुढ़ामालानी, चौहटन, खैरवाड़ा, डूंगरपुर, सागवाड़ा, चौरासी, बांसवाड़ा, कुशलगढ़, बेगूं, निंबाहेड़ा, मांडल, सहाड़ा, पीपल्दा, सांगोद, कोटा नोर्थ, अंता, किशनगंज, बारां-अटरू।

रणनीति : बड़े नेताओं के दौरे और कांग्रेस की खामियों के प्रचार पर जोर

ये ऐसी सीटें हैं, जिन्हें भाजपा कमजोर सीटों की श्रेणी में मानकर चल रही है। यहां भाजपा को 2013 में जीत सिर्फ इसलिए मिल पाई कि कांग्रेस सरकार की एंटीइनकमबेंसी थी। यहां भाजपा का कैडर कमजोर है। बूथ कमेटियों और पन्ना प्रमुख तैनाती की के साथ भाजपा की रणनीति इस बार इन सीटों पर ऐसी होगी कि यहां कांग्रेस सरकार के विरोध में माहौल बनाया जाए।

यहां जातिगत आधार पर बड़े नेताओं की चुनावी रैलियों की तैयारी भी रहेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह समेत केंद्रीय नेताओं के दौरे भी होंगे। कांग्रेस सरकार की नीतियों की विफलता का प्रचार करने के हिसाब से पार्टी के सोशल मीडिया सेंटर को तैयार किया जा रहा है। करीब 45 हजार वॉट्सऐप ग्रुप के जरिए सरकार की खामियों को लोगों तक पहुंचाया जाएगा। पार्टी मुख्यालय में अलग से 'वाट्सऐप वॉर रूम' बनाया जा रहा है।

कैटेगरी 3 : 31 सीटें, जहां पिछले दोनों चुनाव जीते

सूरतगढ़, अनूपगढ़, सांगरिया, चुरू, मालपुरा, पुष्कर, नसीराबाद, जैतारण, सुमेरपुर, फलौदी, आहोर, जालोर, रानीवाड़ा, पिंडवाड़ा-आबू, गोगूंदा, उदयपुर ग्रामीण, मावली, सलूंबर, धरियावद, आसपुर, घाटोल, गढ़ी, कपासन, चितौड़गढ़, बड़ी सादड़ी, शाहपुरा (भीलवाड़ा), मांडलगढ़, केशोरायपाटन, छबड़ा, डग, मनोहरथाना।

रणनीति : हार से बचने के लिए काटेंगे कई टिकट

2008 में हार के बाद 2013 और 2018 में लगातार इन सीटों पर भाजपा ने चुनाव जीता है। इसलिए यहां भाजपा थोड़ी राहत में है। लेकिन इन सीटों में से कहीं कोई समीकरण बिगड़ने से हार नहीं हो जाए इसके लिए पार्टी की रणनीति बन रही है। ऐसी सीटों पर कोशिश रहेगी कि मौजूदा विधायक की अगर जनता में एंटीइनकमबेंसी नहीं है तो ही टिकट दिया जाए अन्यथा टिकट में बदलाव करके नए चेहरे को उतारा जा सकता है।

कैटेगरी 4 : 19 सीटें जहां तीनों चुनाव हारी भाजपा

बस्सी, बागीदोरा, वल्लभनगर, सांचौर, बाड़मेर, सरदारपुरा, लालसोट, सिकराय, सपोटरा, टोडाभीम, बाड़ी, राजगढ़-लक्ष्मणगढ़, कोटपूतली, दांतारामगढ़, लक्ष्मणगढ़, फतेहपुर, खेतड़ी, नवलगढ़, झुन्झुनूं।

रणनीति : जातीय समीकरणों की स्टडी

भाजपा पिछले तीन चुनाव हार चुकी है। ये ऐसी सीटें हैं जहां जातीय समीकरण और स्थानीय मुद्दे ऐसे हैं कि भाजपा हर बार मुंह की खा जाती है। इस बार यहां किस तरह से रणनीति बनाई जाए यह भाजपा के लिए बड़ी चुनौती बनी हुई है। बताया जा रहा है कि यहां के जातीय समीकरणों की स्टडी की जा रही है। इस बार यहां चेहरों के चयन में खास पैरामीटर देखे जाएंगे। इन क्षेत्रों में भाजपा अपने केंद्रीय नेताओं और प्रदेश के सीनियर नेताओं के दौरे और सभाएं कराने की भी तैयारी कर रही है।

कैटेगरी 5 : 28 सीटों पर तीनों चुनाव जीती भाजपा

बीकानेर ईस्ट, रतनगढ़, फुलेरा, विद्याधरनगर, मालवीयनगर, सांगानेर, अलवर शहर, अजमेर नोर्थ, अजमेर साउथ, ब्यावर, नागौर, सोजत, पाली, बाली, सूरसागर, सिवाना, भीनमाल, रेवदर, उदयपुर, राजसमंद, आसींद, भीलवाड़ा, बूंदी, कोटा साउथ, लाडपुरा, रामगंजमंडी, झालरापाटन, खानपुर।

रणनीति : एंटीइनकमबेंसी से बचने के लिए नए चेहरों को मिलेगा मौका

इन सीटों पर भाजपा ने पिछले तीनों चुनाव लगातार जीते हैं। ये भाजपा की सबसे मजबूत सीटों में गिनी जाती है।

भाजपा इस बार भी इनको जीतने की रणनीति पर काम कर रही है। उदयपुर सीट से पिछली बार विधायक रहे गुलाबचंद कटारिया अब असम के राज्यपाल बन चुके हैं। इसलिए यहां से नया चेहरा तय है।

कांग्रेस ने 75 एआईसीसी मेंबर बनाए, जोशी-धारीवाल आउट

पायलट खेमे से केवल चार नेताओं को जगह, गहलोत खेमे का दबदबा

जयपुर, 20 फरवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस ने रायपुर अधिवेशन से पहले 75 एआईसीसी मेंबर बनाए हैं। इनमें 55 मेंबर संगठन चुनावों में चुने हुए और 20 कॉप्टेड मेंबर हैं। एआईसीसी सदस्यों में आधे से ज्यादा मंत्री-विधायकों को जगह दी गई है। इस सूची में सीएम अशोक गहलोत खेमे का दबदबा रहा है। खास बात यह है कि 25 सितंबर की घटना के लिए नोटिस वाले उनके नजदीकी तीनों नेताओं को मेंबर नहीं बनाया गया है। सूची में सचिन पायलट के अलावा उनके खेमे से केवल तीन नेताओं को जगह मिली है। एक मंत्री मुरारीलाल मीणा और एक विधायक विराटनगर विधायक इंद्राज गुर्जर के अलावा कुलदीप इंदौरा को जगह मिली है।

सीएम गहलोत के नजदीकी मंत्री शांति धारीवाल, महेश जोशी और आरटीडीसी अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ का नाम इस लिस्ट में नहीं है। 25 सितंबर की घटना के लिए नोटिस पाने वाले यही तीन नेता हैं। ये नेता पीसीसी मेंबर हैं, लेकिन धारीवाल और जोशी का नाम एआईसीसी मेंबर में नहीं शामिल करके 25 सितंबर की घटना पर एक्शन के संकेत दे दिए हैं।

सीएम के बेटे वैभव गहलोत, स्पीकर सीपी जोशी एआईसीसी मेंबर

एआईसीसी मेंबर्स में मंत्री और विधायकों का ज्यादा दबदबा है। सीएम अशोक गहलोत, प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, स्पीकर सीपी जोशी, सचिन पायलट, रघु शर्मा और हरीश चौधरी को निर्वाचित एआईसीसी मेंबर्स में नाम है। मुख्यमंत्री के बेटे और आरसीए अध्यक्ष वैभव गहलोत का भी निर्वाचित एआईसीसी मेंबर में नाम है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के अलावा 17 मंत्री एआईसीसी मेंबर बने हैं। 11 मंत्रियों को एआईसीसी मेंबर नहीं बनाया है।

50 निर्वाचित एआईसीसी मेंबर की लिस्ट :

25 सितंबर की घटना के लिए नोटिस पाने वालों का नाम नहीं

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, सीएम अशोक गहलोत, विधानसभा स्पीकर सीपी जोशी, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सचिव पायलट, जितेंद्र सिंह, रघुवीर मीणा, अभिषेक मनु सिंघवी, रामेश्वर डूडी, रघु शर्मा, हरीश चौधरी, मोहन प्रकाश, पवन खेड़ा, धीरज गुर्जर, कुलदीप इंदौरा, जुबेर खान, नीरज डांगी, पुखराज पाराशर, वैभव गहलोत, सीताराम अग्रवाल, ललित तूनवाल, जसवंत गुर्जर, आर सी चौधरी, स्वर्णिम चतुर्वेदी, दिनेश खोड़निया, सीताराम लांबा और संजीता सिहाग।

14 मंत्री : लालचंद कटारिया, भजन लाल जाटव, महेंद्रजीत मालवीय, रामलाल जाट, प्रमोद जैन भाया, प्रताप सिंह खाचरियावास, शाले मोहम्मद, ममता भूपेश, टीकाराम जूली, अशोक चांदना, गोविंद मेघवाल, शकुंतला रावत, राजेंद्र यादव, मुरारी लाल मीणा ।

18 विधायक : गुरमीत सिंह कुन्नर, राजकुमार शर्मा, राजेंद्र बिधूड़ी, रोहित बोहरा, चेतन डूडी, दानिश अबरार, सुदर्शन सिंह रावत, हाकम अली, दिव्या मदेरणा, कृष्णा पूनिया, इंदिरा मीणा और गणेश घोघरा । 3 अग्रिम संगठनों के पदाधिकारी : महिला कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष रेहाना रियाज, सेवादल प्रदेशाध्यक्ष हेम सिंह शेखावत, एनएसयूआई प्रदेशाध्यक्ष अभिषेक चौधरी।

20 नेताओं को बनाया कॉप्टेड मेंबर, इनमें तीन मंत्री 8 विधायक

एआईसीसी के कॉप्टेड मेंबर बनाए गए 20 नेताओं में तीन मंत्री और आठ विधायक शामिल हैं।

तीन मंत्री : मंत्री बीडी कल्ला, सुखराम बिश्नोई, भंवर सिंह भाटी

8 विधायक : अमीन खान, प्रीति शक्तावत, प्रशांत बैरवा, जगदीश चंद्र जांगिड़, अमित चाचाण,इंद्राज गुर्जर, मंजू मेघवाल,रफीक खान

ये नेता भी कॉप्टेड मेंबर : विजय जांगिड़, संदीप चौधरी, ताराचंद भगौरा, विजेंद्र सिंह सिद्धू, नसीम अख्तर इंसाफ, पुष्पेंद्र भारद्वाज, देशराज मीणा, रूक्ष्मणि कुमारी, मूलचंद मीणा

इन 11 मंत्रियों को नहीं बनाया एआईसीसी मेंबर

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के अलावा 17 मंत्री एआईसीसी मेंबर बने हैं। 11 मंत्रियों को एआईसीसी मेंबर नहीं बनाया है। शांति धारीवाल, महेश जोशी, परसादीलाल मीणा, विश्वेंद्र सिंह, हेमाराम चौधरी, रमेश मीणा, उदयलाल आंजना, ब्रजेंद्र ओला, जाहिदा खान, अर्जुन बामणिया, राजेंद्र गुढ़ा कर नाम एआईसीसी मेंबर की लिस्ट से नदारद है। मुख्यमंत्री सहित गहलोत मंत्रिपरिषद में कुल 30 मंत्री हैं, इनमें से 1 मंत्री सुभाष गर्ग आरएलडी से हैं।

बीजेपी अल्पसंख्यक मोर्चा ने कांग्रेस पर लगाया वादाखिलाफी का आरोप

प्रदेशाध्यक्ष बोले- पुरानी घोषणा अब तक नहीं हुई पूरी

जयपुर, 20 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान बीजेपी अल्पसंख्यक मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष मोहम्मद सादिक खान ने कांग्रेस साकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने प्रदेश के अल्पसंख्यकों के साथ धोखा किया है। पिछले बजट के वक्त मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने 582 यूनानी चिकित्सकों की भर्ती की घोषणा की थी। लेकिन एक भी पद पर ना तो भर्ती नहीं हुई। ना ही उसको लेकर कोई विज्ञप्ति जारी हुई। वहीं इस साल 100 पदों पर यूनानी चिकित्सकों की भर्ती करने की घोषणा कर दी। लेकिन अब तक एक भी पद पर भर्ती की विज्ञप्ति जारी नहीं की गई है।

राजस्थान में उर्दू प्रोफेसर के 28 पद खाली चल रहे हैं। लेकिन बजट में इसको लेकर कोई घोषणा नहीं की गई है। वहीं जिस बॉयज हॉस्टल का मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने वर्चुअल शिलान्यास किया था। उस आवंटन को रद्द कर दिया गया है। इससे साफ जाहिर होता है कि कांग्रेस सरकार और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत अल्पसंख्यक और मुस्लिम विरोधी है। जिसका प्रदेश की जनता आने वाले चुनाव में उन्हें करारा जवाब देगी। खान ने कहा कि भीलवाड़ा की पूर वाली मस्जिद के मामले में राज्य सरकार कोर्ट में रिव्यू पिटिसन में नहीं जा पाई और वक्फ बोर्ड यह केस हार गया। जन घोषणा पत्र 2018 के बिन्दु संख्या 22.4 के अनुसार सभी मदरसों में कम्प्यूटरों की संख्या बढ़ाते हुए इंटरनेट कनेक्शन लगाने की घोषणा की थी। लेकिन प्रदेश के कुल 3240 मदरसों में से 296 मदरसों को ही कम्प्यूटर उपलब्ध करवाए गए। जिनमें भी इंटरनेट कनेक्शन नहीं लगाया गया है।

बीजेपी नेता बोले- कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर का पेपर लीक हुआ

रामलाल शर्मा बोले- सरकार फिर हुई फेल, बोर्ड अध्यक्ष ने कहा- झूठी अफवाह

जयपुर, 20 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की ओर से 3531 पदों पर आयोजित कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर भर्ती परीक्षा का पेपर लीक होने का मामला सामने आया है। बीजेपी के प्रदेश प्रवक्ता रामलाल शर्मा ने कहा कि आज परीक्षा से पहले ही सुबह 8 बजे सोशल मीडिया पर भर्ती परीक्षा का पेपर आ गया था। जिसके सवाल हूबहू पेपर में भी आए हैं। राजस्थान सरकार पेपर करने में फिर से फैल हुई है। ऐसे में इस पूरे मामले की गंभीरता से जांच की जानी चाहिए।

राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड के अध्यक्ष हरिप्रसाद शर्मा ने कहा कि आज पेपर लीक नहीं हुआ है। कोचिंग माफिया खुद के फायदे के लिए बेवजह इस तरह की अफवाह फैला रहे हैं। आज पेपर खत्म होने के 2 घंटे बाद इस तरह की शिकायत सामने आई थी। इसकी पुलिस द्वारा जांच में कुछ गलत नहीं पाया गया है। ऐसे में सोशल मीडिया पर भी जो लोग बेवजह इस तरह की अफवाह फैला रहे हैं। उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

परीक्षा से पहले सोशल मीडिया पर आया पेपर

बोर्ड मामले पर पर्दा डाल रहा

विधायक रामलाल शर्मा ने कहा- बोर्ड द्वारा पूरे मामले की जांच पर पर्दा डालने की कोशिश की जा रही है। युवाओं में भारी आक्रोश है। जिन बच्चों ने पिछले लंबे वक्त से मेहनत की थी। पेपर लीक की घटना उन लोगों के लिए धोखा है। ऐसे में सरकार कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर पेपर लीक मामले की निष्पक्ष जांच करवाएं। ताकि पेपर लीक की हकीकत सबके सामने आ सके।

रामलाल शर्मा ने बताया- सुखप्रीत नाम के छात्र का आज मेरे पास फोन आया था। उसने मुझे बताया कि कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर भर्ती परीक्षा का पेपर लीक हो गया है। सोशल मीडिया पर काफी लोगों के पास सुबह 8:00 बजे ही पेपर आ गया था। मैंने उससे इसका प्रूफ मांगा। उसने मुझे कुछ डॉक्यूमेंट भी भेजे थे। इसमें जो सवाल थे। वैसे ही 90% तक सवाल आज के पेपर में भी आए थे।

जयपुर में नशीला पेय पिलाकर युवती से रेप

जयपुर, 20 फरवरी (एजेंसियां)। जयपुर में नशीला पेय पिलाकर एक युवती से रेप का मामला सामने आया है। बेहोशी की हालत में आरोपी ने उसका अश्लील वीडियो भी बना लिया। अश्लील वीडियो से ब्लैकमेल कर शारीरिक संबंध बनाने का दबाव बनाने के लिए धमकाया। माणक चौक थाने में पीड़िता ने आरोपी युवक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई है। मामले की जांच एसएचओ रण सिंह कर रहे है। पुलिस ने बताया कि माणक चौक निवासी 23 साल की युवती ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। शिकायत में बताया कि आरोपी खेमराज मीणा दूदू का रहने वाला है। आरोप है कि खेमराज मीणा किसी से उसके मोबाइल नंबर ले उसे कॉल करने लगा। 8 अक्टूबर 2022 को किसी काम के बहाने उसे बाहर बुलाया। मिलने आने पर धमकाया कि उसकी ऑडियो रिकॉर्डिंग उसके पास है।

पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से लॉरेंस का संपर्क

बॉर्डर के रास्ते हथियार मंगवा चुका; रोहित गोदारा-रितिक बॉक्सर की नहीं बता रहा लोकेशन

जयपुर, 20 फरवरी (एजेंसियां)। गैंगस्टर लॉरेंस से जयपुर में चल रही पूछताछ में चौंकाने वाला हुआ है। गैंगस्टर का पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई से संपर्क होने की बात सामने आई है। इसकी गैंग ने पाकिस्तान से हथियार भी मंगवाए थे। जवाहर सर्किल इलाके में जी-क्लब पर फायरिंग कराने के मामले में लॉरेंस जयपुर पुलिस की कस्टडी में है। लॉरेंस से सेंट्रल आईबी के सीनियर अफसरों ने भी शनिवार को जयपुर में पांच घंटे पूछताछ की थी।

सूत्रों के अनुसार नेशनल इंवेस्टिगेशन एजेंसी(एनआईए) के पास लॉरेंस के पाकिस्तान में संबंधों को लेकर पहले से जानकारी थी। पहले भी एनआईए ने भी करीब एक महीने तक दिल्ली में लॉरेंस से उसकी इंटरनेशनल गैंग के सदस्यों की जानकारी ली थी। जांच एजेंसी को पता चला की लॉरेंस की गैंग हैंडमेड हथियारों का इस्तेमाल नहीं करती है। उनके पास जो भी हथियार है। वह विदेशी है। ये हथियार तस्करी कर लाए जाते हैं। सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड के दौरान भी जिन हथियारों का इस्तेमाल किया गया, वह भी विदेशी थे।

NIA गैंगस्टर के पूरे सिंडिकेट पर काम कर रही

इस पर जांच एजेंसियों ने लॉरेंस से हथियार भारत तक कैसे आ रहे हैं। इस पर पूछताछ की। पूछताछ में पता चला की पाक की ओर से हथियार राजस्थान होते हुए सर्कुलेट हो रहे हैं। इस पर जांच एजेंसियों ने राजस्थान के उन जिलों में सर्च किया था। जो पाक से जुड़े हुए थे। हालांकि इस सर्च के दौरान एनआईए को कई इनपुट मिले। हथियार नहीं मिले थे।

लॉरेंस को जी क्लब पर फायरिंग के मामले में पंजाब से गिरफ्तार कर जयपुर पुलिस लाई थी। लॉरेंस को 16 फरवरी को वीसी के जरिए कोर्ट के सामने पेश किया गया। पुलिस ने 10 दिन का रिमांड मांगा था। कोर्ट ने 7 दिन का रिमांड दिया।

22 फरवरी को लॉरेंस का रिमांड खत्म हो जाएगा। पुलिस दोबारा से वीसी के जरिए लॉरेंस को कोर्ट में पेश कर रिमांड मांग सकती है। लॉरेंस के खिलाफ जयपुर में एक दर्जन से अधिक फिरौती मांगने के मामले दर्ज हैं। इन मुकदमों में भी पुलिस लॉरेंस से पूछताछ करेगी।

फोटो हादसे से पहले की है

5 दिन पहले शादी, हादसे में पति-पत्नी की मौत

पहली बार गई थी पीहर, एयर बैग खुलने के बाद भी नहीं बच सकी जान

नागौर, 20 फरवरी (एजेंसियां)। शादी का जश्न अभी खत्म नहीं हुआ था, मेहंदी भी नहीं छूटी थी, अभी तो साथ जीने-मरने की कसमें खानी शुरू की थी, लेकिन एक हादसे ने सब कुछ तहस-नहस कर दिया। नागौर में हुए एक कार एक्सीडेंट में पति-पत्नी की मौत हो गई, दोनों की 5 दिन पहले ही शादी हुई थी। हादसा इतना दर्दनाक था कि एयर बैग खुलने के बाद भी दोनों की जान नहीं बच सकी। वहीं इस हादसे में युवती का भाई गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना रविवार रात 9 बजे नागौर के जायल थाना क्षेत्र की है। हादसा डीडवाना रोड स्थित कल्पना चावला स्कूल के पास हुआ। हादसे में कार बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। जानकारी के अनुसार फलौदी (जोधपुर) निवासी किशोर माली (30) की शादी 5 दिन पहले 15 फरवरी को नीम का थाना (सीकर) निवासी किरण (28) से हुई थी। शादी के बाद पहली बार किशोर माली अपनी पत्नी किरण को लेकर उसके पीहर नीम का थाना गया था।

रविवार शाम पांच बजे किशोर और किरण व किरण का भाई कृष्ण कुमार (22) नीम का थाना से रवाना हुए थे। इसी दौरान रात 9 बजे डीडवाना रोड पर अज्ञात वाहन ने कार को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद कार के आगे का हिस्सा बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया।

रात में किसी ने जायल पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची तो किशोर, किरण और कृष्ण तीनों अचेत हालात में थे। तीनों को जायल हॉस्पिटल लाया गया, जहां किशोर और किरण को मृत घोषित कर दिया।

राजस्थान में गर्मी ने 11 साल का रिकॉर्ड तोड़ा

फरवरी में ही पड़ रही मार्च जैसी गर्मी, अस्पतालों में मरीजों की भीड़

जयपुर, 20 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में इस साल फरवरी में गर्मी ने 11 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। चार जिलों में तापमान 9 डिग्री सेल्सियस तक ऊपर चला गया है। मौसम में आए इस बदलाव और तेज गर्मी का नुकसान किसानों को उठाना पड़ रहा है। इससे फसलों को नुकसान पहुंच रहा है। मौसम केन्द्र जयपुर के मुताबिक बीकानेर में तापमान 36 डिग्री सेल्सियस से ऊपर चला गया है, जबकि यहां पिछले 11 साल में फरवरी के महीने में कभी भी अधिकतम तापमान 35.6 डिग्री सेल्सियस से ऊपर नहीं गया। इसी तरह बाड़मेर में 38 डिग्री, अजमेर में 34 और जोधपुर में 36 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रिकॉर्ड हुआ है। जैसलमेर में भी तापमान 11 साल में सर्वाधिक दर्ज हुआ है। राजस्थान के कई शहरों में रात में भी अब सर्दी का असर कम हो गया है। जयपुर, अजमेर, बीकानेर, जैसलमेर में रात का तापमान 17 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। इधर पिलानी, बाड़मेर, कोटा, जोधपुर, गंगानगर में बीती रात न्यूनतम तापमान 15 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज हुआ। कृषि अनुसंधान केन्द्र फतेहपुर (सीकर) के जोनल डायरेक्टर रिचर्स डॉ. एसआर ढाका ने बताया कि एकदम से गर्मी का आना फसलों के लिए काफी नुकसान दायक साबित होगा।

बंदरों के बढ़ते आतंक से स्थानीय लोग परेशान

कुमरम भीम आसिफाबाद, 20 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कुमरम भीम आसिफाबाद में बंदरों के बढ़ते आतंक से स्थानीय लोग परेशान हैं। आए दिन बंदरों के हमले से कोई न कोई घायल हो जाता है। बंदरों के झुंड के सामने से गुजरना खतरे से खाली नहीं होता।आसिफाबाद में हर वार्ड में बंदरों के बड़े-बड़े झुंड हैं। पैदल चलने वाले कई लोग इनके झुंड को देखकर अपना रास्ता बदल लेते हैं। स्थानीय लोगों ने कहा कि शहर में बंदरों का आंतक इतना फैल गया है कि दुकानदार भी काफी परेशान हो चुके हैं। बंदरों की वजह से हर रोज दुकानदरों को सैकड़ों रुपयों का नुकसान होता है। कई दुकानदारों ने बंदरों से सामान बचाने के लिए दुकान पर जालियां लगा ली हैं । बंदर इतने चालाक हैं कि घर के दरवाजों की कुंडी खोलकर फ्रिज में रखा सामान ले जाते हैं। इसके अलावा बंदर सुखाने रखे कपड़े ले जाते हैं और जब तक उन्हें कुछ खाने को न दिया जाए बंदर कपड़े नहीं छोड़ते। लोगों ने यह भी कहा कि कस्बे के कुछ स्थान ऐसे हैं जहां से गुजरना हो तो हाथ में डंडा लेना पड़ता है नहीं तो बंदर हमला कर देते हैं। बंदरों के डर से लोग बच्चों को छतों पर अकेला नहीं भेजते और स्कूल भी खुद छोड़ने जाते हैं। कई बार तो बंदर करंट के सर्विस वायर को भी लटक लटक कर तोड़ देते हैं। और रात के समय में बंदरो का झुंड एक साथ जमा होकर एक साथ चिल्लाने के कारण भी लोगों को सोने में भी दिक्कत हो रही है।

और कई बार तो बंदर घर में रखें सामान को भी तितर-बितर कर देते हैं और यहां तक की घर में रखे मोबाइल फोन को भी उठा ले जाते हैं। लोगों ने वाईल्ड लाईफ विभाग से मांग की है कि बंदरों के आतंक पर काबू पाने के लिए विशेष ध्यान दिया जाए ताकि आसिफाबाद में इनके आतंक पर काबू पाया जा सके।

अमावस्या पर पार्षद राकेश जायसवाल ने इमलीबन गौशाला, गौलीगुडा में गोसेवा की। साथ में हैं अनिल यादव, रामकृष्ण, राजू, संदीप, नरसिंह व अन्य।

अणुव्रत समिति ने किया साध्वी श्री मंगलप्रज्ञा जी आदि ठाणा का दर्शन

हैदराबाद, 20 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अणुव्रत समिति हैदराबाद के पदाधिकारियों व सदस्यों ने सूर्यापेट स्थित माधावरम में आचार्य श्री महाश्रमण जी की शिष्या साध्वी श्री मंगलप्रज्ञा, श्री सुदर्शनप्रभा, सिद्धियशा, राजुलाप्रभा, चैतन्य प्रभा व शौर्य प्रभा आदि ठाणा 6 के दर्शन किए। इस अवसर पर साध्वी श्री मंगल प्रज्ञा जी ने कहा कि अणुव्रत आंदोलन मानवीय मूल्यों को प्रतिष्ठापित करने का आंदोलन हैं। यह वर्ष अणुव्रत आंदोलन का अमृत महोत्सव भी हैं निरंतर 75 वर्षों से इस आंदोलन के माध्यम से अणुव्रत के कार्यकर्ता अपनी संपूर्ण शक्ति लगा कर प्रचारित-प्रसारित कर रहे हैं। साध्वी श्री ने आगे फरमाया कि अणुव्रतों को जीवन में अपना कर नैतिकता के के साथ साथ आध्यात्मिक विकास भी आवश्यक हैं। इस अवसर पर साध्वी श्री मंगल प्रज्ञा जी के सान्निध्य में आगामी मंगलवार 21 फरवरी को अणुव्रत अमृत महोत्सव शुभारंभ पर भव्य अणुव्रत अमृत रैली के बैनर का अनावरण किया गया। अणुव्रत समिति हैदराबाद के अध्यक्ष प्रकाश एच भंडारी ने इस अवसर पर साध्वी श्री मंगल प्रज्ञा जी आदि ठाणा के विहार आदि की सुख पृच्छा करते हुए अणुव्रत समिति हैदराबाद के सभी सदस्यों का परिचय प्रस्तुत किया। इस अवसर पर अणुव्रत समिति हैदराबाद के मंत्री अशोक मेड़तवाल, सहमंत्री विजय आंचलिया, प्रचार मंत्री रीटा सुराणा, महिला मंडल मंत्री श्वेता सेठिया, कार्यकारिणी सदस्य सीमा मेड़तवाल, राजेन्द्र सुराणा, नवरत्न सेठिया, नीलम सेठिया, संतोष पींचा, विमल दुगड़, अरिहंत सेठिया, गौरव कोठारी, समता कोठारी, ध्रुव कोठारी, मीनाक्षी आंचलिया, संतोष आंचलिया, माणक चंद रांका, कांता बाई बोथरा, डिंपल बैद, सलोनी लुणावत व पिंकी सेठिया आदि उपस्थित थे।

मल्कारम, जवाहरनगर खापरा मंडल स्थित श्री आईजी गौशाला में सोमवती अमावस्या पर गो माताओं की चारा सेवा के बाद पूजा-अर्चना करते हुए गोभक्त तथा इस अवसर पर आयोजित अन्नदान का दृश्य।

युवा वैज्ञानिकों के लिए व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यशाला शुरू

हैदराबाद, 20 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सीसीआरएएस-राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान, हैदराबाद ने आईसीएमआर-राष्ट्रीय पोषण संस्थान हैदराबाद के सहयोग से सीसीआरएएस के युवा वैज्ञानिकों के व्यावहारिक प्रशिक्षण के लिए 20 से 24 फरवरी तक पांच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन समारोह राष्ट्रीय पोषण संस्थान के पशु प्रयोगशाला सभागार में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में डॉ. के. थंगराज, निदेशक सीडीएफडी, डॉ. जी.पी. प्रसाद, प्रभारी सहायक निदेशक, राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान, हैदराबाद, सैयद सिह कादरी, विभागाध्यक्ष, पशु सुविधा विभाग, डॉ. संजय कुमार सहायक निदेशक सीसीआरएएस (औषध विज्ञान) ने भाग लिया और ज्योति प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का प्रारम्भ किया गया। डॉ. के थंगराज और डॉ. संजय कुमार ने अन्य विज्ञानों के साथ आयुर्वेद को जोड़ने के महत्व के बारे में अपने विचार रखे, डॉ. जी.पी. प्रसाद ने राभाचिसंसं और एनआईएन के बीच चल रहे संयुक्त शोध के बारे में बताया इस कार्यशाला के उपयोग के बारे मे डॉ कादरी जी ने बताया। इस कार्यक्रम में श्रीमती वाणी, एनआईएन और डॉ. प्रदीप पाटिल, डॉ. श्रीदेवी, राभाचिसंसं और सीसीआरएएस के विभिन्न संस्थानों के 20 से अधिक वैज्ञानिकों ने भाग लिया।

निःशुल्क निशान यात्रा 27 मार्च को

हैदराबाद, 20 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। माँ भगवती जागरण मंडल घांसी बाज़ार के तात्वावधान में चैत्र नवरात्रि की छठ को जीण माता की 21वीं भव्य निःशुल्क निशान यात्रा निकाली जाएगी। यह यात्रा सोमवार 27 मार्च को प्रात 7 बजे घांसी बाजार को वैदिक वाचनालय से निकल कर मामा जूमला फाटक, चारमीनार, शाहअली बंडा, फलकनुमा होते हुए जीण माता मंदिर चंद्रायनगुट्टा जायेगी। वहां महा आरती के पश्चात प्रसादी होगी। आज जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार पुष्कर मल अग्रवाल की अध्यक्षता मे बैठक रखी गई। बैठक में मंत्री पवन गोयल ने निशान यात्रा मे भाग लेने वाले इच्छुक भक्तों से अपना निशुल्क पंजीकरण घांसी बाजार स्थिति रामेश्वर अपार्टमेन्ट के सामने कार्यालय में कराने का आग्रह किया। मुख्यअतिथि हरियाना के राज्यपाल बंडारु दत्तात्रेय एवं नरेंद्र गोयलजी द्वारा निशान पूजन किया जाएगा। मीटिंग में पवन गोयल एवं शिव चरण गोयल, कालू शर्मा, लक्ष्मीकांत पाण्डेय, योगेश अग्रवाल, राकेश पटवारी, रूपेश पटवारी, महिला अध्यक्ष द्रौपदी पचेरिया व अन्य भक्त मौजूद थे।

जन सेवा संघ नेरेडमेट क्षेत्रीय समिति की बैठक संपन्न

हैदराबाद, 20 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जन सेवा संघ नेरेडमेट क्षेत्र में बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक जन सेवा संघ के अनुशासन समिति के संयोजक एवं नार्थ जोन के जोनल प्रेसिडेंट पीपी पांडेय के मार्गदर्शन में नेरेडमेट क्षेत्रीय अध्यक्ष राधेश्याम राय यादव की अध्यक्षता में आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न क्षेत्रीय मुद्दों पर विचार विमर्श किया गया। बैठक के दौरान क्षेत्र में किये गए कार्यों की समीक्षा की गई और क्षेत्र में हो रही समस्याओं की जानकारी ली गई। बैठक में सभी सदस्यों से आग्रह किया गया कि सदस्ता अभियान का आयोजन कर नए सदस्यों को जोड़े साथ ही पुराने सदस्यों का सदस्यता नवीनीकरण करें। इस अवसर पर नेरेडमेट क्षेत्रीय समिति का पुनर्गठन किया गया जिसमें क्षेत्रीय के अध्यक्ष के रूप में सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से पुनः श्री राधे श्याम राय यादव को मनोनीत किया। उपाध्यक्ष कुपाराम चौधरी एवं डॉ. रामबदन यादव एवं राजेंदर सिंह सेंगर, सचिव कैप्टन रमेश चंद्र पाल, संयुक्त सचिव नवीन गौडे, आर्गनाइज़िंग सचिव एम बी सिंह, कोषाध्यक्ष हापूराम सीरवी, टेक्निकल सपोर्ट गौतम चौधरी, स्पोर्ट्स और कल्चर सेक्रेटरी रूपाराम चौदरी एवं दिनेश कुमार यादव, कार्यकारिणी सदस्यों में श्री संजय गुप्ता, मीठालाल पालीवाल, महावीर जैन, ध्रुव राज गोप, लक्ष्मण देवासी, दिनेश शर्मा, रमेश चौधरी, संजय साहनी, जितेंदर कुमार पासवान, श्याम पटेल, विष्णु गहलोत, राकेश कुमावत, शैलेंदर सिंह, धन्ना रामजी को बनाया गया ।

भंडारा चौक रिकाबगंज में भण्डारा कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 20 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कुंभ मेला अग्रवाल बंधु, अशोक फाउंडेशन के तत्वावधान में सोमवती अमावस्या के पावन अवसर पर अशोक फाउंडेशन अध्यक्ष पंकज कुमार अग्रवाल के नेतृत्व मे भण्डारा चौक-रिकाब गंज में भंडारा कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। भंडारा कार्यक्रम में मां भगवती की पूजा अर्चना के साथ पंकज कुमार अग्रवाल, रविंद्र नारनौली, सुरेन्द्र नारनौली, श्रीनिवास, सुनील, धीरज, राजू व अन्य कार्यकर्ताओं उपस्थिति में अन्नदान किया गया।

मारवाड़ी युवा मंच पर्ल महिला शाखा सिकंदराबाद द्वारा आयोजित अन्नदान में भाग लेती हुईं संतोष गुजरानी, पूनम बोहरा, अनीता सुराणा, आरती जैन, रतन गांधी, रिद्धि बोहरा का सराहनीय योगदान रहा। शाखा की कोषाध्यक्ष कला गांधी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

माघ अमावस्या पर बजरंग सेना द्वारा इमलीबन गौशाला में आयोजित गोसेवा में भाग लेते हुए एनआर लक्ष्मण राव, श्रीमती रजनी, श्रीनिवास गुप्ता, राजेंद्र, श्रीमती सविता जायसवाल, श्रीमती काजल, श्रीमती अरुणकुमारी व अन्य।

विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में पहुंचा भारत

आयरलैंड को डकवर्थ-लुइस मेथड से 5 रन से हराया, स्मृति ने बनाए 87 रन

केबेरा, 20 फरवरी (एजेंसियां)। विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप के ग्रुप-2 में भारत ने आयरलैंड को डकवर्थ-लुइस मेथड से 5 रन से हरा दिया। साउथ अफ्रीका के केबेरा स्थित मैदान पर टीम इंडिया ने टॉस जीतकर बैटिंग चुनी। ओपनर स्मृति मंधाना के करियर बेस्ट 87 रनों की बदौलत भारत ने 20 ओवर में 6 विकेट पर 155 रन बनाए।

जवाब में आयरलैंड ने 8.2 ओवर तक 54 रन बना लिए थे, तभी बारिश होने लगी। टीम इंडिया डीएलएस मेथड में 5 रन आगे थी। बारिश के कारण मैच पूरा नहीं हो सका और भारत मैच जीत गया।

लगातार तीसरे सेमीफाइनल में पहुंचा भारत

इस जीत के साथ टीम इंडिया ग्रुप-2 से सेमीफाइनल में पहुंचने वाली दूसरी टीम बनी। इंग्लैंड की टीम पहले ही क्वालिफाई कर चुकी है। मंगलवार को इंग्लैंड और पाकिस्तान के बीच मैच होगा। इस मैच के नतीजे से तय होगा कि टीम इंडिया सेमीफाइनल में किस टीम से भिड़ेगी।

भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप में लगातार तीसरी बार जगह बनाई है। इससे पहले 2018 और 2020 में भी टीम अंतिम-4 में पहुंची थी। 2020 में तो भारत ने फाइनल भी खेला था, लेकिन यहां उसे ऑस्ट्रेलिया से हारकर खिताब गंवाना पड़ा था।

एक ही ओवर में आयरलैंड ने गंवाए दोनों विकेट

156 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी आयरलैंड ने पहली ही बॉल पर ओपनर एमी हंटर का विकेट गंवा दिया। एमी दूसरा रन लेने की कोशिश में रन आउट हुईं। इसी ओवर की पांचवीं बॉल पर रेणुका सिंह ठाकुर ने ओरला प्रेंडरग्रास्ट को शून्य के स्कोर पर बोल्ड कर दिया।

इन 2 विकेट के बाद टीम का कोई और विकेट नहीं गिरा। ओपनर गेबी लुईस और कप्तान लौरा डिलेनी ने शुरूआती झटकों के बाद टीम को उबारा। दोनों ने पारी आगे बढ़ाई और अर्धशतकीय साझेदारी की। उन्होंने अपने शॉट्स खेलने शुरू ही किए थे कि बारिश होने लगी और खेल रोकना पड़ गया। गेबी 32 और लौरा 17 रन बनाकर नाबाद रहीं।

श्री नाथ समाज बालाजी नगर में मनाया गया शिवरात्रि महोत्सव

हैदराबाद, 20 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बालाजी नगर स्थित श्री नाथ समाज मंदिर में महाशिवरात्रि महोत्सव भव्य रूप से आयोजित हुआ। मुकेश नाथ पंवार द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में समाज के अध्यक्ष धर्मनाथ एंव सूचना प्रसारण मंत्री शेरूनाथ ने बताया कि इस शिवरात्रि महोत्सव के अवसर पर श्री नाथ समाज के बंधुओं द्वारा मंदिर प्रांगण को भव्य रूप से रंगबिरंगे फूलों से और लाइटो की रोशनी से सजाया गया। रात्रि 9.15 बजे से भोलेबाबा के नाम विशाल भजन संध्या का आगाज गणपती वंदना के साथ राजस्थान से पधारे हुए गायक चेतननाथ चौहान ने किया अलवाल से सोहन नाथ, नरपत नाथ, एण्ड पार्टी ने मारवाड़ी अंदाज में भजन पेश कर देर रात तक समाज बंधुओं को झूमने व नाचने पर विवश किया। अध्यक्ष धर्मनाथ, कोषाध्यक्ष राजु नाथ पंवार, उपाध्यक्ष शंभू नाथ, सचिव शेरूनाथ, एंव कार्यकारिणी सदस्य वीना नाथ, शंकर नाथ, पारसनाथ, मोतीनाथ, शैताननाथ, अमरनाथ, सुरेशनाथ, सुमेर नाथ, राजूनाथ, शेरूनाथ, व अन्य उपस्थित रहे। मंदिर निर्माण कार्य करने के सदस्य शंकर नाथ, सोहन नाथ, पारसनाथ, मदननाथ, धर्मनाथ, राजूनाथ, (गुडा) मोतीनाथ, सुरेशनाथ, ने यह बताया कि मंदिर निर्माण जल्दी से जल्दी संपन्न होगा।

अमावस्या पर श्री गोपाल गौशाला, सागर रोड, इब्राहिमपट्टणम में गोसेवा करते हुए भक्तगण।

फाल्गुन अमावस पर मेडचल स्थित कालाकल या देवी श्री आइजी एसवीएसटी गौशाला में गौ सेवा करते हुए गौशाला के संस्थापक ताराराम सिरवि, मुकेश जगदीश सिरवी नारायणलाल, लसाराम, पूजा, द्वारिका, मांडू देवी, लीलादेवी, शायरी देवी व अन्य।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

गृहमंत्री अमित शाह ...

पंजाब में इस वक्त अमृतपाल सिंह का नाम चर्चा में है। 'वारिस पंजाब दे' संगठन में बीते साल ही अमृतपाल सिंह की दस्तारबंदी हुई थी। 'वारिस पंजाब दे' एक प्रेशर ग्रुप है, जिसे 2 साल पहले पंजाब के एक्टर और एक्टिविस्ट दीप सिद्धू ने बनाया था। यह दीप सिद्धू वही हैं, जो किसान आंदोलन के वक्त अफसरों से अंग्रेजी में बात करके चर्चा में आए थे।

उसके बाद किसान आंदोलन के वक्त ट्रैक्टर मार्च के दौरान दीप को लाल किला हिंसा का मुख्य आरोपी बनाया गया था। हालांकि बाद में दीप सिद्धू की एक सड़क हादसे में मौत हो गई थी। जिसके बाद अमृतपाल को इसका मुखी बना दिया गया।

अमृतपाल कुछ ही समय पहले दुबई से भारत आया। दुबई में वह अपने परिवार के ट्रांसपोर्ट बिजनेस में हाथ बंटाता था। यहां आते ही अमृतपाल अपनी दमदार भाषण शैली के कारण चर्चा में आ गया। अपने भाषण में वह खालिस्तान के समर्थन में खुल कर बोलता है। इतना ही नहीं, वह पंजाब के युवाओं को ड्रग्स के जाल से मुक्त करवाने के दावों के साथ युवाओं को अपने साथ जोड़ रहा है।

अमृतपाल सिंह ने अपने भाषण में अमित शाह की तुलना इंदिरा गांधी के साथ की है। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 1984 में गोल्डन टेंपल को जरनैल सिंह भिंडरांवाला से मुक्त कराने के लिए ऑपरेशन ब्लू स्टार करवाया था। जिसके बाद 2 सिख सुरक्षाकर्मियों ने इंदिरा गांधी की हत्या कर दी थी। इसी जरनैल सिंह भिंडरांवाला को अमृतपाल अपना आदर्श मानता है।

अमृतपाल सिंह अपने एक करीबी तूफान सिंह की गिरफ्तारी से भड़का हुआ है। अमृतसर के अजनाला में एक सिख युवक को अगवा करने और उसके साथ मारपीट के आरोप में पुलिस ने अमृतपाल सिंह, 5 अन्य व 25 अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर रखा है।

महिला आईपीएस और ...

यह पूरा विवाद तब शुरू हुआ, जब एक रेस्टोरेंट में जनता दल के विधायक सा रा महेश के साथ आईएएस अधिकारी सिंधुरी की तस्वीरें वायरल हुईं। बता दें, 2021 में जब सिंधुरी मैसूर में तैनात थीं, तब दोनों ने एक दूसरे पर भ्रष्टाचार के कई आरोप लगाए थे। बता दें, वर्तमान में डी रूपा कर्नाटक हस्तशिल्प विकास निगम की प्रबंध निदेशक हैं और सिंधुरी हिंदू धार्मिक संस्थानों और धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग की आयुक्त हैं।

एनआईए ने दाखिल ...

2988 किलोग्राम हेरोइन हुई थी बरामद :

गुजरात के मुंद्रा पोर्ट से बीते साल 2988 किलोग्राम से अधिक हेरोइन बरामद की गई थी। नशीले पदार्थ की यह खेप ईरान में बंदर अब्बास के जरिए अफगानिस्तान और फिर भारत में भेजी गई थी। अधिकारियों ने बताया, जांच में सामने आया है कि हेरोइन की अवैध खेप को अफगानिस्तान से भारत लाने के लिए संगठित आपराधिक साजिश रची गई। 22 आरोपियों के खिलाफ सप्लीमेंट्री चार्जशीट में एनआईए ने हरप्रीत सिंह तलवार उर्फ कबीर तलवार को मुख्य आरोपी बनाया है। अधिकारी ने बताया, तलवार ने कई मौकों पर दुबई का दौरा किया और व्यावसायिक मात्रा में भारत में हेरोइन की तस्करी करने के लिए समुद्री मार्ग का फायदा उठाने की कोशिश की। कबीर तलवार को बीते साल अगस्त में गिरफ्तार किया गया था।

इंडिया गेंदबाजी की वजह से टेस्ट में बेस्ट

हर कंडीशन में विपक्षी को ऑलआउट करने में सक्षम, जरूरत पड़ी तो बल्लेबाजी भी करते हैं

मुंबई, 20 फरवरी (एजेंसियां)। भारत ने एक बार फिर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी अपने नाम कर ली है। टीम ने दिल्ली टेस्ट 6 विकेट से जीता है। पिछले 10 साल से भारत को उसके घर में हराना असंभव-सा हो गया है। टीम घर में ही नहीं, बल्कि विदेशी सरजमीं पर भी जीतने लगी है।

1 जनवरी 2013 के बाद के आंकड़ों पर गौर करें तो इन दस वर्षों में भारतीय टीम घर में महज 2 टेस्ट ही हारी है, जबकि 36 में उसे जीत मिली है। विदेशी सरजमीं पर टीम ने 54 में 21 मैच जीते हैं।

गाबा में मिली जीत तो याद ही होगी...जहां 2 साल पहले भारत की यूथ ब्रिगेड ने ऑस्ट्रेलिया को 3 विकेट से हराया था। टीम ने ऑस्ट्रेलिया में लगातार दूसरी बार बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी अपने नाम की थी। इससे पहले विराट कोहली की कप्तानी में 2018 में पहली बार ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज जीती थी। इंग्लैंड में भी हमने सीरीज ड्रॉ कराई। वेस्टइंडीज, श्रीलंका, बांग्लादेश जाकर भी हमारी टीम जीती।

आखिर भारत घर और विदेश में इतने टेस्ट कैसे जीतने लगा? जवाब है हमारी बॉलिंग यूनिट। पिच चाहे जैसी हो, हमारे गेंदबाज विरोधियों के 20 विकेट गिराने की काबिलियत रखते हैं। जरूरत पड़ी

तो ये बल्ले से भी मैच पलट देते हैं। हाल के दो टेस्ट में जडेजा, अश्विन और अक्षर ने ऐसा करके भी दिखाया।

घर में तो हमारे स्पिनर्स हमेशा जीत दिलाते रहे हैं। पहले अनिल कुंबले, हरभजन सिंह और प्रज्ञान ओझा टीम को जिताते थे और अब यह जिम्मेदारी रवींद्र जडेजा, रविचंद्रन अश्विन और अक्षर पटेल जैसे स्पिन ऑलराउंडर्स ने ले ली है। ये न केवल विरोधी टीम के बल्लेबाजी ऑर्डर को धराशायी कर देते हैं, बल्कि जरूरत पड़ने पर रन भी बनाते हैं।

1. रवींद्र जडेजा

स्ट्रेंथ: थ्री डायमेंशनल प्लेयर हैं, जो बैटिंग, बॉलिंग और फील्डिंग तीनों ही विभागों में अपना योगदान देते हैं। फॉर्मेट चाहे कोई भी हो, जडेजा जरूरत पड़ने पर टीम के संकट मोचक साबित होते हैं। वे बॉलिंग में दुनिया के किसी भी बल्लेबाज को आउट करने की काबिलियत रखते हैं। साथ ही बैट से अपने दम पर मैच का रुख पलट देने का दम रखते हैं। सबसे अहम कि बाएं हाथ की बल्लेबाजी बैटिंग ऑर्डर में वैरिएशन लाती है।

वेपंस: जडेजा बाएं हाथ के स्पिनर हैं। उनकी गेंदें टर्न भी होती हैं और सीधी भी रहती हैं। वे कई बार काफी तेज गेंद भी फेंक देते हैं। उनका ये वेरिएशन ही उन्हें किसी भी परिस्थिति में विकेट दिलाता है।

2. रविचंद्रन अश्विन

स्ट्रेंथ: जरूरत पड़ने पर रन बनाते हैं। उनकी वेरिएशन ही उनकी सबसे बड़ी स्ट्रेंथ है। भारत को कई बार मुश्किल परिस्थितियों से उबार चुके हैं। साथ ही हर तरह की पिच में विकेट निकालने सकते हैं।

वेपंस: ऑफ स्पिन गेंदबाजी करते हैं। कैरम बॉल और टॉप स्पिन से बल्लेबाज चकमा खा जाते हैं। अश्विन कभी-कभी लेग स्पिन भी करा देते हैं। उनके पास वेरिएशंस की कोई कमी नहीं है।

3. अक्षर पटेल

स्ट्रेंथ: बैट और बॉल से कमाल करते हैं, दिल्ली टेस्ट में अर्धशतक जमाकर भारत को पहली पारी में बराबरी पर लाए। बड़े हिट मारने की काबिलियत रखते हैं।

वेपंस: सीधी गेंद डालते हैं, जो काफी असरदार साबित होती है।

घर से बाहर के वॉरियर्स की...

4. जसप्रीत बुमराह

स्ट्रेंथ: लाइन और लेंथ सटीक है। लगातार 140+ की बॉल डाल सकते हैं। किसी भी पिच पर बल्लेबाजों की गिल्लियां उड़ाने की क्षमता रखते हैं।

वेपंस: यार्कर फेंकने में महारथ हासिल है। स्विंग अच्छा करते हैं।

5. मोहम्मद शमी

स्ट्रेंथ: लाइन लेंथ के साथ सीम पर बॉल रखते हैं। कहीं भी विकेट निकालने की काबिलियत है। बॉल को दोनों दिशा में स्विंग करने की क्षमता है।

वेपंस: रिवर्स स्विंग अच्छा कराते हैं।

6. मोहम्मद सिराज

स्ट्रेंथ: सिराज का एग्रेशन उन्हें दूसरे गेंदबाजों से अलग बनाता है। तेज गेंदबाजी करते हैं और बाउंसर फेंकने में माहिर हैं। अधिकांश विकेट विदेश में लिए हैं।

वेपंस: वॉबल सीम डिलेवरी करते हैं, जो हर बल्लेबाज को कन्फ्यूज करती है।

श्रीलंका विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप से बाहर

न्यूजीलैंड ने 102 रन से हराया; उनकी सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदें कायम

पार्ल, 20 फरवरी (एजेंसियां)। विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में न्यूजीलैंड विमेंस टीम ने श्रीलंका को एकतरफा मुकाबले में 102 रन से हराया। बोलैंड पार्क में हुए मुकाबले में न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 3 विकेट खो कर 162 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका 60 रन पर ही ऑलआउट हो गई।

इसके साथ ही श्रीलंका सेमीफाइनल की रेस से बहार हो गई। न्यूजीलैंड और श्रीलंका दोनों के 4 मैच के बाद 4 अंक हैं, लेकिन, न्यूजीलैंड का रन रेट बेहतर है। ग्रुप में इस समय साउथ अफ्रीका के भी अंक 4 हैं, लेकिन उनके पास 1 मैच बचा है। साउथ अफ्रीका का आखिरी मुकाबला बांग्लादेश के खिलाफ है। जीतने पर साउथ अफ्रीका ऑस्ट्रेलिया के साथ सेमीफाइनल में प्रवेश कर लेगी।

बेट्स और केर के बीच 110 रन की की साझेदारी

न्यूजीलैंड की ओपनर बेटस के साथ ओपनिंग करने उतरी बर्नडाइन बेजुइडेनहो 32 रन पर आउट हो गईं। इसके बाद सूजी बेट्स और एमिलीया केर के बीच दूसरे विकेट के लिए 110 रन की साझेदारी हुई। बेट्स ने 49 गेंद में 56 रन बनाए। वहीं एमेलिया कैर ने 48 गेंद में 66 रन स्कोर किए। दोनों खिलाड़ी इनिंग्स के आखिरी ओवर में आउट हो गईं। आखिरी ओवर में कप्तान सोफी डिवाइन ने 3 रन बनाए।

श्रीलंका की ओर से अचीनी कुलसूर्या और इनोका रनवीरा को 1-1 विकेट मिला। एक विकेट रनआउट से आया।

बिखरती गई श्रीलंका

श्रीलंका ने शुरुआत से ही विकेट खोना शुरू कर दिए। 22 रन पर पहला विकेट आया। हर्षिता समविक्रमा 8 रन बनाकर आउट हुईं। इसके बाद बल्लेबाजी करने आई गुरूरत्ने और नीलाक्षी दोनों 0 पर आउट हो गईं। कप्तान चमारी अथापथ्थु ने सबसे ज्यादा 19 रन बनाए। श्रीलंका 15.5 ओवर में 60 रन बनाकर ऑलआउट हो गई।

न्यूजीलैंड की ओर से एमिलीया केर और लेया ताहुहु को 2 विकेट मिले। वहीं, फ्रेन जोनस, हैना रोह, इडन कारसन और जेस केर को 1-1 विकेट मिला।

टेस्ट सीरीज के बीच ऑस्ट्रेलिया जाएंगे कमिंस

फैमिली मेंबर की तबीयत बिगड़ी, इंदौर टेस्ट से पहले होगी वापसी

खेल डेस्क, 20 फरवरी (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया टीम के कप्तान पैट कमिंस दिल्ली टेस्ट में मिली हार के बाद अपने घर सिडनी लौटे हैं। कमिंस की फैमिली में स्वास्थ्य संबंधी समस्या आई है, जिस वजह से टूर के बीच में उन्होंने घर जाने का फैसला लिया। हालांकि, वे 1मार्च को इंदौर में खेले जाने वाला तीसरा टेस्ट खेलेंगे। इस समय ऑस्ट्रेलिया भारत के खिलाफ 2-0 से पीछे है।

कमिंस दिल्ली टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया की प्लेइंग इलेवन में एकमात्र फास्ट बॉलर थे। हालांकि, उन्होंने चौथी पारी में गेंदबाजी नहीं की। भारत ने 115 रन के टारगेट को आसानी से चेज किया और मैच जीत लिया।

अगर कमिंस नहीं आए तो कौन करेगा कप्तानी

कमिंस इंदौर टेस्ट में खेलेंगे। हालांकि, अगर वे किसी कारण नहीं आ पाए तो टीम के उपकप्तान स्टीव स्मिथ लीड करेंगे। दो मौकों पर स्मिथ कमिंस

की गैरमौजूदगी में कप्तानी कर चुके है। कमिंस एडिलेड में 2021-22 एशेज का दूसरा टेस्ट कोरोना की वजह से नहीं खेल पाए थे। वे 2022 में वेस्टइंडीज के खिलाफ डे-नाईट टेस्ट में भी थाई की चोट के कारण नहीं खेल पाए थे। उस समय स्मिथ ने टीम की कमान संभाली थी।

कमिंस के अलावा ऑस्ट्रेलिया के पास कौन से फास्ट बॉलर

कमिंस के अलावा ऑस्ट्रेलिया के पास मिचेल स्टार्क और जोश हाजेलवुड हैं, जो अगले मैच में वापसी कर सकते हैं ,जबकि स्कॉट बोलैंड और लांस मॉरिस अभी भी दस्ते के साथ हैं। ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन भी अपनी चोट से उबर चुके है और सेलेक्शन के लिए मौजूद हैं।

अभी दो टेस्ट बाकी, फिर ट्रॉफी भारत के नाम कैसे

इस सीरीज में अभी दो टेस्ट मैच बाकी हैं और ऑस्ट्रेलिया इन दोनों को जीतकर 2-2 की बराबरी कर सकता है। ऐसे में आप पूछ सकते हैं कि दो मैच जीतने पर ही ट्रॉफी भारत के नाम कैसे हो गई। इसका जवाब यह है कि पिछली बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी भारत ने जीती थी।

दो टीमों के बीच टेस्ट सीरीज जब किसी ट्रॉफी के लिए होती है, तो सीरीज के ड्रॉ होने की स्थिति में भी ट्रॉफी उसी टीम को मिलती है, जिसने पिछली बार उस पर कब्जा जमाया हो। एशेज में भी ऐसा ही होता है।

हालांकि, टीम इंडिया जिस तरह का खेल दिखा रही है उससे इस बात के भी पूरे आसार हैं कि वह इस सीरीज में 4-0 से क्लीन स्वीप भी कर सकती है।

हार्दिक पंड्या पहली बार वनडे टीम की कप्तानी करेंगे

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहला मैच नहीं खेलेंगे रोहित; जडेजा की वापसी, बुमराह बाहर

खेल डेस्क, 20 फरवरी (एजेंसियां)। सीरीज का पहला वनडे मैच 17 मार्च को मुंबई, दूसरा मुकाबला 19 मार्च को विशाखापट्टनम और आखिरी मैच 22 मार्च को चेन्नई में खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जारी बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के आखिरी 2 टेस्ट और वनडे सीरीज के लिए टीम इंडिया की घोषणा कर दी गई है। टेस्ट टीम में कोई बदलाव नहीं हुआ। हार्दिक पंड्या पहली बार वनडे फॉर्मेट में भी भारत की कप्तानी करेंगे। रवींद्र जडेजा की वनडे टीम में वापसी हुई है, वहीं जसप्रीत बुमराह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे भी नहीं खेलेंगे।

रोहित शर्मा पारिवारिक कारणों से पहला वनडे नहीं खेलेंगे। वह दूसरे वनडे से टीम के साथ जुड़ेंगे और कप्तानी करेंगे। टेस्ट टीम में उप कप्तान के रूप में किसी भी खिलाड़ी का नाम नहीं दिया गया। ऐसे में संभव है कि केएल राहुल अब टीम के उप कप्तान नहीं हैं।

अब गिल को मिल सकता है मौका

रोहित शर्मा की कप्तानी वाली टेस्ट टीम में किसी भी प्लेयर को उप कप्तान नहीं रखा गया। शुरुआती 2 टेस्ट में केएल राहुल के नाम के आगे उप कप्तान लिखा था। ऐसे में केएल राहुल ही टीम के उप कप्तान हैं या नहीं, इस पर संदेह है। राहुल को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दोनों टेस्ट में मौके दिए गए, लेकिन वे 20, 17 और एक रन के स्कोर ही बना सके।

अगर टेस्ट टीम से राहुल की उप कप्तानी छीन ली गई है तो अब टीम इंडिया रोहित के साथ शुभमन गिल से तीसरे टेस्ट में ओपनिंग करा सकती है। टेस्ट टीम में इसके अलावा कोई बदलाव नहीं हुए। शुरुआती 2 टेस्ट नहीं खेलने वाले ईशान किशन, कुलदीप यादव, उमेश यादव और जयदेव उनादकट टीम में बरकरार हैं। तीसरा टेस्ट एक मार्च से इंदौर और चौथा टेस्ट 8 मार्च से अहमदाबाद में खेला जाएगा।

हार्दिक पंड्या को टी-20 कप्तानी का ही अनुभव

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 4 टेस्ट की सीरीज खत्म होने के बाद टीम इंडिया को कंगारुओं के खिलाफ 3 वनडे भी खेलने हैं। सीरीज के पहले मैच में हार्दिक पंड्या टीम की कप्तानी करेंगे। रोहित शर्मा फिलहाल पहला मैच नहीं खेलेंगे। सीरीज का पहला वनडे मैच 17 मार्च को मुंबई, दूसरा मुकाबला 19 मार्च को विशाखापट्टनम और आखिरी वनडे 22 मार्च को चेन्नई में खेला जाएगा।

हार्दिक ने अब तक वनडे में टीम की कप्तानी नहीं की है। उन्होंने अब तक टी-20 में ही टीम इंडिया की कमान संभाली है। अपनी कप्तानी के 11 में से 8 मैचों में उन्होंने टीम को जीत दिलाई। 2 में हार मिली और एक मुकाबला टाई रहा।

उनादकट को वनडे में मौका

अपनी कप्तानी में सौराष्ट्र को घरेलू क्रिकेट में विजय हजारे ट्रॉफी और रणजी ट्रॉफी जिताने वाले जयदेव उनादकट को 10 साल बाद वनडे टीम में शामिल किया गया है। उन्हें पिछले साल बांग्लादेश के खिलाफ डेब्यू के 12 साल बाद टेस्ट टीम में जगह मिली थी। उन्होंने एक टेस्ट खेला भी और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जारी टेस्ट टीम में भी जगह बनाई। 2013 में जिम्बाब्वे के खिलाफ वनडे डेब्यू के बाद उन्होंने भारत के लिए 7 मैच खेले, लेकिन 2013 के बाद से उन्हें मौके नहीं मिले।

जडेजा की वापसी, बुमराह बाहर

घुटने में इंजरी के बाद टेस्ट टीम में शानदार वापसी करने वाले ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा की वनडे टीम में भी वापसी हुई है। वहीं, तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को वनडे टीम से भी बाहर रखा गया है। वह भी इंजरी के चलते पिछले 5 महीनों से इंटरनेशनल क्रिकेट नहीं खेल सके हैं।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम...

रोहित शर्मा (कप्तान), हार्दिक पंड्या (उप कप्तान), केएल राहुल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, रवींद्र जडेजा, ईशान किशन (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, शुभमन गिल, सूर्यकुमार यादव, जयदेव उनादकट, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल, उमरान मलिक और शार्दूल ठाकुर।

टीम इंडिया का डब्ल्यूटीसी फाइनल लगभग पक्का

साउथ अफ्रीका अब भारत से आगे नहीं जा सकता, श्रीलंका के मौके भी न के बराबर

दुबई, 20 फरवरी (एजेंसियां)। भारत ने बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के दूसरे टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया को 6 विकेट से हरा दिया है। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम का वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल खेलना लगभग पक्का हो गया है। स्टोरी में आगे हम भारत के खिताबी मुकाबले में पहुंचने के तमाम समीकरण को समझेंगे।

अब साउथ अफ्रीका हमसे आगे नहीं जा सकता

डब्ल्यूटीसी पॉइंट्स टेबल में अभी ऑस्ट्रेलिया पहले, भारत दूसरे, श्रीलंका तीसरे और साउथ अफ्रीका चौथे नंबर पर है। साउथ अफ्रीका को अपने घर में वेस्टइंडीज से दो टेस्ट और खेलने हैं। अगर अफ्रीकी टीम ये दोनों मुकाबले जीत लेती है तो उसके 55.55% पॉइंट्स हो जाएंगे।

वहीं भारतीय टीम अगर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मौजूदा टेस्ट सीरीज के बाकी दो मुकाबले हार भी जाती है तो भी उसके 56.94% पॉइंट्स होंगे। अब साउथ अफ्रीका की टीम किसी भी हालत में भारत से आगे नहीं निकल सकती है।

श्रीलंका को न्यूजीलैंड से खेलना है दो टेस्ट

इस समय पॉइंट्स टेबल में तीसरे नंबर पर मौजूद श्रीलंका की टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ न्यूजीलैंड में दो टेस्ट मैच खेलने हैं। श्रीलंका की टीम अगर दोनों

WTC पॉइंट्स टेबल में टॉप-4 टीमें

रैंक	टीम	पॉइंट्स
1	ऑस्ट्रेलिया	66.66%
2	भारत	64.06%
3	श्रीलंका	53.33%
4	साउथ अफ्रीका	48.72%

टेस्ट नहीं जीत पाती है तो भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दो टेस्ट जीतकर ही फाइनल में पहुंच जाएगी। अगर श्रीलंका क्लीन स्वीप कर लेता है तो उसके 61.11% पॉइंट्स होंगे। इस स्थिति में भारत को ऑस्ट्रेलिया से मौजूदा सीरीज में एक टेस्ट और जीतना होगा।

हालांकि श्रीलंका के लिए न्यूजीलैंड में दोनों टेस्ट जीत पाना बहुत ही मुश्किल है। श्रीलंकाई टीम वहां एक भी टेस्ट हारी या एक भी मुकाबला ड्रॉ रहा तो भारत ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दो टेस्ट जीतकर ही फाइनल में अपनी जगह पक्का कर लेगा।

ऑस्ट्रेलिया का फाइनल खेलना भी लगभग पक्का

ऑस्ट्रेलिया का **डब्ल्यूटीसी** फाइनल खेलना लगभग तय है। अगर वह सीरीज के चारों मुकाबले हार जाती है तब भी उसका टॉप-2 में रहना तय है। हालांकि इसके लिए उसे दूसरी टीमों के नतीजों पर निर्भर रहना पड़ सकता है।

ओवल में होगा डब्ल्यूटीसी फाइनल मुकाबला

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल मुकाबला 7 से 11 जून तक लंदन स्थित ओवल क्रिकेट ग्राउंड पर होगा। आईसीसी ने बुधवार को तारीखों का ऐलान करते हुए बताया था कि मैच के लिए एक दिन रिजर्व भी रखा गया है। 12 जून रिजर्व-डे रहेगा। यह वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का दूसरा सीजन है। पहले सीजन में केन विलियमसन की कप्तानी में न्यूजीलैंड की टीम चैंपियन बनी थी। कीवी टीम ने साउथैम्पटन में खेले गए फाइनल में भारत को 8 विकेट से हराया था।

तीनों फॉर्मेट में नंबर-1 के करीब

भारतीय टीम अब क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट में नंबर-1 बनने के भी बेहद करीब आ गई है। इस समय टीम इंडिया वनडे और टी-20 में नंबर-1 है जबकि टेस्ट में दूसरे नंबर पर है। भारतीय टीम इस सीरीज को 2-0 या इससे बड़े अंतर से जीत लेती है तो वह टेस्ट में भी नंबर-1 बन जाएगी। यानी भारत को सीरीज के बाद टेस्ट में बेस्ट बनने के लिए या तो एक मैच जीतना होगा या दोनों मुकाबले ड्रॉ कराने होंगे।

14 मई को हो सकता है धोनी का फेयरवेल मैच

चेन्नई सुपर किंग्स के अधिकारी ने पुष्टि की, चेपक में खेल सकते हैं आखिरी मैच

खेल डेस्क, 20 फरवरी (एजेंसियां)। आईपीएल का 16वां सीजन 31 मार्च से शुरू होना है, जो 28 मई तक चलेगा। रिपोर्ट्स के अनुसार, मौजूदा सीजन महेंद्र सिंह धोनी का बतौर खिलाड़ी आखिरी सीजन हो सकता है। चेन्नई सुपर किंग्स के अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की है। उनके मुताबिक, अगर टीम प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई नहीं कर पाती तो 14 मई को चेपक स्टेडियम धोनी के फेयरवेल मैच की मेजबानी करेगा। इस दिन CSK का सामना KKR से होगा। हालांकि, यह सीऐके का आखिरी लीग मुकाबला नहीं होगा। टीम को अंतिम लीग मैच दिल्ली कैपिटल्स से दिल्ली में 20 मई को खेलना है, लेकिन रिपोर्ट्स के अनुसार, धोनी चेपक में फेयरवेल मैच खेलना चाहते हैं। उन्होंने 2021 में यह बात कही भी थी कि वे चाहते हैं कि चेन्नई में अपना आखिरी टी20 खेलें। सीएसके के अधिकारी के अनुसार, 'एक खिलाड़ी के तौर पर यह एमएस का आखिरी सीजन होगा। हम यही जानते हैं, लेकिन जाहिर है यह उनका फैसला है।'

धोनी की कप्तानी में CSK ने 4 IPL और 2 चैम्पियंस लीग जीती हैं। जीत प्रतिशत 59.60 है। वे आईपीएल में 100+ मैच जीतने वाले इकलौते कप्तान हैं। टीम ने 204 मैच में से 121 जीते हैं।

मेसी-एम्बाप्पे ने पीएसजी को हार से बचाया

खेल डेस्क, 20 फरवरी (एजेंसियां)। लियोनल मेसी और किलियन एम्बाप्पे के आखिरी कुछ मिनटों में किए गए बेहतरीन गोल की बदौलत पीएसजी ने जीत हासिल की। इस जीत के साथ पीएसजी की टीम लीग-1 में शीर्ष स्थान पर पहुंच गई है। फ्रांस की फुटबॉल लीग 'लीग-वन' में पेरिस सेंट जर्मेन ने रोमांचक मुकाबले में लॉस्क लिल को 4-3 से हरा दिया। लियोनल मेसी और किलियन एम्बाप्पे के आखिरी कुछ मिनटों में किए गए बेहतरीन गोल की बदौलत पीएसजी ने जीत हासिल की। इस जीत के साथ पीएसजी की टीम लीग-1 में शीर्ष स्थान पर पहुंच गई है।

मैंचेस्टर यूनाइटेड को खरीदने की रेस में कई करोड़पति

रैटक्लिफ ने क्लब को खरीदने के लिए लगाई 44 हजार करोड़ की बोली

मैंचेस्टर, 20 फरवरी (एजेंसियां)। फैंस चाहते हैं रैटक्लिफ हो नए मालिक, उनके पिता ने किंग चार्ल्स को कई बार दिए करोड़ों रुपए

इंग्लिश फुटबॉल क्लब मैनचेस्टर यूनाइटेड को खरीदने की रेस तेज हो रही है। यूनाइटेड द्वारा तय की गई समय सीमा तक कई करोड़पतियों और अमीर ग्रुप्स ने क्लब को खरीदने के लिए बोली जमा कर दी है। इस रेस में अभी सबसे आगे कतर के इस्लामिक बैंक के अध्यक्ष शेख जसीम बिन हमद अल थानी हैं। शेख जसीम ने क्लब को खरीदने के लिए करीब 44 हजार करोड़ रुपए की बोली लगाई है।

इसमें सबसे हैरान करने वाली बात ये है कि जसीम को किसी ने नहीं देखा। जो कर्मचारी जसीम के लिए काम करते हैं, उन्हें उनकी सही उम्र, वे कैसे दिखते हैं और क्या वे शादीशुदा हैं, इस बारे में

कुछ नहीं मालूम। दरअसल, जसीम कतर की रॉयल फैमिली का हिस्सा है, जिनकी कुल संपत्ति करीब 27 लाख 72 हजार करोड़ रुपए है। शेख जसीम के पिता शेख हमद बिन जसीम बिन जाबेर अल-थानी (एचबीजे) 2007 से 2013 तक कतर के प्रधानमंत्री रह चुके हैं।

माना जाता है कि उन्होंने इंग्लैंड के राजा को कई मुलाकात के दौरान 25-25 करोड़ रुपए दिए हैं। शेख जसीम एचबीजे की 15 संतानों में से एक हैं और उनका जन्म 1982 में हुआ था। माना जाता है कि शेख जसीम 10 साल की उम्र से ही यूनाइटेड के फैन हैं और वे क्लब के मैच देखने ओल्ड ट्रैफर्ड आते-जाते रहते हैं। ब्रिटेन के सबसे अमीर व्यक्ति जिम रैटक्लिफ ने भी यूनाइटेड को खरीदने के लिए बोली जमा की है। रैटक्लिफ की कुल संपत्ति 1 लाख 12 हजार करोड़ है।

नकली नोट चलाने वाले गिरोह का पर्दाफाश

27 लाख के नकली नोट के साथ महिला समेत दो अंदर

हैदराबाद, 20 (स्वतंत्र वार्ता)। सिटी कमिश्नर टास्कफोर्स, साउथ ज़ोन टीम ने चंद्रायनगुट्टा पुलिस के साथ मिलकर एक नकली नोट चलाने वाले एक गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की निशानदेही पर 27 लाख रुपये व अन्य सामग्री जब्त की गयी है। आई/सी डीसीपी टास्कफोर्स, हैदराबाद सिटी डॉ. शबरीश ने बताया कि आरोपियों में ऑटो चालक हसन बिन हमूद (31), निवासी फलकनुमा, हैदराबाद, कुमारी रामेश्वरी, निवासी कोसगी, नारायणपेट शामिल है। जबकि एक अन्य आरोपी कस्तूरी रमेश बाबू, निवासी कोसगी, जिला नारायणपेट फरार बताया जा रहा है। आरोपियों के कब्जे से 27 लाख भारतीय जाली नोट, लेनोवो लैप टॉप 1, ईपीएसॉन प्रिंटर 1, एचपी प्रिंटर 1 पिंग डीए लैमिनेटर 1, हरे रंग का पेपर रोल 1, स्प्रे पेंट की बोतल 1, केंट पेपर कटर 1 बरामद हुआ है। उन्होंने कहा कि आरोपी रमेश बाबू और रामेश्वरी का पिछला इतिहास रहा है। मुख्य आरोपी कस्तूरी रमेश बाबू कार मैकेनिक के रूप में काम करता है और कोसगी, नारायणपेट जिले का मूल निवासी है। लॉकडाउन के कारण उनकी आर्थिक स्थिति संकट में आ गई। बाद में उसने अवैध तरीकों से आसानी से पैसा कमाने की योजना बनाई। उसके लिए उसने नकली भारतीय मुद्रा की छपाई और प्रचलन की जानकारी प्राप्त की। इसके लिए उसने सारी सामग्री जुटाई और भारतीय नकली नोट छापकर बाजार में चलन के लिए रख दिया। इस बीच, उन्हें गोपालपुरम पुलिस स्टेशन (सितंबर, 2022) द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया और जेल चला गया। जेल में रहने के दौरान उसकी मुलाका हसन बिन हमूद से हुई। हसन बहादुरपुरा पुलिस स्टेशन के एक हत्या के मामले में जेल में बंद था और वे करीबी दोस्त बन गए। इसी बीच जहाँ दोनों ने अपने विचार साझा किए और नकली नोटों के प्रचलन को जारी रखने के लिए भविष्य की योजना बनाई। जेल से रिहा होने के बाद रमेश बाबू और उनका परिवार तंदूर में शिफ्ट हो गया। बाद में उसने अपनी बहन रामेश्वरी के साथ नकली नोटों को तैयार करने के लिए कच्चा माल खरीदा। इस बीच, रमेश बाबू ने रुपये के नकली नोटों को छापना शुरू कर दिया। 500 रुपए के नोट गुजरात राज्य में परिचालित किए गए। इसके अलावा, जनवरी, 2023 में रमेश बाबू को नकली भारतीय मुद्रा प्रचलन मामले में गुजरात पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया और न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। बाद में, रामेश्वरी ने हसन बिन हमूद से संपर्क किया और आगे के प्रसार के लिए एफआईसीएन सहित सभी सामग्रियों को चंद्रायनगुट्टा, हैदराबाद में स्थानांतरित कर दिया। विश्वसनीय सूचना के आधार पर, कमिश्नर टास्क फोर्स, साउथ ज़ोन टीम, हैदराबाद ने चंद्रायनगुट्टा पुलिस के साथ आरोपी व्यक्तियों को पकड़ा और 27 नकली भारतीय मुद्रा नोट जब्त किए। आरोपी और जब्त की गई संपत्ति को आगे की जांच के लिए एसएचओ चंद्रायनगुट्टा पीएस को सौंप दिया गया।

रखरखाव केंद्रों और कार्यस्थलों का फील्ड निरीक्षण करने का निर्देश

दमरे महाप्रबंधक ने गहन सुरक्षा अभियान को लेकर बैठक की

हैदराबाद, 20 (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने रेलवे बोर्ड के निर्देशानुसार 19 फरवरी से पूरे ज़ोन में ट्रेन संचालन की सुरक्षा और महीने भर चलने वाले गहन सुरक्षा अभियान पर एक विस्तृत समीक्षा बैठक की। बैठक में विभाग के प्रमुख प्रमुखों के साथ सभी छह मंडलों अर्थात विजयवाड़ा, गुंतकल, गुंटूर, सिकंदराबाद, हैदराबाद और नांदेड़ मंडलों के मंडल रेल प्रबंधकों (डीआरएम) ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से भाग लिया। श्री जैन ने क्षेत्र के सभी छह डिवीजनों में महीने भर चलने वाले गहन सुरक्षा अभियान पर प्राथमिक ध्यान केंद्रित किया ताकि ट्रेन संचालन में शामिल कर्मचारियों की सुरक्षा जागरूकता में सुधार के लिए फील्ड स्तर पर सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने अधिकारियों को सुरक्षा उपायों और दिशानिर्देशों के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न वर्गों, लॉबी, रखरखाव केंद्रों और कार्यस्थलों आदि का फील्ड निरीक्षण करने का निर्देश दिया।

उन्होंने अधिकारियों को यह भी सलाह दी कि वे कार्य पद्धतियों का निरीक्षण करें और व्यवस्थित रूप से विश्लेषण करें और उनके द्वारा सामना किए जा रहे किसी भी मुद्दे को समझने और हल करने के लिए फील्ड स्तर के कर्मचारियों के साथ बातचीत करें। श्री जैन ने किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए लोको पायलट और सहायक लोको पायलट सहित सभी संरक्षा श्रेणी के कर्मचारियों को गहन और निरंतर परामर्श सत्र आयोजित करने पर विशेष बल दिया। महाप्रबंधक ने इस बात पर जोर दिया कि न केवल चालक दल के सदस्यों बल्कि सभी सुरक्षा कर्मचारियों को उनकी सुरक्षा चेतना को अद्यतन करने के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रमों में नामांकित किया जाना चाहिए। बाद में, महाप्रबंधक ने जोन द्वारा शुरू की जा रही 'अमृत भारत स्टेशनों' परियोजना की स्थिति की समीक्षा की। मंडल रेल प्रबंधकों ने अपने-अपने मंडलों में आधुनिकीकरण के लिए पहचाने गए रेलवे स्टेशनों पर प्रस्तुति दी।

महाप्रबंधक ने इस संबंध में कार्य योजनाओं और कार्य की प्रगति की समीक्षा की और अधिकारियों को उचित योजना और कार्यों के निष्पादन को सुनिश्चित करने की सलाह दी ताकि परियोजनाओं को लक्षित तिथि तक पूरा किया जा सके।

दिल्ली पुलिस ने संध्या श्रीधर को हिरासत में लिया

हैदराबाद, 20 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दिल्ली पुलिस ने सोमवार को धोखाधड़ी के एक मामले में संध्या कन्वेंशन की एमडी संध्या श्रीधर को हिरासत में ले लिया। कथित तौर पर उसने दिल्ली में कुछ लोगों को व्यापार निवेश के बहाने कई करोड़ रुपये की ठगी की है। दिल्ली पुलिस की एक टीम ने श्रीधर को हिरासत में ले लिया और आगे की कार्रवाई के लिए उन्हें दिल्ली ले जा रही है। श्रीधर के खिलाफ हैदराबादऔर अन्य शहरों में अलग-अलग बहाने मशहूर हस्तियों और व्यापारियों को धोखा देने के कई मामले दर्ज हैं। पुलिस ने पूर्व में कई मामलों में उसे गिरफ्तार कर रिमांड पर लिया था।

चुनावों को देखते हुए शस्त्र जमा कराएं : सीवी आनंद

हैदराबाद, 20 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। नगर पुलिस आयुक्त सी.वी. आनंद ने आदेश दिया कि सार्वजनिक शांति के हित में चुनाव को देखते हुए सभी शस्त्र धारक अपने लाइसेंसी हथियारों को थानों जमा कराए। राष्ट्रीयकृत बैंकों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, सुरक्षा के परिसर में गार्ड ड्यूटी को छोड़कर हैदराबाद और सिकंदराबाद के जुड़वां शहरों में रहने वाले सभी शस्त्र लाइसेंस धारक को हथियार जमा करना होगा। हथियार संबंधित पुलिस थानों में जमा करना होगा। 13 मार्च को जुड़वां शहरों में आयोजित होने वाले शिक्षकों और स्थानीय प्राधिकरण निर्वाचन क्षेत्रों के संबंध में तेलंगाना विधान परिषद के आगामी द्विवार्षिक चुनावों को देखते हुए जमा करने की कार्रवाई की जा रही है।

मंत्री हरीश राव ने सड़क सुरक्षा उपायों पर बैठक की

हैदराबाद, 20 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री टी. हरीश राव ने सिद्दीपेट जिले में किए जाने वाले सड़क सुरक्षा उपायों पर एक बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में मुख्य सचिव शांति कुमारी, सचिव आरएंडबी श्रीनिवास राजू, सचिव स्वास्थ्य रिजवी, आयुक्त परिवहन बुद्ध प्रकाश ज्योति, पुलिस, आरएंडबी, परिवहन और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी शामिल हुए। सिद्दीपेट सीपी श्वेता ने सिद्दीपेट जिले में सड़क दुर्घटनाओं पर एक तुलनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत किया। मंत्री ने स्वास्थ्य अधिकारियों को तमिलनाडु मॉडल का अध्ययन करने का निर्देश दिया जिससे मृत्यु दर को कम करने में काफी मदद मिली है। उन्होंने कहा कि सिद्दीपेट-हैदराबाद रोड पर दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में साइनेज और स्पीड ब्रेकर लगाए जाने चाहिए। मंत्री ने अधिकारियों को सरकारी और निजी क्षेत्र के अस्पतालों को नामित ट्रॉमा केयर सेंटर के रूप में अधिसूचित करने और उन्हें पोर्टल पर अपलोड करने के लिए कहा है।

आर एंड बी अधिकारियों को सेवा सड़कों को विकसित करने और गजवेल बाहरी रिंग रोड पर द्वीपों की रोशनी लेने के लिए कहा गया था। अधिकारियों ने मंत्री को जिले में पहचाने गए विभिन्न ब्लैक स्पॉट और इन क्षेत्रों में दुर्घटनाओं को रोकने के लिए किए गए उपायों के बारे में जानकारी दी। राज्य स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति गठित की जा चुकी है तथा ऐसी ही समितियां जिला स्तर पर भी कार्य कर रही हैं जो दुर्घटनाओं को रोकने के लिए कार्ययोजना बनाने के लिए नियमित रूप से बैठक करती हैं।

पौधों की देखभाल सबकी जिम्मेदारी : हेमंत सहदेव राव

कुमरम भीम आसिफाबाद, 20 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कुमरम भीम आसिफाबाद जिला कलेक्टर बोरकाडे हेमंत सहदेव राव ने कहा कि तेलंगाना के हरिता हारम और शहरी विकास कार्यक्रमों के तहत नगर निगमों के तहत स्थापित शहरी प्रकृति वनों में लगाए गए पौधों की देखभाल सभी को करनी चाहिए। उन्होंने सोमवार को नगर निगम आयुक्त अंजैया के साथ जिले के कागज नगर नगर पालिका के अंतर्गत आदर्श नगर में शहरी प्रकृति वन, पृथककरण शेड और वैकुंठधाम का निरीक्षण किया। इस अवसर पर बोलते हुए जिला कलेक्टर ने प्रबंधकों को सलाह दी कि वे शहरी प्राकृतिक वनों में लगाए गए प्रत्येक पौधे की देखभाल करें और समय पर पानी उपलब्ध कराकर उनकी वृद्धि में सहयोग करें। उन्होंने कहा कि नगर निगम क्षेत्र में आवंटित सेग्रीगेशन शेड का कार्य शीघ्र पूरा किया जाए, हर घर से गीला और सूखा कचरा अलग-अलग एकत्र कर डंपिंग यार्ड में ले जाया जाए, उपयोगी कचरे को अलग कर सेग्रिगेशन शेड में ले जाया जाए और जैविक खाद बनाने के लिए उपयोग किया जाता है। उन्होंने कहा कि नगर निगम क्षेत्र में सौंपे गए वैकुण्ठधामों के कार्यों को शीघ्र पूर्ण कर उद्घाटन के लिए तैयार किया जाए तथा वैकुण्ठधामों में जल व बिजली की सुविधा उपलब्ध कराने व उपयोग करने के लिए लोगों में जागरूकता भी पैदा की जाए।इस कार्यक्रम में तहसीलदार प्रमोद, सफाई निरीक्षक, नगर निगम, राजस्व विभाग के कर्मचारी, संबंधित अधिकारी व अन्य शामिल हुए।

बंडी ने खेतों में बिजली की मोटरों पर सीएम केसीआर की आलोचना की

हैदराबाद, 20 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य भाजपा अध्यक्ष बंडी संजय कुमार ने आज आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने केंद्र से वादा किया था कि अगर वह राज्य को ऋण देते हैं तो वह सभी कृषि मोटरों को बिजली के मीटर ठीक कर देंगे मुख्यमंत्री ले जा रहे हैं वादा करके केंद्र सरकार के खिलाफ लोगों को गुमराह करने का अभियान चला रहे है। संजय ने यह भी आरोप लगाया कि राज्य सरकार इस मुद्दे पर केंद्र पर आरोप लगाकर राज्य में बयाराम स्टील फैक्ट्री की स्थापना पर झूठ बोल रही है। उन्होंने कहा कि वह सीएम केसीआर के साथ इस मुद्दे पर सार्वजनिक बहस करने के लिए तैयार हैं और उन्हें इस मुद्दे पर बहस करने के लिए आगे आने की चुनौती दी। उन्होंने सीएम से इस मुद्दे पर समय और तारीख तय करने को कहा है। वह अपने पार्टी कार्यकर्ताओं की एक सभा को संबोधित कर रहे थे, जिन्हें पुलिस ने 5 फरवरी को गिरफ्तार किया था और हुजूराबाद विधानसभा क्षेत्र के कमलापुर में जेल से रिहा कर दिया था। मीडियाकर्मियों से बात करते हुए संजय ने कहा कि पुलिस ने उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं के खिलाफ मामला दर्ज किया और उन्हें जेल भेज दिया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि टास्क फोर्स सीआई वेंकटेश्वरलू ने पार्टी कार्यकर्ताओं को बेरहमी से पीटा। उन्होंने पुलिस से पूछा कि उन्हें अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं को पीटने का अधिकार किसने दिया? उन्होंने पुलिस से कहा कि वे उन सभी पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करेंगे, जिन्होंने सत्ता में आने के बाद उन पर और उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं पर हमला किया।

धूल प्रदूषण रोकने के लिए पौधारोपण को बढावा देगा सिंगरेनी प्रबंधन

हैदराबाद, 20 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। परियोजना प्रभावित क्षेत्रों में पर्यावरण की रक्षा के लिए उपाय करने वाली सिंगरेनी कोलियरीज़ कंपनी अपनी खानों से धूल को अन्य स्थानों पर फैलने से रोकने के लिए एक अभिनव विचार लेकर आई है।

परियोजना स्थलों और अन्य प्रभावित क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण के अपने पारंपरिक अभ्यास को जारी रखने के अलावा, एससीसीएल ने अब आसपास के क्षेत्रों में धूल के प्रसार को रोकने के लिए कोयला प्रबंधन बिंदुओं (सीएचपी) के आसपास तीन पंक्तियों में पेड़ लगाने का फैसला किया है। अधिकारियों ने कहा कि चूंकि वृक्षारोपण अलग-अलग ऊंचाई पर किया जाएगा, इसलिए धूल के आसपास के क्षेत्रों में फैलने की कोई संभावना नहीं है।

सिंगरेनी प्रबंधन ने इसे ओपनकास्ट-I सीएचपी, रामागुंडम-III डिवीजन में लागू करने का निर्णय लिया है। भूमिगत और खुली खदानों में खोदे गए कोयले को सीएचपी में स्थानांतरित कर दिया जाता है, जहां से इसे ट्रकों और ट्रेन वैगनों में अन्य क्षेत्रों में ले जाया जाता है। कोयले की लोडिंग और शिफ्टिंग की प्रक्रिया में काफी धूल पैदा होती है और आसपास के इलाकों में फैल जाती है। हालांकि पानी का छिड़काव किया जाता है और क्षेत्र में हरित आवरण होता है, लेकिन यह पर्याप्त प्रभावी नहीं है। पर्यावरण को नुकसान के अलावा, आस-पास के क्षेत्रों के निवासियों ने भी सांस की समस्याओं का विकास किया है।

इसके लिए एससीसीएल प्रबंधन सीएचपी के चारों ओर तीन पंक्तियों में पेड़ लगाएगा और ओसीपी-1 में प्रायोगिक आधार पर इस विचार को लागू करेगा।

अधिकारियों ने कहा कि इस संबंध में काम पहले ही शुरू हो चुका है और अगर इसके अच्छे परिणाम मिलते हैं तो इसे सभी सीएचपी में लागू किया जाएगा।

सीएचपी से 400 मीटर तक तीन कतारों में 30 मीटर तक ऊंचे विभिन्न किस्मों के पेड़ लगाए जाएंगे। सरुगुडु (कैसुरिना), नरवेपा (आजादिरचता भारत), रावी (पवित्र चित्र), वेदुरू (बांस), जमील (यूकेलिप्टस), बुरुगु (बॉम्बेक्स सीइबा), थेल्लामद्दी (अर्जुन का पेड़) और मारी (बरगद) लगाए जाएंगे।

भूजल स्तर को बढ़ाने के लिए एससीसीएल के अधिकारी खाइयां भी खोद रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि केंद्रीय कोयला मंत्रालय ने ओसीपी-1 में 40 लाख टन कोयला खोदने की अनुमति दी है। हालांकि, एससीसीएल प्रबंधन ने 10 लाख टन अतिरिक्त खुदाई की। केंद्रीय वन और पर्यावरण मंत्रालय ने तब सिंगरेनी को कोयले की अतिरिक्त खुदाई से होने वाले पर्यावरणीय नुकसान को संतुलित करने के लिए ओसीपी-I और आसपास के गांवों में पेड़ लगाने का निर्देश दिया।

इसलिए, एससीसीएल प्रबंधन ने सीएचपी और आसपास के गांवों जैसे जुलापल्ली, मुल्कलापल्ली, पन्नुरु, रत्नापुर और नागेपल्ली में पेड़ लगाने का फैसला किया है। 3.60 करोड़ रुपये खर्च कर सोक पिट बनाने और चेक डैम बनाने के भी प्रस्ताव बनाए गए हैं।

नई वरंगल सेंट्रल जेल में 21 एकड़ में ताड़ के पौधे उगाएंगे कैदी

वारंगल, 20 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य कारागार विभाग के केएन बायो साइंसेज (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) में प्रवेश करने के साथ, वारंगलसेंट्रल जेल के 50 कैदी ताड़ के तेल के पौधे उगाकर कुछ पैसे कमाने जा रहे हैं। ममनूर में वारंगल केंद्रीय कारागार स्थल की इक्कीस एकड़ भूमि ऑयल पाम नर्सरी विकसित करने के लिए आवंटित की गई थी। चूंकि राज्य सरकार वारंगल शहर में केंद्रीय जेल के पुराने परिसर में एक अत्याधुनिक मल्टी स्पेशियलिटी अस्पताल का निर्माण कर रही है, इसलिए सरकार ने शहर के बाहरी इलाके में ममनूर में नई केंद्रीय जेल के निर्माण के लिए 101 एकड़ जमीन आवंटित की है। जबकि अधिकांश जेल कैदियों को राज्य की विभिन्न जेलों में स्थानांतरित कर दिया गया था, उनमें से कुछ, मुख्य रूप से विचाराधीन (यूटी) कैदी, पेट्रोल पंपों और जेल विभाग द्वारा अनुरक्षित अन्य सुविधाओं के साथ काम कर रहे हैं। इस बीच, जेल विभाग, जिसके पास एक नर्सरी बनाए रखने का अनुभव था, ने ऑयल पाम सैपलिंग सप्लाई कंपनी के साथ एक समझौता किया और कैदियों द्वारा पौधे उगाने का फैसला किया। इसके तहत प्रतिदिन 35 बंदियों को नर्सरी में काम करने की अनुमति दी जाएगी और 15 और कैदियों को इस नर्सरी में कुल तीन लाख पौधे लगाने की अनुमति देने के लिए उच्च अधिकारियों से भी अनुमति मांगी गई थी। वारंगल सेंट्रल जेल के अधीक्षक एम संपत ने कहा कि नर्सरी में काम करने वाले कैदियों को प्रतिदिन 150 रुपये का भुगतान किया जाएगा और यह राशि कैदी के व्यक्तिगत नकद (पीपीसी) के खातों में जमा की जाएगी। उन्होंने कहा कि मंगलवार को डीजी कारागार नर्सरी निर्माण कार्य का शुभारंभ करेंगे। जेल परिसर में पौधे लगाने के सभी इंतजाम कर लिए गए हैं। इस बीच, हनमकोंडाजिला बागवानी अधिकारी श्रीनिवास राव ने कहा कि केंद्रीय जेल क्षेत्र में प्रस्तावित नर्सरी के साथ जिले में ताड़ के पौधों की कोई कमी नहीं होगी।

दुल्हन के परिवार से उपहार नहीं मिलने पर दूल्हे ने शादी तोड़ दी

हैदराबाद, 20 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दुल्हन के परिवार द्वारा दिए गए वादे के अनुसार उपहार देने में विफल रहने पर दूल्हे द्वारा कथित रूप से एक शादी को तोड़ दिया गया। पुलिस के मुताबिक, महिला की शादी रविवार को मौला अली निवासी मोहम्मद जकारिया के साथ तय हुई थी। हालांकि, दूल्हा नहीं आया, जिसके बाद दुल्हन के परिवार मौला अली में दूल्हे के घर गए और दूल्हे के शादी में नहीं आने का कारण पूछा। दुल्हन के पिता ने पुलिस को बताया कि दूल्हे की मां रहीमुन्निसा और अन्य ने हमें बताया कि हमने मोटरसाइकिल नहीं दी और हमारे द्वारा उपहार में दिया गया फर्नीचर भी पुराना है। दूल्हे के परिवार को समझाने के प्रयास विफल होने के बाद शादी टूट गई और मेहमान वापस आ गए। परिवार के सदस्यों ने शिकायत की और चंद्रायनगुट्टा पुलिस स्टेशन में आईपीसी और डीपी अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

गन्नावरम में राजनीतिक तनाव, तेदेपा कार्यालय पर हमला!

विजयवाड़ा, 20 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। विधायक वल्लभानेनी वम्सी के समर्थकों द्वारा तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के कार्यालय पर हमला किए जाने के बाद सोमवार को गन्नावरम निर्वाचन क्षेत्र में तनाव फैल गया। यह घटना कथित तौर पर तब हुई जब वामसी ने टीडीपी प्रमुख चंद्रबाबू नायडू के बारे में आलोचनात्मक टिप्पणी की, जिसके कारण दोनों राजनीतिक समूहों के समर्थकों के बीच झड़प हुई। रिपोर्टों से पता चलता है कि वामसी के अनुयायियों ने टीडीपी कार्यालय में प्रवेश किया और तबाही मचाई, जिसके परिणामस्वरूप संपत्ति को नुकसान पहुंचा और पास में खड़ी एक कार में आग लगा दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करने में जुट गई। इस घटना से टीडीपी नेताओं में आक्रोश फैल गया है, जिन्होंने वामसी की टिप्पणी के लिए उनके खिलाफ अपना गुस्सा व्यक्त किया है। बागी विधायक कुछ समय से पार्टी के भीतर तनाव पैदा रहे हैं, और इस घटना से टीडीपी के साथ उनके संबंधों में और तनाव आने की संभावना है।

नगरद्वय में 22 फरवरी तक 33 एमएमटीएस ट्रेनें रद्द

हैदराबाद, 20 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) ने 20, 21 और 22 फरवरी को रद्द की गई 33 मल्टी-मोडल ट्रांसपोर्ट सिस्टम (एमएमटीएस) ट्रेनों को रद्द कर दिया है। लिंगमपल्ली-हैदराबाद के बीच दैनिक छह सेवाएं (ट्रेन संख्या 47129, 47133, 47135, 47137, 47138, 47140) और हैदराबाद-लिंगमपल्ली के बीच सात सेवाएं (47105, 47110, 47111, 47114, 47116, 47119, 47120) रद्द कर दी गई हैं। फलकनुमा-लिंगमपल्ली के बीच सात सेवाएं (47165, 47160, 47156, 47158, 47214, 47216, 47203) और लिंगमपल्ली-फलकनुमा के बीच आठ सेवाएं (47189, 47181, 47186, 47212, 47183, 47185, 472190) रद्द कर दी गई हैं। सिकंदराबाद-लिंगमपल्ली (47150) लिंगमपल्ली-सिकंदराबाद (47195) और रामचंद्रपुरम-फलकनुमा (47177), फलकनुमा-रामचंद्रपुरम (47218) और फलकनुमा-हैदराबाद (47201) को भी रद्द कर दिया गया है।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

ऑटोरिक्शा पलटने से 20 खेतिहर मजदूर घायल

राजन्ना-सिरसिला, 20 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। इलांदाकुंटा मंडल के वल्लमपाटला के पास सोमवार की सुबह एक चार पहिया ऑटो के पलट जाने से 20 खेतिहर मजदूर घायल हो गये। स्थानीय लोगों के अनुसार, वल्लमपाटला से कृषि मजदूर ज्यादातर महिलाएं खेतों में काम करने के लिए नक्कापल्ली जा रही थीं। जब वाहन मौके पर पहुंचा तो चालक ने स्टेयरिंग से नियंत्रण खो दिया और सड़क किनारे पेड़ से जा टकराया। पेड़ से टकराने के बाद वाहन पलट गया। स्थानीय लोगों ने मौके पर पहुंचकर मजदूरों को बचाया। घायल लोगों को सिरसिल्ला अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.